सिविल सर्विसेज मिनर्वा
सामान्य अध्ययन

वर्ष 7, अंक 5, मई 2012 मूल्य : 50 रुपये

CONTENTS

राष्ट्रीय समसामयिकी 5
जिम योंग किम विश्व बैंक के नए अध्यक्ष 5
विश्व बैंक की विकासशील देशों को चेतावनी 5
यूरोजोन संकट का भारत पर असर 6
भारतीय बाजार 7
मंदी का डर 7
आम आदमी पर असर 7
चीन और भारत से उम्मीदें 7
अफगानिस्तान पर तालिबान और उसके समर्थकों का हमला 7
अफगानिस्तान पर अब तक हुए आतंकवादी हमले 8
अफगानिस्तान की चिंताएं 8
चीन ने अपनी मुद्रा पर ढीली की लगाम 8
अमरीका ने युआन को लेकर चेतावनी दी 9
आईएमएफ की चेतावनी 9
अमरीका का आरोप 9
चीन में वित्तीय क्षेत्र में बड़े सुधर की तैयारी 9
प्रतिभूति नियामक आयोग 9
बैंकिंग क्षेत्रा में सुधर 9
चीन के सरकारी बैंकों का पूंजी बाजार में एकाधिकार है. 9
पूंजी की कमी 9
जेम्स कैमरन 9
विशेष पनडुब्बी से 10
दिलीप कुमार का पैतृक घर अब धरोहर ;हेरिटेजद्ध 10
'अरबी बसंत' अथवा अरब क्रांति 10
अरब जगत में नए युग की शुरूआत 10
इस्लामी दलों में प्रतिस्पर्ध 10
लीबिया में कट्टरपंथ 11
परमाणु कार्यक्रम पर फुकुशिमा घटना का असर 11
जापान में दो रिएक्टर चालू 11
अमरीका में स्थिति 11
डायनासोर के हड्डियों के जीवाश्म वाले एक नये स्थान की खोज 11
पार्किंसन्स बीमारी पर दुनिया का सबसे बड़ा शोध 12
2020 का ओलंपिक 12
ग्रीस में वोलोस शहर में यूरो मुद्रा की जगह एक वैकल्पिक मुद्रा 12
सूनामी क्या है? 12
सूनामी और इससे जुड़े अन्य तथ्य 12
कैसे उठती हैं सूनामी लहरें? 12
भारत में एंफीबियंस की नई प्रजाति की खोज 13
2012 ग्रीष्मकालीन ओलम्पिक, लंदन 13
प्रथम ग्रीष्मकालीन ओलम्पिक 13
अन्तर्राष्ट्रीय ओलम्पिक समिति 13
अन्ना हजारे 13
सामाजिक कार्य 14
महाराष्ट्र भ्रष्टाचार विरोधि आंदोलन 14
सूचना का अधिकार आंदोलन 14
महाराष्ट्र भ्रष्टाचार विरोधि आंदोलन 14
लोकपाल विधेयक आंदोलन 14
व्हिसल ब्लोअर्स बिल 2011 15
रवींद्रनाथ ठाकुर द्वारा रचित भारतीय राष्ट्रगान के 100 वर्ष पूरे 15
द भारतीय राष्ट्रगान जन गण मन अधिनायक जय हे, के 100 वर्ष 27 दिसंबर 2011 को पूरे हो गए। 15
लोकपाल और लोकायुक्त विधेयक 2011 15
खाद्य सुरक्षा विधेयक 15
नई जैविक खेती नीति 15
उच्च शिक्षा संस्थान विधेयक, 2011 15
भारत मानव विकास रिपोर्ट 2011 16
उत्तर प्रदेश में तीन नए जिले 16
अंतरराष्ट्रीय समसामयिकी 16
कोफी अन्नान का छह सूत्रीय शांति प्रस्ताव 16
मेमोगेट कांड 17
टाइम पर्सन ऑफ द ईयर 2011 17
एशियाई निर्वाचन प्राधिकरण संघ 17
ब्रिक देशों का शिखर सम्मेलन 2012 17
भारत ने संयुक्त राष्ट्र की संयुक्त निरीक्षण इकाई का चुनाव जीता 17
अमेरिकी सेना का इराक मिशन समाप्त 18
यूनेस्को के मुख्यालय में प्रथम बार फलस्तीन का राष्ट्रीय ध्वज फहराया गया 18
श्रीलंका के खिलाफ संयुक्त राष्ट्र मानवाधिकार आयोग का प्रस्ताव 18
रूस के तोम्सक शहर की न्यायालय द्वारा भगवद् गीता पर प्रतिबंध लगाने वाली

Editorial and Corporate Office
West Vinod Nagar, New Delhi - 110092
RNI
UPHINDI/2005/~~26617~~
Publisher, Editor and Owner
Dheer Singh Rajput
Allahabad; Year 7, Issue 5, May 2012
Place of Publication & Registerd Office
331/240 A, Stainly Road, Nayapura, Allahabad (UP)
Printing Press & Address
Academy Press Daraganj, Allahabad (UP)
Website : www.developindiagroup.com
E-mails : civilservicesminerva@gmail.com

संपादकीय और कॉरपोरेट ऑफिस
वेस्ट विनोद नगर, दिल्ली – 110092
आरएनआई
UPHINDI/2005/~~26617~~
प्रकाशक, संपादक, और स्वामी
धीर सिंह राजपूत
इलाहाबाद, वर्ष 7, अंक 5, मई 2012
प्रकाशन का स्थान और रजिस्टर्ड ऑफिस
331/240 ए, स्टैनली रोड, नयापुरा, इलाहाबाद (उ.प्र.)
प्रिंटिग प्रेस का पता
एकेडमी प्रेस, दारागंज, इलाहाबाद (उ.प्र.)
वेबसाइट : www.developindiagroup.com
ई–मेल : civilservicesminerva@gmail.com

याचिका खारिज 18
भारत और विश्व 18
प्रधानमंत्री की इंडोनेशिया और सिंगापुर यात्रा 18
भारत और पाकिस्तान के बीच परमाणु हथियारों से दुर्घटना के खतरे को कम करने के लिए करार 18
सूडान और दक्षिणी सूडान बीच विवादित सीमा पर एक दूसरे पर हमला न करने के लिए एक संधि हस्ताक्षरित 19
भारत–नेपाल जल संसाधन आयोग की प्रथम बैठक 19
प्रधानमंत्री डॉ. मनमोहन सिंह मालदीव यात्रा 19
नेपाल के प्रधानमंत्री की भारत यात्रा 19
भारत और वियतनाम के बीच प्रत्यर्पण संधि सहित छः समझौतों पर हस्ताक्षर 20
आर्थिक/वाणिज्यिक 20
वार्षिक मौद्रिक नीति 2012–13 20
नीति प्रयास के पीछे की धरणा 20
मौद्रिक नीति रूझान 20
अपेक्षित परिणाम 21
वैश्विक और देशी गतिविध्यिां 21
वैश्विक अर्थव्यवस्था 21
भारतीय अर्थव्यवस्था 21
मुद्रास्पफीति 21
मौद्रिक और चलनिधि की स्थितियां 21
जोखिम घटक 21
विकासात्मक और विनियामक नीतियां 22
केंद्रीय बजट 2012–13 22
केंद्रीय बजट 2012–13 : एक नजर 22
रेल बजट 2012–13 24
रेल बजट 2012–13 : एक नजर 24
आर्थिक समीक्षा 2011–12 25
भारत में प्रथम बार राष्ट्रीय स्तर पर उपभोक्ता मूल्य सूचकांक जारी 25
भारत की पंचवर्षीय योजनाएं 26
ग्रीस का वित्तीय संकट 27
भारत का सबसे बड़ा जिंस एक्सचेंज ;एमसीएक्सद्ध 27
मौद्रिक दरें 27
विज्ञान और प्रौद्योगिकी 27
सर्न 27
कार्य एवं उद्देश्य 27
कृष्ण विवर या ब्लैक होल 27
श्याम विवर की उत्पत्ति 28
श्याम विवर का अस्तित्व 28
श्याम विवर दिखाई किस प्रकार देता है ? 28
बिग बैंग 28
अंतर्राष्ट्रीय तापनाभिकीय प्रायोगिक संयंत्रा 28
आईएईए–आईटीईआर के बीच समझौता 28
प्लाज्मा अनुसंधन संस्थान 28
0806–661बी 29
सनस्पॉट 1302 29
32000 हजार वर्ष पुराने सुप्त अवस्था के उत्तक से पौधें उगाने में सपफलता 29
जे1823–3021ए 29
वीएपफटीएस 102 30
केप्लर–22 बी 30
सूर्य से छह अरब गुना बड़े ब्लैक होल की खोज 30
रोवर क्यूरिओसिटी 30
एचडी–85512बी 30
आवर्त सारणी में तीन नए तत्त्व जोड़े गए 30
अर्थ सिमिलैरिटी इंडेक्स और प्लैनेटरी हैबिटैबिलिटी इंडेक्स 31
शेंझाउ–8 का सफल प्रक्षेपण 31
प्रथम मौसम उपग्रह मेघा ट्रापिक्स का सफल प्रक्षेपण 31
वैज्ञानिकों द्वारा हृदय में वयस्क स्टेम सेल के नए समूहों की खोज 31
ओंकोटाइप डीएक्स टेस्ट 31
जीन जीएटीए 2 32
विश्व का प्रथम डिजिटल ब्रेन मैप 32
रक्षा/प्रतिरक्षा 32
रक्षा मंत्रालय द्वारा 6 कंपनियों पर प्रतिबंधि 32
अवॉक्स प्रणाली का प्रथम परीक्षण 32
इंटरसेप्टर मिसाइल एएडी–05 का सपफल परीक्षण 32
ब्रह्मोस क्रूज मिसाइल का सफल परीक्षण 32
अग्नि–1 मिसाइल का परीक्षण 32
पृथ्वी–2 बैलिस्टिक मिसाइल का सफल परीक्षण 32
शौर्य मिसाइल का सफल परीक्षण 33
संगठन/संस्थान 33
विश्व मौसम विज्ञान संगठन 33
आई.पी.सी.सी. 33
पुरस्कार/सम्मान 33
नोबेल पुरस्कार 2011 33
मैन बुकर पुरस्कार 2011 34
पद्म सम्मान 2012 34
45वां एवं 46वां ज्ञानपीठ पुरस्कार 34
84वें ऑस्कर पुरस्कार 34
59वें राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कार 34
साहित्य अकादमी पुरस्कार 2011 34
पेटा पर्सन ऑफ द ईयर 2011 35
यूनेस्को–मदनजीत सिंह पुरस्कार 2011 35
20वां सरस्वती सम्मान 35
दुबई अंतरराष्ट्रीय पिफल्म समारोह 2011 35
पफार्चयून बिजनेस पर्सन ऑपफ द ईयर 2011 35
विश्व चैंपियंस पुरस्कार 2011 35
सर्वश्रेष्ठ हॉकी खिलाड़ी 2011 35
समप विस्तता पुरस्कार 2011 35
2011 का सर्वश्रेष्ठ पफुटबॉल खिलाड़ी 35
व्यास सम्मान 2011 35
यूएस नेशनल ह्यूमेनिटिज मैडल 35
संगीत नाटक अकादमी रत्न 35
उस्ताद बिस्मिल्लाह खां पुरस्कार 36
टैगोर अकादमी रत्न 36
टेनिस प्लेयर ऑपफ द ईयर ॲवार्ड 2011 36
इन्दिरा गांधी राष्ट्रीय एकता पुरस्कार 36
मिस वर्ल्ड 2011 36
जमनालाल बजाज पुरस्कार 2011 36
एथलीट ऑफ द ईयर 2011 36
ओएनजीसी को महारत्न और नवरत्न श्रेणी में सर्वश्रेष्ठ वित्तीय उपलब्धि पुरस्कार 2011 36
शांति स्वरूप भटनागर पुरस्कार 2011 36
ज्ञानपीठ पुरस्कार 37
दिवस/सप्ताह/वर्ष 37
राष्ट्रीय गणित दिवस 37
बागवानी वर्ष घोषित 2012–13 37
राष्ट्रीय ऊर्जा संरक्षण दिवस 37
अंतरराष्ट्रीय भ्रष्टाचार रोधी दिवस 37
युवाओं का अंतरराष्ट्रीय स्वयंसेवा दिवस 37
2012 युवा शक्ति वर्ष 37
वर्ष 2012 राष्ट्रीय गणित वर्ष 37
वर्ष 2012 भारत–चीन मित्राता वर्ष 37
विश्व रेडियो दिवस 37
केंद्रीय उत्पाद शुल्क दिवस 37
अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस 37
राष्ट्रीय सशस्त्रा सेना झंडा दिवस प्रतिवर्ष 37
अंतरराष्ट्रीय सहिष्णुता दिवस 37
विश्व मधुमेह दिवस 38
शिक्षा दिवस 38
विश्व पर्यटन दिवस 38
विश्व हृदय दिवस 38
पुस्तकें 38
सम्मेलन/समारोह 38
चौथा ब्रिक्स शिखर सम्मेलन 2012 38
विश्व आर्थिक मंच 2012 सम्मेलन 38
12वीं भारत–यूरोपीय संघ शिखर वार्ता 38
जी–20 के वित्तमंत्रियों और केंद्रीय बैंकों के गवर्नरों की तीन दिवसीय बैठक 38
चौथी भारत–आसियान वार्ता 38
यूएनएफसीसी का 17वां सम्मलेन 38

राष्ट्रमंडल देशों के प्रमुखों का द्विवार्षिक सम्मेलन 39
दूसरा भारत–अफ्रीका मंच शिखर सम्मेलन 39
पांचवां इब्सा शिखर सम्मेलन 39
चौथा राष्ट्रीय खगोल विज्ञान सम्मेलन 39
शेयर और वायदा बाजार नियामक परिषदों के अंतरराष्ट्रीय संगठन का 36वां वार्षिक सम्मेलन 39
चौथी भारत–आसियान वार्ता 39
छठा जी–20 शिखर सम्मेलन 39
भारत–अफ्रीका के विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी मंत्रियों का प्रथम सम्मेलन 39
42वां अखिल भारतीय पुलिस विज्ञान सम्मेलन 2012 40
भारत–नेपाल जल संसाधन आयोग की प्रथम बैठक 40
चौथा अंतरराष्ट्रीय नागरिक उड्डयन वार्ता सम्मेलन 40
ग्लोबल बिहार समिट 40
सार्क देशों के ऊर्जा मंत्रियों का चौथा सम्मलेन 40
अंतरराष्ट्रीय आयुर्वेद उत्सव 2012 40
44वां भारतीय श्रम सम्मेलन 40
भारत–थाईलैंड संयुक्त आयोग की 6वीं बैठक 40
प्रथम भारत–अमेरिका उच्च शिक्षा सम्मेलन 40
हरित अर्थव्यवस्था और समग्र विकास पर सम्मेलन 40
बॉन सम्मेलन 40
विधायी निकायों के पीठासीन अधिकारियों का 76वां सम्मेलन 40
प्रथम भारतीय वानिकी कांग्रेस 2011 40
31वां अंतरराष्ट्रीय व्यापार मेला 40
17वें अंतरराष्ट्रीय बाल पिफल्म महोत्सव 40

रिपोर्ट / सर्वेक्षण 40

यूनिसेफ की द स्टेट ऑफ द वर्ल्डस चिल्ड्रन 2012 रिपोर्ट 40
संयुक्त राष्ट्र मानव विकास रिपोर्ट 2011 40
ओईसीडी रिपोर्ट 41
विश्व बैंक की ग्लोबल माइग्रेशन एंड रेमिटेंस ब्रीफ रिपोर्ट 41
ट्रांसपेरेंसी इंटरनेशनल की भ्रष्ट देशों की सूची 41
फोर्ब्स की विश्व के धनी देशों की सूची 41
शक्तिशाली कारोबारी महिलाओं की फार्च्यून सूची 41

पदत्याग / पदमुक्त 42

एन्टोनियो बोर्गस 42
सिल्वियो बर्लुस्कोनी 42
जेम्स मर्डोक 42

युद्धाभ्यास 42

सुदर्शन शक्ति सैन्यभ्यास 42
यूई–4 42
ऑपरेशन / अभियान 42
ऑपरेशन एनाकांडा 42
समिति / आयोग 42
सैम पित्रोदा समिति 42
एएस आनन्द समिति 42
सुनील मित्रा समिति 43

चर्चित व्यक्ति 43

कीर्तन वल्लभनेनी 43
यींगलक शिनावात्रा 43
वेंकटरमन रामकृष्णन 43
चंद्र बहादुर दांगी 43
विजय कुमार सिंह 43
निर्वाचित / नियुक्त 43
व्लादीमिर पुतिन 43
मारियो मोंटी 43
ओट्टो पेरेज मोलीना 43
लुकास पापाडेमोस 43
भरत श्याम 43
कमलेश शर्मा 43
साइरस पैलोनजी मिस्त्री 43
मुंसिफ मारजुकी 43
रवि बत्रा 43
असलम शेर खान 44
डॉ. बी.सी. गुप्ता 44
मार्कन्डेय काटजू 44
राजू रामचंद्रम 44
नारायणस्वामी श्रीनिवासन 44

निधन / मृत्यु 44

उस्ताद सुल्तान खान 44
कर्नल मुअम्मर गद्दाफी 44
जगजीत सिंह 44
वंगारी मथाई 44
जॉय मुखर्जी 44
अखलाक मोहम्द खान 'शहरयार' 44
भूपेन हजारिका 44
डॉ. हरगोबिंद खुराना 44
मैरॉन फिल्हो 44
इंदिरा गोस्वामी 44
देव आनंद 44
स्टीव जॉब्स 44
अलख नंदन 44
ओ.पी. दत्ता 44
भारत भूषण 45
डॉ. पीके आयंगर 45
मारियो मिरांडा 45

घटना / दुर्घटना 45

क्रूज शिप कोस्टा कॉनकोर्डिया दुर्घटनाग्रस्त 45
एमवी नोर्डलेक और आईएनएस विंध्यगिरि में टक्कर 45

खेल / खिलाड़ी 45

हॉकी 45
शतरंज 45
एथलेटिक्स 45
बास्केटबाल 46
फॉर्मूला–1 46
मुक्केबाजी 46
गोल्फ 46
क्रिकेट 46
टेनिस 47
कुश्ती 47
फुटबॉल 47
संक्षिप्त सामयिकी 48

कॅरियर 52

रोजगार देने में आईटी सेक्टर सबसे आगे 52
फेसबुक ने दिया आईआईटी के स्टूडेंट को 70 लाख का पैकेज 52
बैंकों में नौकरियों की बहार 53
2012 में 12 फीसदी बढ़ेगी सैलरी! 53
बीपीओ / केपीओ 53

http://www.developindiagroup.co.in/

Read

Only in 500/- per year

Develop India

http://www.developindiagroup.co.in/

Develop India

Only in 500/- per year

Online Subscription

http://www.developindiagroup.co.in/

समसामयिक घटनाएं

राष्ट्रीय समसामयिकी

जिम योंग किम विश्व बैंक के नए अध्यक्ष

विश्व बैंक के निदेशक मंडल ने अमरीका के शिक्षाविद् जिम योंग किम को अपना नया अध्यक्ष चुन लिया है. अमरीकी नागरिक किम को इस बार एक गैर अमरीकी उम्मीदवार से चुनौती मिली थी लेकिन आखिरकार निदेशक मंडल ने जिम को ही अध्यक्ष चुना है.

किम विकासशील देशों में स्वास्थ्य के मुद्दों के विशेषज्ञ हैं और उन्हें नाइजीरिया के उम्मीदवार ने चुनौती दी थी. हालांकि विश्व बैंक की अध्यक्षता हमेशा से ही अमरीका को मिलती रही है.

हालांकि इस बार निदेशक मंडल ने नाइजीरिया के वित्त मंत्री न्गोजी ओकोंजो इवेला की उम्मीदवारी पर भी विचार किया था.

न्गोजी की उम्मीदवारी का समर्थन विश्व बैंक के कई विकासशील सदस्य देशों ने किया था. लेकिन विश्व बैंक की वोटिंग प्रणाली कुछ इस तरह है कि इसमें यूरोप और अमरीका को वोटों का अधिक अनुपात मिल जाता है और इसी कारण हमेशा से विश्व बैंक की अध्यक्षता अमरीका के पास रही है. इस एवज में अमरीका विश्व मुद्रा कोष की अध्यक्षता के लिए यूरोपीय देशों के उम्मीदवारों का समर्थन करता है. इस समय विश्व बैंक के वर्तमान अध्यक्ष अमरीका के रॉबर्ट जोलिक हैं जिनका पांच साल का कार्यकाल जून में खत्म हो रहा है.

विश्व बैंक एक अंतरराष्ट्रीय वित्तीय संस्था है जो कि ऋण प्रदान करती है. इसका मुख्यालय अमरीका की राजधनी वाशिंगटन डीसी में है.

विश्व बैंक और अंतर्राष्ट्रीय मुद्रा कोष की स्थापना एक साथ 1944 में ब्रेटन वुड्स सम्मेलन के दौरान हुई थी. उस समय इसका मकसद द्वितीय विश्व युद्ध और विश्ववयापी आर्थिक मंदी से जूझ रहे देशों में आई आर्थिक मंदी से निपटना था.

इसका मुख्य उद्देश्य सदस्य राष्ट्रों को पुनर्निमाण और विकास के कार्यों में आर्थिक सहायता देना है. विश्व बैंक देशो को वित्त और वित्तीय सलाह देता है.

विश्व बैंक की विकासशील देशों को चेतावनी

विश्व बैंक ने विकासशील देशों को चेतावनी दी है कि उन्हें अर्थिक झटकों के लिए तैयार रहना चाहिए क्योंकि वैश्विक आर्थिक विकास की गति धीमी होती जा रही है. विश्व बैंक ने हालांकि कहा है कि खाद्य सामग्रियों के गिरते दाम विकासशील देशों के लिए अच्छी खबर है.

विश्व बैंक ने अनुमान लगाया था कि 2012 और 2013 में वैश्विक आर्थिक दर 3.6 प्रतिशत होगी, लेकिन अब संगठन का कहना है कि 2012 में केवल ढाई प्रतिशत की ही आर्थिक दर हासिल हो पाएगी.

वैश्विक विकास पर अपने पिछले अनुमान को कम आंकते हुए अब विश्व बैंक ने कहा है कि 2012 में यूरोजोन की आर्थिक विकास दर में 0.3 प्रतिशत गिरावट आएगी.

विश्व बैंक के मुख्य अर्थशास्त्री जस्टिन यीफू लिन ने कहा, "विकासशील देशों को अपनी कमजोरियों का आकलन करना होगा और आने वाले आर्थिक झटकों के लिए तैयार रहना होगा. हालांकि अभी इसमें कुछ वक्त बाकी है. लेकिन आर्थिक मंदी की चपेट से कोई भी देश बच नहीं पाएगा."

यूरोजोन आर्थिक संकट के बारे में उन्होंने कहा कि इस संकट का अमीर और गरीब देशों पर समान रूप से नकारात्मक असर पड़ सकता है. उनका कहना था, "विकसित और विकासशील देशों की आर्थिक विकास दर में 2008–09 के मुकाबले ज्यादा गिरावट आ सकती है. सभी देशों के लिए आकस्मिक योजना बनाना बहुत महत्त्वपूर्ण है."

विश्व बैंक के मुताबिक 2012 में विकासशील देशों में 5.4 प्रतिशत की आर्थिक दर दर्ज की जाएगी, जबकि अमीर देशों में ये दर 1.4 प्रतिशत होगी.

विकासशील देशों को अपनी कमजोरियों का आकलन करना होगा और आने वाले आर्थिक झटकों के लिए तैयार रहना होगा. हालांकि अभी इसमें कुछ वक्त बाकी है. लेकिन आर्थिक मंदी की चपेट से कोई भी देश बच नहीं पाएगा. विकसित और विकासशील देशों की आर्थिक विकास दर में 2008–09 के मुकाबले ज्यादा गिरावट आ सकती है. सभी देशों के लिए आकस्मिक योजना बनाना बहुत महत्त्वपूर्ण है. वैश्विक आर्थिक संभावनाओं पर विश्व बैंक की रिपोर्ट कहती है कि वैश्विक व्यापार और सामग्रियों के दाम में अभी से ही गिरावट देखने को मिल रही है. संगठन का कहना है कि गिरते दाम वैसे तो विकासशील देशों के लिए अच्छी खब्बर है, लेकिन गरीब देशों में खाद्य सुरक्षा अभी भी चिंता का विषय है.

फरवरी 2011 के मुकघबले खाद्य सामग्री में 14 प्रतिशत की गिरावट दर्ज की गई है.

वैश्विक वृहत् अर्थशास्त्र के मैनेजर एंड्रयू बर्नस ने बीबीसी को बताया कि आर्थिक मंदी की अवधि अनुमान से कहीं ज्यादा हो सकती है. उन्होंने कहा, "इस बार विकासशील देशों की हालत विकसित देशों से बेहतर होगी, लेकिन फिर भी हम चिंतित हैं. विकासशील देश ऐसी स्थिति में होंगें जब अमीर देश उन्हें वैसी मदद नहीं दे पाएंगें, जैसी उन्होंने 2008–09 में दी थी.

विश्व बैंक ने चेतावनी दी है कि यूरोजोन में ऋण संकट और विकासशील देशों में विकास की धीमी होती गति का संकट, एक दूसरे से प्रभावित हो कर और भी ज्यादा खराब स्थिति पैदा कर सकते हैं.

विश्व बैंक ने कहा है कि वो दूसरे आर्थिक संगठन की संभावना से इंकार नहीं कर सकता.

साल 2008 की वैश्विक मंदी से खुद को बचा ले जाने में सक्षम दुनिया की तेजी से उभरती दो अर्थव्यवस्थाएं – भारत और चीन अब आर्थिक मुश्किलों के दौर में नजर आ रहे हैं.

आंकड़ों के मुताबिक साल 2012 की पहली तिमाही में दुनियां की दूसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था, चीन, के आर्थिक विकास दर में लगातार पांचवी बार गिरावट दर्ज की गई.

सकल घरेलू उत्पाद यानी जीडीपी में 8.1 फीसद की ये बढ़ोतरी पिछले तीन सालों में सबसे कम है.

इधर भारत में औद्योगिक विकास की दर पहले अनुमानित 6.7 के मुकाबले 4.1 प्रतिशत रही. जनवरी के लिए तो ये मात्र 1.1 फीसद थी. हालांकि उद्योग जगत का कहना है कि हकीकत में यही आंकड़े भारतीय अर्थव्यवस्था की सही स्थिति बयान करते हैं और जरूरत इस बात की है कि उन चर्चाओं को रोक दिया जाना चाहिए कि अर्थव्यवस्था में बेहतरी का दौर शुरू हो गया है.

भारतीय वित्त मंत्री प्रणव मुखर्जी ने कहा कि इन आंकड़ों का असर अगले सप्ताह जारी होनेवाली मौद्रिक नीति पर पड़ेगा.

उन्होंने कहा कि सरकार रिजर्व बैंक के साथ मिलकर अर्थव्यवस्था में तेजी लाने के लिए जरूरी कदम उठाएगी.

प्रणव मुखर्जी के इस बयान से समझा जा रहा है कि रिजर्व बैंक अप्रैल 17 की बैठक के बाद ऋण दर में कटौती कर सकता है.

चीन के राष्ट्रीय सांख्यिकी ब्यूरो के एक प्रवक्ता शुंग लेऊन ने कहा, ष्हमें चीन के आर्थिक विकास में बहुत सारी दिक्कतें नजर आ रही हैं. उदाहरण के तौर पर विकास में क्षेत्रीय असंतुलन, अस्थिरता वगैरह. इसलिए हमें विकास को लेकर पहले जो कदम उठाए हैं उसमें बदलाव करने होंगे. पहले हमने संसाधन के अधिक उपभोग और सस्ती मजदूरों पर बहुत जोर दिया था. उसमें तब्दीली करनी होगी.ष

विश्व बैंक ने कहा है कि अगामी माह में चीनी अर्थव्यवस्था की गति और धीमी होगी.

चीन ने स्वीकार किया है कि उसे अपनी नीति में बदलाव लाने की जरूरत है.

चीन के लिए बैंक के प्रमुख अर्थशास्त्री आरडो हैनसन ने कहा, ष्चीन की अर्थव्यवस्था में साल 2012 में क्रमशरू धीमापन जारी हेगा क्योंकि मांग में कमी आएगी, निवेश में हो रही कमी को और अधिक महसूस किया जाएगा और बाहर से माल की जो मांग है वो कम रहेगी.

चीन की अर्थव्यवस्था के धीमेपन की वजह अमरीका और यूरोप जैसे बाजारों से माल की मांग में आई कमी है. साथ ही आंतरिक मांग भी नहीं बढ़ पा रही.

विश्व बैंक ने साल 2012 में चीनी अर्थव्यस्था की विकास दर के पहले घोषित किए आंकड़े को घटाकर 8.2 प्रतिशत कर दिया है.

विश्व बैंक ने कहा है कि चीन के निर्यात क्षेत्रों की अर्थव्यवस्था में आया धीमापन और चीन की प्रॉपर्टी बाजार में गिरावट आने वाले दिनों में विकास के लिए खतरा बन सकते हैं.

देश के मुख्य बैंक ने हाल के दिनों में कर्ज मिलने को मंहगा बनाया है ताकि प्रॉपर्टी बाजार और मंहगाई को काबू में रखा जा सके.

लेकिन विश्लेषकों का कहना है कि हालांकि सरकार के निर्णयों का सकारात्मक प्रभाव हुआ है ये जरूरी है कि विकास दर बनाए रखने और मंहगाई को काबू रखने के लक्ष्य में संतुलन कायम किया जाए.

उद्योग और वाणिज्य समूह फेडेरेशन ऑफ इंडियन चौमबर्स ऑफ कामर्स एंड इंडस्ट्री के रिसर्च और इकोनामी सेल के प्रमुख सौम्यकांति घोष का कहना है कि सरकार की हाल में घोषित कई नीतियों ने उद्योग और व्यापार जगत के मनोबल पर भारी प्रभाव डाला है.

सौम्यकांति घोष कहते हैं, ष्अगर आप वार्षिक बजट पर ध्यान दे तो सरकार ने आबकारी कर में 30 प्रतिशत अधिक उगाही का लक्ष्य रखा है जो जाहिर है निर्माण क्षेत्र से ही आना है, लेकिन सरकार ने इसके लिए कोई ठोस प्रावध ान नहीं किए हैं. उद्योग जगत सरकार से ठोस नीतियों और रिजर्व बैंक से ब्याज दर में कटौती की घोषणा का बेसब्री से इंतजार कर रहा है.

उनका कहना है कि बजट में कर कानून में लाए गए उस प्रावधन जिसमें किसी केस को 16 सालों बाद भी खोला जा सकता है उद्योग और व्यवसाय जगत के मनोबल पर भारी प्रभाव डाला है. वो कहते हैं कि अर्थव्यवस्था में सुधर के लिए लाए जाने वाले जरूरी कानूनों में हाल के दिनों में जो रोक सी लग गई है उसे जल्द ही दूर किया जाए.

भारतीय उद्योग जगत हाल के दिनों में बार–बार कहा जाता रहा है कि जमीन अधि ाग्रहण में आ रही दिक्कतों, पर्यावरण नीतियों और सरकार के कई फैसलों – जैसे 2जी, के अदालत के समक्ष होने से निवेश धीमा पड़ रहा है. मंहगाई की बढ़ी दर के कारण भी ब्याज की दर ऊंची रही थी जिसने जानकारों के मुताबिक उद्योग जगत पर अपना प्रभाव डाला.

देश की सबसे बड़ी प्लेसमेंट एजेंसियों में से एक एबीसी कंसल्टेंट के मुख्य कार्यकारी अधिकारी शिव अग्रवाल कहते हैं, ष्पिछले चार से छह महीनों के दौरान कंपनियों में भर्ती की दर पिछले दो सालों के मुकाबले 20 से 25 प्रतिशत धीमी रही है.

अप्रैल में सामान्यतरू कंपनियों में वेतनमान में बढ़ोतरी का समय होता है लेकिन मुझे नहीं लगता ये उसके बहुत अधिक ऊपर जाने की संभावना है. कुछ कंपनियां तो किसी तरह के लाभ न देने की बात भी कह रहे हैं.ष

असर

विशेषज्ञों का मानना है कि दुनियां की इन दो अर्थव्यवस्थाओं में सुस्ती का दौर अगर जारी रहा तो ये विश्व के लिए बहुत अच्छे संकेत नहीं होंगे.

चीन और भारत ने साल 2008 की वैश्विक मंदी से न सिर्फ खुद को काफी हद तक साफ बचा लिया था बल्कि चीन तो हाल के सालों में अमरीका सरकार के बांड खरीदकर उसकी अर्थव्यवस्था को मदद पहुंचाता रहा है.

रही बात भारत की तो दो साल पहले भारत दौरे के बीच राष्ट्रपति बराक ओबामा ने कहा था कि भारत अमरीकी अर्थव्यवस्था की बेहतरी में भारी सहयोग कर सकता है.

यूरोजोन संकट का भारत पर असर

पिछले कुछ वर्षों से लगभग आठ प्रतिशत की दर से बढ़ रही भारतीय अर्थव्यवस्था की रफ्तार अब कुछ धीमी पड़ती नजर आ रही है.

हाल ही जारी हुए औद्योगिक उत्पादन और निर्यात दरें भी इस ओर इशारा करती हैं. इस साल औद्योगिक उत्पादन की वृद्धि दर सितंबर में घटकर 1.9 प्रतिशत पर पहुँच गई जबकि पिछले साल सितंबर में यह दर 6.1 प्रतिशत थी. ये पिछले दो साल में सबसे बड़ी गिरावट है. वहीं वाणिज्य और उद्योग मंत्रालय की ओर से जारी प्रारंभिक आंकड़ों के अनुसार अक्तूबर में निर्यात केवल 10.8 फीसदी की दर से बढ़कर 19.9 अरब डॉलर रहा.

इसी अवधि में कुल आयात 21.7 प्रतिशत की दर से बढ़कर 39.5 अरब डॉलर रहा. इससे व्यापार घाटा 19.6 अरब डॉलर हो गया, जो पिछले चार वर्ष के किसी भी महीने के मुकाबले सबसे ज्यादा है.

जुलाई महीने में जहां निर्यात 82 प्रतिशत की दर से बढ़ा था, वहीं अगस्त में 44.25 प्रतिशत, सितंबर में 36.36 प्रतिशत और अक्तूबर में 10.8 प्रतिशत की दर से बढ़ा. यानी जुलाई से गिरावट का रुख जारी है.

भारत पर यूरोजोन कर्ज संकट का असर पड़ना शुरू हो गया है. ये भारत के लिए बहुत दुखद स्थिति है क्योंकि भारत की अर्थव्यवस्था लगभग आठ प्रतिशत की दर से बढ़ने की कोशिश कर रही थी. लेकिन इस संकट के कारण ये दर 1.5 से दो प्रतिशत तक कम हो गई है.

यूरोपीय कर्ज संकट का हल ढूंढ रही अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष की अध्यक्ष क्रिस्टीन लैगार्ड ने भी कुछ दिन पहले चेतावनी दी थी कि अब एशिया भी बाकघी दुनिया की मुश्किलों से अछूता नहीं रह सकता.

लेकिन भारतीय उद्योग और वाणिज्य महासंघ (फिक्की) के महासचिव डॉ. राजीव कुमार इस बात को नहीं मानते कि भारतीय अर्थव्यवस्था में आई मंदी को सीधे तौर पर यूरोप में छाए कर्ज संकट से जोड़ा जा सकता है. राजीव कुमार का कहना था, ष्यूरोप में आर्थिक संकट चल रहा है और आने वाले समय में इसके और गहरा होने की संभावना है. उसका भारतीय अर्थव्यवस्था में छाई मंदी से सीध और प्रत्यक्ष संबंध नहीं दिखता है. हमारे निर्यात पर इस संकट का जरूर असर पड़ेगा क्योंकि यूरोप भारत के लिए एक बहुत बड़ा बाजार है. इसलिए असर तो पड़ेगा लेकिन ये कितना ज्यादा होगा और कब तक रहेगा, ये अभी से कहना थोड़ा मुश्किल है. फिलहाल आए आंकड़ों के आधर पर ये कहना कि यूरोप की वजह से हम भारत में परेशान हैं, ये बात गलत है.

वैसे भारतीय अर्थव्यवस्था घरेलू मांग पर ज्यादा निर्भर है और भारत निर्यात से ज्यादा आयात करता है. इन बातों के चलते एक मान्यता ये भी है कि भारतीय अर्थव्यवस्था यूरोजोन संकट से अपेक्षाकृत सुरक्षित रहेगी.

लेकिन प्रभाकर सिन्हा कहते हैं, ष्भारत भले ही निर्यात कम और आयात ज्यादा करता है लेकिन निर्यात पर असर तो पड़ रहा है. देखिए, निर्यात सीध–सीध बाहर के देशों की अर्थव्यवस्था के प्रदर्शन पर निर्भर करता है.

अगर दूसरे देशों की अर्थव्यवस्थाओं में मंदी आएगी तो हमारे निर्यात भी कम हो जाएंगे लेकिन आयात उतना ही रहेगा.ष

भारतीय बाजार

यूरोप में बढ़ती कीमतों का असर भारत में आम आदमी की जेब पर भी जल्द दिखेगा. उससे रोजगार भी कम होंगे.

घरेलू मांग के बारे में वे कहते हैं, "घरेलू मांग तो मजबूत रहेगी जिसके चलते भारतीय अर्थव्यवस्था छह से सात प्रतिशत की रफ्तार से बढ़ती रहेगी. लेकिन ये कहना कि हम बाकघि दुनिया में छाई मंदी से पूरी तरह से अछूते हैं या रहेंगे, ये ठीक नहीं है."

मंदी का डर

निर्यातकों को डर है कि यूरोक्षेत्र संकट का असर आने वाले दिनों में निर्यात पर और बुरा असर डाल सकता है. इंडियन सिल्क प्रमोशन काउंसिल के अध्यक्ष बिमल मावंडिया कहते हैं कि कम से कम अगले साल तक तो बाजार में मंदी छाई रहेगी.

बिमल मवंडिया कहते हैं, पिछले साल लगभग 60 करोड़ डॉलर का निर्यात हुआ था लेकिन हमारे पास जो जून–जुलाई तक के प्रारंभिक आंकड़े आए हैं, उन्हें देखकर इस वर्ष पिछले साल की तुलना में हमें निर्यात में 10–15 प्रतिशत की कमी की आशंका है.

वे आगे कहते हैं, ष्लोग डरे हुए हैं. हर आदमी बाजार को ध्यान से देख रहा है जिसके चलते खघ्रीद कम हो रही है. आम धरणा ये है कि कम से कम अगले साल तक तो निर्यात क्षेत्र में सुधर नहीं होगा और इसमें थोड़ी मंदी तो रहेगी.

आम आदमी पर असर

हालांकि फिलहाल यूरोप के संकट का असर सिर्फ निर्यात पर ही दिखाई पड़ रहा है लेकिन आने वाले दिनों में इससे आम आदमी भी प्रभावित होगा.

भारत पर यूरोजोन कर्ज संकट का कम से कम असर पड़े, इसके लिए कई कघ्दम उठाने की जरूरत है. जिन आर्थिक सुधरों को उठाकर ताक पर रख दिया गया है, उन्हें जल्दी–से–जल्दी कार्यान्वित करना चाहिए. हाल ही में घोषित राष्ट्रीय उत्पादन नीति को भी जल्द से जल्द कार्यान्वित करने की जरूरत है. जितना जल्दी हम आर्थिक सुधरों के जरिए निवेश परिस्थितियों को सुधरेंगे, उतनी जल्दी हम अपने आप को दुनिया में छाए इस संकट से बचा सकते हैं.

आम आदमी पर इसका असर पड़ना शुरू होगा. नौकरियां घटेंगी, महंगाई पर बहुत ज्यादा लगाम नहीं कसी जा सकेगी. भारत में आधी आबादी गरीबी रेखा के आस–पास जीती है. इसलिए अगर इस संकट का हमारे आर्थिक विकास पर थोड़ा बहुत भी असर पड़ा तो स्पष्ट है कि गरीबी की अवस्था से बाहर निकलने की दर और कम हो जाएगी और जो अभी की परिस्थिति है, जो बहुत अच्छी नहीं है, वो जारी रहेगी. दूसरे शब्दों में कहें कि गरीबी से लड़ने के लिए भारत के पास एक ही रास्ता है और वो ये कि हम अपने आर्थिक विकास को तेज करें. इस काम में यूरोप और अमरीका में छाई मंदी का असर पड़ रहा है.ष

फिक्की के राजीव कुमार भी इस बात को मानते हैं, हालांकि वे पूरी तरह से निराश नहीं है. वे कहते हैं, ष्हमारे निर्यात की दर पहले से कम हो ही गई है. अगर ये और कम हुए तो इस क्षेत्र से जुड़े रोजगारों में भी कमी आएगी जिससे अर्थव्यवस्था पर भी दबाव पड़ेगा. हाल ही में रिजर्व बैंक ने विकास की दर के अनुमान को 8.5 से घटाकर 7.5 प्रतिशत कर दिया है और अगर हालात ऐसे ही बने रहे तो शायद ये दर और भी घटा दी जाए. अगर ऐसा होता है तो उसके साथ रोजगार भी कम होगा इसलिए हमारे लिए संकट की स्थिति तो बन सकती है. हां, इतना जरूर है कि ऐसा संकट नहीं होगा जैसा कि यूरोप और अमरीका में है, लेकिन फिर भी उम्मीद से नीचे तो हमारी अर्थव्यवस्था आ ही सकती है.

चीन और भारत से उम्मीदें

यूरोपीय और अमरीकी नेता अपने आर्थिक संकट से उबरने के लिए फिलहाल चीन और भारत जैसी तेजी से बढ़ती अर्थव्यवस्थाओं की ओर देख रहे हैं. लेकिन क्या ये देश, खघसकर भारत, इन उम्मीदों को पूरा कर सकते हैं?

भारत से ये उम्मीद की जा रही है कि उसकी अर्थव्यवस्था तेजी से बढ़ती रहेगी, जिससे विश्व की अर्थव्यवस्था को तेजी मिलेगी और इसके चलते यूरोप में कर्ज संकट कुछ हद तक सुधर जाएगा. लेकिन फिलहाल जो हालात भारत में हैं और मंद होती हुई अर्थव्यवस्था को देखते हुए मुझे नहीं लगता कि हम उन उम्मीदों पर इतने खरे उतर पाएंगे.ष

तो भारत पर इस संकट के लिए कम से कम असर पड़े, इसके लिए क्या किया जा सकता है? डॉ. कुमार कहते हैं, ष्इसके लिए कई कदम उठाने की जरूरत है. पहले तो ये कि जिन आर्थिक सुधरों को उठाकर ताक पर रख दिया गया है, उन्हें जल्दी–से–जल्दी कार्यान्वित करना चाहिए. इसके अलावा इंफ्रास्ट्रक्चर और कार्य प्रणाली को आसान बनाने की भी जरूरत है. हाल ही में घोषित राष्ट्रीय उत्पादन नीति को भी जल्द से जल्द कार्यान्वित करने की जरूरत है. जितनी जल्दी हम आर्थिक सुधरों के जरिए निवेश परिस्थितियों को सुधरें, उतनी जल्दी ही हम अपने आप को दुनिया में छाए इस संकट से बचा सकते हैं.ष

अफगानिस्तान पर तालिबान और उसके समर्थकों का हमला

अफगानिस्तान की राजधनी काबुल पर 15 अप्रैल को सुनियोजत तौर पर धमाके किए गए. साथ ही बंदूकों से हमले किए जाने के भी समाचार हैं. ये हमले उस इलाके में हुए हैं जहां पर विदेशी दूतावास स्थित हैं. काबुल पर पहले भी हमले होते रहे हैं.

अफगानिस्तान की राजधनी काबुल और तीन अन्य प्रांतों में रविवार को पूर्वसंयोजित तरीके से हुए हमलों से संकेत मिलते हैं कि विद्रोही कितने तालमेल के साथ काम कर रहे हैं. तालिबान और उसके समर्थकों का तर्क होगा कि वो ऐसी कार्रवाई को अंजाम दे पाए – और वो भी काबुल में – दर्शाता है कि काबुल में सुरक्षा स्थिति कितनी बद्तर है.

इसी तरह अफगान सरकार और उसके नेटो सहयोगियों ने अफगान सुरक्षाकर्मियों की कारगुजारी की सराहना की है.

पर्यवेक्षकों का कहना है कि अपनी कार्रवाई में अफगान सुरक्षा बलों को नेटो हेलिकॉप्टरों और विशेष दस्तों से मदद लेनी पड़ी.

कुल मिलाकर देखा जाए तो ये स्पष्ट होता है कि ताकत के दम पर कुछ खास हासिल होने वाला नहीं है. इससे ये भी संदेश मिलता है कि यदि अफगानिस्तान का कोई भविष्य संभव है तो उसे राजनीतिक सहमति से ही सुनिश्चित करना होगा – लेकिन वो क्षितिज पर कहीं दूर ही नजर आती हैष

कई सैन्य पर्यवेक्षक कहेंगे कि रविवार के हमले का असली संदेश ये है कि नेटो की मदद अफगान सुरक्षा बलों को उपलब्ध रहनी चाहिए जब तक वे खुद को सक्षम नहीं महसूस करते हैं.

इस तरह कुल मिलाकर हर कोई सितंबर 2011 को अमरीकी दूतावास पर हुए हमले के बाद रविवार को काबुल में हुए सबसे खतरनाक हमले से वो निर्णय करेगा जो उसे फायदेमंद लगता है.

अपने आप से कुछ नहीं बदला है. विद्रोहियों ने कोई महत्वपूर्ण नई क्षमता नहीं दिखाई है.

कुछ लोगों का कहना है कि इस हमले में हक्कानी नेटवर्क की कार्रवाई की झलक मिलती है. हक्कानी नेटवर्क तालिबान की एक ऐसी शाखा है जिसके अधिकतर सदस्य पाकिस्तान में स्थित है.

यदि ये सच साबित होता है तो ये अमरीका–पाकिस्तान के रिश्तों में एक और कांटा होगा.

लेकिन कुल मिलाकर देखा जाए तो ये स्पष्ट होता है कि ताकत के दम पर कुछ खास हासिल होने वाला नहीं है.

इससे ये भी संदेश मिलता है कि यदि

अफगानिस्तान का कोई भविष्य संभव है तो उसे राजनीतिक सहमति से ही सुनिश्चित करना होगा – लेकिन वो क्षितिज पर कहीं दूर ही नजर आती है.

अपफगानिस्तान पर अब तक हुए आतंकवादी हमले

फरवरी 25 : आंतरिक मंत्रालय में दो अमरीकी रक्षा सलाहकारों को गोली मार दी गई. ये उस दौरान हुआ जब एक अमरीकी सैनिक अड्डे पर पवित्र कुरान को जलाए जाने को लेकर देश–भर में अमरीका विरोधी प्रदर्शन जारी थे.

वर्ष 2011

दिसंबर 6: अफगानिस्तान पर जर्मनी में हुई एक बैठक के ठीक दूसरे दिन एक धर्मिक स्थल पर हुए धमाके में कम से कम 54 लोगों की मौत हो गई.

अक्तुबर 19 : विदेशी फौज के काफिले पर कार बम हमला, कुल 17 लोगों की मौत जिसमें 13 नैटो सेना में काम करने वाले अमरीकी सैनिक थे.

सितंबर 20 : तालिबान के साथ शांति वार्ता की कोशिश में शामिल अफगानिस्तान के पूर्व राष्ट्रपति बुरहानुद्दीन रब्बानी की उनके निवास स्थान पर हुए आत्मघाती हमले में मौत.

सितंबर 13/14 : अमरीकी दूतावास और विदेशी सेना के मुख्यालय को निशाना बनाकर किए गए तालिबान के हमले में कम से कम 14 लोगों की मौत. घेराबंदी 19 घंटे जारी रही.

अगस्त 19 : ब्रिटिश काउंसिल के सांस्कृतिक केंद्र पर किए गए आत्मघाती हमले में नौ की मृत्यू. मारे जाने वालों में न्यूजीलैंड के दो सैनिक भी शामिल.

जून 28 : पांच सितार इंटरकॉटिनेंटल होटल पर आत्मघाती हमलों में 10 आम शहरियों समेत 21 की मौत.

जून 18 : एक पुलिस स्टेशन पर किए गए आत्मघाती हमले में नौ मृत.

मई 21 : देश के मुख्य सैनिक अस्पताल पर आत्मघाती हमला, छह छात्रों की मौत

जनवरी 28 : एक सुपर मार्किट पर आत्मघाती हमला जिसमें आठ लोग मारे गए.

वर्ष 2010

दिसंबर 19 : दो आत्मघाती हमलावरों ने अफगान फौज के एक बस पर हमला किया. पांच जवानों की मौत

मई 18 : शहर के भीड़ भरे इलाके पर नैटो काफिले पर एक आत्मघाती हमलावर के आक्रमण में पांच अमरीकी और कनाडा के एक सैनिक समेत कम से कम 18 लोगों की मौत.

फरवरी 26 : दो गेस्ट हाउस पर हुए आत्मघाती हमलों में कम से कम 16 की मौत. मारे जाने वालों में सात भारतीय, एक फ्रांसीसी और एक इतालवी नागरिक शामिल.

जनवरी 18 : जधन में सुनियोजित ढंग से हुए बम और गोलीबारी में सात की मौत, 71 घायल.

वर्ष 2009

दिसंबर 15 : एक होटल पर किए गए आत्मघाती हमले में आठ की मौत, 40 घायल. इस होटल में ज्यादातर विदेशी मेहमान रूकते हैं.

अक्तुबर 28 : एक होस्टल पर हमला. संयुक्त राष्ट्र के स्टाफ के पांच लोगों समेत आठ की मौत. तीन हमलावरों की भी मौत. तालिबान ने हमले का दावा किया.

फरवरी 11 : सरकारी कार्यालयों पर एक साथ किए गए तालिबान हमलों में कम से कम 26 की मौत, 55 घायल.

वर्ष 2008

जुलाई 7 : भारतीय दूतावास पर हुए कार हमले में 60 से अधिक की मौत.

जनवरी 14 : एक होटल पर तालिबान का आत्मघाती हमला, आठ की मौत.

तालिबान ने काबुल में जारी हमलों की जिम्मेदारी कबूल की है. साथ ही कहा है कि इसी तरह के हमले मुल्क के दूसरे शहरों में भी जारी हैं.

तालिबान प्रवक्ता जबीउल्लाह मुजाहिद की तरफ से भेजे गए ई–मेल संदेश में कहा गया है राजधनी काबुल समेत अफगानिस्तान के कई शहरों में आत्मघाती हमले किए गए हैं.

अफगानिस्तान की चिंताएं

साल 2014 में अमरीकी सेना के अफगानिस्तान छोड़ने के बाद अफगान सरकार और उसकी सेना के तालिबान से लड़ पाने की योग्यता पर चिंताएं जताई जा रही हैं.

'बॉन सम्मेलन' के बहिष्कार से हुए नुकसान की भरपाई अमरीका और उसके सहयोगियों के साथ और अधिक संपर्क से हो सकती है लेकिन अफगानिस्तान के मसले पर दरकिनार किए जाने के बाद इस्लामाबाद हमेशा इसे संदेह की नजर से देखेगा.

जब तक पाकिस्तानी सेना अफगान और अंतरराष्ट्रीय समुदाय के साथ सहयोग नहीं करती और अमरीका–पाकिस्तान संबंध नहीं सुधरते सामंजस्य बिठाने की दिशा में गतिरोध ा बना रहेगा क्योंकि इस क्षेत्र में बाकघी देशों की तुलना पाकिस्तान का प्रभाव कहीं अधिक है." लगता है कि सेना और सरकार के बीच दूरियां बढ़ रही हैं.

अमरीका–पाकिस्तान के बीच संबंधें में तल्खी के बीच, पाकिस्तान के भीतर सरकार और सेना के रिश्तों में तनाव ने इस सारे मसले पर एक और आयाम जोड़ दिया है.

अचानक प्रधनमंत्री युसूफ रजा गिलानी संसद के सर्वोपरि होने का ही बचाव नहीं कर रहे हैं लेकिन वो ये भी कह रहे हैं कि ओसामा बिन लादेन इतने लंबे समय तक कैसे ऐबटाबाद में छिपा रहा.

23 दिसंबर को पाकिस्तानी सेना के प्रमुख अशफाक कियानी ने बयान जारी कर कहा कि 'राष्ट्रीय सुरक्षा के मुद्दे पर सिर्फ मेरिट के आध ार पर ही गौर किया जाएगा.'

पाकिस्तानी सेना के जन संचार विभाग ने एक बयान जारी कियानी के हवाले से कहा, "उन्होंने अपनी बात समाप्त करते हुए कहा कि चाहे इसके अलावा कोई भी मुद्दा हो, लेकिन उसके लिए राष्ट्रीय सुरक्षा पर कोई समझौता नहीं हो सकता.

साल 2012 के आगमन पर पाकिस्तान पहले से ही अपनी क्षेत्रीय भूमिका पर हमले झेल रहा है. साथ ही लगता है कि उसे सेना और सिविल नेतृत्व के बीच संघर्ष से भी दो–चार होना पड़ सकता है.

बीते सालों की तरह, सारी निगाहें इस क्षेत्र पर जमी हुई हैं.

चीन ने अपनी मुद्रा पर ढीली की लगाम

चीन ने अपनी मुद्रा युआन पर नियंत्रण में कुछ ढील दी है जिससे उसके मूल्य में इजाफा हो सकता है. पीपल्स बैंक ऑफ चाइना की तरफ से जारी बयान के मुताबिक डॉलर के मुकाबले युआन की कीमत में 1 प्रतिशत का उतार चढ़ाव हो सकता है. अब तक यह सीमा 0.5 प्रतिशत थी.

युआन की कीमत में 1 प्रतिशत के उतार चढ़ाव की अनुमति देने वाला बयान अंग्रेजी में जारी किया गया, जिसका मतलब है कि खास तौर से यह बयान पश्चिमी देशों के लिए है.

अमरीकी वित्त मंत्रालय ने चीन के कदम का स्वागत किया है.

अमरीका जैसे देशों का मानना है कि चीन ने जानबूझ कर अपनी मुद्रा का मूल्य कम रखा हुआ है ताकि वह अपने निर्यात को बढ़ा सके, लेकिन इससे अंतरराष्ट्रीय व्यापार में असंतुलन पैदा होता है.

एक अधिकारी ने समाचार एजेंसी रॉयटर्स को बताया कि अगर इसे लागू किया जाता है तो यह चीन, अमरीका और विश्व अर्थव्यवस्था के लिए सकारात्मक होगा.

2005 तक डॉलर के मुकाबले चीनी युआन की कीमत स्थिर थी, लेकिन फिर उसमें बाजार के उतार चढ़ाव के मुताबिक कुछ बदलाव की ढील दी गई.

तब से डॉलर के मुकाबले युआन की कीमत में 31 प्रतिशत का इजाफा हुआ है. फिलहाल एक डॉलर 6.30 युआन के बराबर है.

चीन ने ओबामा सरकार से अनुरोध किया है कि वो सीनेट में पारित उस विधेयक का

विरोध करे, जिसमें चीन पर अपनी मुद्रा युआन का मूल्य बढ़ाने का दबाव बनाया जा रहा है.

चीनी विदेश मंत्रालय का कहना है कि इस विधेयक से दोनों देशों के रिश्तों पर असर पड़ सकता है और आर्थिक सुधर की साझा कोशिश को भी प्रभावित कर सकता है.

ये विधेयक अब प्रतिनिधि सभा में रखा जाएगा. इस विधेयक के तहत उन देशों पर शुल्क लगाया जा सकता है, जो अपनी मुद्रा का अवमूल्यन कर रहे हैं.

अमरीकी राजनेता लगातार ये कहते रहे हैं कि चीन जान–बूझकर अपनी मुद्रा की कीमत कम रखता है, ताकि उनका निर्यात सस्ता रहे.

अमरीका ने युआन को लेकर चेतावनी दी

अमरीका के वित्त मंत्री टिमोथी गेथनर चीन पर एक बार फिर इस बात के लिए दबाव डाला है कि चीन युआन की अन्य मुद्राओं से विनमय दर बढ़ाए.

अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) की बैठक में उन्होंने कहा कि जो देश निर्यात पर बहुत अधिक निर्भर करते हैं, उन्हें अपनी नीति बदलनी होगी अन्यथा दुनिया की अर्थव्यवस्था की विकास दर धीमी ही रहेगी.

टिमोथी गेथनर का कहना था कि बढ़ती हुई अर्थव्यवस्थाओं को ज़्यादा लचीली और बाजार केंद्रित मुद्रा नीति अपनानी चाहिए.

आईएमएफ की बैठक इसी मुद्दे पर चर्चा करने के लिए बुलाई गई है, बीबीसी संवाददाता का कहना है कि इस मुद्दे पर नीति निर्माताओं में सहमति नहीं हो पाई है.

आईएमएफ की चेतावनी

इसके पहले आईएमएफ के प्रमुख डोमिनिक स्ट्रास–कान ने चीन और पश्चिमी देशों के बीच मुद्रा युद्ध की चेतावनी दी थी.

जो देश निर्यात पर बहुत अधिक निर्भर करते हैं, उन्हें अपनी नीति बदलनी होगी अन्यथा दुनिया की अर्थव्यवस्था की विकास दर धीमी रहेगी.

आईएमएफ के प्रमुख ने कहा था कि ये गंभीर मामला है और आईएमएफ इस तरह के संघर्ष को टालने के लिए कुछ प्रस्ताव रखेगा.

अमरीका का आरोप

अमरीका का आरोप है कि युआन की विनमय दर इतनी कम है कि ये एक तरह से चीनी निर्यात को सब्सिडी देने जैसा है.

इसके पहले यूरोपीय देशों ने भी चीन से कहा था कि वो अपनी मुद्रा की विनिमय दर बढ़ाए. दरअसल यूरोपीय देश और अमरीका आरोप लगाते रहे हैं कि चीन जानबूझकर युआन की कधिमत दूसरे देशों की मुद्रा के मुकघबले कम रखता है.

इस वजह से अंतरराष्ट्रीय बाजार में चीनी माल की कीमत दूसरे देशों में बनी चीजों से सस्ती होती है. हालांकि चीन इन आरोपों से इनकार करता आया है.

उसका कहना है कि अमरीका और यूरापीय देश विश्व बाजार में उसके माल की बढ़ती माँग पर रोक लगाने की कोशिश में हैं.

हालांकि जून में चीन ने संकेत दिए थे कि वो अपनी मुद्रा की विनिमय दर में अधिक लचीलापन लाएगा, लेकिन ऐसा हुआ नहीं.

चीन में वित्तीय क्षेत्र में बड़े सुधर की तैयारी

चीन वैश्विक स्तर पर अपनी मुद्रा युआन की भागीदारी बढ़ाना चाहता है.

विश्व की दूसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था चीन, अपने वित्तीय और बैंकिंग क्षेत्र में निवेश और प्रतिस्पर्ध तेज करने की दिशा में कदम बढ़ा रहा है.

चीन ने अंतरराष्ट्रीय कोष व्यवस्थापकों द्वारा देश में निवेश की सीमा तीन गुना बढ़ाकर 80 अरब डॉलर कर दी.

देश के प्रधनमंत्री वेन जियाबाओ ने भी चीन के राष्ट्रीय रेडियो पर कहा है कि देश के वित्तीय माहौल में सुधर के लिए सरकारी क्षेत्र के बैंकों का एकाधिकार खत्म किए जाने की जरूरत है.

सरकार की नीतियों में आए इस बदलाव से विकास को गति मिलेगी और चीन की मुद्रा को ज्यादा अंतरराष्ट्रीय तरजीह मिलेगी.

विश्लेषक लंबे समय से कहते रहे हैं कि वित्तीय बाजार को खोलकर चीन अपनी मुद्रा युआन को वैश्विक आरक्षित मुद्रा के रूप में डॉलर के मुकाबले एक विकल्प के रूप में खड़ा करना चाहता है.

द क्वालिफाइड फॉरेन इंस्टीट्यूशनल इन्वेस्टर यानि सक्षम विदेशी संस्थागत निवेशक योजना के तहत ही विदेशी कंपनियां चीनी वित्तीय बाजार में निवेश करती हैं और देश के प्रतिभूति नियामक आयोग का कहना है कि इस योजना का कोटा बढ़ाकर पूंजी बाजार को और खोलने की दिशा में कदम बढ़ाया गया है.

आयोग के मुताबिक,श्श्चीन के बाजार को मुक्त करने और पूंजी खाते में युआन की परिवर्तनीयता हासिल करने की दिशा में ये एक सकारात्मक प्रयोग है.

सरकार ने ये कदम चीनी स्टॉक मार्केट में उतार–चढ़ाव के बीच उठाए हैं.

चीन के बाजार को मुक्त करने और पूंजी खाते में युआन की परिवर्तनीयता हासिल करने की दिशा में ये एक सकारात्मक प्रयोग है.

प्रतिभूति नियामक आयोग

पिछले साल शंघाई स्टॉक एक्सचेंज के कंपोजिट इंडेक्स में 20 फीसदी की गिरावट दर्ज की गई थी. उसके बाद सूचकांक में तीन फीसदी का मामूली सुधर ही हुआ है.

विश्लेषकों का कहना है कि ओएफआईआई कोटा में बढ़ातरी करने का कदम दरअसल बाजार को स्थिरता प्रदान करने के लिए उठाया गया है.

बैंकिंग क्षेत्रा में सुधर

चीन में सख्त नियंत्रण वाले वित्तीय क्षेत्र को थोड़ा उदार बनाने के लिए देश के प्रध ानमंत्री वेन जियाबाओ ने संकेत दिए हैं कि बैंकिंग सेक्टर में निजी निवेश को अनुमति दी जा सकती है.

बैंकिंग क्षेत्र में देश के चार बड़े सरकारी बैंकों का प्रभुत्व है जिसमें चीन के औद्योगिक और वाणिज्यिक बैंक और कृषि बैंक भी शामिल हैं

चीन के सरकारी बैंकों का पूंजी बाजार में एकाधिकार है.

प्रधनमंत्री वेन जियाबाओ ने देश के सरकारी रेडियो पर कहा,श्श्हमारे बैंक आसानी से मुनाफा कमा लेते हैं. क्यों? क्योंकि कुछ बड़े बैंकों का एकाधिकार हो गया है जिसका मतलब है किसी को ऋण और पूंजी लेने के लिए केवल इन्हीं बैंकों के पास जाना पड़ता है.

आसानी से निवेश के लिए पूंजी का न मिल पाना चीने के छोटे और मझोलो उद्योगों के विकास के रास्ते में सबसे बड़ा रोड़ा माना जाता है.

पूंजी की कमी

ऐसी आशंका रही है कि आसानी से पूंजी न मिल पाने की समस्या की वजह से ऐसे उद्योग पूंजी के लिए अनाधिकारिक क्षेत्रों के पास भी जा सकते हैं जिससे उनका ऋण महंगा हो सकता है.

हार्वर्ड विश्वविद्यालय के विलियम ओवलहॉल्ट का कहना है, श्श्चीन के आर्थिक इतिहास में ये वो समय है जब भविष्य का विकास और नौकरी की संभावनाएं छोटे और मझोले उद्योगों और निजी क्षेत्र पर निर्भर करेंगी.

उन्होंने कहा कि अतीत में इन उद्योगों का विकास चीनी केंद्रीय बैंक की नीतियों की वजह से प्रभावित रहा है जिसमें ऋण की सीमा को नियंत्रित करने की कोशिश की गई.

ओवलहॉल्ट ने ये भी कहा कि बैंकिंग सेक्टर में निजी पूंजी के प्रवेश से छोटे उद्योगों को ताजा पूंजी हासिल करने के ज्यादा अवसर मिल सकेंगे.

जेम्स कैमरन

पर्दे पर अदभुत आकृतियां और कहानियां उकेरने के लिए मशहूर हॉलीवुड निर्देशक जेम्स कैमरन ने असल जिंदगी में भी एक अदभुत कारनामे को अंजाम दिया है. वे समुद्र के उस हिस्से में जाकर वापस आए हैं जहां पिछले 50 साल से कोई नहीं गया. उन्होंने पश्चीमी पेस्फिक में सबसे गहरे स्थल मरियाना ट्रेंच में 11 किलोमीटर गहराई तक गोता लगाया है.

नीचे पहुँचने में उन्हें दो घंटे से ज्यादा का समय लगा. वे डीप सी चौलेंजर नाम की पनडुब्बी में गए थे जिसे ऑस्ट्रेलिया में बनाया गया था. उन्होंने समुद्र तल पर तीन से ज्यादा घंटे बिताए.

समुद्र तल में जाने से पहले कैमरन ने बीबीसी से बातचीत में कहा था कि उनका एक सपना सच हो गया है.

कैमरन पिछले कई वर्षों से गुप्त रूप से विशेष पनडुब्बी के डिजाइन पर इंजीनियरों की टीम के साथ काम रहे थे. इसका वजन 11 टन है और ये सात मीटर से भी ज्यादा लंबी है. कैमरन इसमें एक छोटे से खाने में बैठे जो स्टील से बना हुआ है ताकि वे समुद्र की गहराई में दबाव को झेल सके. नीचे बिल्कुल अंधेरा होता है और वहाँ काफी ठंड होती है. पनडुब्बी में कैमरों और रोशनी का प्रावधन था ताकि वे फिल्मांकन कर सकें. वे इस पर एक वृत्तचित्र बनाना चाहते हैं. इस तरह का अभियान केवल एक बार 1960 में हुआ था जब दो लोग इस गहराई में उतरे थे.

अजब–गजब फिल्में बनाने के लिए मशहूर हॉलीवुड़ निर्देशक जेम्स कैमरन ने इस बार रील लाइफ से बाहर निकल कर रियल लाइफ में एक करिश्मा कर दिखाया है.

कैमरन ने समुद्र के उस सबसे गहरे हिस्से में पहुंचकर वापसी की है जहां पिछले 50 साल में कोई नहीं पहुंच पाया था.

अब तक पर्दे पर टाइटेनिक, अवतार, एलियंस जैसी रोमांचक कहानियां उकेरने वाले कैमरन लंबे समय से असल जिंदगी के इस रोमांचक सफर की तैयारी कर रहे थे. वह प्रशांत महासागर के सबसे गहरे हिस्से मरियाना ट्रेंच का सफर करना चाहते थे. इसकी गहराई 10 हजार 898 मीटर यानि करीब 11 किलोमीटर है. नेशनल जियोग्राफिक सोसाइटी के अनुसार कैमरन तीसरे व्यक्ति है जिन्होंने यह काम किया है. 23 जनवरी 1960 को स्विट्जरलैंड के जेक्स पिकार्ड और अमेरिका के डॉन वाल्श ने समुद्र के इस गहरे हिस्से में उतर कर रिकार्ड बनाया था. लेकिन उसके बाद से कोई इंसान यहां नहीं पहुंचा. केवल रोबोट के माध्यम से ही अभियानों को अंजाम दिया गया है. नेशनल जियोग्राफिक सोसाइटी के सदस्य कैमरन ने समुद्र के गहरे हिस्से में 6 घंटे रहने की इच्छा जताई थी. जबकि पिकार्ड और वाल्श ने एक घंटे का सफर करने के बाद 20 मिनट रुक कर वापसी की थी.

समुद्र के भीतर तय जगह पर पहुंचकर कैमरन ने पनडुब्बी में लगे शक्तिशाली कैमरों की सहायता से आसपास के दृश्यों की शूटिंग भी की.तल में पहुंचने पर उनका पहला शब्द था सभी सिस्टम ठीक हैं. कैमरन इसके पहले भी गोताखोरों के साथ कई साहसिक अभियानों को अंजाम दे चुके हैं.

विशेष पनडुब्बी से

कैमरन ने इस खतरनाक सफर पर डीप सी चौलेंजर नाम की पनडुब्बी में गए. कैमरन खुद भी पिछले कई वर्षों से इस पनडुब्बी पर इंजीनियरों की टीम के साथ काम कर रहे थे. 7 मीटर से अधिक लंबी और लगभग 11 टन वजनी इस पनडुब्बी को 150 मीटर प्रति मिनट की स्पीड से चलाया जा सकता है. इसे टारपीडो की तरह आकार दिया गया था. कैमरन के सफर से पहले इसे बिना किसी यात्री के ही समुद्र की गहराई में उतार कर परीक्षण किया गया था. कैमरन के बैठने के लिए इसमें विशेष प्रकार के स्टील का केबिन बनाया था ताकि वे गहराई में जाते वक्त पड़ने वाले दबाव को झेल सकें. तल में पानी का दबाव आठ टन प्रति इंच या उससे अधिक होता है. जैसे जैसे गहराई की और बढ़ा जाता है दबाव भी बढ़ता जाता है. कैमरन का उदेश्य समुद्र की गहराई की 3 डी फोटो लेना और फिल्म बनाना था ताकि वहां के वातावरण की ज्यादा से ज्यादा जानकारी वैज्ञानिकों को दे सकें.

कैमरन पहले ही 72 बार समुद्र की गहराई नाप चुके हैं. इसमें से 12 बार तो केवल टाइटेनिक फिल्म बनाने के दौरान ही उन्होने समुद्र में गोते लगाए थे.

दिलीप कुमार का पैतृक घर अब धरोहर ;हेरिटेजद्ध

बॉलीवुड के ट्रेजेडी किंग दिलीप कुमार ने अपना पेशावर का घर 8 दशक पहले छोड़ा था। अब पाकिस्तान के अधिकारी उनके पैतृक घर को धरोहर (हेरिटेज) के रूप में तब्दील कर रहे हैं।

उनका घर पेशावर सिटी के किस्सा ख्वानी बाजार में है। पाकिस्तान के अधिकारी इस भवन को पूरी तरह से अधिगृहीत करने के अंतिम स्तर पर है। दिलीप कुमार का जन्म इसी घर में 11 दिसंबर 1922 को हुआ था। उनके पिता लाला गुलाम सरवर फल व्यापारी हुआ करते थे। यहीं पर उनका बचपन बीता। किस्सा ख्वानी बाजार का मतलब यहाँ लोगों को किस्से–कहानियाँ बताए जाते थे। मध्य एशिया से आने वाले यात्री और व्यापारी यह सुनने यहाँ एकत्र होते थे। दिलीप साहब ने हाल ही में अपने ब्लॉग में लिखा था कि उन्होंने किस्से कहने का पहला सबक यहीं सीखा था।

'अरबी बसंत' अथवा अरब क्रांति

'अरबी बसंत' के नाम से मशहूर हो चुके अरब जगत के लोकतंत्र हिमायती विद्रोहों ने पश्चिमी एशिया से लेकर उत्तरी अफ्रीका तक एक मौलिक कायापलट का आगाज कर दिया है. सीरिया को छोड़कर इन विद्रोहों ने धर्मनिरपेक्ष अरब राष्ट्रवाद पर आधरित तानाशाहियों के युग का अंत कर दिया है.

अपने चरम पर अरब राष्ट्रवाद उपविनेशवाद–विरोधी, समाजवादी, अबर एकता और लैंगिक समानता का चिन्ह था. 'अरबी बसंत' की शुरूआत में ही ये विचार अपने आखिरी पड़ाव पर थे.

अमरीका की इराक पर चढ़ाई और सद्दाम हुसैन को सजा–ए–मौत ने अरब राष्ट्रवाद पर एक नैतिक प्रहार किया था.

पूर्व–औपनिवेशिक आधुनिकीकरण का खाका खींचने वाले गमाल अब्देल नासिर की मौत के बाद ही अरब राष्ट्रवाद अरब जगत की धड़कन यानि मिस्र में हार चुका था.

अरब जगत में नए युग की शुरूआत

प्रदर्शनों के बाद कई देशों में इस्लामी विचारधरा वाले दल प्रभावशाली हो गए हैं.

इस क्षेत्र में अरब समाजवाद की कब्र पर अरबी बसंत एक नई विचारधरा की नींव रख रहा है. लोकतंत्र को एक जरिया बनाते हुए अरबी बसंत ने एक नए युग की शुरूआत की है जिसमें राजनीतिक इस्लाम ने अपना मजबूत दावा पेश किया है.

अरबी विद्रोह का केंद्र रहे ट्यूनीशिया में अल नाहदा नाम की इस्लामी पार्टी एक मजबूत राजनीतिक ताकघ्त के तौर उभरी है. इस्लामी दल मोरक्को में भी जीते हैं. इसके अलावा लीबिया में भी इन दलों का दबदबा है.

इस समय मिस्र में चल रहे चुनावों में भी राजनीतिक पलड़ा निर्णायक तौर से इस्लामी दलों की ओर ही झुका हुआ है. मिस्र में 'मुस्लिम ब्रदरहुड' के राजनीतिक अंग 'फरीडम ऐंड जस्टिस पार्टी' और कट्टरपंथी सलाफी गठबंधन अल–नूर लोकतंत्र की राह में जीत की ओर अग्रसर हैं.

हालांकि अरबी बसंत के बाद राजनीतिक इस्लाम का उदभव काफी हैरान करने वाला है लेकिन इसकी प्रक्रिया काफी पहले शुरू हो चुकी थी. ये 1979 में ईरान की इस्लामी क्रांति से शुरु हुआ. ईरान राजनीतिक इस्लाम के शिया ब्रांड का गढ़ बन गया, जिसका प्रभाव हिजबुल्ला के जरिए लेबनान पहुंच गया.

इस्लामी दलों में प्रतिस्पर्ध

अति कट्टरपंथी विचारधरा वाले सलाफी दलों का दबदबा बढ़ा है.

साल 2003 में इराक पर अमरीकी हमले के बाद वहां के शिया नेटवर्क का इस्तेमाल करते हुए ईरान एक प्रभावी बाहरी तत्व बन गया. सीरिया के साथ–साथ ईरान ने भी फलस्तीन में हमास का जोरदार समर्थन कर अपनी पहुंच इसराइल के दरवाजे तक जता दी है.

आने वाले महीनों और सालों में मौलिक राजनीतिक संघर्ष इस्लामी दलों और आजाद खय्याल दलों के बीच ना होकर सिर्फ इस्लामी दलों के बीच ही होगा.

मोटे तौर पर इस्लामी दलों के तीन रूप हैं – पहला सलाफी विचारधरा से प्रभावित कट्टरपंथी इस्लामी गुट जिसे लीबिया में देखा जा सकता है, दूसरा नर्म–इस्लामी गुट जो तुर्की से प्रभावित है और तीसरा मिस्र में मुस्लिम ब्रदरहुड जो विचारधरा के तौर पर पहले दोनों के बीच का मार्ग अपनाता है.

इन तीनों में अरब क्षेत्र की राजनीतिक जमीन के लिए संघर्ष होने की संभावना है.

तुर्की के मॉडल को लेकर मुस्लिम ब्रदरहुड अधिक उत्साहित नहीं है. इस तस्वीर में तुर्की के प्रधनमंत्री लीबिया के नए प्रशासकों से मिलने के बाद प्रेसवार्ता में बोल रहे हैं.

लोकतंत्र, धर्मनिरपेक्षवाद और इस्लाम के मिश्रण वाला तथाकथित 'तुर्की मॉडल' ट्यूनीशिया में अल नाहदा पर गहरी छाप छोड़ रहा है. उसकी अगुवाई कर रहे हैं जाने–माने विचारक रचेद घनूची. रचेद घनूची नए युग के इस्लाम के हिमायती हैं जिसमें उनके हिसाब से मलेशिया और इंडोनेशिया जैसे देशों का लोकतांत्रिक ढांचा भी कारगर है.

हालांकि तुर्की और उसके नेता रेचेप तय्यिप इर्दोगान मिस्र में मुस्लिम ब्रदरहुड के समर्थक युवाओं में काफी लोकप्रिय हस्ती हैं लेकिन आमतौर पर मुस्लिम ब्रदरहुड तुर्की के धर्मनिरपेक्ष सिंद्धातों से इत्तफाक नहीं रखता.

लेकिन मिस्र में सेना, सलाफियों और युवा शक्ति से भयभीत 'मुस्लिम ब्रदरहुड' निकट भविष्य में एक उदार इस्लामी रास्ता ही अपनाने वाला है.

पश्चिमी एशिया और उत्तरी अफ्रीका के जिन देशों में भी उथल–पुथल हुई है, उनमें से लीबिया दुनिया की सुरक्षा को सबसे बड़ा खघ्तरा पैदा कर सकता है.

त्रिपोली में पहले ही कई कट्टरपंथी इस्लामी नेता सत्ता में आ चुके हैं.

लीबिया में कट्टरपंथ

लीबिया कट्टरपंथी इस्लाम के चंगुल में फंस सकता है

ये ऐसे देश में हो रहा है जहां एक वकघ्त देरना जैसे कघ्स्बे से कई युवक अफगानिस्तान में अल–कघयदा के प्रशिक्षण स्थलों पर जाते हैं. लीबिया इस बात का खतरा बना हुआ है कि ये विशेषकर अपने पड़ोसी अफ्रीकी देशों में आतंक के निर्यातक के रूप में उभरे.

राजनीतिक तौर पर अरब जगत में आए बदलाव से सऊदी अरबिया, ईरान और तुर्की जैसे दिग्गजों के बीच एक गंभीर क्षेत्रीय प्रतिस्पध र्ा छिड़ने की संभावना है. सीरिया, यमन और बहरीन में इन ताकघ्तों के हित टकरा रहे हैं.

ऐसे समय में जब अरब जगत में देश अपने लिए स्वतंत्र राजनीतिक जमीन तलाश रहे हैं, वहां पश्चिम के हित प्रभावित हो सकते हैं. विशेषकर मिस्र जैसे बेहद प्रभावशाली देश में जहां पश्चिम–विरोधी और इसराइल–विरोधी विचार काफी गहरे हैं.

परमाणु कार्यक्रम पर फुकुशिमा घटना का असर

लगभग एक साल पहले फुकुशिमा परमाणु संयंत्र से जब युद्ध के मैदान की तरह धुआं उठा और धमाके हुए तो ऐसा लगा कि शायद इससे परमाणु सपने का अंत हो जाएगा.

आधिकारिक तौर पर इतिहास के सबसे दो खराब परमाणु दुर्घटनाओं में से एक माने जाने वाली इस घटना के कुछ ही हफ्तों बाद जर्मनी ने एलान कर दिया कि वह अपने सभी परमाणु रिएक्टरों को बंद कर देगा.

स्विटजरलैंड ने भी ऐसा ही किया. यहां तक कि सबसे व्यस्त चीन ने नए पावर स्टेशनों को स्वीकृति देने में विलंब किया.

दुनिया भर में ओपिनियन पोलों में पाया गया कि परमाणु बिजली अपनी चमक खो रही है. ओईसीडी के ओन्यूक्लर एनर्जी एजेंसी के महानिदेशक लूइस एचावरी कहते हैं, श्फुकुशिमा से काफी प्रभाव पड़ा, पहला लोगों के विचारों पर, और फिर तकनीकी तौर पर इसका विश्लेषण करना कि क्या हुआ और इससे क्या सबक लेने चाहिए.

उन्होंने कहा, श्श्मुझे भविष्य की योजनाओं पर इसका असर साफ नजर आता है. नए पावर पलांटों पर फैसले लेने मे विलंब हो रहा है. मुझे लगता है कि यह तीन से चार साल तक चलेगा.

जापान में दो रिएक्टर चालू

दुनिया भर में फुकुशिमा से पहले चालू हुए रिएक्टर अभी भी चल रहे हैं. यहां तक कि जर्मनी ने भी सभी को बंद नहीं किया.

लेकिन जापान में कुल 54 रिएक्टरों में से सिर्फ दो ही चालू हैं.

कुछ को तो हमेशा के लिए बंद कर दिए गए हैं जबकि कुछ और को लेकर अभी अधि ाकारियों को फैसला करना है कि उन्हें दोबारा से शुरु किया जाए या नहीं.

लेकिन जापान से बाहर, एक साल बाद कैसा भविष्य होगा? क्या फुकुशिमा, परमाणु कहानी पर पूर्ण विराम लगाएगा या फिर सिर्फ थोड़ी देर के लिए ही इस पर विराम लगेगा?

इस मामले में लोगों की राय अलग–अलग है. इस उघोग द्वारा प्रोत्साहित वर्ड न्यूक्लर ऐसोसिएशन के महानिदेशक जॉन रिच मानते हैं कि इससे थोड़ी रोक लगी है, इससे ज्यादा कुछ नहीं.

उन्होंने कहा, श्श्फुकुशिमा की घटना ने लोगों के नजरिए को बदल दिया और इसने नीतियां बनाने वालों में डर पैदा कर दिया है.

एक बात साफ है. फुकुशिमा से पहले ही परमाणु बिजली का असली केंद्र फ्रांस और अमरीका जैसे बड़े उपभोक्ताओं से एशिया की तरफ मुड़ता जा रहा था.

दक्षिण कोरिया परमाणु बिजली का बड़ा उपभोक्ता और तकनीक का निर्यातक बन गया है. लेकिन इस क्षेत्र में चीन सही मायनों में बड़ा खिलाड़ी है.

दुनिया भर के निर्माणाधीन 60 रिएक्टरों में से 26 चीन में हैं और कुछ और आने वाले हैं.

परमाणु रिएक्टरों पर नजर रखने वाले कुछ लोग तो चुपचाप चीन की तारीफ करते हैं कि वह कम बजट और कम समय में रिएक्टर बना पाता है. जबकि फ्रांस और फिनलैंड में यूरोपीय परियोजनाओं में विलंब होता रहा है और इन पर लागत भी बढ़ रही है.

कम से कम कागजों में ब्रिटेन समेत कई देश परमाणु रिएक्टर बनाने की अपनी योजना को आगे बढ़ा रहे हैं ताकि ग्लोबल वार्मिंग को कम किया जा सके और उर्जा सुरक्षा को बढ़ाया जा सके.

अमरीका में स्थिति

हालांकि पिछले छह महीनों में एक नई चीज देखने को मिली है. फ्रांस ने घोषणा की है कि वो नए परमाणु रिएक्टर बनाने के बजाए पुराने रिएक्टरों की उम्र बढ़ाएगा.

अमरीका में 1978 के बाद से पहली बार इसी साल फरवरी के महीने में दो नए रिएक्टरों को स्वीकृति दी गई. लेकिन यह संख्या उसके लगभग 60 रिएक्टरों के सामने बहुत कम है जिन पर 20 साल की रोक लगाई गई है.

इससे बाकी देशों की योजनाओं पर प्रभाव होना लाजमी है. अगर कम रिएक्टरों का निर्माण होता है तो सीखने के लिए अनुभव कम होगा. कम सीखने की वजह से इनका सस्ता और जल्दी निर्माण भी कठिन होगा.

भारत में विरोध

गौरतलब है कि भारत में तमिलनाडु की कडनकुलम परमाणु परियोजना पिछले दिनों सुर्खियों में रही था.

इसके विरोध के पीछे हाथ होने के संदेह के आधर पर सरकार ने चार गैरसरकारी संस्थाओं (एनजीओ) के खिलाफ मामला दर्ज किया है. ये कार्रवाई प्रधनमंत्री मनमोहन सिंह के उस बयान के बाद की गई कि विदेशों से समर्थन प्राप्त कुछ गैर सरकारी संगठन प्रदर्शनकारियों की मदद कर रहे हैं.

डायनासोर के हड्डियों के जीवाश्म वाले एक नये स्थान की खोज

चीन के स्वायत्त मंगोलिया क्षेत्र के एक संरक्षित इलाके में चरवाहों ने डायनासोर के हड्डियों के जीवाश्म वाला एक नये स्थान की खोज की है।

चीन की सरकारी संवाद समिति शिन्हुआ ने बताया कि डायनासोर की हड्डियों वाले जीवाश्म स्थल को संरक्षित करने के उद्देश्य से श्रमिक उस दूरदराज की पट्टी की घेराबंदी कर रहे हैं।

बयान नूर शहर में भूमि संसाधन ब्यूरो के लियांग चुनशी ने कहा कि स्थानीय अधिकारियों ने स्थानीय चरवाहों की ओर से खोजे गए जीवाश्म का निरीक्षण करने के लिए विशेषज्ञों को बुलाया है।

इस स्थल के वृहद क्षेत्र को बयान मांदुहू के नाम से जाना जाता है जहां पर पुरातत्वविज्ञानियों को पहले भी एंकीलोसारस और प्रोटोसिराटोप्स के जीवाश्म मिले हैं। इस इलाके में डायनासोर के सैकड़ों जीवाश्म मिलने के बाद 3200 हेक्टेयर क्षेत्र को वर्ष 2003 से ही क्षेत्रीय प्राकृतिक संरक्षित क्षेत्र घोषित कर दिया गया था।

पार्किंसन्स बीमारी पर दुनिया का सबसे बड़ा शोध

पार्किंसन्स बीमारी पर दुनिया का सबसे बड़ा शोध ग्लासगो के एक डॉक्टर ने आरंभ किया है. दिमाग की इस बीमारी से केवल ब्रिटेन में ही 1.3 लाख लोग पीड़ित हैं.

ग्लासगो यूनिवर्सिटी के डॉ डोनाल्ड ग्रोसेट ने कहा कि वे इस अनुसंधन से इस बीमारी के लक्षण जानने और इसके इलाज के बेहतर तरीके ढूंढने की उम्मीद कर रहे हैं.

पार्किंसन बीमारी का शिकार कोई व्यक्ति मस्तिष्क की उन कोशिकाओं को गँवा देता है जो कि माँसपेशियों पर नियंत्रण के लिए जिम्मेदार होती हैं.

2020 का ओलंपिक

टोक्यो (जापान), मैड्रिड (स्पेन), इस्तानबुल (तुर्की), दोहा (कतर) या बाकू (अजरबायजान). साल 2020 का ओलंपिक इनमें से किस शहर में होगा?

इन पांचों शहरों ने ऐसोसिएशन ऑफ नेश्नल ओलंपिक कमेटी को अपनी प्रस्तुति देते हुए साल 2020 ओलंपिक की मेजबानी का अपना दावा पेश किया है.

अपनी 10 मिनट की प्रस्तुति में हर शहर ने उनके यहां ओलंपिक कराने के फायदों पर जोर दिया.

आईओसी की कार्यकारिणी कमेटी अगले महीने फैसला करेगी कि क्या वे इनमें से सभी को उम्मीदवार रखा जाए या फिर इस सूची को छोटा किया जाए.

सितंबर 2013 में मेजबानी करने वाले शहर को चुना जाएगा.

कतर के शहर दोहा के सामने दो प्रमुख मुद्दे रहे हैं––महिलाओं को शामिल करना और खाड़ी का मौसम.

दोहा ने इस साल पहली बार ओलंपिक में महिलाओं के दल को भेजा है और उन्होंने यह भी कहा कि दोहा में ओलंपिक कराने से मध्य पूर्वी देशों में महिला प्रतियोगियों की स्थिति सुधार सकती है.

हालांकि वह ओलंपिक को गर्मियों की बजाय अक्तूबर में कराना चाहेगा.

कतर की ही तरह मुस्लिम देश अजरबायजान ने भी महिलाओं के लिए अवसरों को बढ़ावा देने पर बल दिया. बाकू ने यह भी कहा कि वह ष्दुनिया की सबसे पुरानी सास्कृतियों में से है जिससे बहुत कम लोग परिचित हैं.. ट्रैफिक जाम के लिए बदनाम इस्तानबुल ने हर दो प्रतिसपर्ध के स्थानों में 20 मिनट से कम दूरी का वादा किया और कहा कि वे शहर में यातायात पर 16 अरब डॉलर खर्च कर रहा है. बड़ी आबादी वाले शहर टोक्यो ने कहा कि 31 में से 28 प्रतिस्पर्धओं के स्थान उसके ऐथलीट गांव से केवल पांच मील की दूरी पर होंगे. यह भी कहा गया कि यह शहर पूरी तरह से सुरक्षित है.

ग्रीस में वोलोस शहर में यूरो मुद्रा की जगह एक वैकल्पिक मुद्रा का इस्तेमाल शुरू

ग्रीस में वोलोस शहर में एक ऐसा बाजार है, जहाँ कर्ज संकट से जूझ रहे देश के लोगों ने यूरो मुद्रा की जगह एक ऐसी वैकल्पिक मुद्रा का इस्तेमाल करना शुरू कर दिया है जिससे वो सब कुछ खरीद सकते है.

वोलोस मध्य ग्रीस का बंदरगाह वाला शहर है, लेकिन यहाँ का बाजार कोई साधरण बाजार नही है, यहाँ कपड़ों से लेकर अंडे तक और हाथ से बने सामानों से लेकर इलेक्ट्रनिक सामानों तक सब कुछ बिक्री के लिए उपलब्ध है. लोग सामान की खरीद फरोख्त के लिए देश की मुद्रा यूरो का नही बल्कि एक स्थानीय वैकल्पिक मुद्रा का इस्तेमाल करते हैं इसे टीईएम यानि टेम कहा जाता है. अगर आपको कोई सामान बेचना है या फिर कोई सेवाएं देनी हैं तो इसका इस्तेमाल किया जाता है.

एक यूरो मुद्रा एक टेम के बराबर है.

इस टेम मुद्रा के इस्तेमाल से आप जो चाहे खरीद सकते है. ये पूरी प्रणाली कंप्यूटर के जरिए ऑनलाइन है, बाजारों में कंप्यूटर लगाए गए हैं ताकि लेन देन की प्रक्रिया को पूरा किया जा सके.

खरीदी गई वस्तु की कीमत के बदले जितने टेम खर्च किए जाते हैं उन्हें बेचने वाले के खाते में स्थानांतिरत कर दिए जाते हैं.

ये काफी आकर्षक है क्योंकि लोगों को यहाँ काफी उम्मीदें नजर आती हैं. लोगों के पास यहाँ देने और लेने के लिए काफी कुछ है. ये सब कुछ काफी रोचक है.

अब तक 800 से ज्यादा लोग इस प्रक्रिया के सदस्य बन चुके हैं.

सूनामी क्या है?

समुद्र में उठी कई मीटर ऊँची लहरों को सूनामी कहा जाता है. आइए जानते हैं

सूनामी और इससे जुड़े अन्य तथ्य

समुद्र के भीतर अचानक जब बड़ी तेज हलचल होने लगती है तो उसमें उफान उठता है. इससे ऐसी लंबी और बहुत ऊंची लहरों का रेला उठना शुरू हो जाता है जो जबरदस्त आवेग के साथ आगे बढ़ता है.

इन्हीं लहरों के रेले को सूनामी कहते हैं. दरअसल सूनामी जापानी शब्द है जो सू और नामी से मिल कर बना है सू का अर्थ है समुद्र तट और नामी का अर्थ है लहरें.

पहले सूनामी को समुद्र में उठने वाले ज्वार के रूप में भी लिया जाता रहा है लेकिन ऐसा नहीं है. दरअसल समुद्र में लहरे चाँद सूरज और ग्रहों के गुरुत्वाकर्षण के प्रभाव से उठती हैं लेकिन सूनामी लहरें इन आम लहरों से अलग होती हैं.

कैसे उठती हैं सूनामी लहरें?

सूनामी लहरों के पीछे वैसे तो कई कारण होते हैं लेकिन सबसे ज्यादा असरदार कारण है भूकंप. इसके अलावा जमीन धंसने, ज्वालामुखी फटने, किसी तरह का विस्फोट होने और कभी–कभी उल्कापात के असर से भी सूनामी लहरें उठती हैं.

सूनामी लहरें समुद्री तट पर भीषण तरीके से हमला करती हैं और जान–माल का बुरी तरह नुकसान कर सकती है.

क्या सूनामी लहरों का अंदाजा पहले से लगाया जा सकता है?

जिस तरह वैज्ञानिक भूकंप के बारे में भविष्य वाणी नहीं कर सकते वैसे ही सूनामी के बारे में भी अंदाजा नहीं लगा सकते.

लेकिन सूनामी के अब तक के रिकॉर्ड को देखकर और महाद्वीपों की स्थिति को देखकर वैज्ञानिक कुछ अंदाजा लगा सकते हैं.

धरती की जो प्लेट्स या परतें जहाँ–जहाँ मिलती है वहाँ के आसपास के समुद्र में सूनामी का खध्तरा ज्यादा होता है.

जैसे ऑट्रेलियाई परत और यूरेशियाई परत जहाँ मिलती हैं वहाँ स्थित है सुमात्रा जो कि दूसरी तरफ फिलीपीनी परत से जुड़ा हुआ है. सूनामी लहरों का कहर वहाँ भयंकर रूप में देखा जा चुका है.

भारत में एंफीबियंस की नई प्रजाति की खोज

उभयचर प्राणी यानी एंफीबियंस की सबसे रहस्यमय प्रजाति, केसिलियंस, की एक नई फैमिली उत्तरपूर्व भारत में मिली है.

मेंढक, टोड और सैलामैंडर जैसे जानवर एंफीबियंस में शामिल हैं.

पाए गए प्राणी देखने में कृमि या कीड़े की तरह लगते हैं और जंगल की मिट्टी में रहते हैं.

इसकी मादा कई महीनों तक बिना कुछ खाए अंडों को सेतती है.

रॉयल सोसाइटी की पत्रिका, प्रोसीडिंग्स बी, में छपे एक लेख के अनुसार वैज्ञानिकों का कहना है कि इन प्राणियों को जनसंख्या बढ़ने और स्लैश–एंड–बर्न यानी जंगल जला कर की जाने वाली खेती से खघ्तरा है.

केसिलियंस बहुत मुश्किल से दिखाई देते हैं क्योंकि ये या तो जमीन के अंदर रहते हैं या फिर मिट्टी पर पड़ी पत्तियों के कूड़े के नीचे.

उत्तरपूर्व भारत के सभी राज्यों में पांच साल से ज्यादा, लगभग 250 मिट्टी खोदने के अभियानों के बाद इस फैमिली की खोज हुई.

अभियान दल के नेता दिल्ली विश्वविद्यालय के एसडी बीजू थे. भारत में एंफीबियंस की कई नई प्रजातियों की खोज के लिए इन्हें फ्रॉगमैन कहा जाता है.

उनका कहना है, केसिलियंस, जंतुजगत की सबसे रहस्यमयी समूह या ग्रुप है और इनके मिलने के तुरंत बाद ये पहचान करना असंभव होता है कि क्या ये एक नई प्रजाति है या जाति या फिर कोई नई फैमिली.

प्रोफेसर बीजू ने बीबीसी को बताया, ष्इस प्रजाति की पहचान करने के लिए हमने इसका डीएनए और इसकी बाहरी और आंतरिक मोर्फोलॉजी का अध्ययन किया.

जांच के बाद वैज्ञानिकों ने पाया कि उन्होंने न केवल एक नई प्रजाति बल्कि अब तक अज्ञात फैमली की खोज की है.

इस प्रजाति को चिकिलिडे नाम दिया गया है जो स्थानीय गारो भाषा पर आधरित है.

केसिलियंस की नई फैमिली की खोज उत्तरपूर्व भारत में हुई है.

जहाँ मेंढक या सैलामैंडर के हाथ–पांव होते हैं और उनकी त्वचा खुरदुरी होती है, वहीं केसिलियंस के हाथ–पांव नहीं होते और इनकी त्वचा चिकनी होती है.

इन्हें बहुत कम नजर आता है और इनकी खोपड़ी जमीन के अंदर रहने के अनुरूप होती है. हालांकि सर्वेक्षण किए गए लगभग एक–चौथाई जगहों में चिकिलिडे पाए गए, लेकिन प्रोफेसर बीजू का मानना है कि इनका भविष्य सुरक्षित नहीं है.

उनका कहना था, ष्चिकिलिडे हमें न सिर्फ जंगल में बल्कि मानव आबादी के काफी नजदीक मिले. इसलिए इनका संरक्षण करना बहुत चुनौतीपूर्ण है.

कई गांववालों ने इन्हें जहरीले सांप समझ कर मार भी दिया हालांकि इनमें जहर नहीं होता. लेकिन अच्छी बात ये है कि इस क्षेत्र में, एंफीबियंस को होने वाली एक खास तरह की फंगल या फफूंदीय बीमारी, चिट्रीडियोमाइकोसिस, नहीं होती. इस बीमारी की वजह से दुनिया के कई हिस्सों में एंफीबियंस की आबादी तबाह हो गई है.

दुनिया भर में, जंतुजगत में लुप्त होने का सबसे ज्यादा खघ्तरा एंफीबियंस को है.

लेकिन इस ग्रुप में लगातार नई जातियां और प्रजातियों की खोज होती रहती है, हालांकि खोज अधिकतर सघन वर्षा वनों में हुई हैं न कि घनी आबादी वाले इलाकों में.

2012 ग्रीष्मकालीन ओलम्पिक, लंदन

2012 ग्रीष्मकालीन ओलंपिक (आधिकारिक तौर पर XXX ओलंपियाड के खेल के नाम से जाना जाता हैं) संयुक्त राजशाही के लंदन शहर में 27 जुलाई से 12 अगस्त 2012 के बीच आयोजित होने हैं।ख्ा, लंदन आधिकारिक तौर पे तीन आधुनिक ओलंपिक खेलों का आयोजन करने वाला पहला शहर बनेगा। लंदन ने 1908 और 1948 में ओलंपिक खेलो की मेजबानी की थी।

2012 ग्रीष्मकालीन ओलंपिक के लिये बिड प्रस्तुत करने की समय सीमा 15 जुलाई 2003 तक नौ शहरों ने मेजबानी के लिये अपनी बिड प्रस्तुत की थीं। यह नगर थे हवाना, इस्तांबुल, लिपजिग, लंदन, मैड्रिड, मॉस्को, न्यूयॉर्क, पेरिस और रियो डि जेनेरो।

18 मई 2004 को अन्तर्राष्ट्रीय ओलम्पिक समिति (आईओसी) ने तकनीकी मूल्यांकन के परिणामो के पश्चात शहरों की संख्या पांच तक कर दी थी : लंदन, मैड्रिड, मॉस्को, न्यू यार्क, और पेरिस।

ओलम्पिक खेल अन्तर्राष्ट्रीय स्तर पर आयोजित होने वाली बहु–खेल प्रतियोगिता है। आधुनिक ओलम्पिक खेल एथेंस में सन 1896 में आरम्भ किये गये।

ओलम्पिक खेल प्रत्येक चार वर्ष बाद विश्व के किसी प्रसिद्ध स्थान पर आयोजित किये जाते हैं। सन 2008 के ओलम्पिक खेल चीन के बीजिंग में आयोजित किए गए।

प्रथम ग्रीष्मकालीन ओलम्पिक

1896 ग्रीष्मकालीन ओलम्पिक, जो आधिकारिक तौर पर पहले ओलम्पियाड खेल के रूप में जानी जाती है, एक बहु–खेल प्रतियोगिता थी जो यूनान की राजधनी एथेंस में 6 अप्रैल से 15 अप्रैल, 1896 के बीच आयोजित हुई थी। यह आधुनिक युग में आयोजित होने वाली पहली अंतर्राष्ट्रीय ओलम्पिक खेल प्रतियोगिता थी। चूँकि प्राचीन यूनान ओलम्पिक खेलों का जन्मस्थान था, अतएव एथेंस आधुनिक खेलों के उद्घाटन के लिए उपयुक्त विकल्प माना गया था। यह सर्वसम्मति से जून 23, 1894, को पियरे डे कोबेर्टिन, फ्रांसीसी शिक्षाशास्त्री और इतिहासकार, द्वारा पेरिस में आयोजित एक सम्मेलन (कांग्रेस) के दौरान मेजबान शहर के रूप में चुना गया था। अन्तर्राष्ट्रीय ओलम्पिक समिति (आईओसी) भी इस सम्मेलन के दौरान स्थापित की गई थी। अनेक बाधओं और असफलताओं के बावजूद, 1896 ओलम्पिक का आयोजन एक बड़ी सफलता मानी गई थी। यह उस समय तक के किसी भी खेल आयोजन की सबसे बड़ी अंतर्राष्ट्रीय भागीदारी थी। 19वीं सदी में प्रयोग किया एकमात्र ओलम्पिक स्टेडियम, पानाथिनाइको स्टेडियम, किसी भी खेल प्रतिस्पर्ध को देखने के लिए आई सबसे बड़ी भीड़ से उमड़ गया था। यूनानियों के लिए सबसे मुख्य उनके देशवासी स्पिरिडिन लुई की मैराथन विजय थी। सबसे सफल प्रतियोगी जर्मन पहलवान और जिमनास्ट कार्ल शुमेन थे, जिन्होंने चार स्पर्धओं में जीत अर्जित की थी। खेलों के पश्चात, ग्रीस के राजा जॉर्ज और एथेंस में उपस्थित कुछ अमेरिकी प्रतिस्पधियों सहित कई प्रमुख व्यक्तित्वों द्वारा रिज कोबेर्टिन और आईओसी के समक्ष याचिका दायर की गई थी कि उत्तरगामी सभी खेल एथेंस में ही आयोजित किये जाएँ, परंतु, 1900 ग्रीष्मकालीन ओलम्पिक पेरिस के लिए पहले से ही योजनाबद्ध थे और 1906 इन्टरकेलेटिड खेलों को छोड़कर, ओलम्पिक 2004 के ग्रीष्मकालीन खेलों तक ग्रीस में वापस नहीं लौटे, कुछ 108 साल बाद।

इन खेलों की प्रतिस्पर्धओं और शख्सियतों के प्रतिवेश की कहानियों को 1984 एनबीसी लघु शृंखला (मिनीसीरीज), द फर्स्ट ओलम्पिक – एथेंस, 1896, में इतिवृत्त किया गया था। इस लघु शृंखला में अभिनीत थे विलियम मिलीगन स्लोन के रूप में डेविड ऑग्डेन स्टायर्स और पियरे डे कोबेर्टिन के रूप में लुई जोर्डान।ख्ा,

अन्तर्राष्ट्रीय ओलम्पिक समिति

अन्तर्राष्ट्रीय ओलम्पिक समिति एक अंतरराष्ट्रीय समिति है जिसका मुख्यालय स्विट्जरलैंड के लॉजेन में स्थित है। इसकी स्थापना पियरे डे कोबेर्टिन ने 23 जून 1894 को कि थी तथा ग्रीक व्यापारी देमित्रिस विकेलस इसके प्रथम अध्यक्ष बने थे। वर्तमान समय मे विश्व की कुल 205 राष्ट्रीय ओलम्पिक समितिया (एनओसी) इसकी सदस्य हैं।

अन्ना हजारे

किसन बाबूराव हजारे भारत के एक प्रसिद्ध गांधीवादी विचारधरा के सामाजिक कार्यकर्ता

हैं। अधिकांश लोग उन्हें अन्ना हजारे (मराठीरू अण्णा हजारे) के नाम से ही जानते हैं। सन् 1992 में उन्हें पद्मभूषण से सम्मानित किया गया था। सूचना के अधिकार के लिये कार्य करने वालों में वे प्रमुख थे। साफ–सुथरी छवि वाले हजारे, भ्रष्टाचार के विरुद्ध संघर्ष करने के लिये प्रसिद्ध हैं। जन लोकपाल विधेयक को पारित कराने के लिये अन्ना ने 16 अगस्त 2011 से आमरण अनशन आरम्भ किया है, जिसे जनता से अपार समर्थन मिल रहा है जिससे घबराकर भारत सरकार भी उनकी मांगों पर विचार करने को राजी हो गयी है।

अन्ना हजारे का जन्म 15 जून, 1937 को महाराष्ट्र के अहमदनगर के भिंगार गांव के एक किसान परिवार में हुआ था । उनके पिता का नाम बाबूराव हजारे और मां का नाम लक्ष्मीबाई हजारे था।, उनका बचपन बहुत गरीबी में गुजरा। पिता मजदूर थे। दादा फौज में। दादा की तैनाती भिंगनगर में थी। वैसे अन्ना के पुरखों का गांव अहमद नगर जिले में ही स्थित रालेगन सिद्धि में था। दादा की मौत के सात साल बाद अन्ना का परिवार रालेगन आ गया। अन्ना के छह भाई हैं। परिवार में तंगी का आलम देखकर अन्ना की बुआ उन्हें मुम्बई ले गईं। वहां उन्होंने सातवीं तक पढ़ाई की। परिवार पर कष्टों का बोझ देखकर वह दादर स्टेशन के बाहर एक फूल बेचनेवाले की दुकान में 40 रुपये की पगार में काम करने लगे। इसके बाद उन्होंने फूलों की अपनी दुकान खोल ली और अपने दो भाइयों को भी रालेगन से बुला लिया।

वर्ष 1962 में भारत–चीन युद्ध के बाद सरकार की युवाओं से सेना में शामिल होने की अपील पर अन्ना 1963 में सेना की मराठा रेजीमेंट में ड्राइवर के रूप में भर्ती हो गए। अन्ना की पहली तैनाती पंजाब में हुई। 1965 में भारत–पाकिस्तान युद्ध के दौरान अन्ना हजारे खेमकरण सीमा पर तैनात थे। 12 नवंबर 1965 को चौकी पर पाकिस्तानी हवाई बमबारी में वहां तैनात सारे सैनिक मारे गए। इस घटना ने अन्ना की जिंदगी को हमेशा के लिए बदल दिया। इसके बाद उन्होंने सेना में 13 और वर्षों तक काम किया। उनकी तैनाती मुंबई और कश्मीर में भी हुई। 1975 में जम्मू में तैनाती के दौरान सेना में सेवा के 15 वर्ष पूरे होने पर उन्होंने स्वैच्छिक सेवा निवृत्ति ले ली। वे पास के गाँव रालेगन सिद्धि में रहने लगे और इसी गाँव को उन्होने अपनी सामाजिक कर्मस्थली भी बन गया।

सामाजिक कार्य

1965 के युद्ध में मौत से साक्षात्कार के बाद नई दिल्ली रेलवे स्टेशन पर उन्होंने स्वामी विवेकानंद की एक पुस्तक कॉल टु दि यूथ फॉर नेशन देखा और खरीद लिया। इसे पढ़कर उनके मन में भी अपना जीवन समाज को समर्पित करने की इच्छा बलवती हो गई। उन्होंने महात्मा गांधी और विनोबा भावे की पुस्तकें भी पढ़ीं। 1970 में उन्होंने आजीवन अविवाहित रहकर स्वयं को सामाजिक कार्यों के लिए पूर्णतः समर्पित कर देने का संकल्प कर लिया।

मुम्बई पदस्थापन के दौरान वह अपने गांव रालेगन आते–जाते रहे। वे वहाँ चट्टान पर बैठकर गांव को सुधरने की बात सोचा करते थे। 1978 में स्वैच्छिक सेवा निवृत्ति लेकर रालेगन आकर उन्होंने अपना सामाजिक कार्य प्रारंभ कर दिया। इस गांव में बिजली और पानी की जबरदस्त कमी थी। अन्ना ने गांव वालों को नहर बनाने और गड्ढे खोदकर बारिश का पानी इकट्ठा करने के लिए प्रेरित किया और खुद्द भी इसमें योगदान दिया। अन्ना के कहने पर गांव में जगह–जगह पेड़ लगाए गए। गांव में सौर ऊर्जा और गोबर गैस के जरिए बिजली की सप्लाई की गई. उन्होंने अपनी जमीन बच्चों के हॉस्टल के लिए दान कर दी और अपनी पेंशन का सारा पैसा गांव के विकास के लिए समर्पित कर दिया। वे गांव के मंदिर में रहते हैं और हॉस्टल में रहने वाले बच्चों के लिए बनने वाला खाना ही खाते हैं। आज गांव का हर शख्स आत्मनिर्भर है। आस–पड़ोस के गांवों के लिए भी यहां से चारा, दूध आदि जाता है। यह गांव आज शांति ,सौहर्द एवं भाईचारे की मिसाल है।

महाराष्ट्र भ्रष्टाचार विरोधी आंदोलन

1991 में अन्ना हजारे ने महाराष्ट्र में शिवसेना–भाजपा की सरकार के कुछ श्भ्रष्टश मंत्रियों को हटाए जाने की मांग को लेकर भूख हड़ताल की। ये मंत्री थे– शशिकांत सुतर, महादेव शिवांकर और बबन घोलाप। अन्ना ने उन पर आय से अधिक संपत्ति रखने का आरोप लगाया था। सरकार ने उन्हें मनाने की बहुत कोशिश की, लेकिन अंततरू उसे दागी मंत्रियों शशिकांत सुतर और महादेव शिवांकर को हटाना ही पड़ा।

सूचना का अध्किार आंदोलन

1997 में अन्ना हजारे ने सूचना का अध्कि ार अधिनियम के समर्थन में मुंबई के आजाद मैदान से अपना अभियान शुरु किया। 9 अगस्त, 2003 को मुंबई के आजाद मैदान में ही अन्ना हजारे आमरण अनशन पर बैठ गए। 12 दिन तक चले आमरण अनशन के दौरान अन्ना हजारे और सूचना का अधिकार आंदोलन को देशव्यापी समर्थन मिला। आखध्रिकार 2003 में ही महाराष्ट्र सरकार को इस अधिनियम के एक मजबूत और कड़े मसौदे को पारित करना पड़ा। बाद में इसी आंदोलन ने राष्ट्रीय आंदोलन का रूप ले लिया। इसके परिणामस्वरूप १२ अक्टूबर 2005 को भारतीय संसद ने भी सूचना का अधिकार अधिनियम पारित किया। अगस्त 2006, में सूचना का अधिकार अधिनियम में संशोधन प्रस्ताव के खिलाफ अन्ना ने 11 दिन तक आमरण अनशन किया, जिसे देशभर में समर्थन मिला। इसके परिणामस्वरूप, सरकार ने संशोधन का इरादा बदल दिया।

महाराष्ट्र भ्रष्टाचार विरोधी आंदोलन

2003 में अन्ना ने कांग्रेस और एनसीपी सरकार के चार मंत्रियोंय सुरेश दादा जैन, नवाब मलिक, विजय कुमार गावित और पद्मसिंह पाटिल को भ्रष्ट बताकर उनके खध्लिाफ मुहिम छेड़ दी और भूख हड़ताल पर बैठ गए। तत्कालीन महाराष्ट्र सरकार ने इसके बाद एक जांच आयोग का गठन किया। नवाब मलिक ने भी अपने पद से त्यागपत्र दे दिया। आयोग ने जब सुरेश जैन के खध्लिाफ आरोप तय किए तो उन्हें भी त्यागपत्र देना पड़ा।

लोकपाल विधेयक आंदोलन

देखें मुख्य लेख जन लोकपाल विधेयक आंदोलन जन लोकपाल विधेयक (नागरिक लोकपाल विधेयक) के निर्माण के लिए जारी यह आंदोलन अपने अखिल भारतीय स्वरूप में 5 अप्रैल 2011 को समाजसेवी अन्ना हजारे एवं उनके साथियों के जंतर–मंतर पर शुरु किए गए अनशन के साथ आरंभ हुआ, जिनमें मैग्सेसे पुरस्कार विजेता अरविंद केजरीवाल, भारत की पहली महिला प्रशासनिक अधिकारी किरण बेदी, प्रसिद्ध लोकधर्मी वकील प्रशांत भूषण, आदि शामिल थे। संचार साधनों के प्रभाव के कारण इस अनशन का प्रभाव समूचे भारत में फैल गया और इसके समर्थन में लोग सड़कों पर भी उतरने लगे। इन्होंने भारत सरकार से एक मजबूत भ्रष्टाचार विरोधी लोकपाल विधेयक बनाने की माँग की थी और अपनी माँग के अनुरूप सरकार को लोकपाल बिल का एक मसौदा भी दिया था। किंतु मनमोहन सिंह के नेतृत्व वाली तत्कालीन सरकार ने इसके प्रति नकारात्मक रवैया दिखाया और इसकी उपेक्षा की। इसके परिणामस्वरूप शुरु हुए अनशन के प्रति भी उनका रवैया उपेक्षा पूर्ण ही रहा। किंतु इस अनशन के आंदोलन का रूप लेने पर भारत सरकार ने आनन–फानन में एक समिति बनाकर संभावित खतरे को टाला और 16 अगस्त तक संसद में लोकपाल विधेयक पारित कराने की बात स्वीकार कर ली। अगस्त से शुरु हुए मानसून सत्र में सरकार ने जो विधेयक प्रस्तुत किया वह कमजोर और जन लोकपाल के सर्वथा विपरीत था। अन्ना हजारे ने इसके खिलाफ अपने पूर्व घोषित तिथि 16 अगस्त से पुनः अनशन पर जाने की बात दुहराई। 16 अगस्त को सुबह साढ़े सात बजे जब वे अनशन पर जाने के लिए तैयारी कर रहे थे, उन्हें

दिल्ली पुलिस ने उन्हें घर से ही गिरफ्तार कर लिया। उनके टीम के अन्य लोग भी गिरफ्तार कर लिए गए। इस खबर ने आम जनता को उद्वेलित कर दिया और वह सड़कों पर उतरकर सरकार के इस कदम का अहिंसात्मक प्रतिरोध करने लगी। दिल्ली पुलिस ने अन्ना को मजिस्ट्रेट के सामने पेश किया। अन्ना ने रिहा किए जाने पर दिल्ली से बाहर रालेगाँव चले जाने या 3 दिन तक अनशन करने की बात अस्वीकार कर दी। उन्हें 7 दिनों के न्यायिक हिरासत में तिहाड़ जेल भेज दिया गया। शाम तक देशव्यापी प्रदर्शनों की खबर ने सरकार को अपना कदम वापस खींचने पर मजबूर कर दिया। दिल्ली पुलिस ने अन्ना को सशर्त रिहा करने का आदेश जारी किया। मगर अन्ना अनशन जारी रखने पर दृढ़ थे। बिना किसी शर्त के अनशन करने की अनुमति तक उन्होंने रिहा होने से इनकार कर दिया। 17 अगस्त तक देश में अन्ना के समर्थन में प्रदर्शन होता रहा। दिल्ली में तिहाड़ जेल के बाहर हजारों लोग डेरा डाले रहे। 17 अगस्त की शाम तक दिल्ली पुलिस रामलीला मैदान में और 7 दिनों तक अनशन करने की इजाजत देने को तैयार हुई। मगर अन्ना ने 30 दिनों से कम अनशन करने की अनुमति लेने से मना कर दिया. उन्होंने जेल में ही अपना अनशन जारी रखा। अन्ना को राम्लीला मैदान मै 15 दिन कि अनुमति मिलि,और अब 19 अगस्त से श्री अन्ना राम लीला मेदान मै जन लोकपाल बिल के लिये आनशन जारी रखने पर दृढ़ हैद्य आज 24 अगस्त तक तीन मुद्दओ पर सरकार से सहमति नही बन पायी हैद्य अनशन का आज दसवाँ दिन है.

प्रधनमंत्री मनमोहन सिंह ने दोनो पक्षों के बीच जारी गतिरोध को तोड़ने की दिशा में पहली ठोस पहल करते हुए लोकसभा में खुली पेशकश की कि संसद अरूणा राय और डा. जयप्रकाश नारायण सहित अन्य लोगों द्वारा पेश विधेयकों के साथ जन लोकपाल विधेयक पर भी विचार करेगी। उसके बाद विचार विमर्श का ब्यौरा स्थायी समिति को भेजा जाएगा।

25 मई 2012 को अन्ना हजारे ने पुनः जंतर मंतर पर जन लोकपाल विधेयक और विसल ब्लोअर विधेयक को लेकर एक दिन का सांकेतिक अनशन किया।

व्हिसल ब्लोअर्स बिल 2011

● इस बिल का पूरा नाम है ***'पब्लिक इंफोर्मेशन डिस्क्लोजर ऐंड प्रोटेक्शन टू परसन मेकिंग डिस्क्लोजर 2010'*** बिल है।

● इसका अभिप्राय है भ्रष्टाचार की खबर देने वाले की पहचान हर हाल में गुप्त रखना। यदि किसी ने पहचान जाहिर की तो उसके खिलाफ सख्त कार्रवाई होगी।

● जनता के लिए इस्तेमाल में आने वाले धन के दुरुपयोग और जनहित के लिए काम करने वाली सरकारी संस्थाओं में हो रहे ***घोटालों की जानकारी देने वाले व्यक्ति को 'व्हिसल ब्लोअर'*** माना जाएगा।

● इस ***बिल का उद्देश्य*** है भ्रष्टाचार के खिलाफ आवाज उठाने वाले को किसी भी तरह से जान–माल का खतरा न रहे।

● व्हिसल ब्लोअर बिल के तहत ***सीवीसी*** अर्थात ***केंद्रीय सतर्कता आयोग*** को ***नोडल एजेंसी*** बनाया गया है। सीवीसी के पास अदालत के जैसे अधिकार होंगे।

● इस बिल के तहत केंद्रीय सतर्कता ब्यूरो (सीवीसी) को अतिरिक्त अधिकार दिए गए हैं। सीवीसी को यह अधिकार होगा कि वह सरकारी विभागों में भ्रष्टाचार के खलिाफ आवाज बुलंद करने वालों यानी 'व्हिसल ब्लोअर्स' के खिलाफ अनुशासनात्मक कार्रवाई को रोक सके।

रवींद्रनाथ ठाकुर द्वारा रचित भारतीय राष्ट्रगान के 100 वर्ष पूरे

● **भारतीय राष्ट्रगान जन गण मन अधिनायक जय हे, के 100 वर्ष** *27 दिसंबर 2011* **को पूरे हो गए।**

● 27 दिसंबर 1911 को गुरूदेव रवींद्रनाथ ठाकुर ने ***भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस के कोलकाता अधिवेशन*** में पहली बार इसे सार्वजनिक रूप से गाया था।

● ज्ञातव्य है कि ***भारतीय राष्ट्रगान के रचियता गुरूदेव रवींद्रनाथ ठाकुर*** हैं जबकि ***भारतीय राष्ट्रीय गीत के रचियता बंकिमचंद्र चटर्जी*** हैं।

लोकपाल और लोकायुक्त विधेयक 2011

● केंद्र में लोकपाल और राज्य स्तर पर लोकायुक्त संस्था की स्थापना के उद्देश्य से सरकार ने 'लोकपाल और लोकायुक्त विधेयक 2011' लोकसभा में 22 दिसंबर 2011 पेश किया।

● दोनों संस्थाओं (लोकपाल और लोकायुक्त) को ***संवैधानिक दर्जा*** प्रदान करने हेतु संविधान में संशोधन के लिए सरकार ने एक अन्य विधेयक भी प्रस्तुत किया।

● सरकार ने पहले पेश किए गए लोकपाल विधेयक–2011 को वापस ले लिया, क्योंकि इसमें महत्त्वपूर्ण बदलाव के लिए संसदीय समिति द्वारा सुझाए उपायों पर विचार करने के बाद तैयार नए लोकपाल एवं लोकायुक्त विधेयक 2011 को लोकसभा में प्रस्तुत करने का फैसला लिया गया।

खाद्य सुरक्षा विधेयक

● सस्ती दरों पर अनाज उपलब्ध कराने हेतु केंद्रीय मंत्रिमंडल ने प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह की अध्यक्षता में खाद्य सुरक्षा विधेयक को 18 दिसंबर 2011 को मंजूरी प्रदान की गयी।

● खाद्य सुरक्षा विधेयक के तहत ***ग्रामीण क्षेत्रों में रहने वाली 75 प्रतिशत*** जबकि ***शहरी क्षेत्रों में 50 प्रतिशत*** आबादी को सस्ती दरों पर अनाज उपलब्ध कराना है।

● खाद्य सुरक्षा विधेयक के तहत ***ग्रामीण और शहरी गरीबों को प्रति व्यक्ति 7 किलो प्रति माह के हिसाब*** से अनाज मिलेगा।

● कानून में ***5 व्यक्तियों की इकाई को परिवार*** माना गया है।

● केंद्र सरकार ने खाद्य सुरक्षा विधेयक के क्रियान्वयन के प्रथम वर्ष के लिए 95000 करोड़ रुपये की सब्सिडी का अनुमान लगाया है।

● खाद्य सुरक्षा विधेयक के क्रियान्वयन हेतु तीसरे वर्षों में कृषि उत्पादों के भंडारण के लिए गोदाम बनाने पर 50000 करोड़ रुपये की अतिरिक्त राशि की आवश्यकता होगी।

● खाद्य सुरक्षा विधेयक के तहत गरीबी रेखा से नीचे रहने वाले परिवारों, गरीबी रेखा से ऊपर के परिवारों और अंत्योदय अन्न योजना के तहत आने वाले वर्ग के प्रावधान को समाप्त कर दिया गया है।

● खाद्य सुरक्षा विधेयक में प्राथमिकता वाले और सामान्य उपभोक्ता वर्ग के तहत जनता को बांटा गया है। ***प्राथमिकता वर्ग*** में आने वाले गरीबों को *एक रुपये प्रति किलो की दर पर मोटा अनाज, दो रुपये किलो के हिसाब से गेहूं* और *3 रुपये किलो के हिसाब से चावल* दिया जाएगा, जबकि ***सामान्य उपभोक्ता वर्ग*** को *अनाज के समर्थन मूल्य का 50 प्रतिशत* देना होगा।

● जिला, राज्य और राष्ट्रीय स्तर पर शिकायत निपटारा प्रक्रिया का प्रावधान है।

● खाद्य सुरक्षा विधेयक के प्रथम वर्ष का बजट 95000 करोड़ रुपए करने का प्रस्ताव है।

● खाद्य सुरक्षा विधेयक के अंतर्गत केंद्र सरकार ने कृषि को बढ़ावा देने के लिए 110000 करोड़ रुपए का निवेश करने का प्रस्ताव रखा है।

● बच्चे को ***दूध पिलाने वाली महिलाओं*** को सरकार की तरफ से ***1000 रुपए प्रति माह*** दिए जाने का प्रावधान है।

● बच्चों को दूध पिलाने वाली महिलाओं, आठवीं कक्षा तक पढ़ने वाले बच्चों, गर्भवती महिलाओं और बूढ़े लोगों को पका हुआ भोजन प्रदान किया जाएगा।

नई जैविक खेती नीति

● हिमाचल प्रदेश राज्य सरकार ने 2 दिसंबर, 2011 को राज्य में नई जैविक खेती नीति को मंजूरी दी है।

● नई जैविक खेती नीति के तहत हिमाचल प्रदेश राज्य सरकार न केवल जैविक उत्पादों का प्रमाणीकरण करेगी बल्कि इनके विपणन की जिम्मेदारी भी स्वयं उठाएगी।

उच्च शिक्षा संस्थान विधेयक, 2011

● केंद्र सरकार ने उच्च शिक्षा संस्थान विधेयक,

2011 को मंजूरी प्रदान की।

● प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह की अध्यक्षता में हुई केंद्रीय मंत्रिमंडल की बैठक में यह निर्णय 16 नवंबर, 2011 को लिया गया।

● केंद्रीय मंत्रिमंडल ने तकनीकी शिक्षा संस्थान, चिकित्सा शिक्षा संस्थान एवं विश्वविद्यालय में अनाचरण प्रतिबंधित करने संबंधी विधेयक, 2010 में संशोधन कर इसका नाम उच्च शिक्षा संस्थान विधेयक, 2011 रखा। मानव संसाधन विभाग द्वारा वर्ष 2010 के विधेयक में संसोधन हेतु सिफारिश की गई थी।

● उच्च शिक्षा संस्थान विधेयक, 2011 में संस्था के नाम पर दान लेने या कैपिटेशन फीस लेने पर एक करोड़ रुपये तक के जुर्माने का प्रावधान है। साथ ही विधेयक के अनुसार शिक्षण संस्थानों को शिक्षकों की भर्ती के लिए भी केंद्र के मानकों का पालन करना आवश्यक है।

● ज्ञातव्य हो कि तकनीकी शिक्षा संस्थान, चिकित्सा शिक्षा संस्थान एवं विश्वविद्यालय में अनाचरण प्रतिबंधित करने संबंधी विधेयक, 2010 को मई 2010 में लोकसभा में पेश किया गया था। उसके बाद विधेयक को मानव संसाधन विकास संबंधी संसद की स्थायी समिति को भेजा गया था।

● समिति द्वारा 30 मई 2011 को सौंपी गई सिफारिशों के आधार पर विधेयक में संशोधन व सुधार किए गए।

भारत मानव विकास रिपोर्ट 2011

● भारत मानव विकास रिपोर्ट 2011 (India Human Development Report 2011) के अनुसार वर्ष 2001 में साक्षरता दर 64.8 प्रतिशत के मुकाबले ***वर्ष 2011 में साक्षरता दर 74 प्रतिशत*** तक हो गई।

● भारत मानव विकास रिपोर्ट 2011 के अनुसार शिक्षा व साक्षरता की दिशा में सुधार के बावजूद ***विश्व की एक तिहाई अशिक्षित जनसंख्या भारत*** में है। इनमें भी अनुसूचित जाति, जनजाति और मुसलमानों का प्रतिशत सबसे ज्यादा है।

● अनुसूचित जाति और जनजाति की आधे से अधिक महिलाएं अब भी निरक्षर हैं।

● शिक्षा के मामले में भारत में मुसलमानों की साक्षरता दर सबसे नीचे है।

● उत्तर प्रदेश, बिहार और पश्चिम बंगाल में सात साल से अधिक आयु वर्ग की देश की कुल मुस्लिम आबादी का 46 प्रतिशत हिस्सा रहता है, जबकि मुस्लिमों समुदाय के कुल निरक्षरों में से 58 प्रतिशत इन्हीं राज्यों में हैं।

● लगभग 20 करोड़ आबादी वाले उत्तर प्रदेश में 19. 2 प्रतिशत, पश्चिम बंगाल में 14.8 और बिहार में 13. 4 प्रतिशत मुस्लिम आबादी है।

● अनुसूचित जाति की कुल आबादी का 46 प्रतिशत हिस्सा उत्तर प्रदेश, बिहार, पश्चिम बंगाल और आंध्र प्रदेश में रहता है।

● राजस्थान, झारखंड, उड़ीसा, छत्तीसगढ़ और मध्य प्रदेश ऐसे राज्य हैं, जहां अनुसूचित जनजाति की कुल आबादी की 48 प्रतिशत रहती है, जबकि इस समुदाय के कुल अशिक्षितों में से 55 प्रतिशत इन्हीं राज्यों में हैं।

● भारत मानव विकास रिपोर्ट 2011 के अनुसार भारत में मानव विकास की स्थिति में काफी सुधार हुआ है।

● वर्ष 2000 के मुकाबले वर्ष 2008 में इसमें 21 प्रतिशत की बेहतरी दर्ज की गई।

● मानव विकास सूची में ***केरल सबसे ऊपर*** है, जबकि ***छत्तीसगढ़ सबसे निचले पायदान*** पर है।

● भारत मानव विकास रिपोर्ट 2011 के अनुसार स्वास्थ्य के क्षेत्र में विकास बहुत धीमा हुआ। इस क्षेत्र में विकास दर सिर्फ 13.2 प्रतिशत ही हुआ।

● स्वास्थ्य के क्षेत्र में सबसे अच्छी विकास दर गोवा ने हासिल की। यहां यह दर 79 प्रतिशत रही, लेकिन दूसरे नंबर पर रहने वाले राज्य छत्तीसगढ़ में यह दर सिर्फ 22 प्रतिशत थी।

● स्वास्थ्य के पैमाने पर सबसे कम विकास दिल्ली में हुआ। यहां सिर्फ चार प्रतिशत रहा।

● रिपोर्ट के अनुसार भारत में दस हजार लोगों पर अस्पताल के सिर्फ नौ बिस्तर उपलब्ध हैं। इसी तरह प्रति दस हजार आबादी पर सिर्फ छह डॉक्टर उपलब्ध हैं।

● भारत मानव विकास रिपोर्ट 2011 के अनुसार आधारभूत संरचना के क्षेत्र में केरल, दिल्ली और गोवा जैसे राज्यों ने ढांचागत सुविधाओं की मदद से चौमुखी विकास किया है, वहीं बिहार, झारखंड, उत्तर प्रदेश, मध्य प्रदेश और छत्तीसगढ़ जैसे राज्य ढांचागत सुविधाओं की कमी के कारण अभी भी गरीब बने हुए हैं।

● रिपोर्ट के अनुसार केरल ने राष्ट्रीय औसत से चार गुना अधिक सड़कें बनाई हैं। वर्ष 2004 के आंकड़ों के आधार पर केरल में प्रति 100 वर्ग किलोमीटर क्षेत्रफल पर 369 किमी. सड़कें थीं, जबकि सड़कों का राष्ट्रीय औसत प्रति 100 वर्ग किमी. क्षेत्रफल पर 80 किमी का है।

● सड़क निर्माण के मामले में सबसे आगे रहने वाला केरल विकास के मामले में अन्य राज्यों से आगे है।

● बिहार, छत्तीसगढ़, हिमाचल प्रदेश, राजस्थान, महाराष्ट्र, तमिलनाडु और उत्तर प्रदेश राज्य सरकार द्वारा प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना के निर्धारित लक्ष्य तक को पूरा नहीं किया गया।

● बिहार, झारखंड उत्तर प्रदेश और पश्चिम बंगाल जैसे घनी आबादी वाले राज्यों में प्रति दस लाख की आबादी पर 25.9 किमी के राष्ट्रीय औसत से भी कम सड़कें बनी हैं।

● हालांकि महाराष्ट्र, आंध्र प्रदेश और मध्य प्रदेश जैसे घनी आबादी राज्यों में राष्ट्रीय औसत से अधिक सड़कें बनी हैं।

उत्तर प्रदेश में तीन नए जिले

● उत्तर प्रदेश सरकार ने 28 सितंबर 2011 को प्रबुद्ध नगर, पंचशील नगर और भीम नगर नामक तीन नए जिलों की स्थापना की।

● शामली, हापुड़ और संभल तहसीलों को जिले का दर्जा दिया गया। इन तहसीलों के नाम यथावत रहेंगे, जबकि जिलों के नाम क्रमश – प्रबुद्ध नगर, पंचशील नगर और भीम नगर रखे गए हैं।

● उत्तर प्रदेश के पश्चिमी क्षेत्र में तीन नए जिलों के बनने से राज्य में कुल जिलों की संख्या 72 से बढ़कर 75 हो गई।

● उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा जारी अधिसूचना में प्रबुद्ध नगर 73वां जिला, पंचशीलनगर 74वां जिला जबकि भीम नगर 75वां जिला घोषित किया गया।

● *प्रबुद्ध नगर जिला :* इसमें शामली और कैराना तहसील शामिल हैं जबकि यह सहारनपुर मंडल का हिस्सा घोषित किया गया।

● *पंचशीलनगर जिला :* इसमें हापुड़, गढ़मुक्तेश्वर और धौलाना तहसील को शामिल किया गया।

● *भीम नगर जिला :* इसमें संभल, चंदौसी और गुन्नौर तहसील शामिल की गई हैं, जिनमें दो मुरादाबाद जिले से और एक बदायूं से ली गई है।

● ज्ञातव्य हो कि वर्ष 1994 से अब तक उत्तर प्रदेश में 20 नए जिलों का गठन हुआ है, जिनमें से 16 का गठन मुख्यमंत्री मायावती ने अपने विभिन्न कार्यकाल में किया है।

अंतरराष्ट्रीय समसामयिकी

कोफी अन्नान का छह सूत्रीय शांति प्रस्ताव

● सीरिया में चल रही हिंसा खत्म करने के लिए संयुक्त राष्ट्र और अरब लीग के संयुक्त दूत और पूर्व प्रमुख कोफी अन्नान के छह सूत्रीय शांति प्रस्ताव को सीरिया ने स्वीकार कर लिया है।

छह सूत्री शांति प्रस्ताव के प्रमुख बिंदु अस प्रकार हैं :

1. प्रस्ताव में हिंसा और हत्याएं बंद करने,
2. मानवीय सहायता एजेंसियों को पहुंच मुहैया कराने,
3. बंदियों की रिहाई,
4. सीरियाई जनता की वैध आकांक्षाओं और चिंताओं का निराकरण करने के लिए समावेशी राजनैतिक वार्ता की शुरुआत करने,
5. सीरिया सम्पूर्ण देश में पत्रकारों की अभिव्यक्ति

की स्वतंत्रता को सुनिश्चित करेंगें,

6. सीरिया अधिकारी इस बीत को भी सुमिश्चित करेंगें कि सम्पूर्ण देश में शांतिपूर्ण आंदोलनों और संध अनानें की स्वतंत्रता का सम्मान हो,

मेमोगेट कांड

● एजाज ने वाशिंगटन में पाकिस्तान के राजदूत हुसैन हक्कानी पर आरोप लगाया था कि उन्होंने उनके हाथों एक वरिष्ठ अमरीकी सैनिक अधिकारी को एक मेमो या संदेश भेजा था।

● एजाज मंसूर ने पिछले साल अक्तूबर में कहा था कि उन्हें एडमिरल माइक मलेन को ये मेमो देने को कहा गया था। उनका मानना था कि राष्ट्रपति जरदारी के निर्देश पर राजदूत हक्कानी ने ऐसा किया था।

● इस विवाद के बाद हुसैन हक्कानी को अपने पद से इस्तीफा देना पड़ा था।

● इस मामले में लंदन से वीडियो लिंक के जरिए मंसूर एजाज ने अपना पक्ष रखा है लेकिन पूर्व राजदूत हक्कानी जाँच आयोग के सामने पेश नहीं हुए जबकि पहले उन्होंने पेश होने की बात कही थी।

● मेमोगेट कांड की वजह से पाकिस्तानी कूटनीति, सेना और अमरीका के साथ संबंधों को लेकर कई जटिल सवाल उठ खड़े हुए थे।

टाइम पर्सन ऑफ द ईयर 2011

● टाइम पत्रिका ने वर्ष 2011 के लिए पर्सन ऑफ द ईयर का पुरस्कार जनता की ताकत ***द प्रोटेस्टर*** (The Protester) को 15 दिसंबर 2011 को प्रदान किया।

● द प्रोटेस्टर का आशय विश्व के वर्ष 2011 के उन समस्त आंदोलकारियों से है जिन्होंने उस आंदोलन में भाग लिया जिसका उद्देश्य अधिक से अधिक लोगों के हित में था। जो जनता की असली आवाज या ताकत को दिखाता हो और जो लोकतंत्र को बढ़ावा देने में सक्षम हो।

● टाइम पत्रिका ने अपने कवर पेज पर ***मानव शक्ति*** (प्यूपिल पॉवर) को बताने वाले अनेक आंदोलनों के प्रतीक के रुप में द प्रोटेस्टर को कवर स्टोरी के रुप में स्थान दिया।

प्रोटेस्टर के अतिरिक्त निम्नलिखित को भी वर्ष 2011 के पर्सन ऑफ द इयर से सम्मानित किया गया।

● ***एडमिरल विलियम मैक्रेवन*** – पाकिस्तान में आतंकी ओसामा बिन लादेन को मारने के मिशन के कमांडर

● ***अई वईवई*** – चीनी असंतुष्ट कलाकार जिसे हिरासत में लेने पर दुनिया भर में आवाज उठी

● ***पॉल यार्न*** – अमेरिकी संसद की बजट समिति के चेयरमैन

● ***केट मिडिलटन*** – अप्रैल में प्रिंस विलियम से शादी की थी

एशियाई निर्वाचन प्राधिकरण संघ

● भारत को सर्वसम्मति से एशियाई निर्वाचन प्राधिकरण संघ (एएईए) का उपाध्यक्ष एवं कोरिया गणराज्य को अध्यक्ष चुना गया।

● यह चुनाव एएईए की आम सभा में सियोल में 27 अक्टूबर 2011 को हुआ।

● भारत के मुख्य चुनाव आयुक्त डॉ एसवाई कुरैशी का नाम भूटान के मुख्य चुनाव आयुक्त द्वारा प्रस्तावित किया गया तथा इस पर अन्य सदस्य देशों से पूरा समर्थन मिला।

● एशियाई निर्वाचन प्राधिकरण संघ के उपाध्यक्ष पद पर भारत से पहले कोरिया गणराज्य था, जो अब वर्ष 2013 तक के लिए एएईए का अध्यक्ष निर्वाचित किया गया।

● भारत इस 17 सदस्यीय संघ का एक संस्थापक सदस्य है।

● कार्यरत समूह प्रस्तावित ए–वेब के ढांचे, दृष्टिकोण, संरचनात्मक संगठन तथा कार्य योजना पर विचार विमर्श करेगा।

ब्रिक देशों का शिखर सम्मेलन 2012

● चौथी ब्रिक्स शिखर बैठक 2012 का आयोजन 29 मार्च 2012 को नई दिल्ली में किया गया है।

● इस शिखर बैठक का विषय–वैश्विक स्थिरता, सुरक्षा और समृद्धि के लिए ब्रिक्स भागीदारी है।

● नई दिल्ली में चौथे ब्रिक्स शिखर सम्मेलन के दौरान स्थानीय मुद्रा में व्यापार शुरू करने सहित कई अन्य समझौतों पर भी हस्ताक्षर किये।

● ब्रिक्स संगठन के देशों – भारत, चीन, रूस, ब्राजील और दक्षिण अफ्रीका ने स्थानीय मुद्रा में व्यापार शुरू करने के दो समझौतों पर हस्ताक्षर किये हैं।

● शिखर सम्मेलन के बाद ये पांचों देश एक विकास बैंक बनाने के लिए संयुक्त कार्य दल के गठन पर भी सहमत हुए।

● यह बैंक ब्रिक्स संगठन के सदस्य देशों को स्थानीय मुद्रा में ऋण सुविधाएं देगा।

● स्थानीय मुद्रा में व्यापार करने के समझौते का उद्देश्य, सदस्य देशों की, अमरीकी डॉलर, यूरो और पाउंड जैसी पूर्ण परिवर्तनीय मुद्राओं पर, निर्भरता कम करना है। इससे ब्रिक्स देशों में आपसी व्यापार के लिए, भुगतान के लेन–देन की लागत भी कम होगी।

● ब्रिक यानी बीआरआईसी विश्व की सर्वाधिक तेजी से विकसित होती अर्थव्यवस्थाओं वाले विकासशील देशों – ब्राजील, रूस, भारत और चीन का संगठन है।

● इस शब्द का पहली बार प्रयोग 2001 में गोल्डमैन शश ने किया था। ये चारों देश संयुक्त रूप से विश्व का एक–चौथाई क्षेत्र घेरते हैं और इनकी जनसंख्या विश्व की कुल आबादी का 40 प्रतिशत से अधिक है।

● गोल्डमैन शश का तर्क था कि ब्राजील, रूस, चीन और भारत की अर्थव्यवस्थाएं आर्थिक रूप से इतनी मजबूत हैं कि 2050 तक ये चारों अर्थव्यवस्थाएं वैश्विक परिदृश्य पर हावी होंगी।

● ब्रिक देशों की पहली आधिकारिक बैठक 16 जून, 2009 को रूस के येकेटेरिनबर्ग में हुई थी। 17 जून, 2009 को हुई बैठक में इन देशों ने आपसी सहयोग बढ़ाने पर बल दिया। इसमें एक वैश्विक मुद्रा बनाने की बात कही गई थी।

● 4 सितंबर, 2009 में इसकी दूसरी बैठक लंदन में हुई थी। इसमें यह तय हुआ कि स्थिर वैश्विक अर्थव्यवस्था के लिए विश्व मुद्रा कोष जैसी अंतरराष्ट्रीय संस्थाओं में बदलावों की जरूरत है। साथ ही बदलाव की इस प्रक्रिया में विकासशील देशों की बराबर हिस्सेदारी होनी चाहिए।

● वर्ष 2010 में तीसरी बैठक ब्राजील में आयोजित की गयी।

भारत ने संयुक्त राष्ट्र की संयुक्त निरीक्षण इकाई का चुनाव जीता

● भारत ने चीन को पराजित कर संयुक्त राष्ट्र की संयुक्त निरीक्षण इकाई (जेआईयू) का चुनाव जीत लिया। जेआईयू में एशिया प्रशांत क्षेत्र सीट के लिए कुल 183 मत पड़े।

● भारत के उम्मीदवार ए गोपीनाथन को 106 मत, जबकि चीन के उम्मीदवार झांग यान को 77 मत प्राप्त हुए।

● मतदान संयुक्त राष्ट्र महासभा में 22 नवंबर 2011 को संपन्न हुआ।

● इससे पहले भारत जेआईयू के एशिया प्रशांत क्षेत्र सीट के लिए वर्ष 1968 से 1977 के लिए चुना गया था।

● जेआईयू में एशिया प्रशांत क्षेत्र में केवल एक सीट है।

● भारत का पांच वर्ष का कार्यकाल 1 जनवरी 2013 से शुरु होगा।

● जेआईयू में अधिकतम 11 निरीक्षक होते हैं।

● चीन इस सीट पर वर्ष 2002 में निर्वाचित हुआ था। उसका कार्यकाल दिसंबर 2012 में खत्म हो जाएगा।

● ए. गोपीनाथन जिनेवा स्थित संयुक्त राष्ट्र कार्यालय में भारत के स्थाई प्रतिनिधि हैं, जबकि झांग यान भारत में चीन के राजदूत हैं।

● यह चुनाव संयुक्त राष्ट्र महासभा में मिस्र, रूस, पेरू, क्यूबा, चीन और अमरीका के प्रतिनिधियों का कार्यकाल समाप्त होने के बाद रिक्त पदों के लिए कराए गए।

● जेआईयू का उद्देश्य निम्नलिखित हैं :

1. दुनिया में संयुक्त राष्ट्र की व्यवस्था का मूल्यांकन, जांच और निरीक्षण करना।

2. संयुक्त राष्ट्र तंत्र के विभिन्न संगठनों में समन्वय स्थापित करना है।

3. संगठन द्वारा स्थापित उद्देश्यों को प्रभावी तौर पर पूरा करने में सहयोग देना।

● विदित हो कि संयुक्त राष्ट्र की संयुक्त निरीक्षण इकाई (जेआईयू) संयुक्त राष्ट्र के बाहरी मामलों पर नजर रखने वाली संस्था है। इसकी स्थापना 4 नवंबर 1966 को हुई थी। इसके बाद इसका विस्तार किया गया।

● 1 जनवरी 1978 को महासभा ने जेआईयू को सहायक अंग के तौर पर स्थापित किया।

अमेरिकी सेना का इराक मिशन समाप्त

● अमेरिकी सेना ने अपना इराक मिशन 15 दिसंबर 2011 को समाप्त कर दिया।

● बगदाद के निकट एक सादे समारोह में अमेरिकी रक्षामंत्री लियोन पेनेटा के अमेरिकी झंडे को नीचे करने के साथ ही इराक मिशन समाप्त हो गया।

● मिशन समाप्त होने के साथ ही सद्दाम हुसैन को अपदस्थ करने के लिए वर्ष 2003 में शुरू हुआ युद्ध औपचारिक रूप से समाप्त हो गया। वर्ष 2003 में अमेरिका के राष्ट्रपति जॉर्ज बुश थे।

● इराक में चली सैन्य कार्रवाई में एक लाख इराक के नागरिक और 4500 अमरीकी सैनिक मारे गए।

इराक में अमरीकी सैन्य कार्रवाई से संबंधित कतिपय मुख्य बिंदु निम्नलिखित है।

● मार्च 2003 – बगदाद पर हमले के साथ ऑपरेशन इराकघि फ्रीडम शुरू, बगदाद पर एक महीने में कब्जा

● मई 2003 – तत्कालीन राष्ट्रपति जॉर्ज बुश द्वारा लक्ष्य हासिल हो जाने की घोषणा

● दिसंबर 2003 – सद्दाम हुसैन टिकरित शहर में एक बंकर में पकड़े गए

● अप्रैल 2004 – अबु–गरेब जेल में हिरासत में रखे गए लोगों के साथ अत्याचार की तस्वीरें सामने आईं

● 2005 – अमरीकी सैन्य कार्रवाई के खिलाफ बगावत बढ़ने से इराक में कई आत्मघाती हमले

● जनवरी 2007 – अमरीकी सेना के अभियान में तेजी, वर्ष 2008 तक हिंसा में कमी आई

● अगस्त 2010 – अमरीका की आखिरी लड़ाकू टुकड़ी ने इराक छोड़ा

यूनेस्को के मुख्यालय में प्रथम बार फलस्तीन का राष्ट्रीय ध्वज फहराया गया

● संयुक्त राष्ट्र की सांस्कृतिक एजेंसी यूनेस्को के मुख्यालय (फ्रांस, पेरिस) में प्रथम बार फलस्तीन का राष्ट्रीय ध्वज 13 दिसंबर 2011 को फहराया गया।

● फलस्तीन के राष्ट्रपति महमूद अब्बास की उपस्थिति में लाल, काले, सफेद और हरे रंग के फलस्तीनी राष्ट्रीय ध्वज को फहराया गया।

● ज्ञातव्य हो कि फलस्तीन को 31 अक्तूबर 2011 को मतदान के बाद यूनेस्को में सदस्य देश के तौर पर शामिल किया गया था। हालांकि इस निर्णय के बाद अमेरिका ने यूनेस्को को दी जाने वाली धनराशि में कटौती कर दी थी।

श्रीलंका के खिलाफ संयुक्त राष्ट्र मानवाधिकार आयोग का प्रस्ताव

● संयुक्त राष्ट्र मानवाधिकार आयोग द्वारा लाए गए प्रस्ताव पर जब मतदान हुआ तो भारत समेत 24 देशों ने इसके पक्ष में वोट डाले, जबकि चीन समेत 15 देशों ने इसका विरोध किया। आठ देशों ने मतदान में हिस्सा नहीं लिया।

● संयुक्त राष्ट्र मानवाधिकार आयोग द्वारा पारित इस प्रस्ताव में श्रीलंका से आग्रह किया गया है कि वो तीन साल पहले तमिल छापामार एलटीटीई के साथ हुई लड़ाई में सरकारी सेना के जरिए किए गए कथित युद्ध अपराध की जांच करे। जबकि श्रीलंका ने आरोप लगाया था कि अमरीका के जरिए लाए गए इस प्रस्ताव में श्रीलंका को जानबूझकर निशाना बनाया गया है।

● प्रस्ताव के समर्थन में मत डालते हुए भारत ने कहा, ''इस प्रस्ताव के जरिए जो संदेश देने की कोशिश की जा रही है हम उससे सहमत हैं लेकिन हम ये भी कहना चाहते हैं कि संयुक्त राष्ट्र मानवाधिकार आयुक्त के दफ्तर से की जा रही मदद या फिर संयुक्त राष्ट्र के किसी अधिकारी के श्रीलंका दौरे को श्रीलंकाई सरकार से संपर्क और उनकी सहमति के बाद ही किया जाना चाहिए।''

रूस के तोम्सक शहर की न्यायालय द्वारा भगवद् गीता पर प्रतिबंध लगाने वाली याचिका खारिज

● रूस में हिंदुओं के धार्मिक ग्रंथ भगवद् गीता पर प्रतिबंध लगाने वाली याचिका को साइबेरिया प्रांत के तोम्सक शहर की न्यायालय ने खारिज कर दी।

● तोम्सक शहर की लेनिन्सकी जिला न्यायालय के न्यायाधीश जी बुतेंको ने ***भगवद् गीता के रूसी में अनुवादित संस्करण*** (इस्कान संस्थापक एसी भक्तिवेदांत ***स्वामी प्रभुपाद रचित***) पर रोक लगाने और इसके वितरण को अवैध घोषित करने की याचिका 28 दिसंबर 2011 को खारिज की।

● ज्ञातव्य हो कि रूस के आर्थोडॉक्स चर्च की पहल पर जून 2011 में न्यायालय में गीता को हिटलर की आत्मकथा मीन कांफ की श्रेणी में रखते हुए उस पर कानूनी प्रतिबंध लगाने और उसे उग्रवादी साहित्य करार देने की मांग की याचिका दाखिल की गई थी।

● न्यायालय ने सुनवाई के बाद 19 दिसंबर 2011 को फैसला सुरक्षित कर लिया था।

भारत और विश्व

प्रधानमंत्री की इंडोनेशिया और सिंगापुर यात्रा

● भारतीय प्रधानमंत्री डॉ. मनमोहन सिंह की इंडोनेशिया और सिंगापुर की चार दिवसीय राजकीय यात्रा 20 नवंबर 2011 को संपन्न हो गई। उनकी यात्रा दो चरणों पूरी हुई।

● यात्रा के प्रथम चरण में वह इंडोनेशिया में बाली में ***नौवें आसियान–भारत शिखर सम्मेलन*** और ***पूर्वी एशिया शिखर सम्मेलन*** में भाग लिया। यह सम्मेलन 19 नवंबर 2011 को संपन्न हुआ।

● इन सम्मेलनों के दौरान डॉ. मनमोहन सिंह ने अमरीकी राष्ट्रपति बराक ओबामा, चीन के प्रधानमंत्री वेन चियापाओ, कम्बोडिया के प्रधानमंत्री हुन सेन, आस्ट्रेलिया की प्रधानमंत्री जूलिया गिलार्ड और इंडोनेशिया के राष्ट्रपति एच सुसीलो बम्बांग युद्धोयूनो के साथ द्विपक्षीय वार्ता की।

● अपनी यात्रा के दूसरे चरण (19–20 नवंबर 2011 के मध्य) में प्रधानमंत्री ने सिंगापुर का दौरा किया। वहां उन्होंने सिंगापुर के प्रधानमंत्री ली सेन लुंग के साथ बैठक की। ली सेन लुंग ने संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में स्थाई सदस्यता की भारत की दावेदारी का समर्थन किया। उन्होंने कहा कि सिंगापुर चाहता है कि भारत अंतरराष्ट्रीय मामलों में और अधिक सक्रिय भूमिका निभाए।

भारत और पाकिस्तान के बीच परमाणु हथियारों से दुर्घटना के खतरे को कम करने के लिए करार

● भारत और पाकिस्तान ने परमाणु हथियारों से दुर्घटना के खतरे को कम करने के करार को पांच वर्ष तक और बढ़ा दिया है। दोनों देश के विशेषज्ञ स्तर की वार्ता इस्लामाबाद में हुई और *एग्रीमेंट ऑन रिड्यूसिंग द रिस्क फ्रॉम एक्सीडेंट्स रिलेटिंग टू न्यूक्लियर वीपंस* नामक करार की वैधता को 21 फरवरी 2012 को पांच वर्ष के लिए और बढ़ा दिया गया।

● भारत और पाकिस्तान के मध्य परमाणु हथियारों से दुर्घटना के खतरे को कम करने के लिए एग्रीमेंट ऑन रिड्यूसिंग द रिस्क फ्रॉम एक्सीडेंट्स रिलेटिंग टू न्यूक्लियर वीपंस नामक करार वर्ष 2007 में किया गया था। इस करार की वैधता 21 फरवरी 2012 को समाप्त हो रही थी। करार के तहत दोनों देशों को बैलिस्टिक मिसाइल परीक्षण के पूर्व सूचना दी जानी है।

● ज्ञातव्य हो कि भारत और पाकिस्तान के विशेषज्ञ स्तर की वार्ता छह चक्र तक चली थी

और 11 दिसंबर 2011 को करार बढ़ाने पर सहमति बनी थी।

● सहमति के तहत मौजूदा परमाणु एवं पारंपरिक द्वीपीय बैलेस्टिक मिसाइलों की पहुंच की समीक्षा और इस बारे में आगे क्या किया जा सकता है इसके लिए अतिरिक्त उपाय करने के प्रस्ताव भी हैं।

● इसके अलावा दोनों देशों के नौसैनिक पोतों के बीच समुद्र में होने वाली घटनाओं को रोकने पर भी सहमति बनी। परमाणु और परंपरागत मिसाइलों पर बातचीत दोनों देशों के बीच चल रही शांति प्रक्रिया का हिस्सा है।

सूडान और दक्षिणी सूडान बीच विवादित सीमा पर एक दूसरे पर हमला न करने के लिए एक संधि हस्ताक्षरित

● सूडान और दक्षिणी सूडान ने अदिस अबाबा में स्थित विवादित सीमा पर एक दूसरे पर हमला न करने के लिए एक संधि पर हस्ताक्षर किया।

● यह संधि वार्ता अदिस अबाबा में अफ्रीकी संघ की अगुवाई में दोनों पक्षों के बीच 10 फरवरी 2012 को हुई।

● दक्षिण अफ्रीका के पूर्व राष्ट्रपति और मुख्य वार्ताकार थाबो म्बेकी के अनुसार दोनों देश सीमा पर एक दूसरे के पर हमला न करने और सहयोग करने पर सहमत हुए हैं।

● संधि पर हस्ताक्षर दक्षिणी सूडान के खुफिया ब्यूरो प्रमुख थॉमस डाउथ और सूडान के राष्ट्रीय खुफिया एवं सुरक्षा निदेशक मोहम्मद अट्टा ने किए।

● ज्ञातव्य हो कि जुलाई 2011 में सूडान से अलग हो कर दक्षिणी सूडान एक अलग देश बन गया था। इसके बाद से दोनों देशों के बीच सीमावर्ती क्षेत्रों में तेल के उत्पादन और उसके पारगमन के मुद्दे की वजह से तनाव जारी है।

भारत–नेपाल जल संसाधन आयोग की प्रथम बैठक

● मंत्री स्तरीय संयुक्त भारत–नेपाल जल संसाधन आयोग की प्रथम बैठक नई दिल्ली में 15 फरवरी 2012 को संपन्न हो गई।

● इस बैठक की अध्यक्षता भारत के केंद्रीय जल संसाधन और संसदीय कार्यमंत्री पवन कुमार बंसल तथा नेपाल के ऊर्जा मंत्री पोस्टाय बहादुर बोगाती ने की।

● इस बैठक में भारत और नेपाल के मध्य निम्नलिखित बिंदुओं पर सहमति हुई।

● पंचेश्वर बहु–उद्देश्यीय परियोजना लागू करने के लिए पंचेश्वर विकास प्राधिकरण की स्थापना पर।

● सप्त कोसी हाई डैम परियोजना भी जल्दी से जल्दी पूरी करने पर।

● सन कोसी स्टोरेज कम डाइवर्जन स्कीम पूरी करने पर।

● 15 किलोमीटर लम्बे कोसी तटबंध का रखरखाव भारत सरकार द्वारा किए जाने पर।

● मुजफ्फरपुर–ढालकेबर 400 केवी ट्रांसमिशन लाइन को मजबूत बनाने पर

● गंडक परियोजना की मरम्मत और रखरखाव के लिए जरूरी सामग्री और उपकरण (शुल्क मुक्त) नेपाल भेजे जाने पर

प्रधानमंत्री डॉ. मनमोहन सिंह मालदीव यात्रा

● प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह मालदीव की अपनी पहली राजकीय यात्रा में राष्ट्रपति के महल में मालदीव के राष्ट्रपति मोहम्मद नशीद के साथ विचार विमर्श किया और आपसी संबंधों को नया आयाम देते हुए विकास के लिए सहयोग की व्यवस्थागत के समझौते और आतंकवाद से लड़ने में आपसी सहयोग के करार सहित कुल छह समझौतों पर 12 नवंबर 2011 को हस्ताक्षर किए।

● विकास के लिए सहयोग की व्यवस्थागत के समझौते में दोनों पक्षों के बीच व्यापार और निवेश, खाद्य सुरक्षा, मत्स्य विकास, पर्यटन, परिवहन, सूचना प्रौद्योगिकी, नवीन और नवीनीकरण ऊर्जा, संचार और वायु तथा समुदी मार्गों के द्वारा संपर्क बढ़ाने में आपसी सहयोग की योजना का खाका है।

● इस समझौते के तहत भारत मालदीव की राजकोषीय स्थिति को स्थिरता प्रदान करने के लिए 10 करोड़ अमेरिकी डालर की वैकल्पिक ऋण सुविधा भी देने पर सहमत हुआ।

● भारत सुरक्षा से जुड़े मुद्दों और आतंक तथा समुदी दस्युओं की समस्याओं से निपटने की बहुयामी नीति के तहत मालदीव के क्षमता में विस्तार करने के लिए नेशनल पुलिस एकेडमी के निर्माण में सहयोग करेगा।

● दोनों देशों ने चरमपंथी तत्वों और धार्मिक कट्टरता को अपने समक्ष एक जैसी चुनौती मानते हुए आतंकवाद, मादक पदार्थों की तस्करी, आपदा प्रबंधन और तटीय सुरक्षा तथा भगोड़े अपराधियों को एक दूसरे को सौंपने के बारे में समझौते किए।

● दोनों देशों ने मालदीव के जटिल बीमारियों के इलाज की सुविधा वाले इंदिरा गांधी मेमोरियल अस्पताल के नवीनीकरण से संबंधित समझौते पर हस्ताक्षर किए। यह अस्पताल भारत की मदद से बना है और देश का सबसे बड़ा चिकित्सा केंद है। भारत मई 2013 तक इसका जीर्णोद्धार कर इसे मालदीव को सौंप देने की बात कही।

● दोनों देश केरल के कोच्चि और माले के बीच यात्री और माल नौपरिवहन सेवा शुरू करने की योजना बनाकर संपर्क सुविधा सुधारने पर सहमत हुए हैं। अगामी वर्षों में इसमें और स्थानों को शामिल किया जाए। नौपरिवहन से मालदीव के उत्तरी भागों और लक्षद्वीप के मिनिकाय द्वीप के बीच संपर्क बढ़ेगा।

● भारत कुलहुधुफुशी पत्तन के विकास के लिए व्यवहारिक अध्ययन भी करेगा।

● दोनों विदेश सचिवों के हस्ताक्षर से हुए समझौतों में एक भगोड़ा घाषित अपराधियों को एक दूसरे को हस्तांतरित करने के बारे में तथा दूसरा 2012 से 2015 के लिए सहयोग कार्यक्रमों से जुड़ा है।

● प्रधानमंत्री ने कहा कि सुरक्षा के क्षेत्र में सहयोग का समझौता हिंद महासागर क्षेत्र में दोनों देशों की भूमिका को रेखांकित करता है यह दोनों देशों की सुरक्षा के हित में है।

● मनमोहन सिंह किसी सरकार के पहले ऐसे प्रमुख हैं, जिन्होंने वर्ष 2009 के संसदीय चुनाव के बाद बनी बहुदलीय पीपुल्स मजलिस को संबोधित किया।

● मालदीव की संसद पीपुल्स मजलिस में 75 सदस्य हैं।

● ज्ञातव्य है कि पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी की यात्रा के बाद आठ वर्ष में किसी भारतीय प्रधानमंत्री की यह पहली मालदीव यात्रा है।

नेपाल के प्रधानमंत्री की भारत यात्रा

● नेपाल के प्रधानमंत्री बाबूराम भट्टाराई की भारत की चार दिवसीय राजकीय यात्रा 24 अक्टूबर 2011 को संपन्न हुई।

● भारत और नेपाल ने अपने द्विपक्षीय संबंधों को आगे बढ़ाने का प्रयास करते हुए व्यापार एवं सुरक्षा सहित विभिन्न क्षेत्रों में दोनों देशों के बहु आयामी संबंधों को और मजबूत बनाने का निर्णय लिया।

● दोनों देशों ने सभी द्विपक्षीय और संस्थागत तंत्र को पुनर्जीवित करने और नियमित रूप से आयोजित करने का फैसला किया।

● वार्ता के दौरान प्रधानमंत्री बाबूराम भट्टाराई ने प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह को नेपाल में जारी शांति प्रक्रिया और नए संविधान के प्रारूप के बारे में भी जानकारी दी।

● दोनों पक्षों ने दोनों देशों के बीच खुली सीमा पर सुरक्षा से जुड़े मुद्दों पर भी चर्चा की। नेपाल ने विश्वास दिलाया कि भारत के खिलाफ किसी तरह की गतिविधि के लिए वह अपनी जमीन का इस्तेमाल नहीं होने देने का संकल्प दोहराया।

● दोनों देशों ने मौजूदा हालात देखते हुए रिश्तों को और मजबूत बनाने पर सहमति बनाई। इसी संदर्भ में दोनों प्रधानमंत्रियों ने 1950 की शांति और मित्रता संधि तथा कई अन्य समझौतों की समीक्षा पर भी सहमति

व्यक्त की।

● दोनों पक्षों ने रेलवे विस्तार के क्षेत्र में सहयोग देने की इच्छा व्यक्त की। भारत अपने पड़ोसी देश नेपाल को विकास कार्यो के लिए 25 करोड़ अमरीकी डॉलर का ऋण देने का निर्णय लिया।

भारत और वियतनाम के बीच प्रत्यर्पण संधि सहित छः समझौतों पर हस्ताक्षर

● भारत और वियतनाम ने दोनों देशों के मध्य प्रत्यर्पण संधि सहित छः समझौतों पर हस्ताक्षर किए।

● ये हस्ताक्षर भारत की तीन दिवसीय राजकीय यात्रा पर आए वियतनाम के राष्ट्रपति त्रोंग तान सांग और भारत के प्रधानमंत्री डॉ. मनमोहन सिंह के मध्य नई दिल्ली के हैदराबाद हाउस में शिष्टमंडल स्तर की वार्ता के बाद 12 अक्टूबर 2011 को किये गये। समझौते के 6 बिंदु निम्नलिखित हैं :

1 भारत गणराज्य और वियतनाम के समाजवादी गणराज्य के बीच प्रत्यर्पण संधिरू प्रत्यर्पण संधि के हस्ताक्षर करने के सहयोग के लिए कानूनी ढांचा प्रदान करता है और अपराध के दमन में सहयोग के लिए दोनों देशों की मंशा के निशान। संधि भगोड़े अपराधियों के परीक्षण के लिए उपलब्धता सुनिश्चित करने और जो लोग दोषी हैं वाक्य की सेवा के लिए उपलब्ध हैं।

2. भारत वियतनाम मैत्री वर्ष 2012 पर वियतनाम समाजवादी गणराज्य की सरकार और भारत गणराज्य की सरकार के बीच समझौता ज्ञापनरू भारत और वियतनाम के बीच वर्ष 2012 को मैत्री वर्ष के रूप में मनाने पर सहमति हुए। भारत वर्ष 2012 में वियतनाम में भारत वर्ष का भी आयोजन करने का निर्णय लिया।

3. भारत गणराज्य के भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद तथा वियतनाम समाजवादी गणराज्य की सरकार के कृषि एवं ग्रामीण विकास मंत्रालय के बीच कृषि एवं मात्स्यिकी अनुसंधान और शिक्षा पर वर्ष 2011–13 के लिए कार्य योजना

4. वियतनाम ऑयल एंड गैस (पेट्रो वियतनाम) और ओएनजीसी विदेश लिमिटेड के बीच तेल और गैस क्षेत्र में सहयोग पर करार

5. वियतनाम समाजवादी गणराज्य के संस्कृति, खेल पर्यटन मंत्रालय तथा भारत गणराज्य के संबंध परिषद के बीच सांस्कृतिक सहयोग पर समझौता ज्ञापन

6. भारत गणराज्य के संस्कृति मंत्रालय और वियतनाम समाजवादी गणराज्य के संस्कृति, खेल एवं पर्यटन मंत्रालय के बीच वर्ष 2011–14 के लिए सांस्कृतिक आदान–प्रदान कार्यक्रम से संबद्ध समझौता ज्ञापन

आर्थिक / वाणिज्यिक

वार्षिक मौद्रिक नीति 2012–13

17 अप्रैल 2012, को चालू वित्त वर्ष के लिए मौद्रिक नीति की घोषणा करते हुए रिजर्व बैंक के गवर्नर डी० सुब्बाराव ने कहा कि रेपो दर को मौजूदा साढ़े आठ प्रतिशत से घटाकर आठ प्रतिशत किया जा रहा है। रिजर्व बैंक ने तीन वर्ष में पहली बार मुख्य ब्याज दर में कटौती की है। रेपो दर में आध प्रतिशत की कटौती की गई है। रेपो दर, पर बैंक, रिजर्व बैंक से उधर लेते हैं। इस कटौती से बैंक दर आध प्रतिशत घटकर नौ प्रतिशत रह गई है। नकद आरक्षी अनुपात में कोई परिवर्तन नहीं किया गया है। यह चार दशमलव सात–पांच प्रतिशत ही रहेगा। रिजर्व बैंक ने चालू वित्त वर्ष में वृद्धि दर सात दशमलव तीन प्रतिशत रहने का अनुमान व्यक्त किया है।

ऋण नीति की घोषणा करते हुए श्री सुब्बाराव ने कहा कि नकदी की स्थिति संतोषजनक दिशा की ओर बढ़ रही है। उन्होंने कहा कि देश की आर्थिक स्थिरता के लिए ईंधन के दाम बढ़ाने की जरूरत है।

मार्च 2010 से अक्टूबर 2011 के बीच लगातार 13 बार अपनी प्रमुख दरें बढ़ाने के बाद रिजर्व बैंक ने देश की विकास की गति में आ रहे धीमेपन को दूर करने के लिए इन दरों में कटौती की है।

नीति प्रयास के पीछे की धरणा

मौद्रिक नीति को आसान बनाने के निर्णय के पीछे दो व्यापक धरणाएँ हैं।

पहली, पिछले वर्ष की तीसरी तिमाही में वृद्धि उल्लेखनीय रूप से घटकर 6.1 प्रतिशत हो गई। यद्यपि यह आशा थी कि चौथी तिमाही में इसमें कुछ सुधर होगा। वर्तमान आकलन के आधर पर, अर्थव्यवस्था स्पष्ट रूप से अपने संकट के बाद की प्रवृत्ति से नीचले स्तर पर परिचालित हो रही है।

दूसरी धरणा, जिसने नीति निर्णय को आकार प्रदान किया है वह है मुद्रास्फीति में गिरावट। हेडलाइन थोक मूल्य सूचकांक मुद्रास्फीति जो लगभग दो वर्षों तक 9 प्रतिशत से अधिक बनी रही, वह उल्लेखनीय रूप से कम होकर मार्च 2012 तक 7 प्रतिशत से कम हो गई है। अधिक महत्वपूर्ण रूप से, खाद्येतर विनिर्मित उत्पाद मुद्रास्फीति नवंबर 2011 में सबसे 8.4 प्रतिशत के उच्च स्तर से गिरकर मार्च 2012 में 4.7 प्रतिशत हो गई, जो वास्तव में, दो वर्षों में पहली बार 5 प्रतिशत से नीचे के स्तर पर आई है।

मौद्रिक नीति रूझान

नीति दस्तावेज हमारी मौद्रिक नीति रूझान की तीन व्यापक सीमाओं का वर्णन भी करते हैं। वे इस प्रकार हैं :

पहले, नीति दरों को उन स्तरों तक समायोजित किया जाए जो वर्तमान सामान्य वृद्धि के अनुरूप हों.

दूसरे, माँग संचालित मुद्रास्फीतिकारी जोखिमों के दबावों को पुनः उभरने से रोकना और

तीसरे, वित्तीय प्रणाली को व्यापक चलनिधि सुविध उपलब्ध कराना।

रिपो दर में कटौती विकास के एक आकलन पर आधरित है। संकट के बाद, विकास की प्रवृत्ति दर कम हुई है जो कोर मुद्रास्फीति को सामान्य रखने में योगदान दे रही है। तथापि, इस बात पर जोर देना होगा कि विकास का अपने प्रवृत्ति दर से हटना साधरण रहा है। साथ ही, मुद्रास्फीति का बढ़ा हुआ जोखिम बना हुआ है। उक्त धरणाएं नीति दरों में और अधिक कटौती के दायरे को सहज रूप से सीमित कर देती है।

इसके अलावा, पिछले महीने केन्द्रीय बजट में उल्लेख किए गए अनुसार यदि आर्थिक सहायता नहीं रोकी जाती है, तो माँग दबाव जारी रहेगा और मौद्रिक सुगमता के लिए जितनी भी जगह बाकी है उसे भी कम कर देगा। लागू मूल्यों में सुधर का हेडलाईन मुद्रास्फीति पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ेगा। किन्तु, मैं इस बात पर जोर देना चाहूँगा कि इसके प्रति उचित मौद्रिक नीति प्रतिक्रिया इस बात पर निर्भर होनी चाहिए कि क्या उच्च कीमतें व्यापक मुद्रास्फीतिकारी दबावों में परिवर्तित होंगी। उक्त लागू कीमतों का सामान्यकृत मुद्रास्फीति में पास–थ्रू होने की संभावना अर्थ–व्यवस्था में कीमतों की क्षमता की मजबूती पर निर्भर होगा। वर्तमान में, कीमतों की क्षमता अभी रूकी हुई है, किन्तु पास–थ्रू के जोखिम को पूरी तरह से नजरअंदाज नहीं किया जा सकता है। समग्र रूप से, राजकोषीय और चालू खाता घाटा से उभरी अस्थिरता के दृष्टिकोण से समष्टि रूप से आर्थिक स्थिरता के लिए यह अनिवार्य है कि पेट्रोलियम उत्पादों की लागू कीमतें उनके उत्पादनों की वास्तविक लागतों को दर्शाने के लिए बढ़ायी गयी हैं।

चलनिधि प्रबंधन पिछले वर्ष के अधिकांश समय में प्रमुख चुनौती बनी रही । तथापि, हाल के सप्ताहों में चलनिधि स्थितियां अच्छी हो गई हैं और अब वे निरंतर रूप रिजर्व बैंक

के संतोषजनक स्तर की ओर बढ़ रही हैं। यह बैंकों के एलएएफ से उधरों में गिरावट तथा मुद्रा बाजार दरों की प्रवृत्ति में प्रतिबिंबित हुआ है। बैंकों की एमएसएफ सीमा में हमारे द्वारा अभी अभी घोषित वृद्धि से चलनिधि का अतिरिक्त संतोषजनक स्तर उपलब्ध हो जाएगा। तथापि, यदि स्थिति में परिवर्तन होता है तो संतोषजनक स्तर की स्थितियों को पुनर्स्थापित करने के उद्देश्य से यथोचित और सकारात्मक कदम उठाए जाएंगे।

अपेक्षित परिणाम

हमें आशा है कि आज की नीतिगत कार्रवाई और हमने जो मार्गदर्शन दिया है उसके निम्नलिखित तीन परिणाम होंगे रू

पहला, संकट के बाद की अपनी वर्तमान प्रवृत्ति के आस–पास वृद्धि स्थिर रहेगी।

दूसरा, मुद्रास्फीति के जोखिम और मुद्रास्फीति की फिर से उभरनेवाली अपेक्षाएं नियंत्रित रहेंगी।

अंत में, प्रणाली को उपलब्ध चलनिधि सुविध ा बढ़ जाएंगी।

वैश्विक और देशी गतिविध्यिां

हमेशा ही, हमारा निर्णय वैश्विक और देशी स्थूल आर्थिक स्थिति के सावधनीपूर्वक मूल्यांकन पर आधरित होता है। अब मैं वैश्विक अर्थव्यवस्था के हमारे मूल्यांकन पर आता हूं।

वैश्विक अर्थव्यवस्था

जनवरी 2012 में रिजर्व बैंक की तीसरी तिमाही समीक्षा से यूरो क्षेत्र में संकट संबंधी चिंता कुछ कम हो गई है। अमेरिकी अर्थव्यवस्था ने सीमित सुधर के संकेत देना जारी रखा है। यूरोपीयन सेंट्रल बैंक द्वारा बड़ी मात्रा में चलनिधि ा इन्फ्यूज किए जाने से वैश्विक वित्तीय बाजारों में तनाव में उल्लेखनीय रूप से कमी आयी है। तथापि, यूरो क्षेत्र की ऋण समस्या का ठोस समाधन अभी भी सामने आना बाकी है। उदाहरण के लिए, स्पेन में हुई हाल ही की गतिविधियां यह दर्शाती हैं कि यूरो क्षेत्र की सरकारी ऋण समस्या का वैश्विक अर्थव्यवस्था पर प्रभाव जारी रहेगा ।

उभरती और विकसित अर्थव्यवस्थाओं में भी वृद्धि कम हो गई है जिसमें वैश्विक वृद्धि में मौद्रिक तंगी और मंदी का संमिश्र प्रभाव परिलक्षित होता है और इन सबके बीच अंतरराष्ट्रीय कच्चे तेल की कीमतों में जनवरी से लगभग 10 प्रतिशत की वृद्धि हो गई है और वे वर्तमान स्तरों पर जारी रहने के संकेत दे रही हैं।

भारतीय अर्थव्यवस्था

देशी समग्र आर्थिक स्थिति को देखा जाए तो पिछले वर्ष आर्थिक वृद्धि में कमी आई जो पहली तिमाही में 7.7 प्रतिशत से कम होकर दूसरी तिमाही में 6.9 प्रतिशत और तीसरी तिमाही में और कम होकर 6.1 प्रतिशत हो गई। ऐसा औद्योगिक वृद्धि में आई मंदी के कारण था। सेवा क्षेत्र में वृद्धि सापेक्षतः अच्छी रही। मांग के पक्ष में पिछले वर्ष की दूसरी और तीसरी तिमाहियों में सकल स्थिर पूंजी निर्माण सीमित हो गया।

पिछले वर्ष के लिए केंद्रीय सांख्यिकी कार्यालय (सीएसओ) ने 6.9 प्रतिशत की जीडीपी वृद्धि दर का अग्रिम अनुमान लगाया था। औद्योगिक उत्पादन पर अधिक हाल ही का डेटा यह दर्शाता है कि यह गतिविधि पिछली वर्ष की धीमी गति से बढ़ सकती है।

आनेवाले समय में, वर्तमान वर्ष के लिए समग्र वृद्धि संभावना पिछले वर्ष की तुलना में थोड़ी बेहतर है। तदनुसार, वर्तमान वर्ष के लिए जीडीपी वृद्धि का रिजर्व बैंक का प्रारंभिक अनुमान 7.3 प्रतिशत है।

मुद्रास्पफीति

मुद्रास्फीति के संबंध में कहे तो हेडलाइन थोक मूल्य सूचकांक मुद्रास्फीति जो अप्रैल – नवंबर 2011 के दौरान 9 प्रतिशत से अधिक रही, मार्च 2012 के अंत तक 6.9 प्रतिशत पर सामान्य रही। यह कमी रिजर्व बैंक के 7 प्रतिशत के निदर्शी अनुमान के साथ अनुरूप रहेगी।

खाद्यान्न वस्तु मुद्रास्फीति उच्च बनी हुई है। उल्लेखनीय रूप से, प्रोटिनवाली मदों में मुद्रास्फीति दो अंकों की संख्या में है। इससे जो प्रोटिन वाले पदार्थों में मांग–आपूर्ति में संरचनात्मक असंतुलन जारी रहने में प्रतिबिंबित हुआ है।

दूसरी ओर, ईंधन मुद्रास्फीति जो नवंबर – दिसंबर 2011 में 15 प्रतिशत से अधिक थी वैश्विक कच्चे तेल की कीमतों में तीव्र वृद्धि होने के बावजूद कम होकर मार्च 2012 में 10. 4 प्रतिशत रह गई। इससे देशी उपभोक्ताओं को समानुपातिक अंतरित प्रभाव का अभाव परिलक्षित होता है।

खाद्येतर विनिर्मित उत्पाद मुद्रास्फीति, देशी मांग में आई गिरावट वैश्विक तेल से इतर पण्य सस्ते होने की पृष्टभूमि में नवंबर 2011 के 8.4 प्रतिशत से उल्लेखनीय रूप से कम होकर मार्च 2012 में 4.7 हो गई।

यद्यपि थोक मूल्य सूचकांक मुद्रास्फीति ध ीमी हो गई, फिर भी, उपभोक्ता मूल्य सूचकांक की नई ध्खला द्वारा यथापरिमापित मुद्रास्फीति दर्शाती है कि मूल्य दबाव खुदरा स्तर पर अब भी अधिक बना हुआ हैं।

आनेवाले समय में, देशी मांग – आपूर्ति संतुलन, पण्य कीमतों में वैश्विक प्रवृत्तियों और संभाव्य मांग स्थिति के मूल्यांकन के आधर पर मार्च 2013 के लिए रिजर्व बैंक का मुद्रास्फीति का अनुमान 6.5 प्रतिशत का है।

मौद्रिक और चलनिधि की स्थितियां

अब मैं मौद्रिक और चलनिधि स्थितियों पर आता हूं। वृद्धि और मुद्रास्फिति के अनुमानों के अनुरूप वर्ष 2012–13 के लिए एम3 की वृद्धि 15 प्रतिशत अनुमानित है। निजी क्षेत्र तथा सरकारी क्षेत्र की संसाधन आवश्यकताओं को संतुलित करने की आवश्यकता को देखते हुए अनुसूचित वाणिज्य बैंकों (एससीबी) के खाद्येतर ऋण में वृद्धि 17 प्रतिशत अनुमानित है।

जैसाकि मैंने पहले कहा है, पिछले वर्ष के दौरान चलनिधि का प्रबंध करना रिजर्व बैंक के लिए एक प्रमुख चुनौती बना रहा। नवंबर 2011 से प्रारंभ कर चलनिधि घाटा रिजर्व बैंक के सुविधजनक स्तर से काफी बढ़ गया। इसका निवारण करने की दृष्टि से, हमने प्रणाली में अधिक स्थायी स्वरुप की प्राथमिक चलनिधि उपलब्ध कराने की कार्रवाई की। हमने प्रणाली में खुले बाजार परिचालन के जरिए इंजेक्ट करते हुए लगभग 1.3 ट्रीलियन और आरक्षित नकदी निधि अनुपात (सीआरआर) में 125 आध ार अंकों की कटौती करते हुए 0.8 ट्रीलियन चलनिधि उपलब्ध करायी। इन उपायों के परिणामस्वरूप तथा सरकार के नकदी शेषों में कमी किए जाने से एलएएफ के अंतर्गत निवल उधर मार्च 2012 के अंत में स्थित 2 ट्रीलियन के सर्वोच्च स्तर से गिरकर 13 अप्रैल 2012 को 0.7 ट्रीलियन हो गए।

जोखिम घटक

अंततः, मैं वर्ष 2012–13 के लिए वृद्धि और मुद्रास्फीति के हमारे निदर्शी अनुमानों के प्रति जोखिमों पर प्रकाश डालना चाहूंगा।

पहले, हमारे वृद्धि और मुद्रास्फीति अनुमानों के लिए जोखिम वैश्विक पण्य मूल्यों विशेष रूप से कच्चे तेल के मूल्यों की संभावना से निर्मित होता है। हालांकि मांग के पक्ष से तेल मूल्यों के लिए वृद्धि का जोखिम सीमित मात्रा में है, फिर भी, भौगोलिक– राजनीतिक तनाव चिंता का विषय बना हुआ है। आपूर्ति में आनेवाली किसी भी बाध से कच्चे तेल के मूल्यों और बढ़ जाने की संभावना है।

दूसरे, राजकोषीय स्थिति से जोखिम उभरता है। हालांकि बजट में चालू वर्ष में राजकोषीय घाटे में कटौती किए जाने का प्रस्ताव किया गया है, फिर भी, इसमें बढ़ोतरी के कई जोखिम हैं। राजकोषीय घाटे में किसी भी प्रकार से कमी आने से मुद्रास्फीति पर उसके प्रभाव जरूर पडेंगे।

तीसरे, वर्ष 2012–13 के लिए बजट में प्रस्तावित बड़े सरकारी उधरों से निजी क्षेत्र के लिए अधिक ऋण की संभावना बढ़ेगी। यदि ऐसा होता है, तो वृद्धि में बढ़ोतरी लाने के लिए आवश्यक आपूर्ति को रोकना पड़ सकता है।

चौथे, चालू खाते घाटे का वित्तपोषण प्रमुख

चुनौती के रूप में बना रहेगा।

और अंततः, प्रोटीन बुहल खाद्यानों में संरचनागत असंतुलन जारी है और परिणामतः , खाद्यान्न मुद्रास्फीति पर दबाव बने रहने की संभावना है।

विकासात्मक और विनियामक नीतियां

30. चूंकि यह वार्षिक नीति है, अतः मानक प्रथा के अनुसार, इसमें विकासात्मक और विनियामक नीतियां भी शामिल रहती हैं। अब मैं इस संबंध में की गयी कुछ महत्वपूर्ण पहलों पर संक्षेप में बताना चाहूंगा।

मैं वित्तीय समावेशन से प्रारंभ करूंगा। 2000 से अधिक की आबादीवाले गांवों में बैंकिंग सेवाएं उपलब्ध कराने में उल्लेखनीय प्रगति हुई है। अब चुनौती देश के सभी बैंक रहित गांवों को इसमें समा लेने के विषय में है। तदनुसार, राज्य स्तरीय बैंकर समितियों के लिए 2000 से कम आबादीवाले सभी बैंकरहित गांवों को शामिल करते हुए रोड़ मैप तैयार करना अधिदेशात्मक बनाए जाने का और सांकेतिक रूप से ये गांव एक चरणबद्ध रूप से बैकिंग सेवाएं उपलब्ध कराने के लिए बैंकों को आबंटित किए जाने का प्रस्ताव है।

रिजर्व बैंक बैंकों में ग्राहक सेवा को बहुत अधिक महत्व देता है। इस नीति में इस संबंध में निहित तीन उपाय निम्नानुसार हैं –

पहले, बैंकों को अपने सभी ग्राहकों को कतिपय न्यूनतम आम सुविधओं के साथ और एक न्यूनतम शेष बनाए रखने की अपेक्षा के बिना मूलभूत बचत बैंक जमा खाता सुविध देने के लिए सूचित किया जा रहा है।

दूसरे, बैंकों के लिए अस्थिर (फ्लोटिंग) ब्याज दर आधर पर दिए जानेवाले आवास ऋणों पर अवधि पूर्व समाप्ति प्रभार अथवा पूर्व अदायगी दण्ड न लगाना अनिवार्य किया जाएगा।

तीसरे, बैंकों को अपने सभी ग्राहकों को एक विशिष्ट ग्राहक पहचान कूट (यूसीआइसी) संख्या आबंटित करने की कार्रवाई करने के लिए सूचित किया जा रहा है।

विनियमन और पर्यवेक्षण के संबंध में, मैं इस नीति में शामिल कुछ महत्वपूर्ण उपायों पर प्रकाश डालना चाहूंगा।

बेसल III के संबंध में, पूंजी विनियमनों को लागू करने के संबंध में अंतिम दिशानिर्देश अप्रैल 2012 के अंत तक जारी किए जाएंगे और चलनिधि जोखिम प्रबंधन तथा चलनिधि मानकों के संबंध में अंतिम दिशानिर्देश मई 2012 के अंत तक जारी किए जाएंगे।

गैर बैंकिंग वित्तीय कंपनियों द्वारा स्वर्ण की जमानत पर ऋण हाल की अवधि में उल्लेखनीय रूप से बढ़ गए हैं, जिसके कारण चिंता के कई विषय उभरे हैं। इस नीति में इसे और विनियमित करने संबंधी तीन उपाय दिए गए हैं –

पहले, बैंकों को अपनी कुल वित्तीय आस्तियों के 50 प्रतिशत या अधिक की मात्रा तक के स्वर्ण ऋणोंवाले एकल एनबीएफसी पर उनके विनियमकारी एक्सपोजर की उच्चतम सीमा को वर्तमान के बैंकों की पूंजी निधियों के 10 प्रतिशत से घटाकर 7.5 प्रतिशत कर देना चाहिए।

दूसरे, बैंकों को अपने ऐसे सभी एनबीएफसी के लिए एक आंतरिक उप–सीमा रखनी होगी। जिनके स्वर्ण ऋण कुल मिलाकर अपनी कुल आस्तियों के 50: या अधिक है।

अंततः, रिजर्व बैंक ने स्वर्ण की मांग, स्वर्ण मूल्यों की प्रवृत्तियों तथा स्वर्ण की जमानत पर एनबीएफसी द्वारा दिए जानेवाले ऋणों का विस्तृत अध्ययन करने के लिए एक कार्यकारी दल गठित किया है।

हमने गैर–बैंकिंग वित्तीय कंपनियों से संबंधित दो उपायों की घोषणा की है।

पहला, अप्रैल 2012 के अंत तक कोर निवेश कंपनियों (सीआइसी) द्वारा समुद्रपारीय निवेश पर प्रारूप दिशानिर्देश जनता के अभिमतों के लिए रिजर्व बैंक की वेबसाइट पर उपलब्ध कराए जाएंगे ।

दूसरा, उषा थोरात कार्यकारी दल की सिफारिशों के आधर पर जून 2012 के अंत तक गैर–बैंकिंग वित्तीय कंपनियों के लिए विनियामक ढाँचे पर प्रारूप दिशानिर्देश को जारी करने का निर्णय लिया गया है।

हाल की अवधि में, बैंकों की अनर्जक आस्तियाँ बढ़ी हैं। हम बैंकों के लिए विपदा के संकेतों की समयपूर्व पहचान करने और निवारक उपाय करने के लिए एक मजबूत व्यवस्था बनाना अनिवार्य कर रहे हैं।

प्रतिभूतिकरण पर अंतिम दिशानिर्देश अप्रैल 2012 के अंत तक जारी किए जाएंगे ।

अंततः, मैं मुद्रा प्रबंधन से संबंधित दो उपायों का उल्लेख करना चाहूँगा।

पहला, संचलन में विद्यमान जाली नोटों का उपाय करने के संबंध में बैंकों को यह सुनिश्चित करने के लिए सूचित किया गया कि काउंटरों पर प्राप्त नोटों को केवल मशीनों के माध्यम से उनका उचित प्रमाणीकरण सुनिश्चित करने के बाद ही पुनःसंचलन में लाया जाए।

दूसरा, बैंक शाखा नेटवर्क के बढ़े भौगोलिक विस्तार और प्रौद्यागिकी की सहायता को ध्यान में रखते हुए, हमने केवल मुद्रा तिजोरियों और बैंक शाखाओं के माध्यम से करेंसी और सिक्कों को वितरित करने का निर्णय लिया है।

इन उपायों की विस्तृत जानकारी तथा उन उपायों की जानकारी के लिए जिनका उल्लेख मैंने यहाँ नहीं किया है, कृपया आप रिजर्व बैंक की वेबसाइट पर उपलब्ध संपूर्ण नीति वक्तव्य देखें।

अब मैं हमारी समष्टि आर्थिक चिंताओं का सार – संक्षेप प्रस्तुत करते हुए अपना वक्तव्य समाप्त करना चाहता हूं। हालांकि मुद्रास्फीति हाल के महीनों में धीमी हुई है, वृद्धि में मंदी आने पर भी यह अभी भी कड़ी है और सहिष्णता स्तर से ऊपर है। राजकोषीय घाटा, चालू खाता घाटा और बड़े पैमाने पर घटती आस्ति गुणवत्ता की चिंताजनक परिस्थिति में ये प्रवृत्तियां उभर रही हैं। इस प्रकार वृद्धि और अन्य अस्थिरताओं के जोखिमों के प्रति संवेदनशील रहते हुए मुद्रास्फीति को नियंत्रण में रखने की सतर्कता बरतना मौद्रिक नीति के लिए एक चुनौती है।

केंद्रीय बजट 2012–13

● वित्तमंत्री प्रणब मुखर्जी ने केंद्रीय बजट 2012–13, 16 मार्च 2012 को लोक सभा में पेश किया।

● इस बजट में प्राथमिकताओं के अनुरूप पांच उद्देश्यों की पहचान की गई, ये पांच उद्देश्य हैं :

(1) घरेलू मांग से अभिप्रेरित विकास पुनरूत्थान पर ध्यान केन्द्रित करना,

(2) निजी निवेश में उच्च वृद्धि के तीव्र पुनरूत्थान के लिए स्थितियां पैदा करना,

(3) कृषि, ऊर्जा और परिवहन क्षेत्रों, विशेषकर कोयला, विद्युत, राष्ट्रीय राजमार्ग, रेलवे और नागर विमानन में आपूर्ति संबंधी बाधाएं दूर करना

(4) विशेष रूप से कुपोषण की समस्या से अत्यधिक ग्रस्त दो सौ जिलों में कुपोषण की समस्या से निजात पाने के लिए निर्णायक उपाय करना और

(5) वितरण प्रणालियों, गवर्नेंस और पारदर्शिता में सुधार लाने और कालेधन तथा सार्वजनिक जीवन में भ्रष्टाचार की समस्या से निपटने के लिए किए जा रहे निर्णयों के समन्वित कार्यान्वयन में तेजी लाना।

केंद्रीय बजट 2012–13 : एक नजर

● वर्ष 2012–13 के दौरान सकल घरेलू उत्पाद वृद्धि 7.6 प्रतिशत होने का अनुमान। इसमें 0. 25 प्रतिशत की कमी या अधिकता हो सकती है।

● वर्ष 2012–13 में वित्तीय घाटा सकल घरेलू उत्पाद का 5.1 प्रतिशत रहने का अनुमान।

● रक्षा सेवाओं के लिए 1,93,407 करोड़ रुपये का प्रावधान किया गया। जिसमें पूंजी व्यय हेतु 79,579 करोड़ रुपये शामिल हैं।

● सकल कर प्राप्तियां 10,77,612 करोड़ रुपये होने का अनुमान है।

● वर्ष 2012–13 के कुल व्यय हेतु 14,90,925 करोड़ रुपये की बजटीय व्यवस्थाएं।

● वर्ष 2012–13 में 9,69,900 करोड़ रुपये के गैर–योजनाबद्ध खर्चे का अनुमान, जबकि योजनाबद्ध खर्च 5,21,025 करोड़ रुपये होने का अनुमान, जो कि वर्ष 2011–12 के बजट अनुमान से 18 प्रतिशत अधिक है।

● सामान्य श्रेणी के करदाताओं की आयकर छूट सीमा को 1 लाख 80 हजार रुपये से बढ़ाकर 2 लाख रुपये किया गया।

● 20 प्रतिशत की अधिकतम आय कर सीमा स्लैब को 8 लाख रुपये से बढ़ाकर 10 लाख रुपये किया गया।

● बचत बैंक खातों पर करदाताओं को 10 हजार रुपये तक के ब्याज पर छूट का प्रस्ताव।

● निवारक चिकित्सा जांच के लिए 5 हजार रुपये तक की छूट का प्रस्ताव।

● जिन वरिष्ठ नागरिकों की कारोबार से कोई आय नहीं है, उन्हें अग्रिम कर भुगतान से छूट का प्रस्ताव।

● नकद सुपुदर्गी लेन–देनों पर प्रतिभूति लेन–देन कर में 20 प्रतिशत तक कमी का प्रस्ताव।

● बेहिसाबी धन सृजन और उसके इस्तेमाल को रोकने के लिए प्रस्तावित उपाय।

● नकारात्मक सूची वाली 17 सेवाओं को छोड़कर सभी सेवाओं पर कर का प्रस्ताव।

● सेवा कर नियमों को घटाकर करीब 40 प्रतिशत किया जाना।

● केन्द्रीय उत्पाद शुल्क और सेवा कर के लिए एक ही सरल पंजीकरण फार्म और साझा विवरणी।

● सेवा कर विवादों के निपटारे के लिए संशोधित आवेदन प्राधिकरण और निपटान आयोग की शुरूआत का प्रस्ताव।

● केन्द्रीय उत्पाद शुल्क और सेवा कर के लिए समान कर सहिंता की संभावना के लिए अध्ययन दल का गठन।

● राजकोषीय सुधार के तहत उत्पाद शुल्क की मानक दर कुछ रियायतों के साथ 10 प्रतिशत से बढ़ाकर 12 प्रतिशत, मेरिट दर 5 से 6 प्रतिशत और निम्न मेरिट दर बढ़ाकर 1 से 2 प्रतिशत की गई।

● बड़ी कारों के उत्पाद शुल्क को भी बढ़ाये जाने का प्रस्ताव।

● गैर कृषि उत्पादों के लिए सीमा शुल्क की शीर्ष दर 10 प्रतिशत में परिवर्तन का कोई प्रस्ताव नहीं।

● उर्वरक परियोजनाओं की स्थापना तथा विस्तार के लिए उपकरणों के आयात पर बुनियादी सीमा शुल्क से पूर्ण छूट।

● विद्युत उत्पादन के लिए कुछ ईंधनों को बुनियादी सीमा शुल्क से पूर्ण छूट।

● कोयला खनन परियोजना आयात हेतु बुनियादी सीमा शुल्क से पूर्ण छूट।

● रेलवे सुरक्षा और चेतावनी प्रणाली की स्थापना तथा तीव्र गति की रेलगाड़ियों के लिए लाइनों के नवीनीकरण में आवश्यक उपकरणों पर बुनियादी सीमा शुल्क को घटाने का प्रस्ताव।

● सड़क निर्माण के लिए आवश्यक विशेष उपकरणों, सुरंग खोदने वाली मशीनों एवं उनके पुर्जों को आयात शुल्क से पूरी छूट।

● इस्पात, वस्त्र उद्योग, ब्रांडेड रेडिमेड कपड़ों, कम लागत वाले चिकित्सा उपकरणों, जल उपयोग की वस्तुएं तैयार करने वाले श्रम प्रधान अर्धयांत्रिक उद्योगों जैसे दियासलाई आदि को राहत का प्रस्ताव।

● छह जीवन रक्षक विशिष्ट औषधियों तथा टीकों से उत्पाद शुल्क पूरी तरह खत्म करने तथा बुनियादी सीमा शुल्क पर 5 प्रतिशत की रियायत के विस्तार का प्रस्ताव।

● महिलाओं और बच्चों में प्रोटीन की कमी को दूर करने के लिए सोया उत्पादों पर बुनियादी सीमा शुल्क और उत्पाद शुल्क घटाया गया।

● आयोडीन पर बुनियादी सीमा शुल्क और उत्पाद शुल्क घटाया गया।

● बिजली बचाने वाले उपकरणों की खपत को प्रोत्साहित करने और सौर ताप परियोजनाओं के लिए आवश्यक संयंत्र और उपकरणों के लिए रियायतों एवं छूट का प्रस्ताव।

● सोना एवं अन्य्य महंगी धातुओं के आयात पर सीमा शुल्क बढ़ाने का प्रस्ताव।

● हाथ से बनी बीड़ी, कुछ सीगरेटों, पान मसाला, चबाने वाले तम्बाकू, कच्चा तम्बाकू तथा जर्दा एवं सुगंधित तम्बाकू जैसी बुरी वस्तुओं पर उत्पाद शुल्क बढ़ाने के प्रस्ताव।

● छोटे सीमेंट संयंत्रों द्वारा उत्पादित बोरी बंद सीमटों पर उत्पाद शुल्क को युक्तिसंगत बनाया जाएगा।

● कीमती धातुओं के ब्रांडेड आभूषण पर लगाया जाने वाला 1 प्रतिशत का उत्पाद शुल्क गैर–ब्रांडेड आभूषणों पर भी लगाया जाएगा।

● चांदी के ब्रांडेड आभूषणों से उत्पाद शुल्क खत्म किया गया।

● वाणिज्यिक वाहनों के बॉडी निर्माण हेतु चेसिस पर मिश्रित दर की बजाए मूल्य दर पर उत्पाद शुल्क लगाया जाएगा।

● वर्ष 2012–13 के दौरान केन्द्रीय सब्सिडियों को सकल घरेलू उत्पाद के 2 प्रतिशत के नीचे रखने का लक्ष्य। अगले तीन वर्षों के दौरान इन्हें 1.75 प्रतिशत तक नीचे लाया जाना है।

● वर्ष 2012–13 के बजट अनुमानों में अनुसूचित जाति उप–आयोजना हेतु 37 हजार 113 करोड़ रुपये का प्रस्ताव है, जो कि 2011–12 के बजट अनुमान की तुलना में 18 प्रतिशत अधिक है।

● वर्ष 2012–13 के बजट अनुमान में अनुसूचित जनजातीय उप–आयोजना हेतु 21 हजार 710 करोड़ रुपये के आवंटन का प्रस्ताव है, जो कि 2011–12 के बजट अनुमान की तुलना में 17. 6 प्रतिशत अधिक है।

● कृषि तथा सहकारिता विभाग के लिए आयोजना परिव्यय में 18 प्रतिशत तक की बढ़ोतरी की गई।

● राष्ट्रीय कृषि विकास योजना के लिए परिव्यय को 17 प्रतिशत से अधिक बढ़ाकर 9 हजार 217 करोड़ रुपये कर दिया गया।

● पूर्वोत्तर भारत में हरित क्रान्ति लाने की पहल के परिणामस्वरूप धान के उत्पादन तथा उत्पादकता में बढ़ोतरी हुई। इस योजना के आवंटन को, जो 2011–12 में 400 करोड़ रुपये था 2012–13 में बढ़ोतरी करके 1,000 करोड़ रुपये कर दिया गया।

● राष्ट्रीय कृषि विकास योजना के अंतर्गत विदर्भ सघन सिंचाई विकास कार्यक्रम के लिए 300 करोड़ रुपये का प्रस्ताव।

● कृषि ऋण लक्ष्य को 1 लाख करोड़ रुपये बढ़ाकर 2012–13 के लिए 5 लाख 75 हजार करोड़ रुपये कर दिया गया।

● किसानों को प्रति वर्ष 7 प्रतिशित ब्याज दर पर अल्पावधि फसल ऋणों के लिए ब्याज आर्थिक सहायता योजना को 2012–13 मे भी जारी रखा जाएगा। समय पर ऋण चुकाने वाले किसानों के लिए 3 प्रतिशत की अतिरिक्त आर्थिक राहत उपलब्ध होगी।

● किसान क्रेडिट कार्ड को स्मार्टकार्ड बनाया जाएगा, ताकि इसका एटीएम द्वारा उपयोग किया जा सके।

● त्वरित सिंचाई सुविधा कार्यक्रम (एआईबीपी) के लिए वर्ष 2012–13 में आवंटन 13 प्रतिशत बढ़ाकर 14 हजार 242 करोड़ रुपये किया गया।

● सड़क संपर्क में सुधार हेतु पीएमजीएसवाई के लिए आवंटन 20 प्रतिशत बढ़ाकर 24 हजार करोड़ रुपये किया गया।

● पिछड़ा क्षेत्र अनुदान निधि योजना वर्ष 2011–12 के बजट अनुमान की तुलना में 22 प्रतिशत की वृद्धि के साथ 2012–13 के बजट अनुमान में 12,040 करोड़ रुपये के साथ बारहवीं योजना में चलती रहेगी।

● ग्रामीण अवसंरचना विकास निधि के अंतर्गत आवंटन बढ़ाकर 20 हजार करोड़ रुपये किया गया। भंडारण सुविधाओं के निर्माण हेतु 5 हजार करोड़ रुपये अलग से रखे गए।

● शिक्षा का अधिकार और सर्व शिक्षा अभियान हेतु 2012–13 के बजट अनुमान में 25,555 करोड़ रुपये के आवंटन का प्रस्ताव है, जो कि 2011–12 की तुलना में 21.7 प्रतिशत अधिक है।

● 12वीं योजना में मॉडल स्कूलों के रूप में ब्लॉक स्तर पर 6 हजार स्कूलों की स्थापना का प्रस्ताव है।

● राष्ट्रीय माध्यमिक शिक्षा अभियान हेतु 3,124 करोड़ रुपये उपलब्ध कराए गए हैं, जो कि 2011–12 के बजट अनुमान की तुलना में 29 प्रतिशत अधिक है।

● छात्रों को बेहतर ऋण प्रवाह सुनिश्चित करने के लिए एक ऋण गारंटी निधि स्थापित करने का प्रस्ताव है।

● मौजूदा टीका इकाइयों का आधुनिकीकरण किया जाएगा। चेन्नई के पास एक नई एकीकृत टीका इकाई लगाने का प्रस्ताव।

● राष्ट्रीय ग्रामीण स्वास्थ्य मिशन के लिए आवंटन 2011–12 के 18,115 करोड़ रुपये से बढ़ाकर 2012–13 में 20,822 करोड़ रुपये किया जाना प्रस्तावित।

● राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन हेतु आवंटन में 34 प्रतिशत बढ़ोतरी करके 3,915 करोड़ रुपये किया गया।

● बैंक ऋण को आसान बनाना, 'महिलाओं की एसएचजी की विकास निधि' हेतु आधारभूत निधि को बढ़ाना।

● आजीविका योजना के जरिए भारत लिवलीहुड फाउंडेशन स्थापित करने का प्रस्ताव।

● प्रधानमंत्री के रोजगार सृजन कार्यक्रम के आवंटन में 2012–13 में 23 प्रतिशत की बढ़ोत्तरी करके 1,276 करोड़ रुपये करना।

● राष्ट्रीय कौशल विकास निधि हेतु 2012–13 में 1,000 करोड़ रुपये का आवंटन किया गया।

● कौशल विकास हेतु संस्थागत ऋण प्रवाह बढ़ाने के लिए एक अलग ऋण गारंटी निधि की स्थापना का प्रस्ताव।

● बीपीएल लाभार्थियों हेतु चल रही इंदिरा गांधी राष्ट्रीय विधवा पेंशन स्कीम तथा इंदिरा गांधी राष्ट्रीय निरूशक्त पेंशन स्कीम में पेंशन राशि 200 रुपये से बढ़ाकर 300 रुपये प्रति माह की गई।

● बीपीएल परिवार के 18 से 64 वर्ष आयु वर्ग के प्रमुख सदस्य की मृत्यु पर दिया जाने वाला एक मुश्त अनुदान दुगुना करके 20 हजार रुपये किया गया।

● यूआईडी–आधार में 40 करोड़ और अधिक लोगों के नामांकन के लिए पर्याप्त धन उपलब्ध कराया जायेगा।

● केन्द्रीय सशस्त्र पुलिस बलों के लिए लगभग 4,000 आवासीय इकाइयों के निर्माण हेतु 1,185 करोड़ रुपये आवंटित किए जाने का प्रस्ताव।

● हथकरघा बुनकरों के ऋणों को माफ करने और उनकी सहकारी समितियों की स्थापना करने, आंध्र प्रदेश और झारखंड में बड़े हथकरघा समूह की स्थापना करना, मिजोरम, नागालैंड, झारखंड में बुनकर सेवा केन्द्रों की स्थापना और महाराष्ट्र में पावरलूम के बड़े समूह की स्थापना के लिए 3,884 करोड़ रुपये के वित्तीय पैकेज का प्रस्ताव।

● पूर्वोत्तर क्षेत्र में जियो–टैक्सटाइल के लिए 500 करोड़ रुपये की पायलेट योजनाओं का प्रावधान।

रेल बजट 2012–13

● केंद्रीय रेल मंत्री दिनेश त्रिवेदी ने 14 मार्च 2012 को लोकसभा में रेल बजट 2012–13 पेश किया।

● रेल बजट 2012–13 में 60100 करोड़ रुपए के वार्षिक योजना का लक्ष्य रखा गया।

● रेल बजट 2012–13 की वार्षिक योजना के वित्त पोषण के लिए 24000 करोड़ रुपए की बजटीय सहायता, 2000 करोड़ रुपए की रेल संरक्षा निधि, 18050 करोड़ रुपए की आंतरिक्ष संसाधन और 16050 करोड़ रुपए की अतिरिक्त बजटीय संसाधनों, जिसमें भारतीय रेल वित्त निगम के माध्यम से 15000 करोड़ रुपए का बाजार ऋण शामिल किया गया।

● यद्यपि बाद में रेल मंत्री दिनेश त्रिवेदी का त्यागपत्र देना पड़ा और बढ़े हुए किराये को वापस ले लिया गया और मुकुल राय को नया रेल मंत्री बनाया गया।

रेल बजट 2012–13 : एक नजर

● 60100 करोड़ रुपए का अब तक के भारतीय रेल बजट इतिहास का सबसे अधिक्क योजना परिव्यय।

● उपनगरीय और साधारण द्वितीय श्रेणी के यात्री किराये में 2 पैसा प्रतिकिलोमीटर, मेल एक्सप्रेस द्वितीय श्रेणी में 3 पैसे प्रतिकिलोमीटर, शयनयान श्रेणी में 5 पैसे प्रतिकिलोमीटर, वातानुकूलित चेयर कार, वातानुकूलित–3 और प्रथम श्रेणी में 10 पैसे प्रतिकिलोमीटर, वातानुकूलित–2 में 15 पैसे प्रतिकिलोमीटर तथा वातानुकूलित–1 श्रेणी में 30 पैसे प्रतिकिलोमीटर की वृद्धि का प्रस्ताव।

● यात्री किराये को अगले निकटतम पांच रुपए में पूर्णांकित किए जाने का प्रस्ताव।

● न्यूनतम किराये और प्लेटफार्म टिकट की कीमत पांच रुपए करने का प्रस्ताव।

● ई–टिकट के लिए यात्री के मोबाइल फोन पर एसएमएस को वैध आरक्षण के प्रमाण के रूप में स्वीकार करना।

● यात्रियों को एसएमएस, इंटरनेट आदि के माध्यम से ट्रेन रनिंग की सूचना देने के लिए सैटेलाइट आधारित रियल टाइम ट्रेन इन्फार्मेशन सिस्टम (सिमरन) शुरू करना।

● किफायती दरों पर क्षेत्रीय भोजन की शुरूआत और एसएमएस या ई–मेल के माध्यम से भोजन के अधिक विकल्प मुहैया कराने के लिए ***बुक–ए–मील योजना*** शुरू करना।

● 75 नई रेलगाड़ियां शुरू करने का प्रस्ताव।

● 21 नई पैसेंजर गाड़ियां, 9 डेमू गाड़ियां और 8 मेमू गाड़ियां शुरू करने की घोषणा।

● 39 रेलगाड़ियों के विस्तार की योजना।

● 23 रेलगाड़ियों के फेरों में वृद्धि की योजना।

● मुम्बई उपनगर में 75 अतिरिक्त गाड़ियां चलाने की घोषणा।

● चेन्नै क्षेत्र में 18 अतिरिक्त गाड़िध्यों के परिचालन की घोषणा।

● कोलकाता क्षेत्र में 44 नई उपनगरीय गाड़ियां चलाने का प्रस्ताव।

● वर्ष 2012–13 में कोलकाता मेट्रो में 50 नई गाड़ियां जोड़ने की योजना।

● रेल सुरक्षा बलराजकीय रेलवे पुलिस द्वारा 3500 गाड़ियों का मार्गरक्षण।

● रेलवे सुरक्षा बल हेल्पलाइन को अखिल भारतीय पैसेंजर हेल्पलाइन में समाहित करना।

● एप्लासटिक अनैमिया और सिकल सैल अनैमिया से पीड़ित रोगियों के लिए वातानुकूलित 2, वातानुकूलित 3, चेयर कार और शयनयान श्रेणी के किराये में 50 प्रतिशत रियायत।

● अर्जुन पुरस्कार विजेताओं को राजधानी और शताब्दी गाड़ियों में यात्रा करने की सुविधा।

● रेल खेल रत्न पुरस्कार की शुरूआत का प्रस्ताव, जो प्रतिवर्ष 10 खिलाड़ियों को दिया जाएगा।

● वर्ष 2012–13 में सभी 202 चिन्हित स्टेशनों पर इंटीग्रेटिड सुरक्षा प्रणाली संस्थापित करने का कार्य पूर्ण करने का लक्ष्य।

● इज्जत योजना के अंतर्गत यात्रा दूरी 100 किलोमीटर से बढ़ाकर 150 किलोमीटर करने की घोषणा।

● वर्ष 2012–13 में 725 किलोमीटर नई रेललाइनें बिछाने, 700 किलोमीटर का दोहरीकरण, 800 किलोमीटर का आमान परिवर्तन और 1100 किलोमीटर का विद्युतीकरण करने का लक्ष्य।

● वर्ष 2012–13 में प्रस्तावित्त 84 स्टेशनों सहित 929 स्टेशनों का आदर्श स्टेशनों के रूप में उन्नयन।

● अगले हाल्ट स्टेशन और आगमन के संभावित समय की सूचना उपलब्ध कराने के लिए ऑन बोर्ड पैसेंजर डिस्पले प्रणाली शुरू करना।

● महत्वपूर्ण स्टेशनों पर 321 एस्केलेटर लगाना, जिनमें से वर्ष 2012–13 में 50 एस्केलेटर शुरू करना।

● सिक्काकरंसी चालित टिकट वैंडिंग मशीनों को शुरू करना।

● राजधानी, शताब्दी और दुरांतो गाड़ियों में ऑन बोर्ड ***रेल बंधु मैंगजीन*** शुरू करना।

● महत्पूर्ण स्टेशनों पर एसी एक्जीक्यूटिव लाऊंज

की स्थापना।

● बंकिम चन्द्र चट्टोपाध्याय की 175वीं जयंती के उपलक्ष्य में उनके जन्म स्थल ***नैहाटी*** में नया कोचिंग टर्मिनल बनाए जाने की घोषणा।

● उत्तरी बंगाल के सुन्दर वनों से होकर गुजरने वाली ग्रीन ट्रेन चलाने का प्रस्ताव।

● दूर–दराज क्षेत्रों में स्थिघ्त 200 रेलवे स्टेशनों की हरित ऊर्जा स्टेशनों के रूप में स्थापना, जो पूर्णरूप से सौर ऊर्जा पर निर्भर होंगे।

● 1000 चौकीदार वाले समपार फाटकों पर सौर प्रणाली आधारित प्रकाश व्यवस्था।

● 2500 सवारी डिब्बों में बॉयो–टॉयलेट बनाना।

● आंध्र प्रदेश, कर्नाटक, केरल, तमिलनाडु और पश्चिम बंगाल में 72 मेगावाट क्षमता वाले विंड मिल प्लांटों की स्थ्थापना।

● रायबरेली सवारी डिब्बा कारखाने के दूसरे चरण की शुरूआत वर्ष 2012–13 में करने की घोषणा।

● ओडिशा के गंजम जिले में सीतापली में एक माल डिब्बा कारखाना स्थापित करना।

● पालघाट में केरल सरकार के सहयोग से एक रेल सवारी डिब्बा कारखाना स्थापित करना। गुजरात सरकार के सहयोग से कच्छ क्षेत्र में और कर्नाटक सरकार के सहयोग से कोलार में सवारी डिब्बों के लिए दो अतिरिक्त नई निर्माण इकाइयों की स्थापना।

● पश्चिम बंगाल के श्याम नगर में उच्च शक्ति वाले विद्युत इंजनों में प्रयोग के लिए अगली पीढ़ी की प्रौद्योगिकी वाले प्रोपल्शन सिस्टम के निर्माण के लिए फैक्ट्री की स्थापना।

● काकोडकर समिति की सिफारिशों के अनुसरण में एक नियामक निकाय के रूप में रेलवे संरक्षा प्राधिकरण की स्थापना।

● आधुनिकीकरण के कार्यक्रमों को कार्यान्वित करने के लिए सैम पित्रोदा समिति द्वारा अनुशंसित मिशनों की स्थापना करना।

● रेलवे टैरिफ नियामक प्राधिकरण की स्थ्थापना के लिए विघ्चार किए जाने की योजना।

● आपदा प्रबंधन हेतु कौशल विकास करने के लिए बेंगलूरु, खड़गपुर और लखनऊ में तीन ***संरक्षा विलेजों*** की स्थापना करना।

● सार्वजनिक–निजी भागीदारी से स्टेशनों के पुनर्विकास के लिए इंडिया रेलवे डेवलपमेंट कॉर्पोरेशन की स्थापित करना।

● मौजूदा रेलवे माल शैडों और मल्टी मॉडल लॉजिस्टिक्स पार्कों के विकास और प्रबंधन के लिए लॉजिसटिक्स कॉर्पोरेशन की स्थापना करना।

● छत्रपति शिवाजी टर्मिनस और कल्याण के बीच गलियारे के लिए पूर्ण व्यवहार्यता सर्वेक्षण करना।

● उच्च रफ्तार वाले छः गलियारों के लिए पूर्व व्यवहार्यता अध्ययन पूरा कर लिया गया। वर्ष 2012–13 में दिल्ली–जयपुर–अजमेर–जोधपुर खंड के संबंध में अध्ययन किघ्या जाना।

● अगरतला को बांग्लादेश के अखौरा से जोड़ने वाली परिघ्योजना को वर्ष 2012–13 में शुरू करना।

● वर्ष 2012–13 में 1025 मिलियन टन के माल लदान का अनुमान, जोकि वर्ष 2011–12 की तुलना में 55 मिलियन टन अधिक है।

● वर्ष 2012–13 में यात्रियों में 5–4 प्रतिघ्शत वृद्धि का अनुमान।

● अनुसूचित जाति जनजाति और अन्य पिछड़ा वर्ग के बैकलॉग को समाप्त करने सहित वर्ष 2012–13 में एक लाख से अधिक लोगों की रेलवे में भर्ती करने का प्रस्ताव।

● वर्ष 2011–12 में 80 हजार से अधिक लोगों की भारतीय रेलवे में भर्ती हुई।

● रेलवे कर्मचारियों के लिए उनके कार्यस्थलों पर सम्पूर्ण स्वास्थ्य कार्यक्रम शुरू करना।

● रनिंग क्रू सहित कुशल और तकनीकी कर्मचारियों के विश्राम के लिए पर्याप्त सुविधा सुनिश्चित करना।

आर्थिक समीक्षा 2011–12

● वित्त मंत्री प्रणब मुखर्जी ने लोकसभा में 15 मार्च 2012 को आर्थिक समीक्षा 2011–12 पेश किया।

● आर्थिक समीक्षा 2011–12 में भारतीय अर्थव्यवस्था में 6.9 प्रतिशत वृद्धि का अनुमान किया गया।

● आर्थिक समीक्षा 2011–12 में वर्ष 2012–13 में सकल घरेलू उत्पाद में 7.6 प्रतिशत और वर्ष 2013–14 में 8.6 प्रतिशत वृद्धि का अनुमान लगाया गया।

● कृषि और संबंधित क्षेत्रों में 250.42 मिलियन टन से भी अधिक खाद्यान्न उत्पादन के साथ वर्ष 2011–12 में 2.5 प्रतिशत की वृद्धि दर का अनुमान है।

आर्थिक समीक्षा 2011–12 : एक नजर

● भारतीय अर्थव्यवस्था का विकास दर 6.9 प्रतिशत रहने का अनुमान। सकल घरेलू उत्पाद में वर्ष 2012–13 में 7.6 प्रतिशत और वर्ष 2013–14 में 8.6 प्रतिशत की वृद्धि की संभावना।

● कृषि और संबंधित क्षेत्रों में 2.5 प्रतिशत की वृद्धि का अनुमान।

● सेवा क्षेत्र में 9.4 प्रतिशत तक की वृद्धि का अनुमान।

● आर्थिक वसूली में सुधार जारी रहने के साथ औद्योगिक वृद्धि दर चार से पांच प्रतिशत तक रहने की उम्मीद।

● थोक मूल्य सूचकांक खाद्य मुद्रास्फीति जनवरी 2012 में मात्र 1.6 प्रतिशत रह गई। यह फरवरी 2010 में 20.2 प्रतिशत थी।

● भारत विश्घ्व की सबसे तेज गति से बढ़ने वाली अर्थव्यवस्थाओं में बना हुआ है। देश का राजकोषीय ऋण रेटिंग 2007–12 में 2.98 प्रतिशत बढ़ा।

● वित्त वर्ष 2011–12 के पूर्वार्द्ध में निर्यात 40. 5 प्रतिशत की दर से और आयात 30.4 प्रतिशत की दर से बढ़े।

● वित्त वर्ष 2011–12 में सामाजिक सेवाओं पर केन्द्रीय व्यय को बढ़ाकर 18.5 प्रतिशत किया जाना है, जो वर्ष 2006–07 में 13.4 प्रतिशत था।

● वित्त वर्ष 2010–11 में मनरेगा के आधीन 5. 49 करोड़ परिवारों को लाया गया।

भारत में प्रथम बार राष्ट्रीय स्तर पर उपभोक्ता मूल्य सूचकांक जारी

● केंद्र सरकार ने भारत में प्रथम बार राष्ट्रीय स्तर पर खुदरा कीमत आधारित महंगाई के आंकड़े 21 फरवरी 2012 को जारी किए। ● खुदरा कीमत आधारित महंगाई (उपभोक्ता मूल्य सूचकांक – Consumer price inflation –सीपीआई) के अनुसार जनवरी 2012 में महंगाई दर 7.65 प्रतिशत रही, जबकि थोक मूल्य सूचकांक आधारित महंगाई की दर 6.55 प्रतिशत थी।

● खुदरा कीमत आधारित महंगाई के आंकड़े सांख्यिकी व कार्यक्रम क्रियान्वयन मंत्रालय द्वारा जारी किये गये।

● सांख्यिकी व कार्यक्रम क्रियान्वयन मंत्रालय द्वारा भारत के लगभग 600 जिलों के 310 शहरी केंद्रों और 1181 गांवों से विभिन्न उत्पादों की खुदरा कीमतों को जुटाया गया। शहरों के 1114 बाजारों से कीमतें जुटाई गई।

● इसके आधार पर खुदरा कीमत आधारित महंगाई का उपभोक्ता मूल्य सूचकांक तैयार किया गया।

● उपभोक्ता मूल्य सूचकांक के आंकड़ों के अनुसार भारत के गांव में अनाज व दूध शहर से महंगे हैं। साथ ही ग्रामीण जनता मोटे अनाजों के लिए शहरों की तुलना में चार गुना ज्यादा कीमत अदा करती हैं।

● जनवरी 2012 में ग्रामीण इलाकों में अनाजों की खुदरा कीमतों में 3.44 प्रतिशत की वृद्धि हुई, जबकि शहरों में यह वृद्धि महज 0.79 प्रतिशत की रही। इसी तरह ग्रामीण क्षेत्र में दाल, अंडा, दूध, चीनी, ईंधन वगैरह में महंगाई शहरों के मुकाबले ज्यादा रही। तेल, कपड़े, जूते, सब्जियों में शहरों में ज्यादा महंगाई रही।

● खुदरा कीमत आधारित महंगाई (उपभोक्ता मूल्य सूचकांक, Consumer Price Inflation, सीपीआई) की दर जनवरी, 2012 में 7.65 प्रतिशत रही। शहरों में सीपीआई आधारित महंगाई की दर 8.25 और ग्रामीण इलाकों में 7.38 प्रतिशत रही।

● जनवरी 2012 में राज्य स्तर पर मेघालय सबसे महंगा राज्य रहा। दूसरे स्थान पर

भारत की पंचवर्षीय योजनाएं

पहली योजना (1951–56)
- ***हैरॉल्ड– डोमर मॉडल*** पर आधारित
- कृषि, कीमत स्थिरता, ऊर्जा व परिवहन क्षेत्रों पर जोर
- भाखड़ा नांगल, दामोदर घाटी तथा हीराकुंड नदी परियोजनाएं प्रारंभ।

दूसरी योजना (1956–61)
- ***पी.सी. महालनोबिस विकास मॉडल*** पर आधरित
- योजना का मुख्य उद्देश्य ***'द्रुत औद्योगिकीकरण'*** रहा
- योजना के दौरान विदेशी ट्टण की सहायता से बड़े पैमाने पर आयात किया गया और कृषि के बजाय औद्योगिक विकास पर विशेष बल दिया गया
- राउरकेला, भिलाई, दुर्गापुर इस्पात संयंत्रों की स्थापना।

तीसरी योजना (1961–66)
- भारतीय अर्थव्यवस्था को ***'आत्म निर्भर व स्वतः स्फूर्तिवान'*** बनाए जाने पर जोर
- भारत–चीन युद्ध (1962), भारत–पाक युद्ध (1965) और के दौरान भीषण सूखा पड़ जाने से तीसरी योजना पूरी तरह से असपफल रही।

तीन वार्षिक (1966–69)
- 3 वर्ष हेतु योजनावकाश योजनाएं
- कृषिगत संकट को रोकने और खाद्यान्न की कमी को ध्यान में रखते हुए वार्षिक योजनाओं के दौरान कृषि क्षेत्र पर जोर
- वार्षिक योजनाओं के दौरान पूरी तरह से एक नई कृषि नीति अपनाई गई और कृषि उत्पादन को बढ़ाने के लिए उच्च गुणवत्ता वाले बीज के वितरण, उर्वरक का बड़े पैमाने पर प्रयोग, सिंचाई क्षमता का विस्तार व भू–संरक्षण आदि विधियों पर विशेष जोर दिया गया
- 1966–67 के दौरान भारत में हरित क्रांति की शुरुआत।

चौथी योजना (1669–74)
- योजना का मुख्य उद्देश्य ***'स्थिरता के साथ विकास' था।***
- इंदिरा गांधी सरकार द्वारा 14 वाणिज्यिक बैंकों का राष्ट्रीयकरण
- 1974 में भारत द्वारा भूमिगत नाभिकीय परीक्षण (स्माइलिंग बुद्धा) किया गया।

पांचवीं योजना (1974–79)
- योजना का मुख्य उद्देश्य ***'गरीबी उन्मूलन के साथ आत्मनिर्भरता प्राप्त करना'*** था।
- जनता सरकार के सत्ता में आने के बाद इस योजना को 1978 (1979 के स्थान पर) में ही बंद कर दिया गया।

अनवरत योजना (1978–80)
- दो बार छठी योजना की शुरुआत। पहली जनता सरकार (1978–83) द्वार जो केवल दो वर्ष तक ही चल सकी और दूसरी कांग्रेस सरकार द्वारा 1980 में शुरु की गई।

छठीं योजना *(1980–85)*
- योजना का उद्देश्य – ***राष्ट्रीय आय में वृद्धि प्रौद्योगिकी का आधुनिकीकरण, गरीबी एवं बेरोजगारी में लगातार कमी करना, परिवार नियोजन के जरिए जनसंख्या नियंत्रण*** करना था।
- ट्रायसेम और ड्वाकरा कार्यक्रमों की शुरुआत।

सातवीं योजना (1985–90)
- आठवीं योजना का मुख्य उद्देश्य ***संवृद्धि, आधुनिकीकरण, आत्मनिर्भरता और सामाजिक न्याय पर बल*** देना। इसके लिए खाद्यान्न उत्पादन में वृद्धि, उत्पादकता व रोजगार अवसरों में वृद्धि पर विशेष ध्यान दिया गया
- योजनावधि में अर्थव्यवस्था रिकार्ड 6 प्रतिशत (लक्ष्य 5 प्रतिशत) के स्तर तक बढ़ी।
- भारत के पास विदेशी मुद्रा केवल की अवधि 1 बिलियन डॉलर होने से विदेशी मुद्रा भंडार का संकट उत्पन्न। दबाव में भारत ने अपने समाजवादी अर्थव्यवस्था के ढांचे में सुधार लाते हुए इसे 'मुक्त बाजार' में परिवर्तित किया।
- उदारीकरण और निजीकरण की शुरुआत

आठवीं योजना (1992–97)
- योजना का मुख्य उद्देश्य ***'मानव संसाधन का विकास'*** था
- 1 जनवरी, 1995 को भारत विश्व व्यापार संगठन का सदस्य बना

नौवीं योजना (1997–2002)
- योजना का मुख्य उद्देश्य ***'सामाजिक न्याय और समानता के साथ आर्थिक संवृद्धि'*** था। इसके लिए जीवन स्तर, रोजगार सृजन, आत्म निर्भरता एवं क्षेत्रीय संतुलन जैसे चार क्षेत्रों पर विशेष जोर दिया गया।

दसवीं योजना (2002–2007)
- दसवीं योजना में आर्थिक संवृद्धि का लक्ष्य 8 प्रतिशत, उपलब्धि 7.2 प्रतिशत प्रतिवर्ष। 7.2 प्रतिशत की यह संवृद्धि अब तक की किसी भी योजनावधि में सर्वाधिक है।
- 2007 तक गरीबी का अनुपात 26 प्रतिशत से घटाकर 21 प्रतिशत तथा 2012 तक 15 प्रतिशत बिन्दु तक लाना
- सभी बच्चों को 2003 तक स्कूलों में दाखिला करना और 2007 तक सभी बच्चों की स्कूली पढ़ाई का 5 साल पूरा करना
- साक्षरता दर को 2007 तक 75 प्रतिशत तक पहुंचाना
- 2007 तक शिशु मृत्युदर को 45 प्रति हजार तक और 2012 में कम करके 28 प्रति हजार तक किया जाना
- मातृत्व मृत्युदर 2007 तक 2 प्रति हजार तथा 2012 तक 1 प्रति हजार तक पहुंचाना
- 2007 तक वानिकीकरण को 25 प्रतिशत और 2012 तक 33 प्रतिशत के स्तर तक पहुंचाना।

ग्यारहवीं योजना (2007–2012)
- दृष्टिकोण – ***'तीव्रतर और अधिक समावेशी विकास'***
- आर्थिक संवृद्धि का लक्ष्य 9 प्रतिशत
- 5 प्रतिशत तक वनों का विस्तार
- गरीबी रेखा से नीचे रहने वाले लोगों की संख्या में 10 प्रतिशत तक की कमी
- कुल जनन क्षमता को घटाकर 2.1 तक लाना

बारहवीं योजना (2012–2017)
- दृष्टिकोण – ***'तीव्र, धारणीय और अधिक समावेशी विकास'***
- आर्थिक संवृद्धि का लक्ष्य 9–9.5 प्रतिशत
- साक्षरता 100 प्रतिशत तक प्राप्त करना
- स्वास्थ्य पर जीडीपी के 1.3 से 2.0 प्रतिशत तक खर्च करना

कर्नाटक और तीसरे स्थान पर केरल रहा।

● विश्व के अधिकतर देशों में खुदरा मूल्य सूचकांक (उपभोक्ता मूल्य सूचकांक) को ही आधार माना जाता है। भारत में लागू मौजूदा थोक मूल्य सूचकांक में खाद्य उत्पादों का हिस्सा महज 14.3 प्रतिशत है। जबकि, उपभोक्ता मूल्य सूचकांक में इनकी हिस्सेदारी 45 प्रतिशत से ज्यादा है। साथ ही थोक मूल्य सूचकांक में स्वास्थ्य, शिक्षा जैसे कई सेवा क्षेत्र शामिल नहीं हैं, जबकि इन पर आम जनता काफी खर्च करती है।

● उपभोक्ता मूल्य सूचकांक में सेवाओं को भी महत्वपूर्ण स्थान दिया गया है।

ग्रीस का वित्तीय संकट

● यूरो क्षेत्र के वित्त मंत्रियों ने ग्रीस को वित्तीय संकट से निकालने हेतु दूसरे बेलआउट पैकेज से 35 अरब यूरो की राशि जारी की।

● ग्रीस की सरकार ने निजी कर्जदाताओं के साथ बांड की अदला–बदली पर ऐतिहासिक करार 9 मार्च 2012 को किया।

● इस करार के बाद यूरो मुद्रा का इस्तेमाल कर रहे 17 यूरोपीय देशों के वित्त मंत्रियों ने वीडियो कांफ्रेंसिंग करके ग्रीस को मिलने वाले दूसरे बेलआउट पैकेज से 35 अरब यूरो की राशि जारी करने पर सहमति जताई।

● ग्रीस की सरकार ने निजी कर्जदाताओं के साथ बांड की अदला–बदली पर जो करार किया है, उससे ग्रीस का कर्ज आधा होकर लगभग 107 अरब यूरो रह जाएगा।

● ज्ञातव्य हो कि ग्रीस को दूसरे बेलआउट पैकेज में 130 अरब डॉलर मिलने हैं।

● हालांकि बेलआउट पैकेज के लिए यूरोपीय संघ और अंतरराष्ट्रीय मुद्राकोष ने ग्रीस के ऊपर खर्च कटौती की कड़ी शर्तें रखी हैं।

भारत का सबसे बड़ा जिंस एक्सचेंज ;एमसीएक्सद्ध

● भारत का सबसे बड़ा जिंस एक्सचेंज एमसीएक्स 9 मार्च 2012 को बंबई शेयर बाजार में सूचीबद्ध हुआ।

● बंबई शेयर बाजार में सूचीबद्ध होने के साथ ही एमसीएक्स का शेयर 34 प्रतिशत के प्रीमियम के साथ यानी 1400 रुपये के स्तर को पार कर गया। हालांकि, मुनाफावसूली के चलते कारोबार के अंत में यह 25.7 प्रतिशत की बढ़ोतरी के साथ 1297.05 रुपये पर बंद हुआ।

● जिंस एक्सचेंज एमसीएक्स ने आइपीओ के आवेदनकर्ताओं को शेयरों का आवंटन 1032 रुपये के भाव पर किया था।

● एमसीएक्स शेयर बाजार में सूचीबद्ध होने वाला देश का पहला एक्सचेंज है। साथ ही यह बाजार नियामक सेबी के नए नियमों के तहत सूचीबद्ध होने वाली पहली कंपनी है।

● ज्ञातव्य हो कि सेबी ने 20 जनवरी 2012 को नए दिशा–निर्देशों की घोषणा की थी। नए दिशा–निर्देशों के तहत सुबह नौ बजे से दस बजे के बीच सूचीबद्ध होने से पहले शेयरों के लिए बोली लगाई जानी अनिवार्य है।

मौद्रिक दरें

● **रेपो रेट** – रेपो दर वह दर है जिस पर बैंकों को कम अवधि के लिए आरबीआई से कर्ज मिलता है। रेपो रेट घटाए जाने पर बैंकों के लिए रिजर्व बैंक से कर्ज लेना सस्ता हो जाता है। रेपो रेट बढ़ाए जाने पर बैंकों को आरबीआई से कर्ज महंगी दर पर मिलता है। रेपो रेट घटाए जाने पर वाणिज्यिक बैंक अपनी ब्याज दरों में कमी लाते हैं ताकि लोग उनसे ज्यादा से ज्यादा रकम कर्ज के रूप में ले सकें।

रेपो रेट वर्तमान दर – **8.5 प्रतिशत**

● **रिवर्स रेपो रेट** – रिवर्स रेपो दर वह दर है जो ब्याज, आरबीआई के पास पैसा रखने पर बैंकों को मिलता है। यदि रिवर्स रेपो आरबीआई घटाता है तो बैंकों को आरबीआई के पास पैसे रखने पर कम ब्याज मिलेगा। यदि रिवर्स रेपो आरबीआई बढ़ाता है तो बैंकों को आरबीआई के पास रखे पैसे पर ज्यादा ब्याज मिलेगा।

रिवर्स रेपो रेट वर्तमान दर – **7.5 प्रतिशत**

● **सीआरआर** – सीआरआर यानी कैश रिजर्व रेशियो, ये वो इनकम है जो बैंकों को गारंटी के तौर पर आरबीआई के पास रखनी होती है। सीआरआर को घटाए जाने पर बैंकों को आरबीआई के पास पहले से कम रकम रखनी पड़ती है और उनके हाथ में ज्यादा पैसा होता है, जबकि सीआरआर के बढ़ने पर बैंकों के पास पैसे कम रह जाएंगे क्योंकि उन्हें आरबीआई के पास पहले से ज्यादा रकम गारंटी के तौर पर रखनी पड़ेगी। आरबीआई बैंकों से गारंटी के तौर पर यह रकम इसलिए जमा कराता है ताकि किसी समय एक साथ बड़ी संख्या में जमाकर्ता अपना पैसा निकालने आ जाएं तो बैंक डिपफाल्ट न कर सकें।

सीआरआर वर्तमान दर – **4.75 प्रतिशत**

● **वैधनिक तरलता अनुपात (SLR)** – किसी भी आपात देनदारी को पूरा करने के लिए वाणिज्यिक बैंक अपने हर एक दिन के कारोबार के अंत में नकद, सोना व सरकारी प्रतिभूतियों में निवेश के रूप में एक खास रकम रिजर्व बैंक के पास रखते हैं, इसे ही वैधनिक तरलता अनुपात अथवा एसएलआर कहते हैं। रिजर्व बैंक एसएलआर की अधिकतम सीमा 40 प्रतिशत तक कर सकता है। एसएलआर में बढ़ोत्तरी से अर्थव्यवस्था में बैंक साख की मात्रा कम हो जाती है और इसके विलोमशः भी।

वैधनिक तरलता अनुपात वर्तमान दर – **24.0 प्रतिशत**

● **बैंक दर** – बैंक दर वह दर होती है जिस पर रिजर्व बैंक वाणिज्यिक बैंकों को उधर देता है। मुद्रा प्रसार की स्थिति में बैंक दर में बढ़ोत्तरी कर दी जाती है और मुद्रा संकुचन की स्थिति में बैंक दर में कमी करके साख को सस्ता कर इसका विस्तार किया जाता है। बैंक दर एक मात्र ऐसी दर है जो अर्थव्यवस्था में मुद्रास्फीति एवं अवस्फीति के नियंत्रण में सहायता करती है।

● पहले इसी के आधार पर बैंकों की ब्याज दर तय होती थी। अब इसके लिए भारतीय रिजर्व बैंक रेपो दर का इस्तेमाल करता है।

● बैंक भारतीय रिजर्व बैंक से कम अवधि (मसलन कुछ घंटे से 15 दिन) के लिए रेपो रेट पर ही कर्ज लेते हैं।

● वर्तमान बैंक दर **9.5 प्रतिशत**। भारतीय रिजर्व बैंक द्वारा यह निर्णय 14 फरवरी 2012 को लिया गया और इसे तत्काल प्रभाव से लागू किया गया।

● ज्ञातव्य हो कि भारतीय रिजर्व बैंक ने अप्रैल 2003 से बैंक दर स्थिर रखी थी।

विज्ञान और प्रौद्योगिकी

सर्न

सर्न (CERN - यूरोपीय नाभिकीय अनुसंधान संगठन) कण भौतिकी (particle physics) की संसार की संसार की सबसे बड़ी प्रयोगशाला है। यह फ्रान्स और स्विट्जरलैण्ड की सीमा पर जिनेवा के उत्तर–पश्चिमी उपनगरीय क्षेत्र में है। इस संस्था में बीस यूरोपियन सदस्य देश हैं। इस समय लगभग 2600 स्थायी कर्मचारी एवं दुनिया भर के कोई 500 विश्वविद्यालयों एवं 80 राष्ट्रों के लगभग 7930 वैज्ञानिक एवं अभियन्ता कार्यरत हैं।

भारत भी इसका पर्यवेक्षक देश है।

कार्य एवं उद्देश्य

इसका प्रमुख उद्देश्य उच्च उर्जा भौतिकी से सम्बन्धित अनुसंधन करने के लिये विभिन्न प्रकार के कण त्वरकों का विकास करना है।

कृष्ण विवर या ब्लैक होल

कृष्ण विवर, श्याम विवर, कृष्ण गर्त या ब्लैक होल अन्तरिक्ष का वह हिस्सा होता है जहाँ गुरुत्वीय क्षेत्र इतना प्रबल होता है कि इसमे से कुछ भी बाहर नही आ सकता य यहाँ तक कि विद्युतचुम्बकीय तरंगे (जैसे, प्रकाश) भी नही । इनकी उपस्थिति का ज्ञान इनका अन्य पदार्थों के साथ परस्पर क्रिया (इन्टरैक्शन) द्वारा किया जा सकता है

हालांकि इतने शक्तिशाली गुरुत्वीय क्षेत्र का विचार १८ वी सदी का है परन्तु वर्तमान

मे काल–कोठरी अलबर्ट आइंस्टाइन के सापेक्षता के सिद्धांत पर ही समझाए जाते हैं।

श्याम विवर की उत्पत्ति

जब किसी बड़े तारे का पूरा का पूरा ईंधन जल जाता है तो उसमें एक जबरदस्त विस्फोट होता है जिसे सुपरनोवा कहते हैं. विस्फोट के बाद जो पदार्थ बचता है वह धीरे धीरे सिमटना शुरू होता है और बहुत ही घने पिंड का रूप ले लेता है जिसे न्यूट्रॉन स्टार कहते हैं. अगर न्यूट्रॉन स्टार बहुत विशाल है तो गुरुत्वाकर्षण का दबाव इतना होगा कि वह अपने ही बोझ से सिमटता चला जाएगा और इतना घना हो जाएगा कि ब्लैक होल बन जाएगा और श्याम विवर, कृष्ण गर्त या ब्लैक होल के रूप मे दिखाई देगा.

श्याम विवर का अस्तित्व

यदि श्याम विवर दिखता नहीं है तो कैसे कहा जा सकता है कि यह ब्लैक होल है? इसके कुछ प्रमाण हैं। एक तो जब भी कोई पिंड या पदार्थ ब्लैक होल के नजदीक पहुंचता है तो उसकी तरफ खिंचता चला जाता है। इस प्रक्रिया में वह लाखघें डिग्री के तापमान पर जलता है और फिर गायब हो जाता है जो इस बात का प्रमाण है कि वह ब्लैक होल में समा गया। एक और प्रमाण ये है कि जहां ब्लैक होल होता है उसके गुरुत्वाकर्षण क्षेत्र के आस पास मौजूद तारे उसका चक्कर लगाते रहते हैं. इनकी गति को देखकर खगोलज्ञ ब्लैक होल की स्थिति और उसके आकार का अनुमान लगा सकते हैं.

श्याम विवर दिखाई किस प्रकार देता है ?

इसका गुरुत्वाकर्षण सबसे अधिक होता है । हमे कोइ भी वस्तु तब दिखाई देती है जब कि प्रकश का कण(जिसे फोटॉन कहा जाता है) उस वस्तु से टकरा कर हमारी आखघें से टकराता है । परन्तु ब्लैक होल प्रकाश के उस कण का परावर्तन ही नही होने देता । अर्थात फोटॉन भी गुरुत्वीय क्षेत्र मे समाहित हो जाता है । इसलिये वह ब्रह्माण्ड मे काले गर्त के रूप मे दिखाई देता है ।

बिग बैंग

ब्रह्मांड का जन्म एक महाविस्फोट (बिग बैंग) के परिणामस्वरूप हुआ। इसी को बिग बैंग सिद्धान्त या महाविस्फोट का सिद्धान्त कहते हैं।ख1,, जिसके अनुसार से लगभग बारह से चौदह अरब वर्ष पूर्व संपूर्ण ब्रह्मांड एक परमाण्विक इकाई के रूप में था।ख2, उस समय मानवीय समय और स्थान जैसी कोई वस्तु अस्तित्व में नहीं थी।ख3, बिग बैंग प्रतिरूप के अनुसार लगभग १३.७ अरब वर्ष पूर्वख4, इस धमाके में अत्यधिक ऊर्जा का उत्सजर्न हुआ। यह ऊर्जा इतनी अधिक थी जिसके प्रभाव से आज तक ब्रह्मांड फैलता ही जा रहा है। सारी भौतिक मान्यताएं इस एक ही घटना से परिभाषित होती हैं जिसे बिग बैंग सिद्धांत कहा जाता है। बिग बैंग नामक इस महाविस्फोट के धमाके के मात्र १.४३ सेकेंड अंतराल के बाद समय, अंतरिक्ष की वर्तमान मान्यताएं अस्तित्व में आ चुकी थीं। भौतिकी के नियम लागू होने लग गये थे। १.३४वें सेकेंड में ब्रह्मांड १०३० गुणा फैल चुका था और क्वार्क, लैप्टान और फोटोन का गर्म द्रव्य बन चुका था। १.४ सेकेंड पर क्वार्क मिलकर प्रोटॉन और न्यूट्रॉन बनाने लगे, और ब्रह्मांड अब कुछ ठंडा हो चुका था। हाइड्रोजन, हीलियम आदि के अस्तित्त्व का आरंभ होने लगा था और अन्य भौतिक तत्व बनने लगे थे।

बिग बैंग सिद्धान्त के आरंभ का इतिहास आधुनिक भौतिकी में जॉर्ज लिमेत्री ने लिखा हुआ है। लिमेत्री एक रोमन कैथोलिक पादरी थे और साथ ही वैज्ञानिक भी। उनका यह सिद्धान्त अल्बर्ट आइंसटीन के प्रसिद्ध सामान्य सापेक्षवाद के सिद्धांत पर आधरित था। बिंग बैंग सिद्धांत दो मुख्य धरणाओं पर आधरित होता है। पहला भौतिक नियम और दूसरा ब्रह्माण्डीय (कॉस्मोलाजिकल) सिद्धांत। ब्रह्माण्डीय सिद्वांत के मुताबिक ब्रह्मांड होमोजीनस और आइसोट्रॉपिक होता है। १९६४ में ब्रिटिश वैज्ञानिक पीटर हिग्गस ने बिग बैंग के बाद एक सेकेंड के अरबें भाग में ब्रह्मांड के द्रव्यों को मिलने वाले भार का सिद्धांत प्रतिपादित किया था, जो भारतीय वैज्ञानिक सत्येन्द्र नाथ बोस के बोसोन सिद्धांत पर ही आधरित था। इसे बाद में शहिग्गस–बोसोनश के नाम से जाना गया।इस सिद्धांत ने जहां ब्रह्मांड की उत्पत्ति के रहस्यों पर से पर्दा उठाया, वहीं उसके स्वरूप को परिभाषित करने में भी मदद की।ख5,

अंतर्राष्ट्रीय तापनाभिकीय प्रायोगिक संयंत्रा

अंतर्राष्ट्रीय तापनाभिकीय प्रायोगिक संयंत्र (इंटरनेशनल थर्मोन्यूक्लियर एक्सपेरिमेंटल रिएक्टर – आईटीईआर) ऊर्जा की कमी की समस्या से निबटने के लिए भारत, सहित विश्व के कई राष्ट्रों द्वारा अंतर्राष्ट्रीय परमाणु ऊर्जा एजेंसी के सहयोग से, मिलकर बनाया जा रहा संलयन नाभिकीय प्रक्रिया, पर आधरित ऐसा विशाल रिएक्टर है, जो कम ईंधन की सहायता से ही अपार ऊर्जा उत्पन्न करेगा।ख3, सस्ती, प्रदूषणविहीन और असीमित ऊर्जा पैदा करने की दिशा में हाइड्रोजन बम के सिद्धांत पर इस नाभिकीय महापरियोजना को प्रयोग के तौर पर शुरू किया गया है। इसमें संलयन से उसी प्रकार से ऊर्जा मिलेगी जैसे पृथ्वी को सूर्य या अन्य तारों से मिलती है।

इस परियोजना के भागीदार यूरोपियन यूनियन, जापान, चीन, रूस, दक्षिण कोरिया, दक्षिण अफ्रीका और अमेरिका हैं। कनाडा पहले इस अभियान में शामिल था, लेकिन २००३ में वह अलग हो गया। नाभिकीय संलयन की इस प्रक्रिया में दो हल्के नाभिक जुड़कर बड़े नाभिक का निर्माण करेंगे जिससे अपार ऊर्जा मुक्त होगी और इसका रूपांतरण कर विद्युत ऊर्जा में इसका उपयोग किया जा सकेगा। इसके अलावा इस प्रतिक्रिया में ऊर्जा उत्पादन के साठ–साथ अन्य तरीकों की भांति कार्बन डाईआक्साइड का उत्सर्जन नहीं होगा, जिससे ग्रीन हाउस प्रभाव की समस्या से भी मुक्ति मिलेगी। ख5, हमें जीवाश्म ईंधन पर अनंतकाल तक निर्भर नहीं रहना होगा।

आईएईए–आईटीईआर के बीच समझौता

न्यूयार्क। संयुक्त राष्ट्र की परमाणु निगरानी संस्था ने एक वैश्विक अनुसंधन संगठन के साथ समझौता किया है, जो परमाणु संलयन प्रौद्योगिकी पर अध्ययन को बढ़ावा देता है। इस संगठन में भारत भी शामिल है।

अंतरराष्ट्रीय परमाणु ऊर्जा एजेंसी ख्आईएईए, ने जेनेवा में अंतरराष्ट्रीय ताप–नाभिकीय प्रायोगिक संयंत्र ख्आईटीईआर, संगठन के साथ संबंधें को मजबूत करने के लिहाज से समझौता किया।

आईटीईआर में भारत–अमेरिका यूरोपीय संघ, जापान, रूस और दक्षिण अफ्रीका हैं। इसका मकसद संलयन के जरिए विद्युत ऊर्जा का निर्माण करना है, जो अभी प्राथमिक चरण में है। इसके लिए एक अनुसंधन केंद्र दक्षिणी फ्रांस में स्थापित किया जाएगा।

आईएईए उप महानिदेशक यूरी सोकोलोव ने कहा कि आईटीईआर इस बात का स्पष्ट उदाहरण है कि कोई बड़ी अंतरराष्ट्रीय परियोजना सफलतापूर्वक चल सकती है।

इस समझौते के तहत दोनों एजेंसियां संलयन ऊर्जा के महत्वपूर्ण अनुप्रयोग पर जानकारी का आदान–प्रदान करेंगी और साझा तौर पर प्रशिक्षण कार्यक्रम और अधिवेशन आयोजित करेंगी। इस समझौते पर दस्तखत आईएईए के 22वें संलयन ऊर्जा अधिवेशन के उद्घाटन दिवस पर किए गए।

जेनेवा में संयुक्त राष्ट्र कार्यालय के उप महानिदेशक जान बीगल ने कहा कि वैज्ञानिक सहयोग समझौतों के लिए और प्रौद्योगिकी स्थानांतरण को सुलभ बनाने के लिहाज से विकासशील देशों को जोड़ने के प्रयास होने चाहिए।

प्लाज्मा अनुसंधन संस्थान

प्लाज्मा अनुसंधन संस्थान (Institute for Plasma Research - IPR) भारत में प्लाज्मा से सम्बन्धित अनुसंधन का स्वायत्त संस्थान है। यह गुजरात के गांधीनगर में स्थित है। इस संस्थान को वित्तपोषण (फण्डिंग) मुख्यतः परमाणु

उर्जा विभाग से मिलती है।

यह संस्थान मौलिक प्लाज्मा भौतिकी, चुम्बकीय परिसीमित तापीय प्लाज्मा तथा औद्योगिक प्रयोग के लिए प्लाज्मा तकनीकों जैसे प्लाज्मा विज्ञान के विभिन्न पक्षों पर अनुसंधान करने वाली एक स्वायत भौतिकी अनुसंधन संस्थान है। मौलिक अनुसंधन के अतिरिक्त संस्थान में अभी स्थिर अवस्था सुपरंडिक्टिंग टोकामॉक के निर्माण की प्रक्रिया प्रगति पर है।

प्लाज्मा अनुसंधन संस्थान देश का एकमात्र संस्थान है जो पदार्थ की प्लाज्मा अवस्था के विभिन्न वैज्ञानिक पहलुओं के अध्ययन एवं प्लाज्मा पर आधरित तकनीकों के विकास के लिए सम्पूर्ण रूप से समर्पित है। इस संस्थान की स्थापना भारत सरकार के वैज्ञानिक एवं तकनीकी विभाग द्वारा सन 1986 में की गई थी, लेकिन सन 1996 से यह परमाणु उर्जा विभाग के प्रशासनिक नियंत्रण में एक स्वायत संस्थान के रूप में कार्यरत है। ईटर– अंतर्राष्टीय ताप नाभिकीय प्रायोगिक रिएक्टर, एक अंतर्राष्टीय संगठन द्वारा निर्मित किया जा रहा है। इस संगठन के सहयोगी सदस्य देश यूरोपीय संघ, चीन, जापान, भारत, सोवियत संघ, कोरिया गणराज्य तथा संयुक्त राज्य अमेरिका हैं। ईटर द्वारा नाभिकीय संलयन से उर्जा के नये स्त्रोत की खोज की जायेगी। इसका मुख्य उद्देश्य आरोपित उर्जा से लगभग दस गुना उर्जा उत्पन करना है। भारत ईटर मशीन निर्माण और संचालन में एक महत्वपूर्ण भूमिका निभायेगा। भारतीय प्लाज्मा परिषद एवं राष्टीय संलयन कार्यक्रम के तत्वावधन में प्लाज्मा अनुसंधन संस्थान, गांधीनगर में आयोजित इस सम्मेलन का लक्ष्य एकदम स्पष्ट था कि परमाणु उर्जा विभाग की विभिन्न इकाइयों एवं भारत के अन्य प्रतिष्ठित वैज्ञानिकों को अपने विचार हिन्दी में प्रकट करने के लिए मंच प्रदान करना था जो सफल रहा। यह सम्मेलन निश्चित रूप से प्लाज्मा संस्थान के वैज्ञानिको को दीर्घकालीन संयुक्त उद्यम तथा नये वैज्ञानिक सहयोग स्थापित करने को प्रेरित करेगा।

टोकामक प्लाज्मा को एक निश्चित आयतन में बनाये रखने (confinement) के लिये डिजाइन की गयी एक विशेष विधि एवं संयन्त्र का नाम है। इसका विकास सन् 1950 में रूस के वैज्ञानिकों ने किया। इसकी सहायता से छल्लाकार (toroidal) चुम्बकीय क्षेत्र निर्मित होता है।

0806–661बी

● सौर मंडल से बाहर अंतरिक्ष के सबसे ठंडे तारे की खोज खगोलविदों द्वारा कर ली गई।

● इस तारा का नाम है डब्ल्यूडी 0806–661बी।

● अमेरिका स्थित पेंसिल्वेनिया स्टेट यूनिवर्सिटी के खगोलविदों ने इस तारे की खोज की, जिसकी रिपोर्ट अक्टूबर 2011 के चौथे सप्ताह में प्रकाशित हुई।

● डब्ल्यूडी 0806–661 बी नामक तारे की सतह का तापमान 27–80 डिग्री सेल्सियस तक है। हालांकि इसका द्रव्यमान बृहस्पति ग्रह से छह से नौ गुना अधिक है।

● इस तारे का पता लगाने के लिए अमेरिका के अंतरिक्ष एजेंसी नासा के स्पिट्जर स्पेस टेलीस्कोप का इस्तेमाल किया गया। सौर मंडल से बाहर अंतरिक्ष का सबसे ठंडा तारा डब्ल्यूडी 0806–661 बी भूरे रंग का है और यह धरती से 630 लाख प्रकाश वर्ष दूर स्थित है। दूसरे तारों की तरह ही यह तारा भी धूल और गैसों के बादल से बना है।

सनस्पॉट 1302

● सूर्य की एक तेज दहकती हुई लपट पृथ्वी के चुंबकीय क्षेत्र में 26 सितंबर 2011 को प्रवेश की। एक्स 1.9 श्रेणी के इस खतरनाक सौर लपट का नाम सनस्पॉट 1302 है।

● सूर्य के चुंबकीय क्षेत्र से निकली इस सौर लपट ने पृथ्वी के 62 हजार वर्ग मील इलाके को प्रभावित किया।

● अमेरिकी अंतरिक्ष एजेंसी नासा के अनुसार सनस्पॉट 1302 पृथ्वी के वायुमंडल के बेलेमॉथ स्तर पर फैल गई। इसके कारण अमेरिका के पांच राज्यों मिशिगन, न्यूयॉर्क, दक्षिण डकोटा, मेन और मिनिसोटा में आकाश में लाल–हरे रंग की रोशनी दिखी।

● गोर्डाड अंतरिक्ष मौसम लैब से मिले आंकड़ों के अनुसार पृथ्वी के चुंबकीय क्षेत्र में इसके बाद भीषण दबाव महसूस किया गया। ● सौर ऊर्जा के इस चुंबकीय तूफान से जीपीएस सिग्नल, रेडियो संचार और पॉवर ग्रिड बाधित हो गए।

● सूर्य के सक्रिय क्षेत्र 1302 से विकरण होने के कारण दक्षिणी इंग्लैंड में बिजली गिरने की कई घटनाएं भी हुईं।

32000 हजार वर्ष पुराने सुप्त अवस्था के उत्तक से पौधें उगाने में सपफलता

● रूस के जैव–भौतिक वैज्ञानिकों की एक टीम ने साइबेरिया क्षेत्र में लेगभग 32 हजार वर्षों से सुप्त अवस्था में पड़े ऊतक से पौधे उगाने में सफलता हासिल की।

● रूस के कोशिका जैव–भौतिकी संस्थान के डेविड गिलिचिंस्की के नेतृत्व में वैज्ञानिकों की एक टीम ने साइबेरिया क्षेत्र में कोल्यमा नदी के किनारे गिलहरियों के बिल में सुप्तावस्था में पड़ी सामग्री से इस पौधे को उगाया।

● जैव–भौतिक वैज्ञानिकों को साइबेरिया क्षेत्र में कोल्यमा नदी के किनारे जो सुप्तावस्था में पड़ी सामग्री मिली, वह साइलेन स्टेनोफाइला (Silene stenophyll) परिवार से था।

● प्रोसीडिंग्स ऑफ द नेशनल एकेडमी ऑफ साइंसेस में प्रकाशित रिपोर्ट के अनुसार सुप्तावस्था में पड़ी साइलेन स्टेनोफाइला लगभग पूरी तरह सुरक्षित अवस्था में था।

● वैज्ञानिकों ने साइलेन स्टेनोफाइला के अपरिपक्व बीजों से ऊतक निकाला।

● ऊत्तक को एक विशेष पोषक घोल में रख दिया गया। कुछ समय बाद पेट्री डिश में रखा गया ऊतक परिपक्व बीज बन गया। इसे मिट्टी में बो दिया गया और पौधा उग आया।

● रूस के कोशिका जैव–भौतिकी संस्थान के डेविड गिलिचिंस्की के अनुसार पुनर्जीवित पौधों और आज के साइलेन स्टेनोफाइला के बीच पुष्प दलों के आकार व लिंग में मामूली अंतर पाया गया।

● अनुसंधान दल के अनुसार सुप्तावस्था में पड़ी ऊतक कोशिकाएं प्रयोग के लिए बिल्कुल उपयुक्त सामग्री थीं। उनमें उच्च मात्रा में चीनी मौजूद थी। इस चीनी की वजह से ही पौधे इतनी लंबी सुप्तावधि के दौरान जिंदा बने रहे।

● ज्ञातव्य हो कि साइबेरियन टुंड्रा क्षेत्र में साइलेन स्टेनोफाइला अभी भी उगता है। हालांकि यह प्राचीन पौधे से अलग तरह का होता है।

जे1823–3021ए

● खगोल विज्ञानियों ने जे1823–3021ए () नामक तारे को खोजा है, जिसे अंतरिक्ष का सबसे युवा, चमकदार और सबसे तेज गति वाला तारा बताया गया।

● यह तारा पृथ्वी से 27 हजार प्रकाशवर्ष दूर है।

● मैक्स प्लांक इंस्टिट्यूट ऑफ रेडियो एस्ट्रोनोमी के प्रमुख शोधकर्ता व खगोल विद पॉलो फ्रेरी के अनुसार जे1823–3021ए नामक तारा धनु तारामंडल में मौजूद तारों के एक घने समूह में सबसे युवा तारा है।

● इस तारे का घनत्व भी अब तक ज्ञात तारों से कहीं अधिक है।

● प्रमुख शोधकर्ता व खगोल विद पॉलो फ्रेरी के अनुसार 1823–3021ए नामक तारे की उम्र लगभग 2.5 करोड़ वर्ष है, यानी यह तारा अंतरिक्ष में एक शिशु के समान है। साथ ही इस तारे से अत्यधिक तीव्र ऊर्जा वाली गामा किरणें निकल रही हैं।

● 823–3021ए नामक यह तारा अपनी धुरी पर कल्पनातीत तेजी से घूम रहा है। इतनी तेजी से अपनी धुरी पर घूमने वाले तारों को मिलीसेकेंड पल्सर्स श्रेणी में रखा जाता है। इनकी उम्र करीब एक अरब वर्ष होती है।

● मैक्स प्लांक इंस्टिट्यूट ऑफ रेडियो एस्ट्रोनोमी के शोधकर्ताओं के अनुसार नए तारे की खोज से यह जानने में मदद मिल सकती है कि मिलीसेकेंड पल्सर्स का जन्म और विस्तार कैसे होता है। अभी तक की ज्ञात जानकारी के

अनुसार मिलीसेकेंड पल्सर्स तारों का जन्म तब होता है, जब कोई विशाल तारा सुपरनोवा बन कर नष्ट होता है। सामान्य पल्सर्स प्रति मिनट अपनी धुरी पर सात से 3750 बार घूमते हैं, लेकिन मिलीसेकेंड पल्सर्स एक मिनट में 43 हजार से अधिक बार धुरी पर घूम जाते हैं।

● अमेरिका की अंतरिक्ष एजेंसी नासा के फर्मी गामा–रे स्पेस टेलीस्कोप की मदद से खगोल विद पॉलो फ्रेरी और जर्मनी स्थित मैक्स प्लांक इंस्टिट्यूट ऑफ रेडियो एस्ट्रोनोमी के शोधकर्ताओं ने जे1823–3021ए नामक तारे को खोजा।

● लाइवसाइंस नामक पत्रिका में इस खोज से संबंधित रिपोर्ट नवंबर 2011 के प्रथम सप्ताह में प्रकाशित की गई थी।

वीएपफटीएस 102

● अंतरराष्ट्रीय खगोलविदों की एक टीम ने अंतरिक्ष में सबसे तेज गति से घूमने वाला तारा खोज लिया है।

● इस तारे का नाम वीएफटीएस 102 है। वीएफटीएस 102 नामक यह तारा अपनी विषुवत रेखा पर 600 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से घूमता है।

● चिली की पैरेनल वेधशाला के सबसे बड़े टेलीस्कोप की सहायता से वीएफटीएस 102 नामक तारे को दिसंबर 2011 के प्रथम सप्ताह में देखा गया।

● पृथ्वी से इसकी दूरी एक लाख साठ हजार प्रकाशवर्ष है और यह तरनतुला नेबुला तारामंडल में सबसे भारी और चमकीला तारा है।

● खगोलविदों के अनुसार वीएफटीएस 102 नामक इस तारे से गर्म और चमकीली तरंगें निकलती हैं जो इसकी चमक को एक लाख गुना बढ़ा देती हैं। साथ ही खगोलविदों ने यह आशंका भी जताई कि इसके घूमने की गतिज ऊर्जा इतनी अधिक है कि एक दिन इसी कारण से इसके टुकड़े भी हो सकते हैं।

केप्लर–22 बी

● अमरीकी अंतरिक्ष एजेंसी नासा ने सौरमंडल से बाहर केप्लर–22बी (Kepler & 22b) नामक ग्रह का पता लगाया।

● यह ग्रह पृथ्वी के सामान है।

● वहां तरल रूप में पानी होने की भी संभावना पाई गई।

● केप्लर–22 बी पृथ्वी से आकार में दुगुना बड़ा और 600 प्रकाश वर्ष दूर है।

● नासा के अनुसार वहां पानी का होना जीवन होने का मूल संकेत है।

सूर्य से छह अरब गुना बड़े ब्लैक होल की खोज

● कैलिफोर्निया विश्वविद्यालय के खगोलविदों के नेतृत्व में अंतरिक्ष में अब तक का सबसे बड़ा ब्लैक होल खोजा गया।

● वैज्ञानिक पत्रिका नेचर में दिसंबर 2011 के प्रथम सप्ताह में प्रकाशित शोध में पाए गए दो ब्लैक होल का आकार सूर्य से छह अरब गुना बड़ा है। पृथ्वी से इनकी दूरी 30 करोड़ प्रकाश वर्ष है।

● खगोलविदों के अनुसार पाए गए दोनों ब्लैक होल उन क्वासार से बने होंगे जिनका निर्माण प्रारंभिक ब्रह्मांड की उत्पत्ति के समय हुआ होगा। इनका द्रव्यमान युवा क्वासार के समान है और ये अब तक खोजे नहीं गए थे।

● खगोलविदों की टीम ने पृथ्वी पर तैनात विभिन्न दूरबीनों के साथ साथ हबल अंतरिक्ष दूरबीन और टेक्सास में सुपर कंप्यूटरों के इस्तेमाल से इन दोनों ब्लैक होल का पता लगाया।

● ज्ञातव्य हो कि इससे पूर्व पाया गया सबसे बड़ा ब्लैक होल सूर्य से छह अरब गुना बड़ा बताया गया था।

रोवर क्यूरिओसिटी

● अमेरिकी अंतरिक्ष एजेंसी नासा ने रोबोट आधारित खोजी रोवर क्यूरिओसिटी को मंगल ग्रह के लिए 26 नवंबर 2011 को फ्लोरिडा से एटलस–ट रॉकेट से प्रक्षेपित किया।

● रोबोट आधारित खोजी रोवर क्यूरिओसिटी का आधिकारिक नाम मार्स साइंस लेबोरैटरी है।

● मार्स साइंस लेबोरैटरी या क्यूरिओसिटी का आकार एक कार के बराबर है और यह एक टन वजनी है।

● क्यूरिओसिटी का कार्य है मंगल ग्रह (लाल ग्रह) पर जीवन की खोज। इसमें एक रोबोट चालित भुजा, खुदाई करने वाली मशीन और दो रंगीन वीडियो कैमरों समेत 10 उपकरणों का एक सेट लगा है। इसमें लगे सेंसर मंगल ग्रह के मौसम और वातावरण में विकिरण के स्तर की रिपोर्ट नासा को भेजेंगे।

● मार्स साइंस लेबोरैटरी या क्यूरिओसिटी का मंगल ग्रह पर उतरने का निर्धारित दिन है – 6 अगस्त 2012। इस पूरे प्रक्षेपण में नासा को लगभग 2.5 बिलियन डॉलर का खर्च आया।

● क्यूरिओसिटी खोजी यान परमाणु ईंधन से संचालित है।

● ज्ञातव्य हो कि वर्ष 2004 में नासा द्वारा मंगल ग्रह पर भेजे गए सौर ऊर्जा से संचालित दो यान स्प्रिट और ऑपरच्यूनिटी थे।

एचडी–85512बी

● चिली स्थित ला सिगा वेधशाला में यूरोपियन सदर्न आब्जर्वेट्री के खगोलविदों ने 16 महापृथ्वियों सहित 50 नए पारलौकिक ग्रहों की खोज की।

● खगोलविदों ने अमेरिका के मोरन व्योमिंग में हुए सम्मेलन में 13 सितंबर 2011 को इस खोज की घोषणा की।

● खगोलविदों के इस खोज में सबसे उल्लेखनीय वह ग्रह है जिसे खगोलविदों ने रहने योग्य क्षेत्र या गोल्डीलॉक्स जोन (Goldilocks Zone) बताया है।

● एचडी–85512बी नामक इस ग्रह के न तो बहुत गर्म और न ही अधिक ठंडा होने की संभावना है। ऐसे में वहां पानी मौजूद रह सकता है। किसी भी ग्रह में पानी की मौजूदगी का मतलब है उस ग्रह पर पृथ्वी की तरह जीवन के लिए अनुकूलता।

● एचडी–85512बी नामक ग्रह का द्रव्यमान पृथ्वी की तुलना में 3.6 गुना अधिक है। इस ग्रह में अत्यधिक आद्रता के साथ तापमान 85 से 120 डिग्री (30 से 50 डिग्री सेल्सियस) हो सकता है। इस ग्रह का एक तारामंडल का भी पता भी चला है।

● एचडी–85512बी नामक ग्रह का मूल तारा (एचडी–85512बी नामक ग्रह का सूर्य) पृथ्वी से करीब 35 प्रकाश वर्ष दूर है।

● एक प्रकाश वर्ष का मतलब 5.8 खरब मील होता है।

● इस ग्रह में एक वर्ष में केवल 60 दिन होते हैं।

● इस नए ग्रह का सूर्य हमारे सूर्य की तुलना में करीब 1,800 डिग्री (1,000 सेल्सियस) ठंडा है।

● ज्ञातव्य हो कि वर्ष 2007 में भी एक गोल्डीलॉक्स ग्रह ग्लीजा 581डी खोजा गया था।

आवर्त सारणी में तीन नए तत्त्व जोड़े गए

● आवर्त सारणी में तीन नए तत्त्व को जोड़ा गया। परमाणु क्रमांक संख्या 110, 111 और 112 में डर्मस्टैडटियम, रोंटेजेनियम, और कॉपरनिशियम को शामिल किया गया है।

● इंटरनेशनल यूनियन ऑफ प्योर एंड एप्लाइड फिजिक्स (आइयूपीएपी) द्वारा 4 नवंबर 2011 को लंदन स्थित इंस्टिट्यूट ऑफ फिजिक्स में संपन्न अपने 27वें महासभा में नए तत्वों के नामों को मंजूरी दी गई।

● आइयूपीएपी के महासचिव डॉक्टर रॉबर्ट किर्बी हैरिस के अनुसार इन तीन तत्त्वों की खोज बहुत पहले हो गई थी, परंतु मानक नामकरण की प्रक्रिया के तहत इनका नया नाम मंजूर किया गया।

● इंटरनेशनल यूनियन ऑफ प्योर एंड एप्लाइड फिजिक्स (आइयूपीएपी) ने जर्मनी के शहर डर्मस्टैड के नाम पर परमाणु क्रमांक संख्या 110 के तत्त्व डर्मस्टैडटियम का नाम रखा, क्योंकि इसी जगह इसकी खोज की गई थी। परमाणु क्रमांक संख्या 111 के तत्त्व रोंटेजेनियम का नाम विल्हेल्म रोन्टजेन के नाम पर रखा गया जिन्होंने एक्स रे की खोज की थी। जबकि परमाणु क्रमांक संख्या 112 के तत्त्व

कॉपरनिशियम का नाम खगोलविद कोपर्निकस के नाम पर रखा गया।

● ज्ञातव्य हो कि डर्मस्टैडटियम का पुराना नाम उनूननिलियम, रोंटेजेनियम का पुराना नाम उनूनउनियम और कॉपरनिशियम का पुराना नाम उनूनबियम था।

अर्थ सिमिलैरिटी इंडेक्स और प्लैनेटरी हैबिटैबिलिटी इंडेक्स

● अन्य ग्रहों पर जीवन की संभावनाएं हेतु अर्थ सिमिलैरिटी इंडेक्स और प्लैनेटरी हैबिटैबिलिटी इंडेक्स जारी किया गया।

● वाशिंगटन स्टेट यूनिवर्सिटी के डॉक्टर डिर्क शुल्ज माकश व अन्य वैज्ञानिकों द्वारा किए गए शोध के आधार पर तैयार किए गए इन दोनों इंडेक्स को एस्ट्रो बायोलॉजी जर्नल में नवंबर 2011 के चौथे सप्ताह में प्रकाशित किया गया।

● अर्थ सिमिलैरिटी इंडेक्स और प्लैनेटरी हैबिटैबिलिटी इंडेक्स में तैयार किए गए मानदंड के तहत वैज्ञानिकों की अंतरराष्ट्रीय टीम ने पृथ्वी से परे ऐसे ग्रहों की सूची तैयार की है, जहां जीवन की संभावना सबसे ज्यादा है।

● इन दोनों इंडेक्स के आधार पर सौरमंडल के शनि ग्रह के एक उपग्रह टाइटन और सौरमंडल से बाहर के एक अन्य ग्रह ग्लीज 581 जी पर जीवन की संभावनाएं सबसे अधिक हो सकती हैं।

● ये दोनों ग्रह पृथ्वी से करीब 20.5 प्रकाश वर्ष की दूरी पर स्थित हैं।

शेंझाउ–8 का सपफल प्रक्षेपण

● चीन ने मानवरहित अंतरिक्षयान ***शेंझाउ–8*** का अंतरिक्ष में सफल प्रक्षेपण 1 नवंबर 2011 को किया।

● शेंझाउ–8 को चीन के रेगिस्तानी इलाके गोबी स्थित ***जियुक्वान सेटेलाइट लांच सेंटर*** से प्रक्षेपित किया गया।

● मानवरहित अंतरिक्षयान शेंझाउ–8 को मार्च–2एफ रॉकेट की मदद से कक्षा में पहुंचाया गया।

● ज्ञातव्य हो कि चीन ने वर्तमान अंतरराष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन मीर से अलग स्वयं का प्रथम अंतरिक्ष स्टेशन तैयार करने के लिए यह मानवरहित अंतरिक्षयान प्रक्षेपित किया।

● चीन के अंतरिक्ष विज्ञान कार्यक्रम के कमांडर इन चीफ चांग वानक्वान के अनुसार मानवरहित अंतरिक्षयान शेंझाउ–8 को अंतरिक्ष कक्षा में पहले से मौजूद चीन के अंतरिक्षयान तियानगोंग–1 से मिलाया जाना है।

● तियानगोंग–1 चीन द्वारा स्वयं का प्रथम अंतरिक्ष स्टेशन तैयार करने की दिशा में प्रथम प्रयास था। इसे 29 सितंबर 2011 को प्रक्षेपित किया गया था।

● अंतरराष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन मीर का संचालन अमेरिका और रूस के अंतरिक्ष विज्ञानी मिलकर करते हैं।

● चीन का लक्ष्य वर्ष 2020 तक स्वयं का अंतरिक्ष स्टेशन स्थापित करना है।

● यदि अभियान सफल रहा तो ऐसा करने वाला चीन, अमेरिका और रूस के बाद तीसरा देश बन जाएगा।

प्रथम मौसम उपग्रह मेघा ट्रापिक्स का सफल प्रक्षेपण

● भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन ने मानसून और जलवायु परिवर्तन से जुड़े विविध आयामों के अध्ययन करने वाले प्रथम मौसम उपग्रह मेघा ट्रापिक्स को 12 अक्टूबर 2011 को श्रीहरिकोटा के सतीश धवन अंतरिक्ष केंद्र से सफल प्रक्षेपण किया गया। ● मौसम उपग्रह ***मेघा ट्रापिक्स*** को प्रक्षेपण यान पीएसएलवी–सी 18 से अंतरिक्ष में भेजा गया।

● मौसम उपग्रह मेघा ट्रापिक्स को भारत और फ्रांस के संयुक्त प्रयास से तैयार किया गया है। मेघा ट्रापिक्स के साथ तीन अन्य नैनो उपग्रहों को भी कक्षा में स्थापित किया गया। ये तीन नैनो उपग्रह हैं – ***वेसलसैट–1*** (लक्जमबर्ग), ***एसआरएमसैट*** (एसआरएम विश्वविद्यालय, चेन्नई) और ***जुगनू*** (भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान, कानपुर)।

● विषुवत रेखा से 20 डिग्री के झुकाव के साथ और पृथ्वी से 867 किलोमीटर की दूरी पर कक्षा में स्थापित मेघा ट्रापिक्स उपग्रह से प्राप्त सूचना से न केवल भारत को लाभ होना है बल्कि हिन्द महासागर क्षेत्र के सभी देशों और दुनिया के अन्य हिस्सों को भी फायदा होना है।

● यह उष्ण कटिबंधीय जलवायु के अध्ययन के लिए अंतरिक्ष में भेजा गया दूसरा वैश्विक मिशन है।

● इससे पहले नासा और जापान ने वर्ष 1997 में इस तरह का मिशन पूरा किया था।

● **जुगनू** (भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान, कानपुर) : तीन किलोग्राम वजनी उपग्रह जुगनू में एक कैमरा लगा है जो पेड़–पौधों, जलाशयों, झीलों और तालाबों पर नजर रखने के लिए पृथ्वी की तस्वीरें ले सकता है। इससे मिलने वाले आंकड़ों का भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान, कानपुर में स्थापित एक ट्रैकिंग प्रणाली के माध्यम से अध्ययन किया जाएगा और हासिल की गई तस्वीरों और सूचनाओं को शोध के लिए इस्तेमाल किया जाएगा। साथ ही यह बाढ़, सूखा और आपदा प्रबंधन के संबंध में सूचनाओं को इकट्ठा करने में मदद करेगा।

● **एसआरएमसैट** (एसआरएम विश्वविद्यालय, चेन्नई) : एसआरएम विश्वविद्यालय और इसरो द्वारा विकसित एसआरएमसैट का वजन 10 किलोग्राम है और यह ग्रेटिंग स्पेक्ट्रोमीटर की मदद से कार्बन डाई ऑक्साइड और जल वाष्प पर नजर रखेगा।

● **वेसलसैट–1** (लक्जमबर्ग) : लक्जमबर्ग के लक्सस्पेस ने वैसलसैट–1 को विकसित और निर्मित किया है जिसका वजन 28 .7 किग्रा है। इसमें समुद्र में यात्रा कर रहे जलयानों से स्वतरू ट्रांसमिट हो रहे सिगनलों का पता लगाने के लिए रिसीवर लगे हैं।

वैज्ञानिकों द्वारा हृदय में वयस्क स्टेम सेल के नए समूहों की खोज

● वैज्ञानिकों ने हृदय में वयस्क स्टेम सेल के नए समूहों की खोज की है।

● शोध के अनुसार खोज की गई नए स्टेम सेल क्षतिग्रस्त हुई हृदय की कोशिकाओं की मरम्मत करने में सक्षम हैं। यह शोध स्टेम सेल जर्नल में दिसंबर 2011 के अंक में प्रकाशित हुआ है।

● यूनिवर्सिटी ऑफ न्यू साउथ वेल्स और विक्टर चांग कार्डियक रिसर्च इंस्टीट्यूट के वैज्ञानिकों के एक अंतरराष्ट्रीय टीम ने इन स्टेम सेल को खोजा है।

● प्रमुख शोधकर्ता प्रोफेसर रिचर्ड हार्वे के अनुसार पहली बार स्टेम सेल के नए समूहों की पूरी जानकारी दी गई है और उनकी उत्पत्ति के बारे में औपचारिक तौर पर बताया गया है।

● शोध वैज्ञानिकों के अनुसार खोज की गई नए स्टेम सेल दिल का दौरा झेल चुके मरीजों का इलाज करने में भी कारगर हो सकती हैं। खोज की गई नए स्टेम सेल बहु क्षमता वाली वयस्क स्टेम सेल हैं जो हृदय के लिए विशिष्ट होता है।

● वैज्ञानिकों ने स्तन कैंसर के शुरूआती चरण में ही इस बीमारी का पता लगाने हेतु ओंकोटाइप डीएक्स टेस्ट (Oncotype DX test) विकसित किया है। वैज्ञानिकों के अनुसार ओंकोटाइप डीएक्स टेस्ट से स्तन कैंसर के आरंभिक चरण में कैंसर का पता चल जाएगा।

ओंकोटाइप डीएक्स टेस्ट

● ओंकोटाइप डीएक्स टेस्ट में स्तन की रसोली के ऊतक का एक छोटा सा नमूना इस्तेमाल किया जाता है। इसमें स्तन कैंसर के लिए जिम्मेदार जीन के एक समूह का अध्ययन किया जाता है।

● यह टेस्ट बिना किसी चीर–फाड़ के किया जाता है।

● इस टेस्ट से संबंधित रिपोर्ट दिसंबर 2011 के तीसरे सप्ताह में जारी की गई।

● ओंकोटाइप डीएक्स टेस्ट न सिर्फ स्तन कैंसर के आरंभिक चरण में कैंसर का पता लगाने में सक्षम है बल्कि यह निर्धारित करने में भी मदद कर सकता है कि स्तन कैंसर के फिर से होने की कितनी आशंका है।

● इसकी मदद से यह निर्धारित किया जा सकता है कि क्या कैंसर के विकसित होने की आशंका है और किस तरह उसका उपचार

किया जा सकता है।

जीन जीएटीए 2

● वैज्ञानिकों ने जीन जीएटीए2 में आनुवंशिक उत्परिवर्तन की खोज की।

● जीएटीए2 जीन में यह आनुवंशिक उत्परिवर्तन ही ल्यूकेमिया (leukaemia) के लिए जिम्मेदार माना गया।

● जीएटीए2 जीन में यह आनुवंशिक उत्परिवर्तन सफेद रक्त कोशिकाओं के बनने की प्रक्रिया को नियंत्रित करता है।

● प्रमुख शोधकर्ता डॉ मार्शल हॉविज के अनुसार जीएटीए2 जीन में आनुवंशिक उत्परिवर्तन ही परिवार की एक पीढ़ी से दूसरी पीढ़ी के सदस्यों को ल्यूकेमिया से ग्रस्त कराता है।

● वाशिंगटन विश्वविद्यालय के नेतृत्व में अंतरराष्ट्रीय अनुसंधानकर्ताओं के एक दल ने जीएटीए2 नाम के इस जीन में हुए उत्परिवर्तन का पता लगाया।

● इस शोध के परिणाम को नेचर जेनेटिक्स नाम की पत्रिका के सितंबर 2011 के प्रथम सप्ताह के अंक में प्रकाशित किया गया। ● ज्ञातव्य हो कि ल्यूकेमिया (leukaemi) एक प्रकार का घातक रक्त कैंसर है जिससे हर साल हजारों लोगों की मौत हो जाती है।

विश्व का प्रथम डिजिटल ब्रेन मैप

● विश्व का प्रथम डिजिटल ब्रेन मैप अमेरिका की सिएटल स्थित एलेन मस्तिष्क विज्ञान संस्थान के वैज्ञानिकों द्वारा तैयार की गई। ● यह डिजिटल ब्रेन मैप इंसानी दिमाग से 94 प्रतिशत समरूपता रखती है और इसे प्रथम बार 12 अप्रैल 2011 को जारी किया गया।

● चार वर्षों के शोध के दौरान दो सामान्य व्यस्क इंसान के दिमाग की बायोकेमिस्ट्री की मैपिंग की गई और दिमाग के ऊतकों और लाखों जीन का विस्तार पूर्वक अध्ययन किया गया।

● विश्व के प्रथम डिजिटल ब्रेन मैप (World's first digital brain map) के सहारे चिकित्सा जगत के स्नायु विज्ञान व तंत्रिका विज्ञान से संबंधित रोगों जैसे अल्जाइमर, पार्किन्सन्स, मल्टीप्ल स्लेरोसिस, ऑटिज्म को समझने और उनके उपचार में मदद मिलने की संभावना है।

रक्षा / प्रतिरक्षा

रक्षा मंत्रालय द्वारा 6 कंपनियों पर प्रतिबंधि

● केंद्रीय रक्षा मंत्रालय ने चार विदेशी और दो भारतीय कंपनियों को भारत के किसी भी सरकारी रक्षा खरीद में भाग लेने से दस वर्ष के लिए प्रतिबंधित कर दिया है।

● प्रतिबंधित कंपनियों में सिंगापुर टेक्नोलॉजीज काइनेटिक्स, इजराइल मिलिटरी इंडस्ट्रीज लिमिटेड, ज्यूरिख की रेनमिटाल एयर डिफेंस, रूस की कार्पोरेशन डिफेंस, नई दिल्ली की टीएस किसान एंड कंपनी प्राइवेट लिमिटेड तथा लुधियाना स्थित आरके मशीन टूल्स लिमिटेड शामिल हैं।

● भारत के रक्षा मंत्रालय ने आयुध कारखाना बोर्ड घोटाले में आरोप के आधार पर इन कंपनियों को रक्षा खरीद में भाग लेने से प्रतिबंधित किया।

● ज्ञातव्य हो कि इससे पूर्व सीबीआई के अनुरोध पर रक्षा मंत्रालय ने इन कंपनियों को 2010 में ब्लैक लिस्ट किया था।

अवॉक्स प्रणाली का प्रथम परीक्षण

● रक्षा अनुसंधान और विकास संगठन ने स्वदेशी तकनीक से निर्मित अवॉक्स प्रणाली का प्रथम उड़ान परीक्षण 7 दिसंबर 2011 को किया। स्वदेशी अवॉक्स प्रणाली का यह परीक्षण पूरी तरह से सफल रहा।

● ब्राजील के साओ जोस डो कैम्पोस में स्वदेशी अवॉक्स प्रणाली का प्रथम उड़ान ब्राजील के ही हवाई जहाज एंब्रेयर (म्इतंमत) के सहारे किया गया।

● रक्षा अनुसंधान और विकास संगठन और ब्राजील की विमानन कंपनी एंब्रेयर के समझौते के तहत एंब्रेयर भारत को तीन एंब्रेयर 145 विमान की पूर्ति वर्ष 2012 तक करेगी।

● स्वदेशी तकनीक से निर्मित अवॉक्स बेंगलूर स्थित सेंटर फॉर एयरबॉर्न सिस्टम द्वारा विकसित किया गया है। अवॉक्स में प्रणाली में एक हजार से ज्यादा अहम उपकरण लगाए गए हैं।

● सेंटर फॉर एयरबॉर्न सिस्टम में ही विकसित उन्नत आइसा (एक्टिव इलेक्ट्रॉनिक स्कैनिंग एंटिना) रडार भी इसमें शामिल है।

इंटरसेप्टर मिसाइल एएडी–05 का सफ्फल परीक्षण

● रक्षा अनुसंधान और विकास संगठन (डीआरडीओ) ने इंटरसेप्टर मिसाइल एएडी–05 का 10 फरवरी 2012 को सफल परीक्षण किया।

● यह परीक्षण देश की रक्षा के लिए एक विश्वसनीय दोहरी बैलेस्टिक मिसाइल डिफेंस (बीएमडी) प्रणाली स्थापित करने के सिलसिले में किया गया।

● यह मिसाइल स्वदेशी अत्याधुनिक तकनीक पर आधारित है।

● डीआरडीओ की वायु रक्षा मिसाइल एएडी–05 ने ओडिशा तट पर व्हीलर्स द्वीप के पास 15 किलोमीटर की ऊंचाई पर बैलिस्टिक मिसाइल का सफलतापूर्वक भेदन कर उसका ध्वंस कर दिया। ओड़ीशा के बालेश्वर जिले में चांदीपुर के समन्वित परीक्षण स्थल (आईटीआर) से उन्नत पृथ्वी मिसाइल सदृश बैलिस्टिक मिसाइल का प्रक्षेपण किया गया। इसे दुश्मन की मिसाइल माना गया। विभिन्न स्थानों पर स्थित रडारों ने आती हुई बैलिस्टिक मिसाइल का पता लगा लिया।

● रेडियो फ्रीक्वेंसी द्वारा लक्ष्य मिसाइल की पहचान की गई जिन्होंने एएडी–05 इंटरसेप्टर मिसाइल को लक्ष्य मिसाइल के पास जाने का निर्देश दिया।

● ज्ञातव्य है कि भारत विश्व का पांचवा ऐसा देश है जिसके पास बैलिस्टिक मिसाइल की सैन्य क्षमता है।

● दुश्मन की मिसाइल भेदने का ऐसा ही परीक्षण इसी स्थल पर(ओडिशा तट पर व्हीलर्स द्वीप) 6 मार्च 2011 को किया गया था।

ब्रह्मोस क्रूज मिसाइल का सफल परीक्षण

● राजस्थान के जैसलमेर जिले के पोखरण फायरिंग रेंज में भारतीय थल सेना ने 4 मार्च 2012 को ब्रह्मोस क्रूज मिसाइल का सफल परीक्षण किया।

● भारतीय थल सेना ने 290 किलोमीटर दूरी तक मारक क्षमता वाले सुपरसोनिक क्रूज मिसाइल ब्रह्मोस के जरिए पूर्व चयनित लक्ष्य को सफलतापूर्वक भेदा।

● भारतीय थल सेना को केंद्रीय रक्षा मंत्रालय के द्वारा अरुणाचल प्रदेश में चीन से लगी सीमा पर तीसरी ब्रह्मोस रेजीमेंट को शामिल करने की मंजूरी प्रदान की गई।

● ज्ञातव्य हो कि ब्रह्मोस के एक रेजीमेंट में करीब 65 मिसाइल, टेट्रा वाहनों पर पांच स्वचालित लांचर तथा दो चल कमांड पोस्ट के साथ अन्य उपकरण शामिल होते हैं।

अग्नि–1 मिसाइल का परीक्षण

● भारत ने परमाणु आयुध ले जाने में सक्षम और 700 किलोमीटर की दूरी तक मार करने वाली अग्नि–1 मिसाइल का सेना के प्रायोगिक परीक्षण के तौर पर उड़ीसा तट के व्हीलर द्वीप से सफल परीक्षण किया।

● देश में विकसित सतह से सतह पर मार करने वाली ठोस प्रणोदक से संचालित एकल चरण मिसाइल को एकीकृत परीक्षण स्थल के प्रक्षेपण पैड–4 से एक मोबाइल लॉचर के द्वारा 1 दिसंबर 2011 को दागा गया।

● अग्नि–1 मिसाइल 12 टन वजनी और 15 मीटर लंबी है। वह अपने साथ अग्नि–1 अपने साथ 1000 किलोग्राम तक का भार ले जाने में सक्षम है।

● अग्नि–1 को डीआरडीओ की प्रमुख मिसाइल विकास प्रयोगशाला एडवांस्ड सिस्टम्स लैबोरेटरी (एएसएल) द्वारा रक्षा अनुसंधान विकास प्रयोगशाला (डीआरडीएल) और अनुसंधान केंद्र इमारत (आरसीआई) के सहयोग से विकसित और भारत डायनामिक्स लिमिटेड (बीडीएल) हेदराबाद द्वारा एकीकृत किया गया था।

पृथ्वी–2 बैलिस्टिक मिसाइल का सफल परीक्षण

● 26 सितंबर 2011 को उड़ीसा के चांदीपुर

तट से परमाणु आयुध ले जाने में सक्षम और 350 किमी की दूरी तक मार करने वाली पृथ्वी–2 बैलिस्टिक मिसाइल का सफल परीक्षण किया गया।

● रक्षा अनुसंधान एवं विकास संगठन ने यह परीक्षण रक्षा बलों के प्रायोगिक परीक्षणों के भाग के तौर पर किया।

● संचालन संबंधी अभ्यास के रूप में किया गया यह परीक्षण पूरी तरह सफल रहा।

● चांदीपुर एकीकृत परीक्षण स्थल उड़ीसा के बालासोर जिले में स्थित है।

● पृथ्वी बैलिस्टिक मिसाइल भारत की पहली स्वदेशी निर्मित बैलिस्टिक मिसाइल है। यह उन 5 मिसाइलों में एक है, जिन्हें देश के एकीकृत निर्देशित मिसाइल विकास कार्यक्रम के तहत विकसित किया जा रहा है। इसकी लंबाई नौ मीटर और व्यास एक मीटर है। यह दो इंजनों की मदद से आगे बढ़ती है और तरल ईंधन से चलती है। मध्यम दूरी की यह मिसाइल 483 सेकंड की अवधि तक उड़ान भरने के साथ 43.5 किलोमीटर की ऊंचाई तक जा सकती है।

● इसकी क्षमता 500 किलोग्राम विस्फोटक ले जाने की है।

शौर्य मिसाइल का सफल परीक्षण

● परमाणु अस्त्र ले जाने में सक्षम शौर्य मिसाइल का 24 सितंबर 2011 को उड़ीसा तट पर स्थित चांदीपुर समेकित परीक्षण रेंज में सफल परीक्षण किया गया।

● जमीनी सतह और पानी के भीतर से मार करने में सक्षम शौर्य मिसाइल एक हजार किलोग्राम वजन वाले परमाणु अस्त्र को 750 किलोमीटर की दूरी तक ले जा सकता है।

● परमाणु अस्त्र ले जाने में सक्षम शौर्य मिसाइल का परीक्षण रक्षा अनुसंधान एवं विकास संगठन के तकनीकी सुधार कार्यक्रम के तहत किया गया। शौर्य मिसाइल का यह दूसरा परीक्षण हुआ। इससे पहले 12 नवंबर 2008 को उड़ीसा तट पर स्थित चांदीपुर में ही पहली बार शौर्य का सफल परीक्षण किया गया था।

● रक्षा अनुसंधान एवं विकास संगठन के तकनीकी सुधार कार्यक्रम के तहत शौर्य मिसाइल को और बेहतर बनाया गया है। इससे कम लागत से इसका सुचारु प्रक्षेपण किया जा सकता है। साथ ही इसको एक से दूसरे स्थान पर ले जाना आसान हो गया है और इसे लंबे समय तक उपयोग लायक भी बनाए रखा जा सकता है।

● शौर्य मिसाइल की तकनीक दो स्तरों वाले ठोस ईंधन पर आधारित है। चांदीपुर समेकित परीक्षण रेंज उड़ीसा के बालासोर जिले में स्थित है।

संगठन / संस्थान

विश्व मौसम विज्ञान संगठन

● वर्ष 2011 को पिछले 161 वर्षों में 10वां सबसे गर्म वर्ष घोषित किया गया।

● विश्व मौसम विज्ञान संगठन का यह आंकड़ा नवंबर 2011 के अंतिम सप्ताह में जारी किया गया।

● वर्ष 1850 से लेकर वर्ष 2011 तक यानी कुल 161 वर्षों में प्रत्येक वर्ष वैश्विक तापमान में वृद्धि को इस रिपोर्ट का आधार माना गया।

● इस रिपोर्ट के अनुसार वर्ष 2011 में वैश्विक तापमान के औसत में 0.36 डिग्री सेंटीग्रेट की वृद्धि हुई है।

● विश्व मौसम विज्ञान संगठन के अनुसार नासा के थर्मल सेटेलाइट इमेज की मदद से 1981 से 2008 के बीच आर्कटिक में बर्फ की स्थिति भी देखी गई। इसमें ध्रुवीय क्षेत्र में बर्फ की स्थिति में कमी आई है।

● विश्व मौसम विज्ञान संगठन के विभिन्न आंकड़ों के अनुसार 1961 से 1990 का वैश्विक औसत तापमान 14 डिग्री सेंटीग्रेड था। जबकि वर्ष 1997 से 2011 के 15 सालों की अवधि में 13 सबसे गर्म साल रहे। जनवरी से अक्टूबर 2011 के बीच वैश्विक तापमान 14.36 रिकॉर्ड किया गया।

● विश्व मौसम विज्ञान संगठन द्वारा वर्ष 2011 में सबसे ज्यादा गर्म मौसम रूस का रहा। ऑस्ट्रेलिया में भी तापमान में एक डिग्री की वृद्धि दर्ज की गई। अमेरिका में भी पिछले 140 वर्षों के दौरान सबसे गर्म दिन रिकार्ड किया गया।

आई.पी.सी.सी.

● पिछले 12 वर्षों में 11 वर्ष सर्वाधिक तापमान वाले वर्ष के रूप में दर्ज किए गए हैं।

● पिछले 50 वर्षों के दौरान ठण्डे दिन एवं ठण्डी रातों की अपेक्षा गर्म दिन एवं गर्म रातें ज्यादा देखने को मिले हैं।

● 1.5 से 2.5 डिग्री सेल्सियस तापमान की वृ(से विश्व की 30 पप्रतिशत जन्तुओं एवं वनस्पतियों की प्रजातियां विलुप्त हो जाएगी।

● 2020 ई. तक एशिया के लगभग 1 अरब लोग जलाभाव की समस्या से ग्रस्त होंगे।

● भारत में 2001 ई. तक प्रति व्यक्ति जल उपलब्धता 1820 क्यूबिक मी. थी जिसके 2050 तक घटकर 1140 क्यूबिक मीटर हो जाने की आशंका है

● इस सदी के मध्य तक अक्षांशीय तथा सूखे क्षेत्रों की नदियों के वार्षिक बहाव में 10 से 30 प्रतिशत की गिरावट आने की सम्भावना है।

● दक्षिण एशिया में सन् 2050 तक अनाजों का उत्पादन 30 प्रतिशत तक कम हो जाएगा।

● अगर विश्व के औसत तापमान में 3 डिग्री से। की वृ(है, तो हिमालय क्षेत्रा के 4 किमी से कम लम्बाई वाले ग्लेशियर पूरी तरह गायब हो जाएंगे

पुरस्कार / सम्मान

नोबेल पुरस्कार 2011

● ***नोबेल शांति पुरस्कार***

इस साल के नोबेल शांति पुरस्कारों संयुक्त रूप से तीन महिलाओं को दिया गया है। ऐसा पहली बार है कि नोबेल शांति पुरस्कार संयुक्त रूप से तीन महिलाओं को दिया गया है। नोबेल शांति पुरस्कार की संयुक्त विजेता हैं – लाइबेरिया की राष्ट्रपति एलेन जॉनसन सरलीफ, लाइबेरियाई मानवाधिकार कार्यकर्ता लेमाह बोवी और यमन की तवक्कुल कारमैन। नोबेल समिति ने इसकी घोषणा करते हुए कहा है कि तीनों विजेताओं ने महिलाओं की सुरक्षा और उनके अधिकारों के लिए अभूतपूर्व कार्य किया है। तीनों के अथक कार्य को देखते हुए कहा जा सकता है कि वो ही इस पुरस्कार की हकदार हैं।

● ***साहित्य का नोबेल पुरस्कार***

स्वीडन के कवि टॉमस ट्रांसट्रोमर को साहित्य के क्षेत्र में वर्ष 2011 के नोबेल पुरस्कार के लिए चयनित किया गया। उन्हें यह पुरस्कार अपनी कविताओं में लोकोत्तर घनीभूत छवियों का चित्रण करके यथार्थ को नया आयाम देने के लिए दिया गया।

● ***भौतिकी के क्षेत्र में नोबेल पुरस्कार***

भौतिकी के क्षेत्र में अमूल्य योगदान के लिए अमेरिका के सॉल पर्लमटर और एडम रीस तथा अमेरिकी मूल के आस्टेलियाई नागरिक ब्रायन श्मिट को 2011 का नोबेल पुरस्कार दिया गया। इन वैज्ञानिको ने अपने अनुसन्धन में फटते तारों का अध्ययन किया है। वैज्ञानिकों ने अध्ययन में बताया है कि तारों के फटने से ब्रह्मांड का विस्तार हो रहा है।

● ***रसायन शास्त्र में नोबेल पुरस्कार***

रसायन शास्त्र में उल्लेखनीय योगदान के लिए वर्ष 2011 का नोबेल पुरस्कार इजरायल के वैज्ञानिक डेनियल शेचमैन को दिया गया। उन्हें यह पुरस्कार ''स्फटिक (क्रिस्टल) में परमाणु संरचना की महत्वपूर्ण खोज'' के लिए दिया गया।

● ***चिकित्सा के क्षेत्र में नोबेल पुरस्कार***

चिकित्सा के क्षेत्र में २०११ के नोबल पुरुस्कार ब्रिउस ए. बयूत्लेर, जुल्स ए. होफ्फमन्न तथा राल्फ एम. स्तेंमन को दिया गया। इन्हें यह पुरस्कार ''रोग प्रतिरोधक तंत्र की प्रतिरक्षा में महत्वपूर्ण योगदान देने वाली कोशिकाओं की खोज'' के लिए दिया गया है।

● ***अर्थशास्त्र का नोबेल पुरस्कार***

अमेरिकी अर्थशास्त्री थामस सार्जेंट(न्यूयार्क विश्वविद्यालय) और क्रिस्टोफर सिम्स (प्रिंस्टन विश्वविद्यालय) को वर्ष 2011 के अर्थशास्त्र का नोबेल पुरस्कार दिया गया। नोबेल चयन समिति ने कहा कि इस साल के इन पुरस्कार विजेताओं ने आर्थिक नीति और सकल घरेलू उत्पाद, मुद्रास्फीति, रोजगार और निवेश जैसे विभिन्न वृहत आर्थिक कारकों के बीच प्रेरणार्थक संबंधों से जुड़े सवालों का हल ढूंढने तरीके विकसित किए हैं।

मैन बुकर पुरस्कार 2011

● वर्ष 2011 का मैन बुकर पुरस्कार के लिए ब्रिटिश लेखक जुलियन बर्न्स के उपन्यास ***द सेंस ऑफ एन एंडिंग*** का चयन किया गया। इस उपन्यास के मूल विषय में बचपन की दोस्ती और अधूरी स्मृतियों की कहानी है।

● जुलियन बर्न्स इससे पहले वर्ष 1984 में प्लेउबर्ट्स पैरोट के लिए, वर्ष 1998 में इंग्लैंड–इग्लैंड और वर्ष 2005 में ऑर्थर एंड जॉर्ज के लिए नामांकित (शॉर्टलिस्टेड) हुए थे।

● पुरस्कार स्वरूप जुलियन बर्न्स को 50 हजार पाउंड की राशि और सभी छह शॉर्टलिस्ट किए गए लेखकों में से प्रत्येक को 2500 पाउंड और किताब का डिजाइनर संस्करण दिया जाएगा।

● मैन बुकर पुरस्कार 2011 की इस दौड़ में करौल ब्रिच (जमरैक मीनेग्री), कैनेडियन पैट्रिक डेविट (द सिस्टर्स ब्रदर्स), ए सी उडुग्यान (हाफ ब्लड ब्लूज) और नवोदित लेखक स्टीफन कोलमेन (पीजन इंग्लिस) व ए डी मिलर (स्नोवड्राप्स) भी शामिल थे।

● विदित हो कि मैन बुकर पुरस्कार फॉर फिक्शन (Man Booker Prize for Fiction) जिसे मैन बुकर पुरस्कार या बुकर पुरस्कार भी कहा जाता है, कॉमनवैल्थ या आयरलैंड के नागरिक द्वारा लिखे गए मौलिक अंग्रेजी उपन्यास के लिए प्रतिवर्ष दिया जाता है।

पद्म सम्मान 2012

● इस वर्ष पद्म सम्मान 109 लोगो को दिये गये। इसमे 5 पद्म विभूषण, 27 पद्म भूषण और 77 पद्मश्री सम्मान है।

● भारत सरकार द्वारा शासकीय सेवकों द्वारा प्रदत्त सेवा सहित किसी भी क्षेत्र में असाधारण और विशिष्ट सेवा के लिए पद्म विभूषण, पद्म भूषण और पद्म श्री नामक पद्म सम्मान (पुरस्कार) प्रदान किए जाते हैं।

● पद्म पुरस्कारों की सिफारिशें राज्य सरकारों संघ/राज्य प्रशासनों, केन्द्रीय मंत्रालयों/विभागों, उत्कृष्टता संस्थानों आदि से प्राप्त की जाती हैं, जिन पर पुरस्कार समिति द्वारा विचार किया जाता है।

● पुरस्कार समिति की सिफारिश के आधार पर और प्रधानमंत्री, गृहमंत्री तथा राष्ट्रपति के अनुमोदन के बाद गणतंत्र दिवस की पूर्व संध्या पर इन पद्म सम्मानों की घोषणा की जाती है।

45वां एवं 46वां ज्ञानपीठ पुरस्कार

● हिंदी के प्रख्यात आलोचक डॉ नामवर सिंह ने साहित्यकार अमरकांत को वर्ष 2009 का 45वां ज्ञानपीठ पुरस्कार दिया।

● अमरकांत को यह पुरस्कार आजादी की लड़ाई पर आधारित उनके उपन्यास इन्हीं हथियारों से के लिए दिया गया।

● ज्ञातव्य हो कि वर्ष 2009 के ज्ञानपीठ पुरस्कार हेतु हिंदी के प्रसिद्ध कथाकार अमरकांत और श्रीलाल शुक्ल को संयुक्त तौर पर चयनित किया गया था।

● अमरकांत के प्रसिद्ध उपन्यासों में कंटीली राह के फूल, इन्हीं हथियारों से, सूखा पत्ता, काले उजले और बीच की दीवार इत्यादि हैं। इसके अलावा उनके कहानी संग्रह में जिंदगी और जोंक, देश के लोग, मौत का नगर, मित्र मिलन और कुहासा प्रमुख है।

● उनके अब तक 12 उपन्यास, 11 कहानी संग्रह प्रकाशित हो चुके हैं।

84वें ऑस्कर पुरस्कार

● 84वें ऑस्कर पुरस्कार में मूक फिल्म द आर्टिस्ट को सर्वश्रेष्ठ फिल्म, सर्वश्रेष्ठ निर्देशक, सर्वश्रेष्ठ अभिनेता, सर्वश्रेष्ठ वास्तविक संगीत और सर्वश्रेष्ठ कॉस्ट्यूम डिजाइन यानी कुल पांच पुरस्कार मिले।

● फ्रांस की श्वेत–श्याम फिल्म द आर्टिस्ट 1929 में विंग्स के बाद सर्वश्रेष्ठ फिल्म का पुरस्कार जीतने वाली पहली मूक फिल्म है। ● मेरिल स्ट्रीप को फिल्म आयरन लेडी में जबरदस्त अभिनय के लिए सर्वश्रेष्ठ अभिनेत्री का पुरस्कार मिला।

● द आर्टिस्ट के निर्देशक माइकल हजानाविशियस को सर्वश्रेष्ठ निर्देशक का पुरस्कार दिया गया।

● मार्टिन स्कॉरसिज की हुगो ने तकनीकी श्रेणियों में पांच ऑस्कर पुरस्कार (विजुअल इफेक्ट्स, साउंड मिक्सिंग, साउंड एडिटिंग, सिनेमेटोग्राफी और कला निर्देशन की तकनीकी श्रेणियों में) जीते।

● सर्वश्रेष्ठ अभिनेत्री का पुरस्कार जीतने वाली मेरिल स्ट्रीप ऑस्कर पुरस्कार के इतिहास में सबसे ज्यादा 17 बार नामांकित हुई हैं। मेरिल स्ट्रीप ऑस्कर पुरस्कार तीसरी बार जीतने वाली पांचवी कलाकार हैं।

● कैथरीन हेपबर्न चार ऑस्कर पुरस्कार जीतकर सर्वाधिक बार ऑस्कर जीतने वाली कलाकार हैं।

● 84वें ऑस्कर पुरस्कार में 82 साल के अभिनेता क्रि स्टोफर प्लमर को सर्वश्रेष्ठ सहायक अभिनेता के ऑस्कर पुरस्कार से सम्मानित किया गया।

● सर्वश्रेष्ठ सहायक अभिनेत्री का ऑस्कर ओक्टाविया स्पेंसर को द हेल्प फिल्म में नौकरानी की उनकी भूमिका के लिए दिया गया। ● वूडी एलेन को मिडनाइट इन पेरिस के लिए वास्तविक पटकथा का ऑस्कर दिया गया। अभिनेता जॉनी डेप की आवाज वाली रांगो को सर्वश्रेष्ठ एनिमेटेड फिल्म का ऑस्कर मिला।

● एकेडमी अवार्ड 2012 में ईरान की फिल्म ***ए सेपरेशन*** ने सर्वश्रेष्ठ विदेशी फिल्म का ऑस्कर पुरस्कार जीता। यह ईरान की पहली ऑस्कर जीत है।

● फिल्म संपादन का ऑस्कर द गर्ल विद ए ड्रैगन टैटू के लिए किर्क बैक्सतर और एंगस वॉल को दिया गया।

● डॉक्यूमेंट्री फीचर श्रेणी में टीजे मार्टिन, डैन लिंडसे और रिच मिडलमास की अनडिफिटेड को ऑस्कर पुरस्कार दिया गया।

● गीत की श्रेणी में द मेट्स फिल्म के गीत मैन ऑर मपेट के लिए ब्रेट मैक्केंजी को ऑस्कर पुरस्कार से सम्मानित किया गया।

59वें राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कार

● 59वें राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कारों में सर्वश्रेष्ठ अभिनेत्री के पुरस्कार हेतु ***विद्या बालन*** को द डर्टी पिक्चर के लिए दिया गया।

● सर्वश्रेष्ठ अभिनेता के लिए मराठी अभिनेता ***गिरीश कुलकर्णी*** को मराठी फिल्म देयोल में शानदार अभिनय के लिए दिया गया।

● गुरविंदर सिंह को उनकी पहली फिल्म अन्हे घोरे दा दान के लिए सर्वश्रेष्ठ निर्देशक का पुरस्कार देने का निर्णय लिया गया।

● सर्वश्रेष्ठ निर्देशक – गुरविंदर सिंह (इनकी पहली फिल्म अन्हे घोरे दा दान)

● सर्वश्रेष्ठ हिंदी फिल्म – आई एम (निर्देशक ओनिर)

● सर्वश्रेष्ठ गीतकार – अमिताभ भट्टाचार्य (अगर जिंदगी–आइ एम)

● सर्वश्रेष्ठ महिला पार्श्व गायिकारू रूपा गांगुली

● सर्वश्रेष्ठ पार्श्व गायकरू आनंद भाटे (बाल गंधर्व के लिए)

● सर्वश्रेष्ठ बाल कलाकाररू पर्थो गुप्ते और चिल्लर पार्टी ग्रुप

● सर्वश्रेष्ठ फीचर फिल्मः देवूर(मराठी) और ब्यारी (कन्नड़) संयुक्त रूप से

साहित्य अकादमी पुरस्कार 2011

● हिन्दी के कथाकार काशीनाथ सिंह के उपन्यास रेहन पर रग्घू और इतिहासकार रामचंद्र गुहा सहित 22 भारतीय भाषाओं के सहित्यकारों को वर्ष 2011 के साहित्य अकादमी पुरस्कार के लिए चुना गया।

● वर्ष 2011 के पुरस्कार के लिए 8 कविता, 7 उपन्यास, 3 निबंध, 1–1 कहानी, इतिहास, जीवनी और नाटक की पुस्तकों का चयन किया गया।

● मैथिली भाषा की निर्णायक मंडल की बैठक नहीं हो पाने के कारण इसके लिए किसी पुस्तक का चयन नहीं किया गया है, लेकिन इसकी घोषणा बाद में करने का निर्णय लिया गया।

● तकनीकी कारणों से नेपाली भाषा के किसी भी लेखक का चयन नहीं किया गया।

● साहित्य अकादमी पुरस्कार के रूप में प्रत्येक लेखक को ताम्रफलक, शॉल और एक लाख रुपए की नकद राशि प्रदान की जाती है। यह सम्मान दिल्ली में 14 फरवरी 2012 को प्रदान किए गए।

● साहित्य अकादमी पुरस्कार 1 जनवरी 2007 से 31 दिसंबर 2011 के दौरान पहली बार प्रकाशित पुस्तकों हेतु दिया जाता है। ● पुरस्कार हेतु चयनित विधा साहित्य, साहित्यकार और उनकी भाषा निम्नलिखित है।

उपन्यास – काशीनाथ सिंह (रेहन पर रग्घू, हिन्दी), गोपालकृष्ण पै (स्वप्न सारस्वत, कन्नड), क्षेत्री बीर (नंगबु डगाईबाड़ा, मणिपुरी), कल्पना कुमारी देवी (अचिह्न बासभूमि, उड़िया), बलदेव सिंह (ढावां दिल्ली दे किंगरे, पंजाबी), अतुल कनक (जून जातरा, राजस्थानी), एस वेंकटेशन (कवल कोट्टम, तमिल)

काव्य संग्रह – हरेकृष्ण शतपथी (भारतायनम, संस्कृत), खलील मामून (आफाक की तरफ, उर्दू), नसीम शफाई (न छाय न अक्स, कश्मीरी), मनीन्द्र गुप्त (बने आज कनचेटरे, बांग्ला), दिवंगत कबीन फुकन (एई अनुरागी एई उदास, असमिया), प्रेमानन्द मोसाहारि (अखाफोरनि दैमा, बोडो), आदित्य कुमार मांडी (बंचाओ लरहाई, संथाली), मेल्विन रोड्रीगस (प्रकृतिचो पास, कोंकणी)

निबंध संग्रह – ललित मंगोत्रा (चेतें दियां ग'लियां, डोगरी), ग्रेस (वार्याने हलते रान, मराठी) शामला सदाशिव (स्वरालयालु, तेलुगु)

कहानी संग्रह – मोहन परमार(अंचलो, गुजराती)

जीवनी – एम के सानू (बशीररू एकान्त वीथियिले अवधूतन, मलयालम)

नाटक – मोहन गेहानी ('..ता ख्वाबां जो छा तिंडो, सिन्धी)

इतिहास – रामचंद्र गुहा (इंडिया आफ्टर गांधी, अंग्रेजी)

पेटा पर्सन ऑफ द ईयर 2011

● बालीवुड अभिनेत्री हेमा मालिनी को पीपल फॉर द एथिकल ट्रीटमेंट ऑफ एनिमल (पेटा) की भारत स्थित शाखा द्वारा वर्ष 2011 के पर्सन ऑफ द ईयर से सम्मानित किया गया।

● उन्हें यह सम्मान दुनियाभर में शाकाहार को बढ़ावा देने और पशुओं के अधिकारों के लिए काम करने के लिए दिया गया।

यूनेस्को–मदनजीत सिंह पुरस्कार 2011

● फलस्तीन के खालिद–अबू–अवाद का चयन वर्ष 2011 के सहिष्णुता व अहिंसा को प्रोत्साहित करने के लिए यूनेस्को–मदनजीत सिंह पुरस्कार के लिए किया गया।

● उन्हें यह पुरस्कार फिलिस्तीनी और इस्राइल के बीच सहिष्णुता, शांति और अहिंसा को प्रोत्साहित करने के लिए दिया गया।

20वां सरस्वती सम्मान

● के.के. बिडला फाउंडेशन का 20वां सरस्वती सम्मान कन्नड़ लेखक एवं उपन्यासकार प्रो. सांतेसिवारा लिंगानैया भैरप्पा को उनके उपन्यास **मंद्र** (कन्नड़ में प्रकाशित) के लिए 16 नवंबर 2011 को प्रदान किया गया।

● सम्मान स्वरूप उन्हें साढ़े सात लाख रुपए का चेक, प्रशस्ति पत्र और पट्टिका (प्रतीक चिन्ह) दिया गया।

● प्रो एसएल भैरप्पा सरस्वती सम्मान पाने वाले कन्नड़ के पहले रचनाकार हैं।

● उन्हें यह सम्मान वर्ष 2010 के लिए दिया गया है।

दुबई अंतरराष्ट्रीय पिफल्म समारोह 2011

● भारतीय संगीतकार एआर रहमान का चयन दुबई अंतरराष्ट्रीय फिल्म समारोह (डीआईएफएफ) में लाइफटाइम अचीवमेंट पुरस्कार 2011 के लिए किया गया।

● वह डीआईएफएफ में लाइफटाइम अचीवमेंट पुरस्कार हेतु चयंत होने वाले पहले संगीतकार हैं।

● एआर रहमान दो ऑस्कार, दो ग्रेमी पुरस्कार और वर्ष 2010 में पदम भूषण से सम्मानित किए जा चुके हैं।

पफार्चयून बिजनेस पर्सन ऑपफ द ईयर 2011

● काफी निर्माता कंपनी स्टारबक्स के संस्थापक और सीओई होवर्ड शुल्टज को फार्च्यून पत्रिका ने बिजनेस पर्सन ऑफ द ईयर 2011 की सूची में पहले स्थान पर रखा।

● इस सूची में एकमात्र भारतीय मास्टरकार्ड के अध्यक्ष और सीओई अजय बांगा को स्थान दिया गया है।

विश्व चैंपियंस पुरस्कार 2011

● अंतरराष्ट्रीय टेनिस महासंघ ने वर्ष 2011 के लिए नोवाक जोकोविक और पेट्रा क्विटोवा को विश्व चैंपियंस पुरस्कार से सम्मानित किया।

सर्वश्रेष्ठ हॉकी खिलाड़ी 2011

● अंतरराष्ट्रीय हॉकी महासंघ (एफआईएच) ने ऑस्ट्रेलिया के स्ट्राइकर जेमी डायर को वर्ष 2011 का सर्वश्रेष्ठ हॉकी खिलाड़ी चुना। इन्हें यह पुरस्कार लगातार तीसरी बार और कुल पांच बार दिया गया।

● इससे पहले जेमी डायर को वर्ष 2004, 2007, 2009 और 2010 में वर्ष का सर्वश्रेष्ठ हॉकी खिलाड़ी चुना गया था।

● ऑस्ट्रेलिया के ही मैथ्यू स्वान को वर्ष 2011 का सर्वश्रेष्ठ युवा खिलाड़ी चुना गया।

समप विस्तता पुरस्कार 2011

● वर्ष 2011 का समप विस्तता पुरस्कार गायिका परवीन सुल्ताना और सरोद वादक जरीन शर्मा को प्रदान किया गया। पुरस्कार स्वरूप 25 हजार रुपए नकद, शॉल व प्रतीक चिन्ह प्रदान किया जाता है। पुरस्कार का यह 7वां वर्ष है।

● कश्मीरी लोक संगीत को प्रोत्साहित करने के लिए संगीतकार गुलाम नवी बुलबुल को समप शेर–ए–कश्मीर शेख मोहम्मद पुरस्कार और प्रो.सी.एल. दास को समप आचार्य अभिवन गुप्त पुरस्कार जम्मू–कश्मीर के संस्कृति एवं पर्यटन मंत्री नवंग रिग्जीन जोरा को कला वर्धन पुरस्कार दिया गया।

2011 का सर्वश्रेष्ठ पफुटबॉल खिलाड़ी

● अखिल भारतीय फुटबॉल संघ (एआइएफएफ) ने फुटबॉल स्ट्राइकर सुनील छेत्री को वर्ष 2011 का सर्वश्रेष्ठ फुटबॉल खिलाड़ी (प्लेयर ऑफ द ईयर 2011) चुना। पुरस्कार स्वरूप विजेता को दो लाख रुपए नकद और एक रजत पट्टिका दिया जाता है।

● सुनील छेत्री को वर्ष 2011 का अर्जुन पुरस्कार और दिसंबर 2011 में संपन्न सैफ फुटबॉल में प्लेयर ऑफ द टूर्नामेंट का पुरस्कार दिया गया है।

व्यास सम्मान 2011

● वरिष्ठ लेखक व प्रोफेसर रामदरश मिश्र को उनके काव्य संग्रह आम के पत्ते के लिए वर्ष 2011 का व्यास सम्मान के लिए चयनित किया गया।

● केके बिड़ला फाउंडेशन ने 21वें व्यास सम्मान के लिए प्रोफेसर रामदरश मिश्र को चयनित किया।

यूएस नेशनल ह्यूमेनिटिज मैडल

● नोबेल पुरस्कार से सम्मानित भारतीय मूल के अर्थशास्त्री अमर्त्य सेन को वर्ष 2011 के लिए यूएस नेशनल ह्यूमेनिटिज मैडल के लिए चुना गया।

● उन्हें यह सम्मान गरीबी, अन्याय और भुखमरी के कारणों पर उनकी गहरी सूझबूझ के लिए दिया जाना है।

संगीत नाटक अकादमी रत्न

● संगीत नाटक अकादमी ने संतूर वादक शिवकुमार शर्मा, बांसुरी वादक हरिप्रसाद चौरसिया, सरोद वादक अमजद अली खान सहित 11 कलाकारों को वर्ष 2011 का अकादमी रत्न (फैलो) चुना।

● अकादमी रत्न के लिए चयनित अन्य कलाकार मुकुंद लाठ, उमाइलपुरम शिवरमण, एम चंद्रशेखरन, आर.के. सिंहाजीत सिंह, कलामंडलम गोपी, पद्म सुब्रमण्यम, चंद्रशेखर कंबार और एच. कन्हैयालाल हैं।

● इसी के साथ अकादमी रत्न (फैलो) की कुल संख्या 40 हो गई।

● एक समय में निश्चित संख्या में ही प्रतिष्ठित कलाकारों को अकादमी रत्न बनाया जाता है।

● वर्ष 2011 के अकादमी पुरस्कार के लिए संगीत, नाटक और नृत्य के क्षेत्र से संबंधित 36 कलाकारों को चुना गया। इसमें संगीत के क्षेत्र के नौ, नृत्य के क्षेत्र से नौ, नाटक के क्षेत्र के आठ, अन्य कलाओं के आठ और समग्र योगदान करने वाले दो कलाकार शामिल हैं।

● अकादमी रत्न को तीन लाख रुपए नगद, अंगवस्त्रम एवं प्रशस्तिपत्र और अकादमी पुरस्कार के रूप में एक लाख रूपए नगद, अंगवस्त्रम एवं प्रशस्तिपत्र प्रदान किया जाता है।

उस्ताद बिस्मिल्लाह खां पुरस्कार

● उस्ताद बिस्मिल्लाह खां पुरस्कार 2010 के लिए संगीत, नृत्य और नाटक के क्षेत्र में 8–8 युवा कलाकारों (कुल 32) को चुना गया।

● इसके तहत विजेता को सम्मान स्वरूप प्रत्येक को 25–25 हजार रुपए, प्रतीक चिन्ह और शॉल प्रदान किए जाता है।

टैगोर अकादमी रत्न

● वर्ष 2010 के टैगोर अकादमी रत्न के लिए संगीत, नृत्य और नाटक के क्षेत्र की 50 हस्तियों को चुना, जबकि टैगोर अकादमी पुरस्कार 2010 के लिए संगीत के क्षेत्र में 13 कलाकारों, नृत्य के क्षेत्र में 11, नाटक के लिए नौ, कला के अन्य क्षेत्रों के लिए 13 और समग्र योगदान के लिए पांच कलाकारों को चयन किया गया।

● इसके तहत टैगोर अकादमी रत्न 2010 के लिए 50 कलाकारों को तीन–तीन लाख व टैगोर अकादमी पुरस्कार 2010 के लिए 50 कलाकारों को एक–एक लाख रुपए नकद, प्रशस्ति–पत्र, प्रतीक चिन्ह और शॉल प्रदान किया जाता है।

● ज्ञातव्य है कि अकादमी रत्न बनाने की शुरुआत वर्ष 1954 में जबकि अकादमी पुरस्कारों की शुरुआत वर्ष 1952 में की गई थी।

टेनिस प्लेयर ऑपफ द ईयर ॲवार्ड 2011

● विश्व की दूसरे नंबर की महिला टेनिस खिलाड़ी चेक गणराज्य की पेत्रा क्वितोवा को विश्व महिला टेनिस महासंघ (डब्ल्यूटीए) के प्लेयर ऑफ द ईयर अवार्ड 2011 के लिए चुना गया।

● वर्ष 2011 की विंबलडन चौंपियन 21 वर्षीय पेत्रा क्वितोवा ने पहले ग्रैंड स्लैम सहित कुल छह खिताब जीता। उन्होंने विश्व की नंबर एक खिलाड़ी डेनमार्क की कैरोलीन वोज्नियाकी को हराकर प्लेयर ऑफ द ईयर अवार्ड 2011 जीता।

● पेत्रा क्वितोवा को मोस्ट इम्प्रूव्ड प्लेयर अवॉर्ड 2011, फेयर प्ले अवॉर्ड 2011 और ब्रैकथ्रू प्लेयर ऑफ द ईयर 2011 अवार्ड भी दिया गया।

● चेक गणराज्य की क्वेता पेश्के और उनकी जोड़ीदार कैटरीना श्रेबोत्निक को डबल्स टीम ऑफ द ईयर 2011 चुना गया।

● जर्मनी की सबाइन लेसिकी को कमबैक प्लेयर ऑफ द ईयर 2011 घोषित किया गया।

इन्दिरा गांधी राष्ट्रीय एकता पुरस्कार

● पूर्व केंद्रीय मंत्री एवं पदमविभूषण मोहन धारिया को वर्ष 2010 के इन्दिरा गांधी राष्ट्रीय एकता पुरस्कार के लिए चुना गया। पुरस्कारों के क्रम में यह 26वां है।

● पर्यावरणविद एवं अधिवक्ता मोहन धारिया को यह पुरस्कार राष्ट्रीय एकता की भावनाओं को बढ़ावा देने के लिए दिया गया है।

मिस वर्ल्ड 2011

● वेनेजुएला की इवियन लुनासोल साकरेस कोलमेनारेस को मिस वर्ल्ड 2011 चुना गया।

● मिस फिलीपींस ग्वानडोलाइन रूआइस को दूसरा स्थान और मिस प्यूर्टो रिको अमांडा पेरेज को तीसरा स्थान मिला।

● भारत की मिस इंडिया 2011 कनिष्ठा धनखड़ अंतिम 25 सुंदरियों में भी स्थान नहीं बना सकीं।

● मिस वर्ल्ड 2011 की प्रतियोगिता का आयोजन लंदन में 6 नवंबर 2011 को किया गया।

● इस प्रतियोगिता में 113 देशों की सुंदरियों ने भाग लिया था।

● मिस वर्ल्ड 2010 की विजेता अमेरिका की एलेक्जेंड्रा मिल्स थी।

जमनालाल बजाज पुरस्कार 2011

● वर्ष 2011 के जमनालाल बजाज पुरस्कार के लिए अनुपम मिश्र, रमेश भैया, विमला बहन, शोभना रानाडे, और आगस इंद्र उदयन का चयन किया गया। इनके चयन की घोषणा 7 नवंबर 2011 को की गई। पुरस्कारों के क्रम में यह 34वां है।

● जमनालाल बजाज पुरस्कार के ग्रामीण विकास में विज्ञान और प्रौद्योगिकी के अनुप्रयोगों के लिए गांधी शांति प्रतिष्ठान के संस्थापक सदस्य अनुपम मिश्र को,

● सकारात्मक कार्य के क्षेत्र में योगदान के लिए विनोबा सेवा आश्रम के रमेश भैया और विमला बहन को,

● महिलाओं और बच्चों के कल्याण तथा विकास में योगदान के लिए कस्तूरबा गांधी राष्ट्रीय स्मारक न्यास की शोभना रानाडे को

● भारत के बाहर गांधीवादी मूल्यों को बढ़ावा देने के लिए (अंतरराष्ट्रीय पुरस्कार) इंडोनेशिया के आगस इंद्र उदयन को चुना गया।

एथलीट ऑफ द ईयर 2011

● अंतरराष्ट्रीय एथलेटिक्स महासंघ ने 13 नवंबर 2011 को जमैका के धावक उसेन बोल्ट और ऑस्ट्रेलिया की धाविका सैली पीयर्सन को एथलीट ऑफ द ईयर 2011 पुरस्कार से सम्मानित किया।

● बीजिंग ओलंपिक में 100 मीटर दौड़ स्पर्धा के विजेता उसेन बोल्ट को एथलीट ऑफ द ईयर पुरस्कार से तीसरी बार सम्मानित किया गया। इससे पूर्व, उन्हें वर्ष 2008 और 2009 में इस पुरस्कार से सम्मानित किया गया था।

● ऑस्ट्रेलिया की धाविका सैली पीयर्सन ने विश्व चौंपियनशिप 2011 में 100 मीटर बाधा दौड़ का खिताब जीता था। सैली पीयर्सन ने 19 वर्षों में सबसे तेज समय (12.21 सेकेंड) के साथ जीत दर्ज की थीं।

● ज्ञातव्य हो कि वर्ष 1988 में शुरू किए गए एथलीट ऑफ द ईयर पुरस्कार को हासिल करने वाली सैली पीयर्सन ऑस्ट्रेलिया की पहली एथलीट हैं।

● दक्षिण कोरिया के दाएगू में संपन्न विश्व चौंपियनशिप 2011 में उसेन बोल्ट फॉल्स स्टार्ट के कारण 100 मीटर दौड़ के लिए अयोग्य घोषित किया गया था। हालांकि 200 मीटर दौड़ स्पर्धा में वह विजेता बने थे। साथ ही 4 गुणा 100 मीटर रिले दौड़ स्पर्धा में जमैका की टीम विश्व रिकॉर्ड के साथ (37.04 सेकेंड) पहला स्थान बनाई थी। इस टीम में उसेन बोल्ट भी थे।

ओएनजीसी को महारत्न और नवरत्न श्रेणी में सर्वश्रेष्ठ वित्तीय उपलब्धि पुरस्कार 2011

● आयल एवं नेचुरल गैस कमीशन (ओएनजीसी) को महारत्न और नवरत्न श्रेणी में सर्वश्रेष्ठ वित्तीय उपलब्धि पुरस्कार 2011 सहित विभिन्न श्रेणियों में पांच पुरस्कार 20 सितंबर 2011 को प्रदान किया गया।

● इसका चयन इंडियन चौंबर आफ कामर्स (आईसीसी) और लोक उपक्रम विभाग ने संयुक्त रूप से किया।

शांति स्वरूप भटनागर पुरस्कार 2011

● विज्ञान और प्रोद्योगिकी के लिए दिए जाने वाले शांति स्वरूप भटनागर पुरस्कार 2011 के लिए 11 वैज्ञानिकों का चयन किया गया। है।

● वैज्ञानिक शोध एवं औद्योगिक विकास परिषद (सीएसआईआर) के महानिदेशक समीर के ब्रह्मचारी ने 26 सितंबर 2011 को सीएसआईआर

स्थापना दिवस समारोह के अवसर पर वैज्ञानिकों के नाम घोषित किए।

● वर्ष 2010 तक 463 वैज्ञानिकों को इस पुरस्कार से सम्मानित किया जा चुका है। इनमें 14 महिलाएं भी है।

● वर्ष 2011 के शांति स्वरूप भटनागर पुरस्कार हेतु विभिन्न वर्गों के लिए चयनित वैज्ञानिकों की सूची निम्नलिखित है।

जीव विज्ञान

● डॉ. अमित प्रकाश शर्मा (अंतरराष्ट्रीय जेनेटिक इंजीनियरिंग और जैव प्रौद्योगिकी संस्थान, नई दिल्ली)

● डॉ. रंजन शंकर नारायणन (सीएसआईआर सेंटर फॉर सेल्यू लर एंड मोलिक्यूरलर बायोलॉजी, हैदराबाद)

रसायन विज्ञान

● डॉ. बालासुब्रह्मण्यणम सुंदरम (जवाहरलाल नेहरू आधुनिक वैज्ञानिक शोध केंद्र, बेंगलूर)

● डॉ. गरीकपाती नरहरि शास्त्री (सीएसआईआर सेंटर फॉर केमिकल टेक्नोलॉजी हैदराबाद)

भू–वायुमंडल, समुद्र और ग्रह विज्ञान

● डॉ. शंकर दोराई स्वामी (सीएसआईआर नेशनल इंस्टीदट्यूट ऑफ ओसेनोग्राफी,गोवा)

इंजीनियरिंग

● डॉ. शीर्षेंदु डे (आईआईटी, खडगपुर)

● डॉ. उपदृष्टा राममूर्ति (भारतीय विज्ञान संस्थान, बैंगलूर)

गणित

● डॉ. महान एमजे (रामकृष्णन मिशन विवेकानंद विश्वविद्यालय, हावड़ा)

● डॉ. पलाश सरकार (भारतीय सांख्यिकीय संस्थान, कोलकाता)

चिकित्सा विज्ञान

● डॉ. किथीगानाहल्लीए नारायण स्वामी बालाजी(भारतीय विज्ञान संस्थान, बेंगलूर)

भौतिकी

● डॉ. शीराज मिनवाला (टाटा भौतिक शोध संस्थान, मुंबई)

ज्ञानपीठ पुरस्कार

● वर्ष 2009 के 45वें ज्ञानपीठ पुरस्कार हेतु हिंदी के प्रसिद्ध कथाकार अमरकांत और श्रीलाल शुक्ल को संयुक्त तौर पर चुना गया है।

● वर्ष 2010 के 46वें ज्ञानपीठ पुरस्कार हेतु कन्नड़ के प्रसिद्ध साहित्यकार चंद्रशेखर कंबर को चयनित किया गया।

● श्रीलाल शुक्ल का लोकप्रिय व्यंग्य उपन्यास राग दरबारी है। इसके अलावा उनकी प्रमुख कृतियों में मकान, सूनी घाटी का सूरज, पहला पड़ाव, अज्ञातवास, विश्रामपुर का संत इत्यादि है। कथा साहित्य में उद्देश्यपूर्ण व्यंग्य लेखन के लिए श्रीलाल शुक्ल जाने जाते हैं। श्रीलाल शुक्ल इससे पहले साहित्य अकादमी पुरस्कार (राग दरबारी के लिए) और पद्मभूषण से भी सम्मानित हो चुके हैं।

● अमरकांत के प्रसिद्ध उपन्यासों में कंटीली राह के फूल, इन्हीं हथियारों से, सूखा पत्ता, काले उजले और बीच की दीवार इत्यादि हैं। इसके अलावा उनके कहानी संग्रह में जिंदगी और जोंक, देश के लोग, मौत का नगर, मित्र मिलन और कुहासा प्रमुख है। उनके 12 उपन्यास, 11 कहानी संग्रह प्रकाशित हो चुके हैं।

● अमरकांत को लेखन में आम आदमी के संघर्ष को भाषा व अभिव्यक्ति देने के लिए जाना जाता है। इन्हीं हथियारों से नामक उपन्यास के लिए इन्हें वर्ष 2007 में साहित्य अकादमी सम्मान मिल चुका है।

● वर्ष 2010 के ज्ञानपीठ पुरस्कार के लिए चयनित कन्नड़ के प्रसिद्ध साहित्यकार चंद्रशेखर कंबर उपन्यासकार और नाटककार हैं। इनके प्रमुख काव्य संग्रह में तकारारीनावारू, साविरदा नेरालू और चाकोरी हैं। जबकि इनके प्रमुख नाटक हैं – जोकुमारास्वामी, हाराक्या कुरी। जयसिंधनायका और चेलशा इत्यादि हैं।

● इन्हें साहित्य अकादमी सम्मान और संगीत नाटक अकादमी पुरस्कार भी मिल चुका है।

दिवस/सप्ताह/वर्ष

राष्ट्रीय गणित दिवस

गणितज्ञ श्रीनिवास रामानुजम की ***125वीं वर्षगांठ*** के मौके पर 26 दिसंबर 2011 को प्रधानमंत्री डॉ. मनमोहन सिंह ने वर्ष 2012 को राष्ट्रीय गणित वर्ष घोषित किया है।

बागवानी वर्ष घोषित 2012–13

केंद्रीय कृषि मंत्रालय ने 2012–13 को बागवानी वर्ष घोषित किया। एक पायलट परियोजना के रूप में बागवानी से जुड़े उत्पादों को आसानी से लाने–ले जाने के उद्देश्य से एक बागवानी रेल सेवा शुरू की गई है।

राष्ट्रीय ऊर्जा संरक्षण दिवस

14 दिसंबर को राष्ट्रीय ऊर्जा संरक्षण दिवस मनाया जाता है।

अंतरराष्ट्रीय भ्रष्टाचार रोधी दिवस

अंतरराष्ट्रीय भ्रष्टाचार रोधी दिवस विश्व भर में 9 दिसंबर को मनाया गया। इस दिवस का उद्देश्य लोगों में भ्रष्टाचार के खिलाफ जागरूकता बढ़ाना और उससे निपटना तथा भ्रष्टाचार की गंभीर वैश्विक समस्या की तरफ लोगों का ध्यान आकर्षित करना है। वर्ष 2011 के अंतरराष्ट्रीय भ्रष्टाचार रोधी दिवस का विषय भ्रष्टाचार का मुकाबला करें है।

युवाओं का अंतरराष्ट्रीय स्वयंसेवा दिवस

5 दिसंबर 2011 को युवाओं का 11वां अंतरराष्ट्रीय स्वयंसेवा दिवस मनाया गया। वर्ष 2001 में जापान सरकार के प्रस्ताव की मंजूरी के बाद संयुक्त राष्ट्र ने इस दिवस को मनाए जाने का निर्णय लिया था।

2012 युवा शक्ति वर्ष

012 को युवा शक्ति वर्ष के रूप (स्वामी विवेकानंद की 150वीं वर्षगांठ को भारत मे) में मनाया जा रहा है।

वर्ष 2012 राष्ट्रीय गणित वर्ष

भारत के प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह ने चेन्नई में महान गणितज्ञ श्रीनिवास रामानुजम की 125वीं वर्षगांठ के मौके पर आयोजित एक कार्यक्रम में श्रीनिवास रामानुजम को श्रद्धांजलि देते हुए 2012 को राष्ट्रीय गणित वर्ष घोषित किया। साथ ही गणितज्ञ श्रीनिवास रामानुजम के जन्मदिन 22 दिसंबर को राष्ट्रीय गणित दिवस भी घोषित किया गया।

वर्ष 2012 भारत–चीन मित्राता वर्ष

प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह और चीन के राष्ट्रपति हू जिंताओ ने 2012 को भारत–चीन मित्रता का वर्ष घोषित किया है।

विश्व रेडियो दिवस

संयुक्त राष्ट्र शैक्षणिक, वैज्ञानिक और सांस्कृतिक संगठन (यूनेस्को) ने पहली बार 13 फरवरी 2012 को विश्व रेडियो दिवस के रूप में मनाया। 13 फरवरी को संयुक्त राष्ट्र रेडियो की वर्षगांठ भी है। इसी दिन वर्ष 1946 में इसकी शुरूआत हुई थी।

केंद्रीय उत्पाद शुल्क दिवस

देश भर में 24 फरवरी को केंद्रीय उत्पाद शुल्क दिवस मनाया गया। आज ही के दिन वर्ष 1944 में केंद्रीय उत्पाद शुल्क तथा नमक कानून बनाया गया था।

अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस

101वां अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस पूरे विश्व में 8 मार्च 2012 को मनाया गया। इस दिवस का उद्देश्य महिलाओं के प्रति असामाजिक व्यवहार के बारे में जागरूकता पैदा करना और उन्हें अधिकार दिलाना है। वर्ष 2012 के अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस का विषय है–लड़कियों को जोड़ें, भविष्य संवारें।

राष्ट्रीय सशस्त्रा सेना झंडा दिवस प्रतिवर्ष

इस दिवस का उद्देश्य युद्ध में घायल सैनिकों के पुनर्वास, सैन्य कर्मचारियों के कल्याण, पूर्व सैनिकों और उनके परिवारों के पुनर्वास और कल्याण को ध्यान में रखना है।

अंतरराष्ट्रीय सहिष्णुता दिवस

इस दिवस की स्थापना यूनेस्को ने वर्ष 1995 में की। इसका उद्देश्य लोगों में हिंसा से होने वाले खतरों के प्रति जागरूकता पैदा करना है।

विश्व मधुमेह दिवस

इसका उद्देश्य मधुमेह के प्रति लोगों में जागरूकता पैदा करना है। विश्व स्वास्थ्य संगठन के अनुसार पूरे विश्व में लगभग 35 करोड़ लोग मधुमेह से पीड़ित हैं और यह आंकड़े 2030 तक दोगुना हो जाने की संभावना है। विश्व में इससे प्रभावित लोगों में हर पांचवा व्यक्ति भारतीय है जिसकी संख्या देश में 6 करोड़ से अधिक है और इनमें से 50 प्रतिशत व्यक्ति मधुमेह से अनजान हैं।

शिक्षा दिवस

स्वतंत्रता सेनानी और देश के पहले शिक्षामंत्री मौलाना अबुल कलाम आजाद के जन्मदिन 11 नवंबर को प्रतिवर्ष शिक्षा दिवस के रूप में मनाया जाता है। केंद्रीय मानव संसाधन विकास मंत्री कपिल सिब्बल हरियाणा के नूंह में शिक्षा का हक अभियान नाम से एक अभियान की शुरूआत की।

विश्व पर्यटन दिवस

संयुक्त राष्ट्र विश्व पर्यटन संगठन द्वारा प्रतिवर्ष 27 सितंबर को विश्व पर्यटन दिवस के रूप में मनाया जाता है। इसका उद्देश्य वैश्विक समुदाय और उसके सामाजिक, सांस्कृतिक, राजनीतिक, और आर्थिक मूल्य के लिए पर्यटन के महत्त्व के बारे में जागरूकता बढ़ाना है।

विश्व ह्रदय दिवस

विश्व स्वास्थ्य संगठन द्वारा वर्ष 2011 का विश्व ह्रदय दिवस 29 सितंबर को मनाया गया। इसका प्रारम्भ वर्ष 1999 में किया गया। विश्व स्वास्थ्य संगठन ने वर्ष 2011 के विश्व ह्रदय दिवस का विषय ''वन वर्ल्ड वन होम, वन हार्ट'' घोषित किया।

पुस्तकें

● पाकिस्तान बर्बादी के कगार पर – अमेरिका, पाकिस्तान और अफगानिस्तान का भविष्य – **अहमद रशीद**

● लार्जेट द इतेत (मनी फ्रॉम द स्टेट) – **रेने डोसियर**

● ग्लिमसेज ऑफ इंडियन वुमन हॉकी – **के. अरूमुगम**

● एलिजाबेथ द क्वीन : द वुमेन बिहाइंड द थ्रोन – **सैली बेडल स्मिथ**

● सूफीज्म एंड इंडियन मिस्टीसिजम – **प्रो. अख्तरूल वासी और फरहत एहसास** (संपादित)

● एक्सप्रेशन आफ थाट्स – **रहमान खान**

● इजहारे ख्याल (उर्दू में) – **रहमान खान**

● भगवद गीता ऐज इट इज – **स्वामी प्रभुपाद** (यह पुस्तक रूसी भाषा में हिंदुओं की धार्मिक पुस्तक गीता का अनुवाद है। इसे इंटरनेशनल सोसाइटी फॉर कृष्णा कंससनेस (इस्कॉन) के संस्थापक एसी भक्तिवेदांत स्वामी प्रभुपाद द्वारा किया गया। रूस में इस पुस्तक पर सामाजिक वैमनस्य फैलाने का आरोप लगाते हुए इसे प्रतिबंधित करने की मांग की गई है।)

● द ऑफिसियल जर्नी टू मक्का ओपस – **टीम वीवा**

● सील टॉरगेट जेरोनिमो – **चक फैरर** (इस पुस्तक में 2 मई 2011 को ऐबटाबाद में अमेरिकी हमले में ओसामा बिन लादेन के मारे जाने के घटनाक्रमों का सिलसिलेवार वर्णन है।)

● नो हायर ऑनर – **कोंडोलिजा राइस** (अमेरिका की पूर्व विदेशमंत्री)

● फीयर्स फोकस – **ग्रेग चौपल**

● पाकिस्तान : ए पर्सनल हिस्ट्री – **इमरान खान**

● महाराजा हरी सिंह : दि ट्रबल्ड इयर्स – **हरबंस सिंह**

सम्मेलन/समारोह

चौथा ब्रिक्स शिखर सम्मेलन 2012

● चौथे ब्रिक्स शिखर सम्मेलन 2012 का आयोजन 29 मार्च 2012 को **नई दिल्ली** में किया गया है।

● इस शिखर बैठक का विषय–वैश्विक स्थिरता, सुरक्षा और समृद्धि के लिए ब्रिक्स भागीदारी है।

● नई दिल्ली ब्रिक्स शिखर बैठक 2012 का उद्देश्य इसे और गतिशीलता और गहराई प्रदान करना है क्योंकि यह समकालीन संदर्भ में ब्रिक्स कार्यसूची को आगे बढ़ाता है।

विश्व आर्थिक मंच 2012 सम्मेलन

● विश्व आर्थिक मंच 2012 सम्मेलन स्विटजरलैंड के **दावोस** शहर में संपन्न हुआ।

● विश्व आर्थिक मंच 2012 सम्मेलन पांच दिवसीय था और यह 25 जनवरी से 29 जनवरी 2012 तक चला।

● 42वें विश्व आर्थिक मंच सम्मेलन का विषय था – ***द ग्रेट ट्रांस्फॉर्मेशन : शेपिंग न्यू मॉडल्स*** (The Great Transformation: Shaping New Model – बड़ा बदलाव : नए रूपों को आकार देना)।

● विश्व आर्थिक मंच की सालाना बैठक में पांच दिनों के दौरान वैश्विक आर्थिक, राजनीतिक, सामाजिक और सांस्कृतिक मसलों पर सैकड़ों चर्चाएं हुईं।

● इस बैठक में 100 से अधिक देशों के लगभग 2,600 नीति नियंताओं और सैकड़ों कंपनियों के प्रतिनिधि ने हिस्सा लिया।

● दक्षिण अफ्रीका के केपटाउन शहर में अवलोकन से क्रियाशिलता तक, ***अफ्रीका का अगला अध्याय विषय*** पर आयोजित अफ्रीका पर विश्व आर्थिक मंच) की 21वीं बैठक 6 मई 2011 को संपन्न हो गई। इसमें भाग लेने के भारत के उच्चस्तरीय वाणिज्यिक प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व केन्द्रीय वाणिज्य और उद्योग मंत्री आनंद शर्मा ने किया था।

12वीं भारत–यूरोपीय संघ शिखर वार्ता

● भारत के प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह और यूरोपीय परिषद के अध्यक्ष हरमन वान रोम्पुई के नेतृत्व में 10–12 फरवरी 2012 को मध्य 12वीं भारत यूरोपीय संघ शिखर वार्ता के दौरान कई समझौतो पर हस्ताक्षर किए गए।

● यूरोपीय संघ का प्रतिनिधित्व यूरोपीय परिषद के अध्यक्ष हरमन वेन रोम्पी और यूरोपीय आयोग के अध्यक्ष जॉर्ज मैन्युअल बरोसो जबकि भारत का प्रतिनिधित्व प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह ने किया। सम्मेलन के दौरान आतंकवाद और अन्य मुद्दों पर वार्ता हुई।

● इस शिखर वार्ता के बाद जारी संयुक्त घोषणा पत्र में ऊर्जा सुरक्षा तथा स्वच्छ ऊर्जा प्रौद्योगिकी के लिए मिलकर काम करने की प्रतिबद्धता जताई गई। साथ ही यूरोप तथा भारत के लोगों के बीच संपर्क बढ़ाने, पर्यटकों, व्यवसायियों तथा पेशेवर लोगों के आगमन को आसान बनाने हेतु दोनो पक्षों में इस पर आगे विचार–विमर्श करने पर भी सहमति बनी।

● भारत और यूरोपीय संघ के मध्य विज्ञान–प्रौद्योगिकी एवं सांख्यिकी के क्षेत्र में सहयोग हेतु समझौता किया गया।

● भारत तथा यूरोपीय संघ ने विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में आपसी सहयोग बढ़ाने के लिए अनुसंधान एवं नवपरिवर्तन सहयोग के संयुक्त घोषणा पत्र पर हस्ताक्षर किए।

जी–20 के वित्तमंत्रियों और केंद्रीय बैंकों के गवर्नरों की तीन दिवसीय बैठक

● दुनिया के 20 सबसे बड़े औद्योगिक देशों के समूह जी–20 के वित्तमंत्रियों और केंद्रीय बैंकों के गवर्नरों की तीन दिवसीय बैठक **मैक्सिको** में 24–26 फरवरी 2012 के मध्य आयोजित की गई।

● इस बैठक का विषय क्या यूरोपीय कर्ज संकट से निपटने के लिए अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) में धन डाला जाए या नहीं रहा।

चौथी भारत–आसियान वार्ता

● दिल्ली वार्ता का चौथा दौर (चौथा भारत–आसियान वार्ता) भारत की राजधानी नई दिल्ली में 13–14 फरवरी 2012 को संपन्न हुआ।

● वर्ष 2012 के भारत–आसियान वार्ता का विषय ***''भारत और आसियान : शांति, प्रगति और स्थिरता में भागीदार''*** था।

यूएनएपफसीसी का 17वां सम्मलेन

● दक्षिण अफ्रीका के डरबन में 28 नवंबर से 9

दिसंबर 2011 तक यूनाइटेड नेशंस फ्रेमवर्क कन्वेंशन ऑन क्लाइमेट चेंज का 17वां सम्मलेन संपन्न हुआ।

● सम्मलेन का थीम था – ***"वर्किंग टुगेदर सेविंग टुमॉरो टुडे"*** था।

राष्ट्रमंडल देशों के प्रमुखों का द्विवार्षिक सम्मेलन

● राष्ट्रमंडल देशों के प्रमुखों का द्विवार्षिक सम्मेलन (चोगम,) ऑस्ट्रेलिया के शहर पर्थ में 28–30 अक्टूबर 2011 के मध्य आयोजित किया गया।

● सम्मेलन में भारत का नेतृत्व उपराष्ट्रपति हामिद अंसारी ने किया।

● सम्मेलन में सदस्य देशों ने आतंकवादी गतिविधियों के लिए अपनी जमीन का इस्तेमाल नहीं होने देने का संकल्प लिया।

दूसरा भारत–अप्रफीका मंच शिखर सम्मेलन

● इथोपिया की राजधानी अदीस अबाबा में दूसरा भारत–अफ्रीका मंच शिखर सम्मेलन 27 मई 2011 को संपन्न हुआ।

● पूर्ण अधिवेशन की अध्यक्षता भारत के प्रधानमंत्री डॉक्टर मनमोहन सिंह और इक्विटोरियल गिनी के राष्ट्रपति त्योदोरो ओबियांग एंगुएमा मबासोगो ने संयुक्त रूप से की।

● दूसरा भारत–अफ्रीका शिखर सम्मेलन में ***अदीस अबाबा घोषणापत्र*** मंजूर किया गया। इस घोषणापत्र में दोनों देशों के मध्य महत्वपूर्ण भागीदारी बढ़ाने पर जोर देने के साथ साथ संयुक्त राष्ट्र में व्यापक सुधारो का आह्ध्वान किया गया, तथा सभी तरह के आतंकवाद की निंदा की गई।

पांचवां इब्सा शिखर सम्मेलन

● इब्सा देशों–भारत, ब्राजील और दक्षिण अफ्रीका का पांचवां शिखर सम्मेलन दक्षिण अफ्रीका की राजधानी प्रिटोरिया में 18 अक्टूबर 2011 को सम्पन्न हुआ।

● प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह, दक्षिण अफ्रीका के राष्ट्रपति जेकब जूमा और ब्राजील की राष्ट्रपति दिलमा रूसेफ की बैठक में इस संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद के विस्तार के मुद्दे पर चर्चा हुई। भारत, ब्राजील और दक्षिण अफ्रीका तीनों इस समय संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद के अस्थायी सदस्य हैं, और तीनों इसके स्थाई सदस्यता की दावेदारी में एक दूसरे का समर्थन कर रहें हैं।

● भारत, ब्राजील और दक्षिण अफ्रीका के शिखर सम्मेलन ने आतंकवाद के सभी रूपों की निन्दा की है और कहा है कि यह अंतरराष्ट्रीय शांति और सुरक्षा के लिए सबसे बड़ा खतरा है।

● तीनों देशों ने विश्व बैंक और अंतरराष्ट्रीय मुद्राकोष के स्वरूप को अधिक लोकतांत्रिक बनाने की बात पर जोर दिया। तीसरी दुनिया के जरूरतमंद देशों की विकास परियोजनाओं पर अमल के लिए इब्सा ट्रस्ट फंड के इस्तेमाल के बारे में भी तीनों देश एकमत हैं।

● तीनों देशों ने व्यापार, निवेश ऊर्जा आदि मामलों में आपसी सहयोग बढ़ाने और वर्ष 2004 में स्थापित इब्सा न्यास कोष के तहत साझेदारी से विकास के कार्यक्रम चलने का सिलसिला आगे बढ़ाने पर सहमत हुए।

● उभरती अर्थव्यवस्थाओं पर अंतरराष्ट्रीय आर्थिक संकट के प्रभाव के बारे में भी व्यापक विचार किया गया।

● इब्सा का शिखर सम्मेलन विकासशील देशों के बीच बेहतर कार्यशैली के अनुभवों और मूल्यों को साझा करने की सकारात्मक सहमति के साथ संपन्न हुआ।

● विदित हो कि इब्सा की स्थापना विश्व व्यापार संगठन के कानकुन सम्मेलन की विफलता के बाद वर्ष 2003 में की गई थी। स्थापना के तीन साल बाद इब्सा की वार्षिक शिखर बैठक की शुरुआत ब्राजील की राजधानी ब्राजीलिया से हुई।

चौथा राष्ट्रीय खगोल विज्ञान सम्मेलन

● राष्ट्रपति प्रतिभा देवी सिंह पाटील ने राजस्थान के ***नाथद्वारा*** में चौथे राष्ट्रीय खगोल विज्ञान सम्मेलन (4जी) का उद्घाटन 12 मई 2011 को किया।

● भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) एस्ट्रोसैट नामक उपग्रह अंतरिक्ष में भेजेगा जो पूरी तरह से खगोल विज्ञान के लिए समर्पित पहला भारतीय उपग्रह होगा।

शेयर और वायदा बाजार नियामक परिषदों के अंतरराष्ट्रीय संगठन का 36वां वार्षिक सम्मेलन

● शेयर और वायदा बाजार नियामक परिषदों के अंतरराष्ट्रीय संगठन का 36वां वार्षिक सम्मेलन दक्षिण अफ्रीका के केपटाउन में 17 से 21 अप्रैल 2011 को आयोजित किया गया।

● सेबी के अध्यक्ष यूके सिन्हा को शेयर और वायदा बाजार नियामक परिषदों के अंतरराष्ट्रीय संगठन की एशिया–प्रशान्त इकाई का अध्यक्ष नियुक्त किया गया।

चौथी भारत–आसियान वार्ता

● चौथी भारत–आसियान वार्ता भारत की राजधानी **नई दिल्ली** में 13–14 फरवरी 2012 को संपन्न हो गयी।

● वर्ष 2012 के भारत–आसियान वार्ता का विषय ***"भारत और आसियान : शांति, प्रगति और स्थिरता में भागीदार"*** था।

● इस वार्ता में इन सभी मुद्दों पर चर्चा की गई। भारत ने आसियान क्षेत्र में समृद्धि की संभावनाओं में वृद्धि के लिए भारत और आसियान को मिलकर काम करने की बात कही। भारत और आसियान को मेकांग–भारत आर्थिक गलियारा जैसे रास्तों के निर्माण से आपसी संपर्क सुविधाओं में विस्तार करना होगा।

● इस वार्ता की शुरुआत वर्ष 2009 में आसियान क्षेत्र के साथ भारत के व्यापक सहयोग के लिए हुई थी। वर्ष 2012 में भारत आसियान संवाद भागीदारी को जहां दो दशक पूरे हो गए। वहीं दोनों के बीच कायम शिखर स्तर भागीदारी के दस वर्ष भी पूरे हुए।

छठा जी–20 शिखर सम्मेलन

● फ्रांस के शहर कान में 3–4 नवंबर 2011 को आयोजित किया गया।

● इस सम्मेलन में भारत का प्रतिनिधित्व प्रधानमंत्री डॉ मनमोहन सिंह ने किया। छठें शिखर सम्मेलन की अध्यक्षता फ्रांस के राष्ट्रपति निकोला सारकोजी ने की।

● इस सम्मेलन में माइक्रोसॉफ्ट कार्पोरेशन के सह–संस्थापक बिल गेट्स ने भी भाग लिया।

● शिखर सम्मेलन के बाद जी–20 के देशों ने एक संयुक्त घोषणा पत्र जारी किया। जी–20 देशों के सम्मेलन की समाप्ति पर जारी संयुक्त घोषणा में कहा गया है कि टैक्स सूचनाओं के आदान प्रदान के लिए एक व्यापक कार्यक्रम की जरूरत है। इसमें सुधार के लिए जी–20 देशों ने वैश्विक मंच के जरिए काम करने की जरूरत बताई है। संयुक्त घोषणा में कर संबंधी मामलों में पारस्परिक प्रशासनिक सहायता (मैप यानी म्यूचुअल एडमिनिस्ट्रेटिव असिस्टेंस) समझौते पर हस्ताक्षर करने की जी–20 देशों की प्रतिबद्धता का भी स्वागत किया गया। विकसित व विकासशील देशों के इस समूह ने अन्य देशों से भी इस व्यवस्था में शामिल होने का आग्रह किया। जी–20 देश भ्रष्टाचार को दूर करने के मसले पर भी एकमत हैं। इस विषय पर संयुक्त घोषणा में कहा गया है कि सभी देश एक कार्य योजना को लागू करने की दिशा में काफी आगे बढ़े हैं। इससे स्वच्छ व पारदर्शी व्यापारिक माहौल तैयार करने में मदद मिलेगी।

भारत–अप्रफीका के विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी मंत्रियों का प्रथम सम्मेलन

● भारत–अफ्रीका के विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी मंत्रियों का प्रथम सम्मेलन 1–2 मार्च 2012 को **नई दिल्ली** में आयोजित किया गया। विश्व भर में जनसंख्या वृद्धि में प्रथम बार 50 प्रतिशत का योगदान शहरों में जन्मे बच्चों का है।

● यूनिसेफ द्वारा 29 फरवरी 2012 को जारी किए गए रिपोर्ट में यह आंकड़े दिए गए। य

● ूनिसेफ द्वारा जारी किए गए रिपोर्ट का नाम

है ***"द स्टेट ऑफ द वर्ल्ड चिल्ड्रन 2012 : चिल्ड्रन इन एन अर्बन वर्ल्ड"*** (The State of the World's Children 2012 : Children in the Urban World)।

42वां अखिल भारतीय पुलिस विज्ञान सम्मेलन 2012

● 42वां अखिल भारतीय पुलिस विज्ञान सम्मेलन 2012 सिक्किम की राजधानी गंगटोक में 15–17 फरवरी 2012 के मध्य आयोजित किया गया।

● इसका उद्देश्य देशभर में पुलिस विभाग की संरचना और इसके कामकाज को बेहतर बनाने के उपायों का सुझाव देना है। इसका आयोजन पुलिस अनुसंधान तथा विकास ब्यूरो द्वारा किया गया।

भारत–नेपाल जल संसाधन आयोग की प्रथम बैठक

● मंत्री स्तरीय संयुक्त भारत–नेपाल जल संसाधन आयोग की प्रथम बैठक नई दिल्ली में 15 फरवरी 2012 को संपन्न हो गई।

चौथा अंतरराष्ट्रीय नागरिक उड्डयन वार्ता सम्मेलन

● चौथा अंतरराष्ट्रीय नागरिक उड्डयन वार्ता सम्मेलन 2011 मुम्बई में आयोजित किया गया।

● यह सम्मेलन भारत में पहली बार आयोजित किया गया। राष्ट्रपति प्रतिभा देवी सिंह पाटील ने देश में नागरिक उड्डयन के सौ वर्ष पूरे होने के अवसर पर स्मारक सिक्के भी जारी किए।

ग्लोबल बिहार समिट

● बिहार की राजधानी ***पटना*** में 17 से 19 फरवरी 2012 तक तीन दिवसीय ग्लोबल बिहार समिट का आयोजन किया गया।

सार्क देशों के ऊर्जा मंत्रियों का चौथा सम्मलेन

● दक्षिण एशियाई क्षेत्रीय सहयोग संगठन (सार्क) देशों के ऊर्जा मंत्रियों का चौथा सम्मलेन बांग्लादेश की राजधानी ढाका में 15 सितंबर 2011 को संपन्न हो गया।

अंतरराष्ट्रीय आयुर्वेद उत्सव 2012

● वर्ष 2012 का अंतरराष्ट्रीय आयुर्वेद उत्सव ***तिरूवनंतपुरम*** में 15 फरवरी 2012 को संपन्न हो गया।

44वां भारतीय श्रम सम्मेलन

● 44वां भारतीय श्रम सम्मेलन भारत की राजधानी ***नई दिल्ली*** में 15 फरवरी 2012 को संपन्न हुआ।

भारत–थाईलैंड संयुक्त आयोग की 6वीं बैठक

● भारत–थाईलैंड संयुक्त आयोग की 6वीं बैठक 27 दिसम्बर 2011 को नई दिल्ली में आयोजित की गई।

प्रथम भारत–अमेरिका उच्च शिक्षा सम्मेलन

● प्रथम भारत–अमेरिका उच्च शिक्षा सम्मेलन अमेरिका की राजधानी वाशिंगटन डीसी में 13 अक्टूबर 2011 को आयोजित किया गया।

हरित अर्थव्यवस्था और समग्र विकास पर सम्मेलन

● हरित अर्थव्यवस्था और समग्र विकास पर सम्मेलन दिल्ली में 4 अक्टूबर 2011 को संपन्न हो गया।

● इसका उद्देश्य सामाजिक विकास के एजेंडे और गरीबी उन्मूलन के लिए हरित अर्थव्यवस्था के वास्ते अवसरों पर अन्तराष्ट्रीय विचार–विमर्श के लिए मंच तैयार करना है।

● इस एजेंडे में गरीबों के लिए खाद्य सुरक्षा और ऊर्जा सुरक्षा सुनिश्चित करना शामिल हैं।

● सम्मेलन में 54 देशों और संयुक्त राष्ट्र की 12 एजेंसियों के प्रतिनिधियों तथा उच्च स्तरीय सरकारी अधिकारियों ने भाग लिया।

बॉन सम्मेलन

● वर्ष 2014 में विदेशी सैन्य बलों की वापसी के बाद अफगानिस्तान को समर्थन जारी रखने के संकल्प के साथ एक दिवसीय बॉन सम्मेलन 5 दिसंबर 2011 को संपन्न हुआ।

● इस सम्मेलन की मेजबानी जर्मनी और अध्यक्षता अफगानिस्तान ने की।

● सम्मेलन में 60 देशों के विदेश मंत्री और 100 देशों के 1000 प्रतिनिधियों ने भाग लिया। पाकिस्तान ने इस सम्मेलन में हिस्सा नहीं लिया।

● पाकिस्तान के हिस्सा न लेने पर संयुक्त राष्ट्र ने अफसोस व्यक्त किया।

विधायी निकायों के पीठासीन अधिकारियों का 76वां सम्मेलन

● भारत में विधायी निकायों के पीठासीन अधिकारियों का 76वां सम्मेलन राजस्थान के ***जयपुर*** में (राजस्थान विधानसभा) संपन्न हुआ। 21 से 23 सितंबर 2011 तक हुए तीन दिवसीय सम्मेलन में 24 राज्यों के विधानसभा अध्यक्ष, उपाध्यक्ष, सचिव और विधान परिषद के सभापतियों ने भाग लिया।

प्रथम भारतीय वानिकी कांग्रेस 2011

● प्रथम भारतीय वानिकी कांग्रेस 2011 केंद्रीय पर्यावरण एवं वन मंत्रालय और भारतीय वानिकी अनुसंधान एवं शिक्षा परिषद देहरादून के संयुक्त तत्वाधान में भारतीय कृषि अनुसंधान संस्थान, नई दिल्ली में 22–25 नवंबर 2011 को आयोजित किया गया। ● प्रथम भारतीय वन कांग्रेस 2011 का केंद्रीय विषय ***"बदलते विश्व में वन"*** है।

● प्रथम भारतीय वन कांग्रेस 2011 का उद्देश्य वनों से जुड़े शोध कार्यों को गति देने, वन वैज्ञानिकों अधिकारियों और स्वंम सेवी संस्थाओं के बीच संवाद कायम करने और वनों के विस्तार से जुड़े विभिन्न आर्थिक सामाजिक आयामों पर विमर्श करना है।

31वां अंतरराष्ट्रीय व्यापार मेला

● 31वां अंतरराष्ट्रीय व्यापार मेला नई दिल्ली के ***प्रगति मैदान*** में आयोजित करने का निर्णय लिया गया। इसका आयोजन 14 से 27 नवंबर 2011 के मध्य किया गया।

● वर्ष 2011 के अंतरराष्ट्रीय व्यापार मेले का विषय ***भारतीय हस्तशिल्प कला निपुण हाथों का जादू*** (इंडियन हैण्डीक्राफ्ट्स–दि मैजिक ऑफ गिफ्टेड हैण्ड्स) है।

● मेले में 15 नवम्बर 2011 को राजस्थान दिवस मनाया जाना है।

● मेले का आयोजन इंडिया ट्रेड प्रमोशन आर्गनाइजेशन के साथ पश्चिम बंगाल और झारखंड द्वारा किया गया।

17वें अंतरराष्ट्रीय बाल पिफल्म महोत्सव

● बाल दिवस के अवसर पर आंध्र प्रदेश की राजधानी ***हैदराबाद*** में 17वें अंतरराष्ट्रीय बाल फिल्म महोत्सव का आयोजन किया गया।

● भारतीय बाल फिल्म सोसायटी (सीएफएसआई चिल्ड्रन फिल्म सोसाइटी ऑफ इंडिया) और आंध्र प्रदेश सरकार ने संयुक्त रूप से इसका आयोजन किया।

रिपोर्ट / सर्वेक्षण

यूनिसेफ की द स्टेट ऑफ द वर्ल्डस चिल्ड्रन 2012 रिपोर्ट

● यूनिसेफ की ***द स्टेट ऑफ द वर्ल्ड्स चिल्ड्रन 2012 : चिल्ड्रन इन एन अर्बन वर्ल्ड*** नामक रिपोर्ट के अनुसार शहरी झुग्गियों में रह रहे बच्चों की स्थिति गांवों के मुकाबले बहुत दयनीय है।

● अपरिहार्य शहरीकरण कस्बों के लाखों करोड़ों बच्चों को महत्वपूर्ण सेवाओं से वंचित रख रहा है। रिपोर्ट के अनुसार आधारभूत सुविधाओं तथा सेवाओं का विकास शहरी विकास के अनुरूप नहीं हो पा रहा है। इस कारण बच्चों की प्राथमिक जरूरतें भी पूरी नहीं हो रही हैं।

● सुझाव के तौर पर रिपोर्ट में अमीर और गरीब बच्चों के लिए समानता पर ध्यान केंद्रित करना विशेष तौर पर सुविधाहीन बच्चों को प्राथमिकता देना बताया गया है।

● यूनिसेफ की यह रिपोर्ट 190 से ज्यादा देशों और क्षेत्रों में प्रारंभिक बचपन से किशोरावस्था तक के बच्चों के विकास पर आधारित है।

संयुक्त राष्ट्र मानव विकास रिपोर्ट 2011

● संयुक्त राष्ट्र विकास कार्यक्रम द्वारा जारी की

गई मानव विकास रिपोर्ट के अनुसार भारत 134वें स्थान पर है। साथ ही भारत में, विश्व के सबसे ज्यादा बहुआयामी गरीब रहते हैं।

● नवंबर 2011 के प्रथम सप्ताह में जारी रिपोर्ट के अनुसार भारत में 61 करोड़ लोग गरीब हैं जो कि देश की आधी आबादी से भी ज्यादा है।

● असमान मानव विकास पर यूएनडीपी की इस रिपोर्ट में मूल तौर पर मानव विकास सूचकांक तीन प्रमुख आयामों, शिक्षा, स्वास्थ्य और आय में हुई प्रगति के आधार पर देशों को श्रेणीबद्ध किया गया।

● मानव विकास रिपोर्ट 2011 में 187 देशों को श्रेणीबद्ध किया गया।

● चीन 101वें स्थान पर और पाकिस्तान 145वें स्थान पर है।

● नार्वे, ऑस्ट्रेलिया और नीदरलैंड मानव विकास रिपोर्ट 2011 सूची में क्रमशः पहले, दूसरे और तीसरे स्थान पर है, जबकि अमेरिका चौथे और जापान 12वें स्थान पर है।

● संयुक्त राष्ट्र विकास कार्यक्रम ने बहुआयामी गरीबी का मूल्यांकन करने के लिए आय के अलावा स्वास्थ्य, शिक्षा और जीवन स्तर को समाहित किया है।

● मानव विकास रिपोर्ट के अनुसार विश्व के दस सबसे गरीब देश सब–सहारा अफ्रीका में हैं। हालांकि किसी एक देश में कुल संख्या के हिसाब से विश्व के सबसे ज्यादा गरीब दक्षिण एशियाई देशों (भारत, पाकिस्तान और बांग्लादेश) में रहते हैं।

ओईसीडी रिपोर्ट

● ओईसीडी की यह रिपोर्ट पेरिस में 7 दिसंबर 2011 को जारी की गई।

● अंतरराष्ट्रीय आर्थिक सहयोग और विकास संगठन की रिपोर्ट के अनुसार भारत की 42 प्रतिशत जनसंख्या की एक दिन की आमदनी सिर्फ 1.25 डॉलर है।

● ओईसीडी ने उभरती अर्थव्यवस्थाओं पर अपनी रिपोर्ट में भारत,चीन, अर्जेंटीना, ब्राजील, इंडोनेशिया, रूस और दक्षिण अफ्रीका जैसे देशों का आकलन किया है। इन सात देशों में से भारत में गरीबी दर सबसे ज्यादा है, जहां 42 प्रतिशत आबादी की प्रतिदिन की आमदनी मात्र 1.25 डॉलर है।

● रिपोर्ट के अनुसार, भारत में गत तीन दशकों में आर्थिक असमानताएं बढ़ीं हैं, विभिन्न तबकों की आमदनी के बीच फासला बहुत ज्यादा बढ़ गया है। रिपोर्ट में कहा गया है कि जहां, ब्राजील, इंडोनेशिया और अर्जेंटीना में पिछले कुछ सालों में अमीरों और गरीबों के बीच का आर्थिक फासला घटा है, वहीं चीन, भारत, दक्षिण अफ्रीका और रूस में ये बढ़ा है। साथ ही तकनीकी विकास का फायदा केवल ज्यादा प्रशिक्षित कामगारों को ही मिल पाया है।

● ओईसीडी की रिपोर्ट के अनुसार दुनिया के 10 प्रतिशत अमीरों की आमदनी गरीबों की तुलना में 9 गुना ज्यादा है। चीन और मेक्सिको में अमीरों की आमदनी गरीबों की आमदनी से 25 प्रतिशत ज्यादा है। ओईसीडी ने सुझाव के तौर पर सरकारों को अपनी टैक्स प्रणाली में बदलाव लाकर अमीरों पर टैक्स का ज्यादा भार डालना पर जोर दिया।

विश्व बैंक की ग्लोबल माइग्रेशन एंड रेमिटेंस ब्रीफ रिपोर्ट

● 1 दिसंबर 2011 को जारी ग्लोबल माइग्रेशन एंड रेमिटेंस ब्रीफ रिपोर्ट के अनुसार वर्ष 2011 में विदेशों में रहने वाले भारतीय (प्रवासी भारतीय) विश्व में सबसे अधिक 58 अरब डॉलर की राशि स्वदेश भेजेंगे। 2010 में यह आंकड़ा 56 अरब डॉलर था।

● ग्लोबल माइग्रेशन एंड रेमिटेंस ब्रीफ रिपोर्ट के अनुसार चीन को विदेश में बसे अपने लोगों से 57 अरब डॉलर मिलेंगे, जबकि मेक्सिको को 24 और फिलीपींस को 23 अरब डॉलर प्राप्त होने की उम्मीद है।

● विकासशील देशों के लोग 351 अरब डॉलर की रकम घर भेजेंगे। दुनिया भर (विकासशील सहित विकसित देश) में इस तरह धन भेजने (रेमिटेंस) का आंकड़ा 406 अरब डॉलर के आसपास रहने के आसार हैं, जबकि दुनियाभर के देशों को अपने लोगों से वर्ष 2010 में 440 अरब डॉलर की रकम प्राप्त हुई थी।

● विश्व बैंक द्वारा जारी इस रिपोर्ट के अनुसार विश्व के छह विकासशील क्षेत्रों में सबसे ज्यादा रेमिटेंस में वृद्धि (11 प्रतिशत) के आसार पूर्वी यूरोप के लिए हैं। इसके बाद दक्षिण एशिया का नंबर आता है, जहां विदेश से धन आने की रफ्तार 10.1 प्रतिशत रहेगी।

ट्रांसपेरेंसी इंटरनेशनल की भ्रष्ट देशों की सूची

● ट्रांसपेरेंसी इंटरनेशनल ने 2011 में भ्रष्ट देशों की सूची 1 दिसंबर 2011 को जारी की।

● इस सूची के अनुसार भारत को 95वां स्थान मिला है। 2010 में ट्रांसपेरेंसी इंटरनेशनल की भ्रष्ट देशों की सूची में भारत 87वें स्थान पर था। ट्रांसपेरेंसी इंटरनेशनल द्वारा जारी सूची के अनुसार भ्रष्टाचार के खिलाफ संघर्ष के मामले में 2011 में भारत को 10 अंकों में केवल 3.1 अंक ही मिले, जबकि 2007 में भारत 3.5 अंकों के साथ 72वें स्थान पर था।

● ट्रांसपेरेंसी इंटरनेशनल द्वारा 2011 में भ्रष्ट देशों की सूची में न्यजीलैंड 9.5 अंक के साथ पहले स्थान पर है। फिनलैंड और डेनमार्क क्रमश दूसरे और तीसरे स्थान पर है।

● रिपोर्ट के मुताबिक, स्वीडन चौथे, सिंगापुर पांचवें, ब्रिटेन 16वें, अमेरिका 24 वें, चीन 75वें, श्रीलंका 86वें, बांग्लादेश 120वें, और पाकिस्तान 134वें स्थान पर है।

● सोमालिया, उत्तरी कोरिया, म्यांमार और अफगानिस्तान सबसे भ्रष्ट देश बताए गए।

● ज्ञातव्य हो कि ट्रांसपेरेंसी इंटरनेशनल (Transparency International) इस आधार पर भ्रष्ट देशों की रैकिंग करती है कि किसी भी देश में कोई भी सार्वजनिक उपक्रम लोगों के बीच कितना भ्रष्ट समझा जाता है और विभिन्न विशेषज्ञ उस देश में भ्रष्टाचार के बारे में क्या राय रखते हैं?

फोर्ब्स की विश्व के धनी देशों की सूची

● अमेरिका की बिजनेस पत्रिका फोर्ब्स ने विश्व के सबसे धनी देशों की सूची जारी की।

● इस सूची के अनुसार कतर विश्व का सबसे धनी देश है। कतर में वर्ष 2010 में प्रति व्यक्ति सकल घरेलू उत्पाद 88,000 डॉलर था।

● फोर्ब्स द्वारा धनी देशों की जारी सूची के अनुसार 81,000 डॉलर प्रति व्यक्ति जीडीपी के साथ लक्जमबर्ग दूसरे स्थान पर है। जबकि 56,700 डालर के साथ सिंगापुर तीसरे स्थान पर है। चौथे स्थान पर नॉर्वे और पांचवें पर ब्रुनेई है। संयुक्त अरब अमीरात छठे, सातवें पर अमेरिका, आठवें पर हांगकांग, नौवें पर स्विट्जरलैंड और दसवें स्थान पर नीदरलैंड है।

● अफ्रीका के तीन देश बुरुंडी, लिबेरिया और कोंगो गणराज्य क्रमशः सबसे गरीब देश माने गए। इन तीनों देशों की प्रति व्यक्ति सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) क्रमशः 400, 386 और 312 डॉलर है।

● ज्ञातव्य हो कि बिजनेस पत्रिका फोर्ब्स ने विश्व के अमीर देशों की सूची तैयार करने में प्रति व्यक्ति जीडीपी को आधार बनाया। इसके लिए अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष के डेटा का इस्तेमाल किया गया।

शक्तिशाली कारोबारी महिलाओं की फार्च्यून सूची

● अमेरिका की पत्रिका फार्च्यून ने भारत की कारोबारी महिलाओं की सूची 9 नवंबर 2011 को जारी की।

● इस सूची में आइसीआईसीआई बैंक की मुख्य कार्यकारी अधिकारी चंदा कोचर भारत में सबसे शक्तिशाली कारोबारी महिला हैं, जबकि सन टीवी नेटवर्क की संयुक्त प्रबंध निदेशक और कलानिधि मारन की पत्नी कावेरी कलानिधि सबसे ज्यादा वेतन पाने वाली भारतीय महिलाओं में शीर्ष स्थान पर हैं।

भारत की सबसे शक्तिशाली कारोबारी महिलाओं की सूची इस प्रकार है :

1) आइसीआईसीआई बैंक की मुख्य कार्यकारी अधिकारी चंदा कोचर,

2) एक्सिस बैंक की सीईओ शिखा शर्मा,

3) टीएएफई की अयख मल्लिका श्रीनिवासन,
4) केपजेमिनी इंडिया की मुख्य कार्यकारी अधिकारी अरूआन जयंती,
5) एजेडबी की संस्थापक भागीदार जिया मोदी,
6) ब्रिटानिया इंडस्ट्रीज की प्रबंध निदेशक विनीता बाली,
7) एचटी मीडिया की अध्यक्ष और संपादकीय निदेशक शोभना भरतीया,
8) नेशनल स्टॉक एक्सचेंज की संयुक्त प्रबंध निदेशक चित्रा रामकृष्णा,
9) बायोकॉन की अध्यक्ष और प्रबंध निदेशक किरण मजुमदार तथा
10) रिम इंडिया की पूर्व प्रबंध निदेशक फ्रेनी बावा

● शक्तिशाली महिलाओं में अन्य नाम एचएसबीसी इंडिया समूह की कंट्री प्रमुख नैना लाल किदवई (12वें), अपोलो हॉस्पिटल एंटरप्राइजेज की प्रबंध निदेशक प्रीता रेड्डी (13वें), फेसबुक इंडिया की प्रमुख कीर्तिगा रेड्डी (21वें) का है। जेपी मॉर्गन इंडिया की मुख्य कार्यकारी अधिकारी कल्पना मोरपारिया (16वें) और मल्टीपल्स ऑल्टरनेट ऐसेट मैनेजमेंट की संस्थापक और मुख्य कार्यकारी अधिकारी रेणुका रामनाथ (20वां) का नाम भी सूची में है।

● ***भारत में सबसे ज्यादा वार्षिक वेतन पाने वाली कारोबारी महिलाओं की सूची***

1) सन टीवी नेटवर्क की संयुक्त प्रबंध निदेशक कावेरी कलानिधि,
2) पेनिंजुला लैंड की अध्यक्ष उर्वि ए पीरामल,
3) प्रीता रेड्डी,
4) विनीता बाली

● ***भारत में सबसे ज्यादा वार्षिक वेतन पाने वाली कारोबारी पुरुषों की सूची***

1) जिंदल स्टील के अध्यक्ष नवीन जिंदल,
2) सन टीवी नेटवर्क के अध्यक्ष कलानिधि मारन,
3) हीरो मोटोकॉर्प के प्रबंध निदेशक और मुख्य कार्यकारी अधिकारी पवन मुंजाल,
4) हीरो मोटोकॉर्प के ही अध्यक्ष ब्रिजमोहन लाल मुंजाल

● ज्ञातव्य हो कि रिलायंस इंडस्ट्रीज के अध्यक्ष मुकेश अंबानी इस सूची में शामिल नहीं हैं क्योंकि वर्ष 2008–2009 से उन्होंने अपना वेतन 15 करोड़ रुपये तय कर रखा है।

● अमेरिका की पत्रिका फार्च्यून ने इस सूची के साथ अमेरिका में सबसे ज्यादा वेतन पाने वाली महिला व्यवसायी के साथ तुलना भी की है। ओरेकल की अध्यक्ष व मुख्य वित्त अधिकारी ए. काट्ज की तुलना में सन टीवी नेटवर्क की संयुक्त प्रबंध निदेशक कावेरी कलानिधि का वेतन मात्र एक–तिहाई है। पेप्सी की मुख्य कार्यकारी अधिकारी इंदिरा नूयी अमेरिका में सबसे ज्यादा वेतन पाने वाली महिला की सूची में नौवें स्थान पर हैं।

पदत्याग / पदमुक्त

एन्टोनियो बोर्गस

एन्टोनियो बोर्गस ने अंतरराष्ट्रीय मुद्राकोष (आईएमएफ) के यूरोप प्रमुख पद से नवंबर 2011 में इस्तीफा दे दिया। उन्होंने निजी कारणों से इस्तीफा दिया। एन्टोनियो बोर्गस ने नवम्बर 2010 में अंतरराष्ट्रीय मुद्राकोष के यूरोप प्रमुख के पद का कार्यभार ग्रहण किया था। आईएमएफ के नीति और समीक्षा विभाग के निदेशक रजा मोघादम को उनका उत्तराधिकारी बनाने का निर्णय लिया गया।

सिल्वियो बर्लुस्कोनी

सिल्वियो बर्लुस्कोनी ने संसद के निचले सदन द्वारा यूरोपीय मांगों के अनुसार आर्थिक सुधारों को पारित किए जाने के बाद इटली के प्रधानमंत्री पद से इस्तीफा दे दिया। उन्होंने इटली के राष्ट्रपति जियोर्जियो नेपोलितानो को अपना इस्तीफा 12 नवंबर 2011 को सौंपा। चौंबर ऑफ डेप्यूटीज (संसद का निम्न सदन) ने 26 के मुकाबले 280 मतों से आर्थिक सुधारों को पारित कर दिया जिसके बाद बलरुस्कोनी को इस्तीफा देना पड़ा। दो सदस्यों ने मतदान में हिस्सा नहीं लिया।

जेम्स मर्डोक

मीडिया शासक रूपर्ट मर्डोक के बेटे जेम्स मर्डोक ने ब्रिटेन के न्यूज ग्रुप न्यूजपेपर्स लिमिटेड के निदेशक मंडल, द सन के प्रकाशक और टाइम्स न्यूजपेपर्स लिमिटेड के निदेशक पद से 23 नवंबर 2011 को इस्तीफा दे दिया। इस्तीफे का कारण फोन हैकिंग मामला का होना है।

युद्धाभ्यास

सुदर्शन शक्ति सैन्यभ्यास

सुदर्शन शक्ति एक सैन्य युद्धाभ्यास का नाम है। जिसका राजस्थान के बाड़मेर के बागुंडी युद्ध क्षेत्र में 5 दिसंबर 2011 को संपन्न हो गया। यह युद्धाभ्यास भारतीय थल सेना द्वारा आयोजित किया गया। इसमें 50 हजार सैनिक 300 टैंक 250 तोपों ने भाग लिया। सुदर्शन शक्ति के समापन अवसर पर राष्ट्रपति प्रतिभा देवीसिंह पाटील ने टी 90 मुख्य युद्धक टैंक की सवारी की। इसी के साथ ही राष्ट्रपति प्रतिभा देवीसिंह पाटील टी 90 मुख्य युद्धक टैंक पर सवारी करने वाली पहली राष्ट्र प्रमुख बन गई।

यूई–4

यूई–4 (फ्रेंडशिप–4) पाकिस्तान और चीन के मध्य पंजाब प्रांत में झेलम नदी के पास संयुक्त युद्धाभ्यास का नाम है। दोनों देश गैर पारंपरिक सुरक्षा खतरों और आतंकवाद से निपटने के उद्देश्य से यह युद्धाभ्यास 14 नवंबर 2011 से कर रहे हैं। वर्ष 2004 के बाद से दोनों देशों के बीच यह चौथा युद्धाभ्यास है।

ऑपरेशन / अभियान

ऑपरेशन एनाकांडा

ऑपरेशन एनाकांडा अभियान के द्वारा ***सरांडा जंगल को नक्सलियों*** से अक्टूबर 2011 में मुक्त करा लिया गया। इस अभियान को केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल (सीआरपीएफ) और झारखंड की स्थानीय पुलिस ने संयुक्त रूप चलाया। सरांडा जंगल झारखंड के दक्षिण–पश्चिम में फैला है। यह बेहद घना जंगली इलाका है जो उड़ीसा की सीमा से सटा हुआ है। सरांडा जंगल पर वर्ष 2001 से नक्सलियों का कब्जा था।

समिति / आयोग

सैम पित्रोदा समिति

रेल मंत्रालय ने ***भारतीय रेलवे के आधुनिकीकरण*** के लिए सैम पित्रोदा की अध्यक्षता में सात सदस्यीय समिति का गठन 21 सितंबर 2011 को किया। सदस्यीय इस समिति में एचडीएफसी बैंक के अध्यक्ष दीपक पारेख, भारतीय स्टेट बैंक के पूर्व अध्यक्ष एमएस वर्मा, फीडबैक इंफ्रास्ट्रक्चर सर्विसेज के अध्यक्ष विनायक चटर्जी, आईआईएम अहमदाबाद के प्रोफेसर जी. रघुराम और रेलवे बोर्ड में सलाहकार (इंफ्रास्ट्रक्चर) रंजन जैन हैं। रंजन जैन को समिति का सचिव बनाया गया। सात सदस्यीय इस समिति का काम भारतीय रेलवे को विकसित करने के साथ–साथ उसे आकर्षक व तेज बनाना है।

एएस आनन्द समिति

सर्वोच्च न्यायालय ने पूर्व प्रधान न्यायाधीश न्यायमूर्ति एएस आनन्द की अध्यक्षयता में पांच सदस्यीय अधिकार प्राप्त समिति का गठन 4 दिसंबर 2011 को किया। इस समिति का कार्य ***मुल्लपेरियार बांध की सुरक्षा और उसके बहाव क्षेत्रों की जांच*** करना है। इस समिति के अन्य सदस्य न्यायाधीशके टी थामस, सर्वोच्च न्यायालय के सेवानिवृत न्यायाधीश आरके लक्ष्मण, सीडी थाटे, जल संसाधन मंत्रालय के पूर्व सचिव एवंसी डब्ल्यू सी के मुख्य अभियंता डी के मेहता हैं। मुल्लपेरियार बांध पर केरल और तमिलनाडु के मध्य विवाद है। यह केरल के इडुक्की (एकनाप) जिले में पेरियार नदी पर स्थित है।

सुनील मित्रा समिति

भारत में ***उद्योग हेतु पूंजी (वेंचर कैपिटल) को बढ़ावा देने हेतु*** योजना आयोग ने पूर्व राजस्व सचिव सुनील मित्रा की अध्यक्षता में 13 सदस्यीय विशेष कार्य बल (टास्क फोर्स) का गठन किया। विशेष कार्य बल को अपनी रिपोर्ट मार्च 2012 तक देने के लिए कहा गया। जिसमें वे मुख्य रूप से उन रणनीतियों का जिक्र करेंगे जिनके द्वारा भारत में उद्योगों हेतु पूंजी को बढ़ावा मिले।

चर्चित व्यक्ति

कीर्तन वल्लभनेनी

ब्रिटेन के मर्सीसाइड में रहने वाली भारतीय मूल की एक छात्रा कीर्तन वल्लभनेनी को ब्रिटेन के इस साल के सर्वोत्तम युवा वैज्ञानिक का अवार्ड दिया गया है.

वेस्ट किर्बी ग्रामर स्कूल में पढ़ने वाली कीर्तन वल्लभनेनी ने शुक्रवार को बिर्मिंगघम शहर में आयोजित किए गए 'द बिग बैंग फेयर' में 360 प्रतियोगियों को पछाड़कर ये अवार्ड जीता.

सत्रह साल की कीर्तन लिवरपूल यूनिवर्सिटी के एक शोध परियोजना में सहयोगी थी जिसका उद्देश्य अमाशय कैंसर के लिए जिम्मेदार खतरनाक कोशिकाओं की पहचान करना था.

कीर्तन ने कहा कि वो उम्मीद करती है कि उनके इस उपलब्धि से दूसरे युवा भी प्रेरणा लेंगे और विज्ञान में रूचि लेंगे.

ब्रिटेन के इस राष्ट्रीय पुरस्कार के निर्णायक पैनल में नामचीन अंतरिक्ष वैज्ञानिक डॉक्टर मैगी एड्रिन–पिकॉक और नोबेल पुरस्कार विजेता सर टिम हंट के अलावा साइंस म्यूजियम के निर्माता मार्क चौंपकिंस की शामिल थे.

किर्तन और दूसरे विजेताओं को देखकर लगता है कि देश का विज्ञान और इंजीनियरिंग क्षेत्र का भविष्य उज्जवल है.ष

डॉक्टर मैगी एड्रिन–पिकॉक ने कहा कि वो वल्लभनेनी के काम से बेहद खुश हुई है.

उन्होंने कहा, श्किर्तन और दूसरे विजेताओं को देखकर लगता है कि देश का विज्ञान और इंजीनियरिंग क्षेत्र का भविष्य उज्जवल है.श्

डॉक्टर मैगी ने आगे कहा, श्यही प्रतिभाशाली युवा लोगों को विज्ञानमें रुचि बनाए रखने के लिए प्रेरित करेंगे.श्

कीमोथेरेपी से अमाशय की कोशिकाओं को अलग करने के शोध में प्रतिभागी रही किर्तन वल्लभनेनी ने कहा कि वो इस जीत से बेहद खुश है.

यींगलक शिनावात्रा

थाईलैंड की प्रथम महिला प्रधानमंत्री यींगलक शिनावात्रा भारत के 63वें गणतंत्र दिवस 2012 के अवसर पर आयोजित समारोहों की ***मुख्य अतिथि*** रहीं। इस यात्रा के मध्य में दोनों देशों ने शिक्षा रक्षा और अन्य क्षेत्रों में सहयोग के 6 सामझौते पर हस्ताक्षर किए।

वेंकटरमन रामकृष्णन

वेंकटरमन रामकृष्णन को न्यू ईयर्स ऑनर्स लिस्ट 2012 में नाइटहुड उपाधि के लिए चुना गया है। बकिंघम पैलस में आयोजित समारोह में महारानी एलिजाबेथ उन्हें नाइटहुड की उपाधि प्रदान करेंगी। वेंकटरमन रामकृष्णन के अलावा दो अन्य विदेशी मूल के नोबेल पुरस्कार से सम्मानित प्रोफेसर आंद्रे जेइम और कांस्टैनटाइन नोवोसेलोव को भी इस सम्मान से सम्मानित किया गया है।

चंद्र बहादुर दांगी

नेपाल के चंद्र बहादुर दांगी विश्व के सबसे छोटे व्यक्ति हैं। चंद्र बहादुर दांगी की लंबाई सिर्फ 54.6 सेंटीमीटर है। गिनीज वर्ल्ड रिकार्ड की टीम ने इस रिकार्ड की पुष्टि 26 फरवरी 2012 को की। चंद्र बहादुर दांगी की उम्र 72 वर्ष है और उनका वजन मात्र 12 किलोग्राम है। ज्ञातव्य हो कि चंद्र बहादुर दांगी से पूर्व फिलीपीन के जुनरी बालाविंग (59.9 सेंटीमीटर) विश्व के सबसे छोटे व्यक्ति थे।

विजय कुमार सिंह

भारतीय थल सेना अध्यक्ष जनरल विजय कुमार सिंह की जन्मतिथि को सरकारी अभिलेख के अनुसार मानने का निर्णय सर्वोच्च न्यायालय ने दिया। सर्वोच्च न्यायालय के अनुसार संघ लोक सेवा आयोग में दर्ज जनरल विजय कुमार सिंह की जन्मतिथि दस मई, 1950 ही आधिकारिक मानी जाएगी। ज्ञातव्य हो कि भारतीय थल सेना अध्यक्ष जनरल विजय कुमार सिंह ने अपनी जन्म तिथि दस मई, 1951 का हवाला देते हुए सर्वोच्च न्यायालय में याचिका दायर की थी।

निर्वाचित / नियुक्त

व्लादीमिर पुतिन

व्लादीमिर पुतिन रूस के राष्ट्रपति पद के लिए निर्वाचित हुए। व्लादीमिर पुतिन का रूस के राष्ट्रपति के रूप में यह तीसरा कार्यकाल होने वाला है। 4 मार्च 2012 को हुए राष्ट्रपति पद के लिए चुनाव में व्लादीमिर पुतिन को 63.68 प्रतिशत मत मिले, जबकि उनके मुख्य प्रतिद्वंद्वी कम्युनिस्ट पार्टी के जेनेडी जुगानोव को करीब 17 प्रतिशत मत मिले। रूस के राष्ट्रपति पद के लिए हुए निर्वाचन में अरबपति उद्योगपति और निर्दलीय प्रत्याशी मिखाइल प्राखोरोव को करीब आठ प्रतिशत, अल्ट्रा नेशलिस्ट पार्टी के ब्लादिमीर झिरिनोवस्की को करीब छह प्रतिशत वोट मिले।

मारियो मोंटी

यूरोपीय आयोग के पूर्व आयुक्त मारियो मोंटी को इटली का प्रधानमंत्री बनाया गया। इन्होंने सिल्वियो बर्लुस्कोनी का स्थान लिया। सिल्वियो बर्लुस्कोनी ने इटली के प्रधानमंत्री पद से 11 नवंबर 2011 को इस्तीफा दे दिया था।

ओट्टो पेरेज मोलीना

पूर्व जनरल ओट्टो पेरेज मोलीना मध्य अमेरिकी देश ग्वाटेमाला के राष्ट्रपति और रोक्जना बाल्देट्टी उप राष्ट्रपति निर्वाचित हुए।

लुकास पापाडेमोस

यूरोपीय केंद्रीय बैंक के पूर्व उपाध्यक्ष लुकास पापाडेमोस को ग्रीस का प्रधानमंत्री नियुक्त किया गया। लुकास पापाडेमोस ने जॉर्ज पापेंद्रू का स्थान लिया। जॉर्ज पापेंद्रू ने ग्रीस के प्रधानमंत्री पद से 9 नवंबर 2011 को इस्तीफा दे दिया था।

भरत श्याम

भारतीय मूल के अमेरिकी नागरिक भरत श्याम को वाशिंगटन का मुख्य सूचना अधिकारी नियुक्त किया गया। उनके नियुक्ति की घोषणा राज्य के गर्वनर क्रिस गेरगोरी ने 14 नवंबर 2011 को की। भरत श्याम भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (आइआइटी) मुंबई के स्नातक हैं।

कमलेश शर्मा

भारतीय राजनयिक कमलेश शर्मा दूसरे कार्यकाल के लिए राष्ट्रमंडल समूह के महासचिव नियुक्त किए गए। इनके नियुक्ति की घोषणा ऑस्ट्रेलिया की प्रधानमंत्री और वर्ष 2011 के चोगम सम्मेलन की आयोजक जूलिया गिलार्ड ने 30 अक्टूबर 2011 को पर्थ में की। कमलेश शर्मा का दूसरा कार्यकाल अप्रैल 2012 से आरंभ होगा।

साइरस पैलोनजी मिस्त्री

शपूरजी पैलोनजी ग्रुप के प्रबंध निदेशक साइरस पैलोनजी मिस्त्री को टाटा समूह की होल्डिंग कंपनी टाटा संस का अध्यक्ष नियुक्त करने का निर्णय लिया गया। उन्हें दिसंबर 2012 में सेवानिवृत हो रहे रतन टाटा का स्थान लेना है।

मुंसिफ मारजुकी

सोशल डेमोक्रेटिक नेता और मानवाधिकार कार्यकर्ता मुंसिफ मारजुकी को ट्यूनीशिया का अंतरिम राष्ट्रपति नियुक्त किया गया। मुंसिफ मारजुकी को नये संविधान की तैयारी और नये चुनाव तक इस पद पर रहना है।

रवि बत्रा

अमेरिका में निजी वकील के तौर पर काम करने वाले भारतीय मूल के अटार्नी रवि बत्रा को अमेरिका के आचार संहिता आयोग के सदस्य नियुक्त किया गया। अमेरिका के आचार संहिता आयोग का आधिकारिक नाम है –

ज्वांइट कमिशन ऑन पब्लिक एथिक्स।

असलम शेर खान

विश्वकप विजेता भारतीय हॉकी टीम के सदस्य असलम शेर खान ओलिम्पियन एसोसिएशन ऑफ इंडिया के सर्वसम्मति से अध्यक्ष चुने गए, जबकि अन्तरराष्ट्रीय ओलिम्पिक समिति (आईओसी) के सदस्य और भारतीय ओलिम्पिक संघ (आईओए) के महासचिव रणधीर सिंह मुख्य सरंक्षक बनाए गए।

डॉ. बी.सी. गुप्ता

भारत के केंद्रीय खाद्य सचिव डॉ बीसी गुप्ता को 88 देशों की संस्था अंतरराष्ट्रीय चीनी परिषद का आम राय से अध्यक्ष चुन गया। इनका चुनाव लंदन में आयोजित अंतरराष्ट्रीय चीनी परिषद की 40वीं बैठक में 2 दिसंबर 2011 को किया गया। परिषद का उपाध्यक्ष फिजी के प्रधानमंत्री को चुना गया।

मार्कन्डेय काटजू

सर्वोच्च न्यायालय के पूर्व न्यायाधीश न्यायामूर्ति मार्कन्डेय काटजू को भारतीय प्रेस परिषद का अध्यक्ष नियुक्त किया गया। इनकी नियुक्ति सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय ने 5 अक्टूबर 2011 को की। इन्होंने पूर्व न्यायाधीश न्यायमूर्ति जीएन राय का स्थान लिया।

राजू रामचंद्रम

सर्वोच्च न्यायालय ने पाकिस्तानी आतंकी अजमल आमिर कसाब के बचाव के लिए वरिष्ठ अधिवक्ता राजू रामचंद्रम को 21 सितंबर 2011 को अदालत मित्र (एमिकस क्यूरे) नियुक्त किया।

नारायणस्वामी श्रीनिवासन

नारायणस्वामी श्रीनिवासन भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड के वर्ष 2011–12 के लिए अध्यक्ष नियुक्त किए गए हैं। संजय जगदाले को सचिव, अनुराग ठाकुर को संयुक्त सचिव और अजय शिर्के को कोषाध्यक्ष नियुक्त किया गया है। एन श्रीनिवासन ने शशांक मनोहर का स्थान ग्रहण किया।

निधन / मृत्यु

उस्ताद सुल्तान खान

सारंगी वादक उस्ताद सुल्तान खान का मुंबई में 27 नवंबर 2011 को निधन हो गया। उस्ताद सुल्तान खान का जन्म वर्ष 1940 में राजस्थान के सीकर में हुआ था और उन्हें वर्ष 2010 में पद्मभूषण (भारत का तीसरा सबसे बड़ा नागरिक सम्मान) से सम्मानित किया गया था।

कर्नल मुअम्मर गद्दाफी

लीबिया के पूर्व तानाशाह कर्नल मुअम्मर गद्दाफी का निधन लीबिया स्थित उनके गृह नगर सिर्ते में 20 अक्टूबर 2011 को गोली लगने से हो गया। कर्नल मुअम्मर गद्दाफी के मौत की आधिकारिक घोषणा लीबिया के नेशनल ट्रांजिशनल कांउसिल ने की। कर्नल मुअम्मर गद्दाफी को लीबिया की सत्ता से हटाने वाला विद्रोह 15 फरवरी 2011 में लीबिया के एक बड़े शहर बेनगाजी से शुरू हुआ था।

जगजीत सिंह

गजल गायक जगजीत सिंह का 10 अक्टूबर 2011 को मुंबई में ब्रेन हेमरेज के कारण निधन हो गया। जगजीत सिंह का जन्म 8 फरवरी 1941 को राजस्थान के श्रीगंगानगर में हुआ था।

वंगारी मथाई

नोबेल शांति पुरस्कार से सम्मानित होने वाली पहली अफ्रीकी महिला और केन्या की पर्यावरण कार्यकर्ता वंगारी मथाई का 25 सितंबर 2011 को निधन हो गया। 71 वर्ष की वंगारी मथाई कैंसर से पीडित थीं। वंगारी मथाई को केन्या में पर्यावरण संरक्षण में उल्लेखनीय योगदान के लिए वर्ष 2004 में नोबेल शांति पुरस्कार से सम्मानित किया गया था। वर्ष 2006 में उन्हें इंदिरा गांधी शांति पुरस्कार भी मिला था।

जॉय मुखर्जी

बॉलीवुड के अभिनेता जॉय मुखर्जी का मुंबई में 9 मार्च 2012 को निधन हो गया। जॉय मुखर्जी ने सातवें दशक में बॉलीवुड की कई हिट फिल्मों में काम किया था। अभिनेता जॉय मुखर्जी अभिनीत हिट फिल्मों में फिर वही दिल लाया हूं, लव इन टोक्यो, जिद्दी, और एक मुसाफिर एक हसीना शामिल है।

अखलाक मोहम्मद खान 'शहरयार'

उर्दू के मशहूर शायर एवं गीतकार अखलाक मोहम्मद खान 'शहरयार' का अलीगढ़ में 13 फरवरी 2012 को कैंसर के कारण निधन हो गया। अखलाक मोहम्मद खान शहरयार को वर्ष 2008 के साहित्य के ज्ञानपीठ पुरस्कार (44वें ज्ञानपीठ) से सम्मानित किया गया था। शहरयार 76 वर्ष के थे।

शायर एवं गीतकार अखलाक मोहम्मद खान 'शहरयार' ने उमराव जान, गमन, अंजुमन, आहिस्ता–आहिस्ता आदि फिल्म के लिए गीत लिखे थे जिसमें उन्हें काफी शोहरत मिली थी।

भूपेन हजारिका

गायक, संगीतकार, फिल्मकार और पद्मभूषण भूपेन हजारिका का मुम्बई के कोकिलाबेन अस्पताल में 5 नवंबर 2011 को निधन हो गया। वह 86 वर्ष के थे। असमिया फिल्मों में अभूतपूर्व योगदान के लिए असम के भूपेन हजारिका को वर्ष 1992 में दादा साहब फाल्के पुरस्कार से सम्मानित किया गया था। वह वर्ष 1999–2004 तक संगीत नाटक अकादमी के अध्यक्ष थे।

डॉ. हरगोबिंद खुराना

भारतीय मूल के अमेरिकी वैज्ञानिक और नोबेल पुरस्कार विजेता डॉ हरगोबिंद खुराना का मेसाचुसेट्स के कोनकोर्ड में 9 नवंबर 2011 को निधन हो गया। वह 89 वर्ष के थे। डॉ हरगोबिंद खुराना को चिकित्सा (शरीर क्रिया विज्ञान) क्षेत्र में वर्ष 1968 का कोरनेल यूनिवर्सिटी के रॉबर्ट होले और नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ हैल्थ के वैज्ञानिक मार्शल नीरेनबर्ग के साथ नोबेल पुरस्कार प्रदान किया गया था।

मैरॉन फिल्हो

ब्राजील के फिल्म निर्देशक ऑस्कर मैरॉन फिल्हो का दिल का दौरा पड़ने से गोवा में 27 नवंबर 2011 को निधन हो गया। मैरॉन फिल्हो 42वें भारतीय अंतरराष्ट्रीय फिल्म महोत्सव (आईएफएफआई) में हिस्सा लेने भारत आए थे। फिल्हो ब्राजील के सबसे बड़े प्रोडक्शन हाउस अटलांटिका सिनेमैटोग्रोफिका के निर्देशक थे।

इंदिरा गोस्वामी

वर्ष 2000 के लिए ज्ञानपीठ पुरस्कार से सम्मानित असमिया लेखिका इंदिरा गोस्वामी का दिल का दौरा पड़ने से गुवाहाटी में 29 नवंबर 2011 को निधन हो गया। उन्होंने प्रतिबंधित अलगाववादी संगठन युनाइटेड लिबरेशन फ्रंट ऑफ असम (उल्फा) और केंद्र सरकार के बीच शांति वार्ता शुरू कराने में अहम भूमिका निभाई थीं, परन्तु वर्ष 2005 में स्वयं को इससे अलग कर लिया।

देव आनंद

बालीवुड के सदाबहार फिल्म अभिनेता देव आनंद का दिल का दौरा पड़ने से लंदन में 4 दिसंबर 2011 को निधन हो गया। देव आनंद की पहली फिल्म हम एक हैं वर्ष 1946 में प्रदर्शित हुई थी।

स्टीव जॉब्स

एप्पल के सह संस्थापक और पूर्व मुख्य कार्यकारी अधिकारी (सीईओ) स्टीव जॉब्स का 5 अक्टूबर, 2011को निधन हो गया। अमेरिका के स्टीव जॉब्स कैंसर से पीड़ित थे। उन्होंने अगस्त 2010 में स्वास्थ्य कारणों से एप्पल के सीईओ पद से इस्तीफा दिया था। स्टीव जॉब्स के स्थान पर टिम कुक को एप्पल का सीईओ नियुक्त किया गया।

अलख नंदन

प्रसिद्ध रंगकर्मी और नटबुंदेले संस्था के निदेशक अलख नंदन का भोपाल में 12 फरवरी 2012 को दिल का दौरा पडने से निधन हो गया। अलख नंदन को वर्ष 2012 के संगीत नाटक अकादमी पुरस्कार से सम्मानित किया गया था। वह 67 वर्ष के थे।

ओ.पी. दत्ता

लेखक और निर्देशक ओ.पी. दत्ता का मुंबई में

9 फरवरी 2012 को निधन हो गया। पी दत्ता ने 1948 में प्यार की जीत के साथ फिल्म निर्देशन का करियर शुरू किया था।

भारत भूषण

हिंदी के कवि और गीतकार भारत भूषण का उत्तर प्रदेश के मेरठ में 17 दिसंबर 2011 को निधन हो गया। भारत भूषण ने तीन काव्य संग्रह लिखे। पहला सागर के सीप 1958 में, दूसरा ये असंगति 1993 में और तीसरा मेरे चुनिंदा गीत 2008 में प्रकाशित हुई थी। भारत भूषण की सबसे चर्चित रचना थी – राम की जलसमाधि।

डॉ. पीके आयंगर

परमाणु विज्ञानी एवं परमाणु ऊर्जा आयोग के पूर्व अध्यक्ष डॉ पीके आयंगर का मुंबई में अणुशक्तिनगर के वार्क अस्पताल में 21 दिसंबर 2011 को निधन हो गया।

मारियो मिरांडा

प्रख्यात कार्टूनिस्ट मारियो मिरांडा का गोवा स्थित पणजी में 11 दिसंबर 2011 को निधन हो गया। मारियो मिरांडा को 2002 में पद्म भूषण और 1988 में पद्म श्री से सम्मानित किया गया था। द इलस्ट्रेटेड वीकली ऑफ इंडिया नामक पत्रिका से उन्होंने अपने कार्टून करियर की शुरुआत की थी।

घटना/दुर्घटना

क्रूज शिप कोस्टा कॉनकोर्डिया दुर्घटनाग्रस्त

इटली के तट पर क्रूज शिप कोस्टा कॉनकोर्डिया 13 जनवरी 2011 को दुर्घटनाग्रस्त हो गया। दुर्घटना में 11 लोगों की मौत हो गई जबकि 70 से अधिक लोग लापता थें। क्रूज शिप कोस्टा कॉनकोर्डिया के कप्तान फ्रांसेस्को शेटिनो को अपनी जिम्मेदारियों से मुंह मोड़ने और जहाज से कूद कर भागने के जुर्म में गिरफ्तार किया गया। इटली की जहाज कोस्टा कॉनकोर्डिया पर दुर्घटना के समय 4234 लोग सवार थे। कोस्टा कॉनकोर्डिया अपनी यात्रा के कुछ समय के बाद ही भूमध्यसागर में गिग्लियो द्वीप के पास एक प्रवाल भित्ति से टकरा गया।

एमवी नोर्डलेक और आईएनएस विंध्यगिरि में टक्कर

साइप्रस के व्यापारिक मालवाहक जहाज एमवी नोर्डलेक भारतीय नोसैना के युद्धपोत आईएनएस विंध्यगिरि से 30 जनवरी 2011 को मुम्बई हार्बर पर टकरा गई। वर्ष 1981 में तैनात आईएनएस विंध्यगिरि लिएंडर श्रेणी का पोत है।

खेल/खिलाड़ी

हॉकी

भारतीय पुरुष हॉकी टीम लंदन ओलंपिक 2012 के क्वालीफाईंग

भारतीय पुरुष हॉकी टीम ने लंदन ओलंपिक 2012 के क्वालीफाईंग श्रृंखला के फाइनल में फ्रांस को 8–1 से हराया। 27 फरवरी 2012 को दिल्ली के मेजर ध्यानचंद स्टेडियम में खेले गए मैच में भारतीय पुरुष हॉकी टीम ने फ्रांस पर जीत दर्ज करके लंदन ओलंपिक 2012 के लिए क्वालीफाई कर लिया। भारतीय पुरुष हॉकी टीम की ओर से ड्रैग फ्लिकर संदीप सिंह ने पांच गोल किए। संदीप सिंह को मैन ऑफ द मैच दिया गया, जबकि सरदारा सिंह को पूरी प्रतियोगिता में बेहतरीन प्रदर्शन की वजह से मैन ऑफ द सीरीज घोषित किया गया। ज्ञातव्य हो कि भारतीय पुरुष हॉकी टीम कुल आठ वर्षों बाद ओलंपिक में खेलेगी। बीजिंग ओलंपिक 2008 में भारतीय पुरुष हॉकी टीम क्वालीफाई नहीं कर पाई थी।

हॉकी चैंपियंस ट्रॉफी 2011

ऑस्ट्रेलिया ने स्पेन को 1–0 से हराकर लगातार चौथी बार हॉकी चैंपियंस ट्रॉफी का खिताब जीत लिया। इसी जीत के साथ ऑस्ट्रेलिया लगातार चौथी बार खिताब जीतने वाली पहली टीम बन गई। नीदरलैंड्स ने मेजबान न्यूजीलैंड को 5–3 से पराजित कर कांस्य पदक हासिल किया। इस प्रतियोगिता में कुल आठ देशों– ऑस्ट्रेलिया, स्पेन, नीदरलैंड्स, न्यूजीलैंड, जर्मनी, ब्रिटेन, पाकिस्तान, दक्षिण कोरिया ने भाग लिया था।

चैंपियंस चौलेंज हॉकी टूर्नामेंट 2011

बेल्जियम ने भारत को 4–3 से पराजित कर चैंपियंस चौलेंज हॉकी टूर्नामेंट 2011 का खिताब जीत लिया। इसी जीत के साथ ही बेल्जियम को वर्ष 2012 में आस्ट्रेलिया में होने वाली चौम्पियंस ट्राफी में प्रवेश मिल गया। चैंपियंस चौलेंज का फाइनल मैच दक्षिण अफ्रीका के जोहान्सवर्ग में 4 दिसंबर 2011 को खेला गया।

राष्ट्रमंडल खेल में पहली बार महिला मुक्केबाजी को शामिल करने का निर्णय

राष्ट्रमंडल खेल महासंघ ने महिला मुक्केबाजी को आगामी राष्ट्रमंडल खेलों में शामिल करने का निर्णय लिया। इस निर्णय के साथ ही महिला मुक्केबाजी पहली बार राष्ट्रमंडल खेलों में शामिल हो गया। महिला मुक्केबाजी को तीन वजन वर्गों में शामिल करने का यह निर्णय सेंट किट्स में आयोजित राष्ट्रमंडल खेल महासंघ के आम सभा की बैठक में 15 दिसंबर 2011 को लिया गया। विदित हो कि 20वां राष्ट्रमंडल खेल वर्ष 2014 ग्लासगो (स्कॉटलैड) में आयोजित किया जाना है जबकि 19वां राष्ट्रमंडल खेल वर्ष 2010 में नई दिल्ली (भारत) में आयोजित किया गया था।

शतरंज

शतरंज विश्व कप 2011

रूस के ग्रैंड मास्टर पीटर स्विडलर ने वर्ष 2011 का शतरंज विश्व कप 19 सितंबर 2011 को जीता। शतरंज विश्व कप 2011 का आयोजन रूस के खांटी–मान्सिस्क में किया गया। ग्रैंड मास्टर पीटर स्विडलर ने प्रतियोगिता की चार में से एक बाजी जीती, जबकि तीन अन्य बाजियां ड्रॉ खेलीं। इस तरह उन्होंने 2.5 अंकों के साथ रूस के ही ग्रैंड मास्टर एलेक्जेंडर ग्रिस्चुक (1.5 अंक) से शतरंज विश्व कप 2011 जीता। ग्रैंड मास्टर पीटर स्विडलर के करियर का यह पहला शतरंज विश्व कप खिताब है। ज्ञातव्य हो कि शतरंज विश्व कप का आयोजन द्विवार्षिक होता है।

विश्व महिला टीम शतरंज चौंपियनशिप 2011

चीन की महिला शतरंज टीम ने विश्व महिला टीम शतरंज चौंपियनशिप 2011 का स्वर्ण पदक जीता। तुर्की के मर्दिन शहर में आयोजित विश्व महिला टीम शतरंज चौंपियनशिप में चीन की महिला शतरंज टीम ने 16 अंक के साथ 27 दिसंबर 2011 को स्वर्ण पदक जीता। रूस की महिला शतरंज टीम 13 अंक लेकर रजत पदक जबकि जार्जिया को 12 अंकों के साथ कांस्य पदक मिला। भारत और यूक्रेन की महिला शतरंज टीम 11–11 अंकों के साथ ड्रा खेलीं, लेकिन भारतीय महिला शतरंज टीम का टाईब्रेक स्कोर अच्छा होने के कारण भारत चौथे स्थान पर रहा।

शतरंज क्लासिक फीडे ओपन 2011

रूस के व्लादिमीर क्रैमनिक ने आर्मेनिया के लेवोन अरोनियन के साथ ड्रा खेलकर लंदन शतरंज क्लासिक फीडे ओपन 2011 का खिताब जीत लिया।

एथलेटिक्स

विश्व एथलेटिक्स चौंपियनशिप

जमैका के धावक उसैन बोल्ट ने जागरेब विश्व चौलेंज 2011 में 9.85 सेकेंड के प्रदर्शन के साथ 100 मीटर फर्राटा दौड़ का खिताब 14 सितंबर 2011 को जीता। सेंट किट्स और नेविस के किम कोलिंस 10.01 सेकेंड के समय के साथ दूसरे जबकि त्रिनिदाद के रिचर्ड थॉम्पसन 10.03 सेकेंड के समय के साथ तीसरे स्थान पर रहे।

मैराथन का नया विश्व रिकार्ड

केन्या के धावक पैट्रिक मकाऊ ने बर्लिन पुरुष मैराथन दौड़ दो घंटे, तीन मिनट और 38 सेकंड में पूरी कर विश्व रिकार्ड बनाया। 25 सितंबर 2011 को पैट्रिक मकाऊ ने बर्लिन पुरुष मैराथन दौड़ में 21 सेकेंड के अंतर से पुराना मैराथन विश्व रिकार्ड तोड़ा।

वर्ष 2011 के बर्लिन पुरुष मैराथन दौड़ में दो घंटे, तीन मिनट और 38 सेकंड के साथ केन्या के धावक पैट्रिक मकाऊ प्रथम स्थान पर, केन्या के स्टीफन केवेलियो चेमलानी दो घंटे, सात मिनट, 55 सेकेंड के साथ दूसरे और केन्या के ही एडविन किमाइयो दो घंटे, नौ मिनट, 50 सेकंड का समय लेकर तीसरे स्थान पर रहे। वर्ष 2011 के बर्लिन महिला मैराथन दौड़ में केन्या की फ्लोरेंस किपलगाट ने दो घंटे, 19 मिनट, 43 सेकेंड के समय के साथ प्रथम स्थान हासिल किया। जर्मनी की इरीना मिकितेंको दूसरे और इंग्लैंड की पाउला रेडक्लिफ तीसरे स्थान पर रहीं।

इथोपिया के धावक हैली गैब्रेसेलासी ने वर्ष 2008 के बर्लिन पुरुष मैराथन दौड़ में दो घंटे, तीन मिनट, 59 सेकेंड के साथ विश्व रिकॉर्ड बनाया था। केन्या के धावक पैट्रिक मकाऊ वर्ष 2010 के बर्लिन पुरुष मैराथन दौड़ में भी विजेता रहे थे।

बास्केटबाल

62वीं राष्टीय बास्केटबाल प्रतियोगिता 2011

पंजाब ने तमिलनाडु को 70–62 से हराकर 62वीं राष्टीय बास्केटबाल प्रतियोगिता 2011 का पुरूष वर्ग का स्वर्ण पदक जीत लिया। वर्ष 1998 के बाद पहली बार पंजाब ने यह खिताब जीता। तमिलनाडु ने यह खिताब पांच बार जीता था। महिला वर्ग का खिताब रेलवे ने छत्तीसगढ़ को 94–70 से पराजित कर स्वर्ण पदक जीता। इसके पहले रेलवे ने 24 बार यह खिताब जीत चुकी है।

फॉर्मूला–1

सेबेस्टियन वीटल लगातार दूसरी बार बने फॉर्मूला–1 विश्व चैंपियन

24 वर्षीय सेबेस्टियन वीटल लगातार दूसरी बार विश्व चौंपियन बनने वाले फॉर्मूला–1 इतिहास के सबसे युवा ड्राइवर बन गए। ज्ञातव्य हो कि सेबेस्टियन वीटल सबसे कम उम्र में फॉर्मूला वन रेसिंग का विश्व चौंपियन वर्ष 2010 में ही बने थे। फॉर्मूला वन रेसिंग का लगातार दूसरी बार विश्व चौंपियन बनने वालों की सूची में कुल नौ ड्राइवर हैं। नौ ड्राइवरों में जुआन मैनुअल फांजिओ, आयर्टन सेना, माइकल शूमाकर आदि के साथ अब सेबेस्टियन वीटल भी शामिल हैं।

भारत में प्रथम फॉर्मूला–1 रेस

भारत का प्रथम फॉर्मूला–1 रेस ट्रैक बुद्ध इंटरनेशनल सर्किट 18 अक्टूबर 2011 को लांच किया गया। फार्मूला–1 रेस टीम रेड बुल की कार को ट्रैक पर टेस्ट रेस करवा कर इस सर्किट को लांच किया गया। साथ ही भारत की पहली फार्मूला–1 रेस इंडियन ग्रांड प्रिक्स का थीम सांग हाथों में हाथ दे दो भी लांच किया गया। इसे दलेर मेंहदी, केके और लकी अली ने तैयार किया है। फॉर्मूला–1 रेस ट्रैक बुद्ध इंटरनेशनल सर्किट 875 एकड़ क्षेत्र में फैला हुआ है, जिसके ट्रैक की लंबाई 5.14 किमी है। पूरे ट्रैक में 16 मोड़ है।

मुक्केबाजी

58वीं सीनियर पुरुष राष्ट्रीय मुक्केबाजी चौंपियनशिप 2011

हरियाणा के परमजीत समोटा ने सहारा 58वीं सीनियर पुरुष राष्ट्रीय मुक्केबाजी चौंपियनशिप 2011 के पुरुष हेवीवेट वर्ग का स्वर्ण पदक जीता। इन्होंने फाइनल में सेना के सतीश कुमार को 19–9 से पराजित किया। परमजीत समोटा इससे पहले लगातार चार बार सीनियर पुरुष राष्ट्रीय मुक्केबाजी चौंपियनशिप के पुरुष हेवीवेट वर्ग का स्वर्ण पदक जीता था।

58वीं सीनियर पुरुष राष्ट्रीय मुक्केबाजी चौंपियनशिप 2011 के पुरुष लाइट फ्लाईवेट वर्ग में राष्ट्रीय खिताब ननाओ सिंह ने जीता जबकि बैंटमवेट वर्ग का खिताब शिव थापा ने जीता।

छठी एशियाई महिला मुक्केबाजी प्रतियोगिता

मंगोलिया की राजधानी उलानबतार में सम्पन्न छठी एशियाई महिला मुक्केबाजी प्रतियोगिता में एमसी मेरीकॉम और सरिता देवी के 2 स्वर्ण सहित कुल आठ पदक जीतकर चीन के बाद भारतीय दल दूसरे स्थान पर रहा।

गोल्फ

चेवरान वर्ल्ड चैलेंज गोल्फ टूर्नामेंट 2011

अमेरिका के गोल्फ खिलाड़ी टाइगर वुड्स ने चेवरान वर्ल्ड चौलेंज गोल्फ टूर्नामेंट 2011 जीता। टाइगर वुड्स ने पूर्व मास्टर्स चैंपियन जाक जानसन को 17वें और 18वें होल पर बर्डी लगाकर पराजित किया।

क्रिकेट

चैंपियन्स ट्राफी नहीं होगी 2013 के बाद

इंग्लैंड में 2013 में होने वाली आईसीसी चौंपियन्स ट्राफी के बाद यह टूर्नामेंट आगे आयोजित नहीं किया जाएगा। आईसीसी ने 2015 से खेल के प्रत्येक प्रारूप के लिए अलग चौंपियनशिप आयोजित करने का फैसला किया है। विश्व टेस्ट चौंपियनशिप के प्लेआफ जून 2017 में होंगे और इसलिए 1998 से शुरू हुए 50 ओवर के टूर्नामेंट को 2013 के बाद अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद के भविष्य के दौरा कार्यक्रम में शामिल नहीं किया गया है।

आईसीसी कार्यकारी हारून लोर्गट ने कल कार्यकारी बोर्ड की बैठक के बाद संवाददाताओं से कहा कि यदि आप इसे कार्यक्रम में नहीं देख रहे हो तो इसका मतलब है कि भविष्य में इसके लिये योजना नहीं बनाई गई है। हम प्रत्येक प्रारूप की एक चौंपियनशिप चाहते हैं। हम इसमें टेस्ट चौंपियनशिप भी शामिल कर रहे हैं। पचास ओवर के क्रिकेट में हमारे पास विश्व कप है इसलिए हमारी भविष्य में चौंपियन्स ट्राफी के आयोजन की योजना नहीं है।

चौंपियन्स ट्राफी का पहला टूर्नामेंट 1998 में आईसीसी नाकआउट टूर्नामेंट के तौर पर आयोजित किया गया था। यह टूर्नामेंट 2009 तक प्रत्येक दो वर्ष में आयोजित किया जाता रहा। पहले आईसीसी के दस पूर्णकालिक सदस्य और दो एसोसिएट देश इसमें भाग लेते थे। 2013 की प्रतियोगिता में चोटी की आठ टीमें शिरकत करेंगी।

विश्व टेस्ट चौंपियनशिप पहले 2013 में आयोजित की जानी थी लेकिन आईसीसी की अपने प्रसारकों और प्रायोजकों के साथ प्रतिबद्धता के कारण इसे 2017 तक स्थगित कर दिया गया।

सचिन तेंदुलकर का शतकों का शतक

सचिन तेंदुलकर ने बांग्लादेश के खिलाफ शतक बना कर अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट मे 100 शतकों का कीर्तिमान बनाया।

दलीप ट्रॉफी

पूर्व क्षेत्र ने मध्य क्षेत्र को एक पारी और 20 रन से हराकर प्रथम बार दलीप ट्रॉफी जीता। पूर्व क्षेत्र ने पहली पारी में 237 रन की बढ़त हासिल की थी।

कॉमनवेल्थ बैंक त्रिकोणीय श्रृंखला 2012

ऑस्ट्रेलिया की क्रिकेट टीम श्रीलंका को तीसरे और निर्णायक फाइनल में 16 रन से हराकर कॉमनवेल्थ बैंक त्रिकोणीय श्रृंखला 2012 का विजेता बना। कॉमनवेल्थ बैंक त्रिकोणीय श्रृंखला 2012 का पहला फाइनल ऑस्ट्रेलिया ने जीता था, जबकि दूसरा फाइनल श्रीलंका ने जीता था। श्रृंखला की तीसरी टीम भारत थी, जो लीग चरण में ही हारकर श्रृंखला से बाहर हो गई थी। क्लिंट मैकाय को ***मैन ऑफ द मैच*** जबकि तिलकरत्ने दिलशान को ***मैन आफ द सीरीज*** चुना गया।

एकदिवसीय अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में सर्वाधिक रन

भारतीय क्रिकेट टीम के दाएं हाथ के सलामी बल्लेबाज वीरेंद्र सहवाग ने 8 दिसंबर 2011 को वेस्टइंडीज के विरुद्ध एकदिवसीय अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में 219 रन बनाकर एक मैच में सर्वाधिक रन बनाने वाले पुरुष बल्लेबाज होने का रिकार्ड बनाया। वीरेंद्र सहवाग ने मध्य प्रदेश के होलकर क्रिकेट स्टेडियम, इंदौर में 149 गेंदों का सामना कर 25 चौके व सात छक्के की मदद से कुल 219 रन बनाए। एकदिवसीय अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में अब तक केवल दो पुरुष बल्लेबाज ही ऐसे हैं जो दोहरा शतक बना पाए हैं। भारत के ही सचिन तेंदुलकर ने मध्य प्रदेश के ग्वालियर में 24 फरवरी 2010 को दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ नाबाद 200 रन बनाए थे।

ज्ञातव्य हो कि ऑस्ट्रेलिया की बेलिंडा कलार्क ने महिला क्रिकेट विश्व कप 1997 में डेनमार्क के विरुद्ध मुंबई में 229 रन बनाए थे। बेलिंडा कलार्क द्वारा बनाए गए 229 रन एकदिवसीय अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट के किसी एक मैच में किसी भी बल्लेबाज द्वारा बनाया गया सर्वाधिक रन है।

इंग्लैण्ड–भारत एकदिवसीय क्रिकेट श्रृंखला

इंग्लैण्ड में खेली गई पांच एकदिवसीय अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट मैचों की श्रृंखला में इंग्लैण्ड की क्रिकेट टीम ने भारत को 3–0 से हराया। पहला मैच अनिर्णीत रहा था, जबकि चौथा मैच ड्रा रहा। दूसरे, तीसरे और पांचवें मैच में इंग्लैण्ड ने भारत को हराया।

राहुल द्रविड़ का एकदिवसीय क्रिकेट से सन्यास

इंग्लैण्ड में खेली गई पांच एकदिवसीय अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट मैचों की श्रृंखला का पांचवां एकदिवसीय अंतरराष्ट्रीय मैच भारतीय क्रिकेट टीम के बल्लेबाज और पूर्व कप्तान राहुल द्रविड़ का अंतिम एकदिवसीय अंतरराष्ट्रीय मैच था। 16 सितंबर 2011 को हुए इस मैच में उन्होंने 69 रन बनाए।

राहुल द्रविड़ का अंतरराष्ट्रीय एकदिवसीय करियर

- वनडे पदार्पण 03 अप्रैल 1996, श्रीलंका के विरुद्ध सिंगापुर में
- अंतिम मैच 16 सितंबर 2011, इंग्लैंड के विरुद्ध कार्डिफ में
- कुल मैच : 344
- कुल रन : 10889
- उच्चतम स्कोर : 153
- औसत : 39.16
- शतक : 12
- अर्धशतक : 83
- कैच : 196
- स्टंप : 14
- राहुल द्रविड़ के करियर के अंतिम एकदिवसीय अंतरराष्ट्रीय मैच में उनका विकेट इंग्लैण्ड के ऑफ स्पिनर ग्रीम स्वान ने लिया।

भारत–वेस्टइंडीज एकदिवसीय क्रिकेट श्रृंखला

भारत ने वेस्टइंडीज को पांच एकदिवसीय क्रिकेट मैच की श्रृंखला में 4–1 से हरा कर जीत हासिल की। 29 नवंबर से 11 दिसंबर 2011 के बीच खेली गई पांच एकदिवसीय क्रिकेट मैच की श्रृंखला में वेस्टइंडीज क्रिकेट टीम मात्र एक मैच अहमदाबाद में जीत पाई, जबकि भारत ने अन्य चार मैच जीते।

टेनिस

ऑस्ट्रेलियाई ओपन 2012

यह वर्ष की प्रथम ग्रैंड स्लैम टेनिस प्रतियोगिता है जो ऑस्ट्रेलिया में आयोजित की जाती है। ऑस्ट्रेलिया मे होने के कारण इसका नाम ऑस्ट्रेलियाई ओपन पडा है। इसकी शुरूआत प्रत्येक वर्ष जनवरी माह होती है। सर्बिया के ***नोवाक जोकोविच*** ने स्पेन के रफेल नडाल को हरा कर पुरूष एकल का खिताब जीता। घंटे मिनट तक चलने वाला यह मैच अब तक का सबसे लंबा चलने वाला ग्रैंड स्लैम फाइनल था।

कुश्ती

विश्व कुश्ती चैंपियनशिप 2011

विश्व कुश्ती चैंपियनशिप 2011 तुर्की के इस्ताम्बुल में 19 सितंबर 2011 को संपन्न हो गई। पुरुष ग्रीको रोमन वर्ग में 41प्वाइंट के साथ रूस की टीम प्रथम स्थान पर, 35 प्वाइंट के साथ तुर्की की टीम दूसरे स्थान पर तथा 30 प्वाइंट के साथ ईरान की टीम तीसरे स्थान पर रही।

महिला वर्ग में 52 प्वाइंट के साथ जापान की टीम प्रथम स्थान पर, 33 प्वाइंट के साथ कनाडा की टीम दूसरे स्थान पर तथा 32 प्वाइंट के साथ मंगोलिया की टीम तीसरे स्थान पर रही। भारत का ग्रीको रोमन और महिला वर्ग की टीमें प्रथम छह में स्थान नहीं बना सकी। भारतीय दल में 19 पहलवानों के अलावा आठ कोच तीन मैनेजर एक–एक रेफरी, फिजियो और मालिशिया सहित कुल 33 सदस्यीय दल गया था। उल्लेखनीय है कि लंदन ओलंपिक 2012 खेलों के लिए भारत का कोई पहलवान क्वालिफाई नहीं कर पाया।

फुटबॉल

9वीं सैफ फुटबॉल चौंपियनशिप 2011

भारत ने अफगानिस्तान को 4–0 से पराजित कर 9वीं सैफ फुटबॉल चैंपियनशिप 2011 का खिताब जीत लिया। इसी जीत के साथ वर्ष 2010 के विजेता भारत ने यह खिताब छठी बार जीता। सुनील छेत्री को फाइनल मैच का ***मैन ऑफ द मैच*** और टूर्नामेंट में सर्वाधिक सात गोल करने के लिए ***टूर्नामेंट का सर्वाधिक गोल स्कोरर, फेयर प्ले*** और ***मोस्ट वैल्यूएबल*** का पुरस्कार दिया गया। इस टूर्नामेंट में भारत के कप्तान क्लाईमेक्स लारेंस और अफगानिस्तान टीम के कप्तान हमीदुल्ला यूसुफ थे।

संक्षिप्त सामयिकी

● अन्ना हजारे ने जंतर मंतर पर जन लोकपाल विधेयक और विसल ब्लोअर विधेयक को लेकर एक दिन का सांकेतिक अनशन किया।

● मंगोलिया की राजधनी उलानबतार में सम्पन्न छठी एशियाई महिला मुक्केबाजी प्रतियोगिता में एमसी मेरीकॉम और सरिता देवी के २ स्वर्ण सहित कुल आठ पदक जीतकर चीन के बाद भारतीय दल दूसरे स्थान पर रहा।

● सीरियाई सेना ने विरोध प्रदर्शन का केंद्र रहे मध्य सीरियाई शहर होम्स और हामा में पुनः 2 घंटे तक गोलाबारी की।

● सचिन तेंदुलकर ने बांगलादेश के खिलाफ शतक बना कर अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट मे 100 शतको का किर्तीमान बनाया।

● पंजाब, गोवा, मणिपुर, उत्तराखंड एवं उत्तर प्रदेश के विधनसभा चुनाव संपन्न हुये।

● 2012 उत्तर प्रदेश विधन सभा चुनाव मे समाजवादी पार्टी बहुमत के साथ विजयी हुई। ४०३ सदस्यो वाली इस विधनसभा मे समाजवादी के 224 सदस्य निर्वाचित हुये है।

● व्लादिमीर पुतिन रूस के राष्ट्रपति पुनः चुने गए। पुतिन का यह तीसरा शासन काल होगा।

● सर्बिया के नोवाक जोकोविच ने स्पेन के रफेल नडाल को हरा कर सन २०१२ की ऑस्ट्रेलियाई ओपन ग्रैंड स्लैम टेनिस प्रतियोगिता जीत ली है। 5 घंटे 53 मिनट तक चलने वाला यह मैच आज तक का सबसे लंबा चलने वाला ग्रैंड स्लैम फाइनल था।

● भारत सरकार ने वर्ष 2012 के पद्म सम्मानो की घोषणा कर दी है। इस वर्ष यह सम्मान 109 लोगो कघ दिये गये। इसमे 5 पद्म विभूषण, 27 पद्म भूषण और 77 पद्मश्री सम्मान है।

● स्वामी विवेकानंद के 150 वर्षगांठ पर भारत में 2012 को युवा शक्ति वर्ष के रूप में मनाया जाएगा।

● 4 दिसंबर– जर्मनी के कोबलेंज शहर में विस्फोटक विशेषज्ञों ने राइन नदी से बरामद द्वितीय विश्वयुद्ध के दौरान गिराए गए २ टन के 2 बमों को सफलतापूर्वक निष्क्रिय किया

● 6 दिसंबर– अफगानिस्तान के काबुल और मजारेशरीफ में मुहर्रम के दिन शिया समुदाय पर हुए दो बम धमाकों में 50 से अधिक लोगों की मृत्यु हो गई।

● 9 दिसंबर– पश्चिम बंगाल की राजधनी कोलकाता के एएमआरआई अस्पताल के तलघर में आग लगने से तीन कर्मचारियों सहित 90 लोग जल गए।

● 11 दिसंबर – रूस की राजधनी मास्को में संसदीय चुनाव में गड़बड़ी का आरोप लगाते हुए हजारों लोगों ने प्रधनमंत्री ब्लादिमीर पुतिन के खिलाफ सड़कों पर प्रदर्शन किया।

मेक्सिको के गुएरेरो प्रांत में आए ६.५ की तीव्रता का भूकंप में दो लोगों की मौत हो गई।

● 14 दिसंबर – सर्न में जारी महाप्रयोग से जुड़े वैज्ञानिकों ने पदार्थ में द्रव्यमान पैदा करने वाले ईशकण (हिग्स बोसोन) की एक झलक देखने का दावा किया।

● पश्चिम बंगाल की राजधनी कोलकाता से ५२ कि.मी. दूर दक्षिण 24 परगना जिले के संग्रामपुर गांव में जहरीली शराब पीने से 40 लोगों की मौत हो गई।

● 17 दिसंबर– फिलीपींस में उष्णकटिबंधीय तूफान वाशी के कारण हुई तेज बारिश और अचानक आई बाढ़ से 400 से अधिक लोगों की मृत्यु हो गई।

● 3 अक्टूबर – स्वीडन की संस्था कैरोलिन्सका इंस्टीट्यूट ने तीन वैज्ञानिकों अमेरिका के ब्रूस बीटलर, लक्जमबर्ग के ज्यूल्स होफमैन और कनाडा के राल्फ स्टीनमैन को संयुक्त रूप से अपने शोध के जरिए रोग प्रतिरोधक प्रणाली को समझने में मदद करने के लिए २०११ का चिकित्सा क्षेत्र का नोबेल पुरस्कार देने की घोषणा की।

● दलाई लामा को दक्षिण अफ्रीका के डरबन में ६ अक्तूबर को वार्षिक सत्याग्रह दिवस पर आयोजित होने वाले समारोह में २०११ का अंतरराष्ट्रीय गांधी शांति पुरस्कार दिया जाएगा।

● रूस ने प्लेसेत्सक अंतरिक्ष केंद्र से सोयुज–2–1बी रॉकेट द्वारा वैश्विक स्थिति तंत्र निर्धरक उपग्रह ग्लोनास–एम को सफलता पूर्वक प्रक्षेपित किया।

● अमेरिका में भ्रष्टाचार, वैश्विक उष्मण, गैरबराबरी आदि के विरुद्ध पिछले एक सप्ताह से ऑक्युपाइड वॉलस्ट्रीट आंदोलन चला रहे प्रदर्शनकारियों पर पुलिस कार्यवाई की गई एवं 700 लोगों को गिरफ्तार किया गया।

● सैपर शांति तिग्गा भारतीय रेल की क्षेत्रिय सेना में शामिल होने वाली प्रथम महिला बनी। 969 रेलवे इंजीनियर रेजीमेंट ऑफ टेरिटोरियल आर्मी में शामिल होने वाली 35 वर्षीय शांति दो बच्चों की मां हैं।

● यमन के दक्षिण हिस्से में स्थित आबियान प्रांत के जिंजीबार के समीप 119वीं ब्रिगेड के ठिकाने पर अपने ही देश के लड़ाकु विमानों द्वारा की गई बमबारी में 25 जवान मारे गए।

● इराक के सुरक्षा बलों ने सैनिक कार्यवाई कर अल बगदादिया के मेयर के कार्यालय और पुलिस मुख्यालय को अलकायदा आतंकियों के कब्जे से मुक्त करा लिया। इस कार्यवाई में 15 लोगों की मृत्यु हो गई।

● विश्व के चौथी वरीयता प्राप्त ब्रितानी टेनिस खिलाड़ी एंडी मरे ने अमेरिका के डोनल्ड यंग को हराकर एटीपी थाईलैंड ओपन का एकल खिताब जीत लिया है।

● पेंटर बाबू के नाम से चर्चित पाकिस्तानी चित्रकार वसील ने दुनिया को शांति और प्रेम का संदेश देने के लिए अपने खून से महात्मा गांधी का चित्र बनाया।

● 4 अक्टूबर – नोबेल पुरस्कार समिति ने भौतिकी के क्षेत्र में अमूल्य योगदान के लिए अमेरिका के सॉल पर्लमटर और एडम रीस तथा अमेरिकी मूल के आस्ट्रेलियाई नागरिक ब्रायन श्मिट को वर्ष 2011 का नोबेल पुरस्कार प्रदान करने की घोषणा की।

● अफगानिस्तान के राष्ट्रपति हामिद करजई की भारत यात्रा के दौरान भारतीय प्रधनमंत्री मनमोहन सिंह के साथ हुई बैठक में सामरिक मामले, खनिज संपदा की साझेदारी और तेल और गैस की खोज पर साझेदारी संबंधी तीन समझौतों पर हस्ताक्षर किए गए।

● सोमालिया की राजधनी मोगादिशु में मंगलवार को शिक्षा मंत्रालय के समीप हुए एक आत्मघाती कार बम विस्फोट में कम से कम 65 लोग मारे गए।

● अलग तेलंगाना राज्य के लिए आंध्रप्रदेश में 22वें दिन भी हड़ताल जारी रही।

● दक्षिण पश्चिम पाकिस्तान के बलूचिस्तान प्रांत की राजधनी क्वेटा के अख्तराबाद इलाके में शिया मुस्लिम समुदाय के 12 व्यक्तियों को हथियारबंद लोगों ने उनकी गाड़ी से उतारकर हत्या कर दी।

● भारतीय राष्ट्रपति प्रतिभा पाटिल की यात्रा के दौरान भारत और स्विट्जरलैंड ने वित्तीय क्षेत्र में सहयोग के लिए द्विपक्षीय समझौता किया गया जिससे आयकर विभाग के बीच सहयोग बढने और स्विस बैंकों में भारतीयों के खातों का पता लगाने में मदद मिलेगी।

● मैक्सिको के राष्ट्रीय मानव विज्ञान एवं इतिहास संस्थान ने उत्तर में स्थित दुरांगो प्रांत से प्राप्त मानवीय अस्थियों के आधर पर दावा किया है कि प्राचीन समय में यहां के आदिवासी नरभक्षी थे।

● दुनिया के नंबर एक डबल ट्रैप निशानेबाज भारत के रोंजन सोढ़ी ने संयुक्त अरब अमीरात के अल आईन में विश्वकप मुकाबले में ओलिम्पिक पदक विजेता चीन के बिनयुआन को पराजित कर अपने खिताब की रक्षा करने वाले दुनिया के पहले खिलाड़ी बने।

● रोजगार की तलाश में ब्रिटेन आने वाले विदेशी चिकित्सकों को राष्ट्रीय स्वास्थ्य सेवा में काम करने के लिए एक अंग्रेजी परीक्षा पास करना अनिवार्य कर दिया गया।

● कुवैत के सबसे बड़े तेलशोधक कारखाने मीना अल–अहमदी में हुए विस्फोट में तमिलनाडु के चार मजदूरों की मौत हो गई।

● देहरादून जिले के विकासनगर में 6 बच्चों सहित एक परिवार के 10 सदस्यों ने अवसाद ग्रस्त होकर एक नहर में कूद कर आत्महत्या कर ली।

● 5 अक्टूबर – इजराइल प्रौद्योगिकी संस्थान के वैज्ञानिक डेनियल शेचमैन को रसायन में स्फटिक (क्रिस्टल) में परमाणु संरचना की खोज के लिए 2011 का नोबेल पुरस्कार प्रदान करने की घोषणा की गई।

● भारत में दुनिया का सबसे सस्ता 2250 रुपये का टैबलेट पीसी 'आकाश' जारी किया गया।

● भारतीय सर्वोच्च न्यायालय ने निर्णय दिया कि सरकार या उसके विभागों द्वारा किसी विशेष उद्देश्य से अधिगृहीत की गई जमीन का उपयोग नहीं बदला जा सकता है। न ही इस जमीन को निजी प्रयोग के लिए किसी व्यक्ति को या व्यवसायिक कंपनियों को दिया जा सकता है।

● एप्पल द्वारा सिर्फ बोलने से एसएमएस व ई–मेल करने में सक्षम आईफोन 4एस जारी किया गया।

ऐपल के पूर्व मुख्य कार्यकारी और सह–संस्थापक स्टीव जॉब्स का 56 वर्ष की आयु में निधन हो गया है।

● 7 अक्टूबर – लाइबेरिया की राष्ट्रपति एलेन जानसन सरलीफ, और शांति व महिला अधिकार कार्यकर्ता लीमेह जीबोई तथा यमन की तवाकुल करमान को शांति के क्षेत्र में नोबेल पुरस्कार देने की घोषणा की गई।

● अफगानिस्तान के राष्ट्रपति हामिद करजई की भारत यात्रा के दौरान भारतीय प्रधनमंत्री मनमोहन सिंह के साथ हुई बैठक में सामरिक मामले, खनिज संपदा की साझेदारी और तेल और गैस की खोज पर साझेदारी संबंधी तीन समझौतों पर हस्ताक्षर किए गए।

10 अक्टूबर

● पद्मभूषण गजल सम्राट जगजीत सिंह का सोमवार को मुंबई के लीलावती अस्पताल में निधन हो गया।

● 11 अक्टूबर – क्रिस्टोफर ए. सिम्स एवं थॉमस जे. सार्जेंट को श्मैक्रोइकोनमी पर कारण एवं प्रभाव के क्षेत्र में उनके अनुभव जन्य अध्ययनश के लिए संयुक्त रूप से वर्ष २०११ का अर्थशास्त्र का नोबेल पुरस्कार देने की घोषणा की गई।

● 13 अक्टूबर – भारतीय सर्वोच्च न्यायालय ने जून १९९७ में हुए उपहार थिएटर अग्निकांड मामले में दिल्ली उच्च न्यायालय द्वारा पीड़ितों के लिए निर्धरित की गई मुआवजा राशि और सिनेमा मालिक अंसल बंधुओं पर लगाई गई दंडात्मक हर्जाना घटा दी।

● इंडोनेशिया के बाली द्वीप में 6.1 की तीव्रता का भूकंप आया।

● भारतीय सर्वोच्च न्यायालय ने 2005 के सितंबर माह के बाद से बिना वसीयतनामा वाले हिंदू परिवारों के पैतृक संपत्ति के बंटवारे में किसी महिला या लड़की का परिवार के पुरुष सदस्य के बराबर हिस्सा मिलने का निर्णय दिया।

● 20 अक्टूबर – लीबिया के ४० वर्षों तक राष्ट्रपति रहे कर्नल मुअम्मर गद्दाफी को राष्ट्रीय परिवर्तन परिषद के सैनिकों ने मार गिराया।

● 23 अक्टूबर– तुर्की के पूर्वी वान क्षेत्र में आए 7.2 की तीव्रता वाले भूकंप में अब तक 264 लोग मारे गए तथा 1300 लोग घायल हो गए।

लोकप्रिय संगीतकार, गायक और संस्कृतिकर्मी भूपेन हजारिका का लंबी बीमारी के बाद निधन हो गया है।

● 4 सितंबर – विश्व के तीव्रतम धवक उसैन बोल्ट के नेतृत्व में जमैका की पुरुष रिले टीम ने 4 गुणा 100 मीटर स्पर्ध में 37.04 सेकेंड समय के साथ नया विश्व रिकॉर्ड बनाया।

● 5 सितंबर – भारतीय बैंक संघ और भारतीय राष्ट्रीय भुगतान निगम द्वारा तैयार एटीएम के जरिए चेक निर्गम(क्लियर) करने की तकनीकी प्रणाली को अंतिम रुप दिया गया।

● जापान के शिकोकू द्वीप पर आए शक्तिशाली तूफान में कम से कम 15 लोगों की मौत हो गई और ४३ लोग लापता हैं।

● 6 सितंबर – इंडोनेशिया के आचे प्रांत में आए 6.5 की तीव्रता वाले भूकंप में दस लोगों की मौत हो गई।

● नाइजीरिया के मध्यवर्ती प्रांत प्लेटो में सप्ताह भर से जारी सांप्रदायिक दंगों में ४० से अधिक ईसाई लोगों की मृत्यु हो गई।

● नासा के वैज्ञानिकों के अनुसार भारत–पाकिस्तान सीमा रेखा सुरक्षा के लिए सीमा पर लगाई गई फ्लड लाइटों के कारण अंतरिक्ष से दिखाई देने वाली विश्व की सर्वाधिक जगमग सीमा रेखा है।

● रूस ने पर्म शहर के निकट हुई दुर्घटना में दो पायलटों की मौत के बाद मिग–३१ लड़ाकू विमान की उड़ान पर रोक लगा दी।

संयुक्त राष्ट्र मानवाधिकार उच्चायुक्त के अनुसार सीरिया में मार्च से शुरु हुए सरकार विरोधी प्रदर्शनों में अब तक 2200 लोग मारे जा चुके हैं।

● 7 सितंबर – दिल्ली में रात 21.28 बजे रिक्टर पैमाने पर 4.2 तीव्रता का 6 सेकेंड तक चलने वाला भूकंप आया जिसका केंद्र हरियाणा के सोनीपत में स्थित था।

● रूसी विमान याकोवलेव याक–42 के उड़ान भरने के तुरत बाद दुर्घटनाग्रस्त हो जाने से 22 हॉकी खिलाड़ियों की पूरी टीम सहित ४४ लोगों की मौत हो गई।

● दिल्ली उच्च न्यायालय परिसर के द्वार संख्या–5 के पास सूटकेस में रखे गए बम के विस्फोट में 11 लोगों की मौत हो गई और 74 लोग घायल हो गए।

● क्वेटा (पाकिस्तान)के सिविल लाइन्स क्षेत्र में कमिश्नर कार्यालय के पास विस्फोटक भरी कार से हुए दो आत्मघाती धमाकों में एक एफसी अधिकारी समेत 21 लोग मारे गए और 40 से अधिक लोग जख्मी हो गए।

● 19 सितंबर – नासा ने चांद और मंगल ग्रह के अलावा अंतरिक्ष यात्रियों को ब्रह्मांड के दूसरे ठिकानों पर भेजने के लिए स्पेस लॉच सिस्टम (एसएलएस) नामक 100 टन तक वजन को अंतरिक्ष में ले जा सकने वाले एक भव्य रॉकेट की रुपरेखा तैयार की।

अखलाक मोहम्मद खघन शहरयार को उर्दू साहित्य में उनके योगदान के लिए 2008 का 44वाँ ज्ञानपीठ पुरस्कार प्रदान किया गया।

● 20 सितंबर – अफगानिस्तान के पूर्व राष्ट्रपति और तालिबान से वार्ता के लिए गठित सरकारी शांति परिषद के शीर्ष वार्ताकार बुरहानुद्दीन रब्बानी की काबुल में अमेरिकी दूतावास के समीप स्थित निवास पर, पगड़ी में विस्फोटक छिपाए, आत्मघाती हमलावर द्वारा हत्या कर दी गई।

पाकिस्तान में शिया तीर्थयात्रियों को लेकर प्रांतीय राजधनी क्वेटा से सीमावर्ती शहर ताफतान जा रही बस को बलूचिस्तान के मस्तांग जिले में बंदूकधरियों ने रुकवा कर 26 लोगों को गोली मार दी।

● अमेरिकी राष्ट्रपति बराक ओबामा ने सशस्त्र सेनाओं में समलैंगिकों के सेवा करने पर लगी 18 वर्ष पुरानी रोक हटाने की घोषणा की।

● भारतीय ज्ञानपीठ ने 2009 के लिए 45वां ज्ञानपीठ पुरस्कार हिंदी लेखक अमरकांत और श्रीलाल शुक्ल को संयुक्त रूप से तथा 2010 के लिए 46वां ज्ञानपीठ पुरस्कार कन्नड़ लेखक चंद्रशेखर कांबर को प्रदान करने की घोषणा की।

● पाकिस्तान के लाहौर उच्च न्यायालय के न्यायाधीश शेख अजमत ने फेसबुक सहित धर्मिक विद्वेष फैलाने में शामिल सभी वेबसाइट पर रोक लगाने का आदेश दिया।

● 21 सितंबर – ऑस्ट्रेलिया विश्वविद्यालय के नेतृत्व में अंतरराष्ट्रीय वैज्ञानिकों के एक दल ने उच्च रक्तचाप के लिए जिम्मेदार 16 जीन की खोज करने में सफलता प्राप्त की।

● 22 सितंबर – भारतीय योजना आयोग ने सर्वोच्च न्यायालय में दाखिल हलफनामे में शहरों में 965 रुपए और गावों में 781रुपए प्रति महीना खर्च करने वाले व्यक्ति को गरीब मानने से इनकार करते हुए उन्हें गरीबी रेखा से नीचे के परिवारों को मिलने वाली सरकारी सुविधओं के अयोग्य बताया।

● 23 सितंबर – जेनेवा स्थित भौतिकी की सबसे बड़ी प्रयोगशाला सर्न में जारी प्रयोग ओपेरा में वैज्ञानिकों ने सर्न से 730 किलोमीटर दूर इटली की ग्रैन सासो प्रयोगशाला में भेजे गए उपपरमाणविक कण न्यूट्रिनो की गति प्रकाश की गति से भी अधिक पाई।

फ्रांसीसी न्यायालय ने हिंद अहमास और नजाइत अली नाम की दो मुस्लिम महिलाओं को सार्वजनिक जगहों पर बुर्का पहनने के लिए पहली बार सजा के रूप में 120 और 80 यूरो जुर्माना लगाया।

● 24 सितंबर – आंध्र प्रदेश में अलग तेलंगाना राज्य की मांग को लेकर 12 दिनों से जारी हड़ताल में पिछले 36 घंटों से जारी रेल रोको अभियान के कारण दक्षिण भारत का उत्तर भारत से सड़क के बाद रेल संपर्क भी अवरुद्ध हो गया है।

● 25 सितंबर – इराक के शिया मुसलमानों के पवित्र धर्मिक स्थल कर्बला के पासपोर्ट कार्यालय के बाहर हुए क्रमिक बम धमाकों में दस लोगों की मौत हो गई तथा लगभग सौ लोग घायल हो गए।

नेपाल में एक निजी एयलाइन के विमान की दुर्घटना में चालक दल समेत सभी 19 लोगों की मृत्यु हो गई।

● 26 सितंबर – वंगारी मथाई कीनिया में ग्रीन बेल्ट आंदोलन की संस्थापर्क, जो 2004में नोबेल पुरस्कार पाने वाली पहली अफ्रीकी महिला बनी, का निधन हो गया।

● संयुक्त राष्ट्र ने स्वच्छ विकास तंत्र योजना के तहत हरित गृह गैसों में कमी लाने के लिए दिल्ली मेट्रो को दुनिया का पहला कार्बन क्रेडिटष दिया जिसके अंतर्गत उसे सात सालों के लिए 95 लाख डॉलर मिलेंगे।

● 28 सितंबर – मुख्यमन्त्री मायावती ने 72 जिलों वाले उत्तर प्रदेश में पंचशील नगर, प्रबुद्धनगर, और भीम नगर नामक तीन और जिले के निर्माण की घोषणा की।

● 29 सितंबर – चीन ने जिक्वान उपग्रह प्रक्षेपण केंद्र से पहली अंतरिक्ष प्रयोगशाला तियांगोंग–1 को अंतरिक्ष की कक्षा में सफलतापूर्वक स्थापित किया।

● 5 अगस्त – नासा के वैज्ञआनिकों ने साइंस पत्रिका में मंगल ग्रह पर बहता पानी होने का दावा किया।

● 6 अगस्त – थाईलैंड में प्यूइआ थाई दल की यिंगलुक शिनवात्रा शुक्रिवार देश की पहली महिला प्रधानमंत्री बनीं।

स्टैंडर्ड एंड पुअर्स ने अमेरिका की क्रेडिट रेटिंग को 70 साल के इतिहास में पहली बार AAA+ से घटाकर AA+ कर दिया।

अफगानिस्तान के पूर्वी हिस्से में उत्तर अटलांटिक संधि संगठन के हेलीकॉप्टर के दुर्घटनाग्रस्त होने से 31 अमेरिकी और सात अफगानी सैनिकों की मौत हो गई।

● 8 अगस्त – लोबसांग सांगेय तिब्बत की निर्वासित सरकार के नए प्रधनमंत्री बने।

15 अगस्त – बिहार लोकसेवा अधिकार अधिनियम १५ अगस्त २०११ से बिहार में आम लोगों को निर्धरित समय सीमा के भीतर कुछ चुनी हुई लोक सेवाएं उपलब्ध कराने के लिए लागू हो गया।

16 अगस्त – लोकपाल आंदोलन के अग्रदूत अन्ना हजारे और उनके सहयोगियों अरविंद केजरीवाल, किरन बेदी और मनीष सिसौदिया को पुलिस ने अनशन शुरु करने से पुर्व ही गिरफ्तार कर लिया।

● 17 अगस्त – लोकपाल आंदोलनरू जेपी पार्क में अनशन जारी रखने की लिखित अनुमति मिलने तक अन्ना हजारे ने रिहाई के बावजूद तिहाड़ में ही रहकर अनशन जारी रखा।

● 22 अगस्त – लोकपाल आंदोलन : रामलीला मैदान में अन्ना हजारे का अनशन जारी। अन्ना के आहवान पर मंत्रियों, सांसदों एवं विधयकों

के घरों पर प्रदर्शन शुरु हो गया।

● 23 अगस्त – चीनी विज्ञान अकादमी के वैज्ञानिकों ने ब्रह्मपुत्र और सिंधु नदी के उद्‌गम स्थल का पता लगाया तथा उनके मार्ग की लंबाई का व्यापक उपग्रह अध्ययन पूरा किया।

● 24 अगस्त – मूडीज ने जापान की ऋण साख एए3 से घटाकर एए2 कर दी।

● 25 अगस्त – श्रीलंका की सरकार ने लिट्टे से संघर्ष शुरू होने के बाद देश में घोषित आपातकाल को 30 वर्ष बाद वापस ले लिया।

● 28 अगस्त – लोकपाल आंदोलन : अन्ना हजारे ने भारतीय संसद द्वारा 3 मांगों के समर्थन का प्रस्ताव पारित करने के बाद दिल्ली के रामलीला मैदान में 13 दिनों से जारी अनशन को स्थगित करने की घोषणा की।

माओवादी नेता डॉ. बाबूराम भट्टराई तराई के मधेसी गठबंधन के समर्थन से नेपाल के नए प्रधनमंत्री निर्वाचित हुए।

● 14 जुलाई – इंडोनेशिया में माउंट लोकोन ज्वालामुखी फटने से करीब पांच हजार फीट की ऊंचाई तक गर्म लावा निकला।

भारत की जनगणना 2011 के अनुसार 121 करोड़में से 69 प्रतिशत (83 करोड़) लोग गांवों में रह रहे हैं।

● 15 जुलाई – भारत ने एक रुवीय उपग्रह प्रक्षेपण यान (पीएसएलवी) द्वारा आधुनिक संचार उपग्रह जीसैट–12 को अंतरिक्ष कक्षा में सफलतापूर्वक स्थापित किया।

● 16 जुलाई – टीडीआईएल डेटासेंटर द्वारा रुपए के प्रतीक चिन्ह को कंप्युटर में स्थापित करने के लिए यूनिकोड कंसोर्टियम तथा आईएसओ द्वारा विकसित सॉफ्टवेयर निःशुल्क प्रयोग के लिए जारी किया गया।

● 21 जुलाई – कैलीफोर्निया प्रौद्योगिकी संस्थान के खगोलविदों ने 30 हजार अरब मील की दूरी पर क्वासार में विश्वके सभी सागरों के कुल जल का 140 हजार अरब गुना ज्यादा जलवाष्प की मात्रा की खोज की है जिसका आकार सूर्य से एक लाख गुना अधिक है।

● 22 जुलाई – विवेकानंद इंस्टीट्यूट ऑफ ट्रॉपिकल मायकोलॉजी के फफूंदी अनुसंधन दल ने 100–115 डिग्री सेल्सियस तापमान सह सकने वाले तापरोधी फफूंदी के बीजाणुओं की खोज की।

23 जुलाई

● नॉर्वे की राजधनी ओस्लो में बम विस्फोट और शहर के बाहर स्थित द्वीप युवा शिविर पर गोलीबारी की घटनाओं में 92 लोगों की मौत हो गई।

● अमेरिका के नेतृत्व वाली नाटो सेना ने पूर्वी अफगानिस्तान में एक सैन्य कार्रवाई में 50 घुसपैठियों को मार गिराने का दावा किया।

● 2 जून

● ई–कोलाई बैक्टीरिया के संक्रमण से यूरोप में 20 से अधिक लोगों की मृत्यु हो गई और 1600 से अधिक लोग बीमार हो गए।

● भारत सरकार ने शहरी क्षेत्रों में झुग्गी झोपडियों से मुक्ति दिलाने और गरीबों को अपने घर का सपना पूरा कराने में सहायता के लिए राजीव गांधी आवास योजना के पहले चरण को मंजूरी दी।

4 जून

● अल कायदा का वरिष्ठ कमांडर इलियास कश्मीरी वजीरिस्तान (पाकिस्तान) के कबाइली इलाके में अमेरिकी ड्रोन हमले में मारा गया।

● ली ना फ्रेंच ओपन टेनिस प्रतियोगिता के महिला एकल वर्ग में पहली चीनी विजेता खिलाड़ी बनी।

● मध्य इराक की एक मस्जिद और एक अस्पताल में बमों से किए गए हमले में 24 लोगों की मौत हो गई।

12 जून

● इरीट्रीया स्थित नाब्रो ज्वालामुखी विस्फोट पूर्वी अफ्रीका के इरीट्रिया स्थित नाब्रो ज्वालामुखी में श्रेणीवार विस्फोट हुए।

● अल कायदा का वरिष्ठ कमांडर इलियास कश्मीरी वजीरिस्तान (पाकिस्तान) के कबाइली इलाके में अमेरिकी ड्रोन हमले में मारा गया।

कॅरियर

रोजगार देने में आईटी सेक्टर सबसे आगे

टीसीएस , इंफोसिस और विप्रो की अगुवाई में आईटी सेक्टर ने दूसरे क्षेत्रों के मुकाबले वित्त वर्ष 2006–2011 के बीच देश में सबसे ज्यादा रोजगार दिए। आईटी कंपनियों की कुल आमदनी में ढाई गुना बढ़ोतरी से इस क्षेत्र में नई नौकरियां तेजी से बढ़ीं। ईटीआईजी ने संगठित क्षेत्र में नई नौकरियों के ट्रेंड की पड़ताल की है। इससे पता चला कि नई नौकरियों में सबसे बड़ा रोल सेवा क्षेत्र की कंपनियों का रहा है। खासतौर पर बैंकिंग और वित्त, स्वास्थ्य, हॉस्पिटैलिटी, सूचना प्रौद्योगिकी, दूरसंचार और व्यापार एवं रीटेलिंग में बड़ी संख्या में नए रोजगार के मौके बने।

सेवा क्षेत्र की कंपनियों ने वित्त वर्ष 2006–11 के बीच 8 लाख से ज्यादा नए रोजगार जोड़े। इन पांच साल में कुल 14.3 लाख नए रोजगार पैदा हुए, जिनमें से सेवा क्षेत्र की कंपनियों की हिस्सेदारी 56 फीसदी रही। इसका मतलब यह है कि इस दौरान देश में हर सात में से चार नौकरियां सेवा क्षेत्र की कंपनियों ने दीं। इन कंपनियों ने रोजगार के मामले में मैन्युफैक्चरिंग सेक्टर को पीछे छोड़ दिया।

वित्त वर्ष 2006–11 के बीच आईटी सेक्टर ने 4.5 लाख नए लोगों को नौकरी दी। इनमें से टीसीएस, इंफोसिस और विप्रो ने 2.4 लाख नए रोजगार दिए। इस सेक्टर के नए रोजगार में इन तीनों कंपनियों की हिस्सेदारी आधी से ज्यादा रही। देश में सबसे ज्यादा रोजगार देने वाली कंपनियों की लिस्ट में भी इनके नाम इसी क्रम में हैं।

ये आंकड़े शेयर बाजार में लिस्टेड 600 कंपनियों के हायरिंग ट्रेंड पर आधरित हैं। ये कंपनियां 2006 के बाद से वित्तीय नतीजों के साथ भर्तियों की भी जानकारी देती आई हैं। मा फोई रैंडस्टैड के मैनेजिंग डायरेक्टर और सीईओ ई बालाजी ने बताया, श्ये नतीजे भारत के सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) में बदलाव का आईना हैं। हम कृषि अर्थव्यवस्था से ध्रीरे–धीरे सेवा क्षेत्र के दबदबे वाली अर्थव्यवस्था में प्रवेश कर गए। हालांकि, इस प्रक्रिया में हम मैन्युफैक्चरिंग वाले दौर को लांघ गए।श

आंकड़ों से पता चलता है कि सैंपल में शामिल कंपनियों की वित्त वर्ष 2006 में कुल रोजगार में 41.8 फीसदी हिस्सेदारी थी, जो वित्त वर्ष 2011 में बढ़कर 46.5 फीसदी हो गई। इस दौरान इन कंपनियों में काम करने वालों की संख्या 48 फीसदी बढ़कर 43.8 लाख हो गई। वित्त वर्ष 2006–2011 के बीच मैन्युफैक्चरिंग सेक्टर में नौकरियां 35 फीसदी बढ़कर 23.3 लाख हो गईं।

हालांकि, यह सेवा क्षेत्र की नौकरियों में 66 फीसदी ग्रोथ से काफी कम है। अस्थायी नौकरियां दिलवाने वाली कंपनी टीमलीज सर्विसेज के प्रमुख मनीष सब्बरवाल का मानना है कि भारतीय मैन्युफैक्चरिंग सेक्टर में काफी पूंजी लगानी पड़ती है। इस वजह से इस सेक्टर में नए रोजगार कम पैदा हुए। उनका यह भी कहना है कि मैन्युफैक्चरिंग कंपनियों ने सब–कॉन्ट्रैक्टिंग और अस्थायी कर्मचारियों की मदद ली। इन वजहों से भी मैन्युफैक्चरिंग सेक्टर में नई नौकरियों की ग्रोथ कम रही।

सब्बरवाल का कहना है कि देश के कुल रोजगार में मैन्युफैक्चरिंग सेक्टर की हिस्सेदारी अभी 12 फीसदी है। वह कहते हैं, श्बड़ी मैन्युफैक्चरिंग कंपनियों ने लोगों की जगह मशीनें लगाईं। इससे उनकी पूंजीगत लागत भी बढ़ी। यह एक गलती है, जिसे जल्द सुधरने की जरूरत है। देश को आज कम स्किल और ज्यादा उत्पादकता वाले मैन्युफैक्चरिंग की जरूरत है।श

रेटिंग एजेंसी क्रिसिल के मुख्य अर्थशास्त्री डी के जोशी का मानना है कि भविष्य में मैन्युफैक्चरिंग सेक्टर को रोजगार के मामले में महत्वपूर्ण रोल निभाना होगा। उन्होंने कहा, श्अगले 10 साल में 12 करोड़ लोग भारत के वर्कफोर्स में जुड़ेंगे। अगर हम उन्हें मैन्युफैक्चरिंग सेक्टर में नौकरी नहीं देंगे तो कहां देंगे?श

उनका कहना है कि सरकार ने अक्टूबर में नई मैन्युफैक्चरिंग पॉलिसी को मंजूरी दी थी, जो नए रोजगार में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी। इस पॉलिसी में देश भर में नेशनल इनवेस्टमेंट और मैन्युफैक्चरिंग जोन बनाने की बात कही गई है। इससे अगले 10 साल में 10 करोड़ नए रोजगार पैदा होने की उम्मीद है। पॉलिसी में इस दौरान जीडीपी में मैन्युफैक्चरिंग सेक्टर की हिस्सेदारी 16 फीसदी से बढ़ाकर 22 फीसदी करने की बात भी कही गई है।

फेसबुक ने दिया आईआईटी के स्टूडेंट को 70 लाख का पैकेज

आईआईटी कानपुर में छात्र–छात्राओं के प्लेसमेंट अभियान के तहत सबसे बड़ा 70 लाख रुपये सालाना का

पैकेज फेसबुक ने कंप्यूटर साइंस ऐंड इंजीनियरिंग के एक छात्र को दिया है। इस प्रोग्राम के अन्य छात्र–छात्राओं को भी काफी अच्छा पैकेज मिला है, लेकिन सिद्वार्थ नामक इस छात्र को सर्वाधिक पैकेज ऑफर किया गया है। आईआईटी कानपुर में 2 दिसंबर से प्लेसमेंट अभियान चल रहा है और इस बार संस्थान के करीब 950 छात्र–छात्राओं ने प्लेसमेंट कार्यालय में अपना रजिस्ट्रेशन कराया था। 2 दिसंबर से अभी तक कितने छात्र–छात्राओं को कितना पैकेज मिला है इसकी जानकारी आईआईटी प्रशासन इकट्ठा कर रहा है और उसे जल्द ही मीडिया के सामने पेश किया जाएगा।

आईआईटी कानपुर के रजिस्ट्रार संजीव कशालकर ने शुक्रवार को बताया कि प्लेसमेंट अभियान में शामिल 950 छात्र छात्राओं में से करीब आधे से अधिक स्टूडेंट्स को विभिन्न नैशनल और मल्टी नैशनल कंपनियों के ऑफर मिल चुके है जिसमें से सबसे बड़ा पैकेज फेसबुक ने सिद्वार्थ अग्रवाल को 70 लाख रुपये सालाना का दिया है।

बैंकों में नौकरियों की बहार

पंजाब नेशनल बैंक (पीएनबी) और यूनियन बैंक ऑफ इंडिया (यूबीआई) बड़े पैमाने पर नए कर्मचारियों की भर्ती करने की तैयारी में हैं। ये दोनों सरकारी बैंक रिटायरमेंट की वजह से खाली हुए पदों को भरने और मजबूत प्रतिस्पध र्ा के लिए भर्तियां कर रहे हैं। दोनों बैंक अगली कुछ तिमाही में संयुक्त रूप से करीब 21,500 कर्मचारियों की भर्ती की प्रक्रिया में हैं।

एक अधिकारी ने बताया कि दिल्ली का पंजाब नेशनल बैंक अकेले 10,500 लोगों की भर्ती कर रहा है। भर्ती किए जाने वाले कर्मचारियों की यह संख्या इस साल अप्रैल से अब तक रिटायर हुए लोगों की तुलना में दोगुने से ज्यादा है। इंडस्ट्री से जुड़े सूत्रों का कहना है कि चालू वित्त वर्ष में करीब 45,000 लोग सरकारी बैंकिंग क्षेत्र से जुड़ेंगे। इन पदों का बड़ा हिस्सा इंस्टिट्यूट ऑफ बैंकिंग पर्सनल सेलेक्शन (आईबीपीएस) द्वारा आयोजित लिखित परीक्षा में चयनित छात्रों के द्वारा भरा जाएगा।

कर्मचारियों की भर्ती प्रक्रिया को आसान बनाने की खातिर भारतीय स्टेट बैंक और इसके सहयोगी बैंकों को छोड़कर सभी सार्वजनिक बैंकों ने आईबीपीएस को लिखित परीक्षा आयोजित करने की इजाजत दे दी थी। पीएनबी के चेयरमैन और मैनेजिंग डायरेक्टर के. आर. कामत ने ईटी बताया कि उनका बैंक इस वित्त वर्ष में करीब 6,500 क्लर्क और 4,000 अधिकारियों की नियुक्ति करने जा रहा है। 3,800 क्लर्क की भर्ती पहले ही कर ली गई है। उन्होंने कहा कि हम बाकी के लोगों की भर्तियां कॉमन सेलेक्शन टेस्ट से करेंगे।

यूनियन बैंक ऑफ इंडिया के प्रमुख एम. वी. नायर ने बताया कि सितंबर 2012 तक हमारी 10,000 कर्मचारियों की भर्ती करने की योजना है। आईबीपीएस साल में दो बार लिखित परीक्षा का आयोजन करेगी और परीक्षा में बैठने वाले प्रत्येक छात्र को एक स्कोर दिया जाएगा। यह स्कोर जारी होने की तारीख से लेकर एक साल तक वैध होगा। हालांकि, बैंक अलग अलग कट ऑफ मार्क तय कर सकते हैं और वे वैध स्कोर कार्ड वाले प्रतिभागियों से आवेदन आमंत्रित करेंगे।

आईबीपीएस के डायरेक्टर एम. बालचंद्रन का कहना है, श नया सिस्टम पहले की व्यवस्था की तुलना में ज्यादा बेहतर और पारदर्शी है। पुराने सिस्टम में प्रत्येक बैंक भर्तियों के लिए अलग से टेस्ट का आयोजन करते हैं, जिससे प्रतिभागियों का काफी दिक्कत होती थी।

बैंक ऑफ बड़ौदा के एग्जेक्युटिव डायरेक्टर आर. के. बख्शी ने बताया कि उनके बैंक की योजना मार्च 2012 तक 2,000 अधिकारी और इतनी ही संख्या में क्लर्कों की भर्ती करने की योजना है। बैंक ने इस वित्त वर्ष में पहले ही 1,400 अधिकारियों को नामांकन कर लिया है और बाकी के अधिकारियों का चयन सफल अभ्यर्थियों में से किया जाएगा।

इलाहाबाद बैंक की 1,200 अधिकारियों की भर्ती करने की योजना है, जबकि यूको बैंक चालू वित्त वर्ष में 1,100 अधिकारियों को एनरॉल करना चाहता है। दोनों ही बैंक 1,000–1,000 क्लर्कों की भर्ती करेंगे। इलाहाबाद बैंक के एग्जेक्युटिव डायरेक्टर देबब्रत सरकार ने बताया, श आईबीपीएस के सफल प्रतिभागियों के अलावा हम भर्तियों के लिए कैंपस रिक्रूटमेंट भी करेंगे।

बैंक ऑफ महाराष्ट्र के चेयरमैन और मैनेजिंग डायरेक्टर ए.एस. भट्टाचार्य ने कहा कि उनके बैंक की 1,200 अधिकारियों और 670 क्लर्कों को भर्ती करने की योजना है।

बीपीओ / केपीओ

बीपीओ / केपीओ उद्योग ने भारतीय युवाओं के लिए अवसरों के द्वार खोल दिए हैं. यह एक ऐसा क्षेत्र है जिसने न केवल हजारों लोगों को नौकरी प्रदान की है बल्कि उन्हें बेहतरीन वेतनमान के साथ–साथ अंतर्राष्ट्रीय वातावरण में काम करने का मौका भी प्रदान किया है. यहाँ बताते चलें कि बीपीओ का अर्थ है – बिजनेस प्रोसेस आउटसोर्सिंग व केपीओ का मतलब है – नॉलेज प्रोसेस आउटसोर्सिंग.

ये कम्पनियां भारतीय युवाओं को आकर्षक पैकेज के साथ नौकरी पर रखकर उनसे विभिन्न देशों में बैठे अपने ग्राहकों के लिए कार्य कराती हैं. सरल भाषा में कहें तो एक बीपीओ कंपनी अपने विदेशी ग्राहकों को सेवा प्रदान करने के लिए भारतीय युवाओं को नौकरी पर रखती हैं. ये कम्पनियाँ अपने भारतीय संसाधनों द्वारा डाटा–एंट्री, मेडिकल ट्रान्सक्रिप्शन, कॉन्टेंट राइटिंग, एचआर व वित्तीय सेवा जैसे कार्य कराती हैं.

बीपीओ शब्द जहां इस क्षेत्र में होने वाले सभी तरह के व्यवसाओं के लिए प्रयुक्त होता है वहीं केपीओ ज्ञान व सूचना आधरित सेवाओं से जुड़ा होता है व इसके लिए उच्च शिक्षा का होना जरूरी है. केपीओ सेवा के कुछ उदाहरण हैं – कानूनी सेवा, बौद्धिक सम्पदा एवं पेटेंट से जुडी सेवाएं, अभियांत्रिकी सेवाएं, वेब डेवलपमेंट, कैडकैम अनुप्रयोग, व्यापार अनुसंधन एवं विश्लेषण, कानूनी अनुसन्धन, चिकित्सा अनुसंधान, प्रकाशन और विपणन अनुसंधन (मार्केट रिसर्च केपीओ).

चरणबद्ध प्रक्रिया

बीपीओ में कार्य करने के लिए आपको बहुत ज्यादा शिक्षित व अनुभवी होने की आवश्यकता नहीं है. आप स्कूल या कॉलेज की पढ़ाई खध्त्म करने बाद सीधे यहाँ नौकरी पा सकते हैं. यहाँ चुनौती अपने कार्य में ज्यादा तेज एवं प्रोफेशनल होने की है. आपको शिफ्ट में काम करने में दिक्कत नहीं होनी चाहिए. यदि आपमें उत्कृष्ट दर्जे की संवाद क्षमता है तो आप ग्राहक सेवा के क्षेत्र से शुरूआत कर सकते हैं. यदि आप आईटी में तकनीकी रूप से सक्षम हैं तो आप टेक्नीकल सपोर्ट प्रोफेशनल जैसे पदों के लिए आवेदन कर सकते हैं.

बीपीओ की अपेक्षा केपीओं में अधिक शिक्षित एवं योग्य व्यक्तिओं की जरुरत होते है. साध रणतः एक बीपीओ में डाटा एंट्री, डाटा प्रोसेसिंग, डिपार्टमेंट आउटसोर्सिंग, टेक्नीकल सपोर्ट एवं ग्राहक सेवा जैसे कार्य किये जाते हैं जबकि केपीओ में अनुसंधन और विकास, वित्तीय सलाह व सेवाएं, आधुनिक वेब एप्लीकेशन, व्यवसायिक

2012 में 12 फीसदी बढ़ेगी सैलरी!

अर्थव्यवस्था में धीमेपन के बीच देश के कर्मचारियों के लिए खुशखबरी है।

कंसल्टेंसी हे ग्रुप के सर्वे की मानें तो 2012 में सैलरी में 12 फीसदी तक बढ़ोतरी हो सकती है। ग्रुप ने कहा कि भारत में 2011 में सैलरी में 11 फीसदी तक औसत बढ़ोतरी हुई। 2012 में इसके 12 फीसदी होने की उम्मीद है। सर्वे के मुताबिक, जूनियर या मिडिल लेवल ही नहीं, सीनियर मैनेजमेंट लेवल पर भी तनख्वाह में अच्छा इजाफा हुआ। इस साल इसके 11–12 फीसदी रहने की उम्मीद है।

ग्रुप ने माना कि भारतीय कंपनियां ज्यादा टिकाऊ रही हैं। विदेशी कंपनियों के मुकाबले मंदी के दौरे में वे ज्यादा मजबूत रहीं। ग्रुप के मुताबिक, इंजीनियरिंग, सेल्स और मार्केटिंग सेक्टर में भर्तियों में इजाफा हो रहा है। सर्वे में भारत की 300 कंपनियां शामिल की गईं और 3 लाख 20 हजार से ज्यादा कर्मचारियों के सैलरी डेटा का विश्लेषण किया गया। हे ग्रुप इंडिया के मैनेजिंग कंसल्टेंट ऐंड रिवॉर्ड्स प्रैक्टिस लीडर श्रीधर गणेशन ने कहा कि सीनियर लेवल ही नहीं, जूनियर लेवल पर सैलरी बढ़ाने के मामले में कंपनियां आक्रामक रही हैं।

और तकनीकी विश्लेषण, लर्निंग सोल्यूशन, एनीमेशन और डिजाइन, बिजनेस एंड मार्केट रिसर्च, औषधि और जैव तकनीकी, चिकित्सा सेवाएं, राइटिंग एंड कॉन्टेंट डेवेलपमेंट, कानूनी सेवाएं, बौद्धिक सम्पदा अनुसंधन, डाटा विश्लेषण, नेटवर्क मैनेजमेंट तथा प्रशिक्षण एवं सलाह जैसे विशेषज्ञता वाले क्षेत्रों में काम किया जाता है.

अतः केपीओ में जॉब के लिए आपको क्षेत्र विशेष का ज्ञाता होना चाहिए.

पदार्पण

ऐसे छात्र जिन्होंने अपनी स्कूल की पढ़ाई पूरी कर ली है तथा पार्ट–टाइम जॉब की तलाश कर रहे हैं, उनके लिए बीपीओ सबसे अच्छा विकल्प है. आप वहां कस्टमर सपोर्ट एग्जीक्यूटिव, टेक्नीकल सपोर्ट एग्जीक्यूटिव अथवा प्रोसेस एग्जीक्यूटिव जैसे पदों पर शुरूआत में अपने जेब–खर्चे के लायक एक अच्छी–खासी सैलेरी प्राप्त कर सकते हैं.

कॉलेज के दिनों से ही बीपीओ ज्वाइन करने पर आपको अल्पावस्था में ही वास्तविक दुनिया की चुनौतियों से निपटने का साहस एवं समझ विकसित हो जाती है. वहीं केपीओ में प्रवेश के लिए आपको आगे की पढ़ाई पूरी करनी होती है. इसके लिए आप अपनी परास्नातक उपाधि भी पूरी कर सकते हैं.

क्या यह मेरे लिए सही करियर है?

जो छात्र चुनौती लेना पसंद करते हैं उनके लिए बीपीओ सबसे अच्छा विकल्प है. ज्यादा घंटे काम करने के अलावा यहाँ काम को तय वक्त के भीतर पूरा करने का दबाव भी रहता है. चूंकि यहाँ टाइमिंग्स बहुत ही विषम होती हैं तो आपको अपनी दिनचर्या की कुर्बानी देने के लिए सदैव तैयार रहना चाहिए. परन्तु यहाँ विकास की रफ्तार कई उद्योगों से ज़्यादा है.

रोजगार के अवसर

आज यूएस और यूके जैसे देश भारत, बांग्लादेश, पाकिस्तान व अन्य एशियाई देशों में जॉब आउटसोर्स करना पसंद करते हैं जिसकी वजह से बीपीओध्केपीओ में अच्छी संभावनाएं हैं. यदि आप फ्रेशर हैं तो आप इंटरनेट के द्वारा विभिन्न जॉब साइट्स पर बीपीओ प्रोसेस जॉब सर्च कर सकते हैं .और यदि आप आईटी अथवा किसी अन्य क्षेत्र के अनुभवी व्यक्ति हैं और बीपीओध्केपीओ ज्वाइन करना चाहते हैं तो आपके लिए इन विभागों में अवसर हो सकते हैं– ऑपरेशंस मैनेजमेंट, कॉन्टेंट मैनेजमेंट, रिसर्च एंड एनालिटिक्स, कानूनी सेवाएं, प्रशिक्षण एवं परामर्श तथा डाटा एनालिटिक्स इत्यादि.

वेतनमान

बीपीओ कर्मचारी का शुरूआती वेतन 7000 से 20000 रूपये मासिक तक हो सकता है. काम की जटिलता एवं शिफ्ट को देखकर ही इस क्षेत्र में वेतन तय किया जाता है. फिर भी एक बात तो तय है की इस क्षेत्र में करियर बहुत तेजी से आगे बढ़ता है. यहाँ आप बहुत ही थोड़े समय के पश्चात ही एक टीम या एक समूह को नेतृत्व भी प्रदान कर सकते हैं. इसके लिए केवल एक चीज की आवश्यकता होती है वह है अच्छा प्रदर्शन.

यदि आप जॉब के साथ विदेश जाने का मौका प्राप्त करना चाहते हैं तो आपको अपनी शिक्षा पूरी करके केपीओ में आवेदन करना चाहिए. वहीं बीपीओ में विदेश जाने के बहुत कम अवसर होते हैं.

मांग एवं आपूर्ति

बीपीओ कर्मचारियों की मांग हमेशा बनी रहती है. उदाहरण के तौर पर, यूएस व यूके के प्रकाशकों के काम के लिए कम्पनियां डाटा एंट्री ऑपरेटर, शिपमेंट एग्जीक्यूटिव, वेब डिजाईनर और ग्राफिक डिजाईनर को नौकरी पर रखती हैं जिसके लिए साधरणतः डिप्लोमा अथवा मल्टीमीडिया में सर्टिफिकेट कोर्स की आवश्यकता होती है. कम्प्यूटर साइंस में इंजीनीयरिंग की डिग्री न होने के बावजूद भी आपको बीपीओ में नौकरी मिल सकती है. अतः इस क्षेत्र में आपूर्ति मांग के लगभग अनुरूप ही है.

दूसरी तरफ केपीओ में जॉब के लिए आपको उच्च शिक्षित होना पड़ेगा.इस क्षेत्र में मांग अधिक है परन्तु आपूर्ति कम है चूंकि उच्च शिक्षा प्राप्त व्यक्तियों की देश में कमी है.

मार्केट वॉच

सम्पूर्ण विश्व में बाजार का वैश्वीकरण होने के कारण कम से कम आगे आने वाले दस वर्षों में तो इस क्षेत्र की विकास की रफ्तार कम होने वाली नहीं है. इसकी वजह से आज घर से काम करने के कई विकल्प मौजूद हैं.

अंतर्राष्ट्रीय प्रदर्शन

एशियाई देशों में श्रम की कीमत कम होने की वजह से प्रकाशन, सूचना तकनीक, ज्ञान प्रबंधन, वित्तीय एवं कानूनी सेवा प्रदान करने वाली विश्व की चोटी की कम्पनियाँ इन देशों को जॉब आउटसोर्स कर रही हैं. ऐसे में ऐसे युवा जो गाँव से शहर में काम की तलाश में आते हैं, उनके लिए इस क्षेत्र ने अवसरों के द्वार खोल दिए हैं. परिणामस्वरूप, युवा न केवल खुद अपने पैरों पर खड़े होकर चीजों को आर्थिक द्रष्टि से देखने लगे हैं बल्कि अपने परिवारों को भी आर्थिक सहायता प्रदान करने लगे हैं.

अब तो एशियाई देश जैसे जापान और कोरिया भी भारत में जॉब आउट सोर्स करने लगे हैं.

सकारात्मक

इस क्षेत्र में अवसर कई हैं. बीपीओ में प्रवेश करने के लिए आपके पास विकल्पों की कमी नहीं है.

इस क्षेत्र के विकास ने एसिया के कई देशों में विकास की रफ्तार तेज कर दी है .

वर्षों को गरीबी में रहने वाले कई परिवारों की रोजी–रोटी का इंतजाम इस क्षेत्र ने किया है.

नकारात्मक

बीपीओ/केपीओ में काम का दबाव बहुत अधिक होता है. कई व्यक्तियों के निद्रा–चक्र में गड़बड़ी होने की वजह से चिकित्सकीय मार्गदर्शन की जरुरत पड़ जाती है.

अपेक्षाकृत कम लचीले टाइमिंग्स व कार्य की मात्रा को देखते हुए वेतनमान कम होता है. जिससे कर्मचारी कई बार शोषित महसूस करते हैं. देश में अभी तक बीपीओध्केपीओ के लिए कोई कानून न होने वजह से कर्मचारी की प्रतिष्ठा और आत्म–सम्मान को कम्पनियां ताक पर रख देती हैं .यहाँ हमेशा जॉब जाने का खतरा बना रहता है जिससे व्यक्ति का करियर अस्थिर हो जाता है.

भूमिका और पदनाम

केपीओ प्राथमिक तौर पर बीपीओ का ही एक अंग है परन्तु इसके लिए उच्च शैक्षिक प्रष्ठभूमि की आवश्यकता के चलते इसको अलग से वर्गीकृत किया जाने लगा है. दोनों क्षेत्रों के कार्य उनकी जटिलता, वेतन और प्रकृति के अनुसार भिन्न होते हैं.

अग्रणी कंपनिया

सूचना तकनीक क्षेत्र की उद्योग नियामक संस्था नास्कॉम के अनुसार, टॉप–10 बीपीओ कम्पनियां क्रमानुसार है– जेनपैक्ट, डब्ल्यूएनएस ग्लोबल, आईबीएम दक्ष, आदित्य बिरला मिनेक्स वर्ल्डवाइड, टीसीएस बीपीओ, विप्रो बीपीओ, फर्स्ट सोर्स, इनफोसिस बीपीओ, एचसीएल बीपीओ तथा ईएक्सएल सर्विस होल्डिंग.

रोजगार प्राप्त करने के लिए कुछ सुझाव

किसी आउटसोर्सिंग कम्पनी में नौकरी पाने के लिए निम्न बातों को ध्यान में रखना जरूरी है. बिना झिझक के दिन–रात तथा लम्बे वर्किंग आवर्स में काम करने के लिए हमेशा तैयार रहे.

पहले कुछ वर्षों में अपना सारा ध्यान एक स्तर उठकर टीम–लीडर बनने पर लगायें तथा उसके बाद ऑपरेशन मैनेजर बनने के लिए कोशिश करें. ऑपरेशंस मैनेजर बनने के पश्चात किसी दूसरी कंपनी में बेहतर अवसरों को तलाशें.

शुरूआत में 9000 से 12000 वेतन पर ज्वाइन कर लें तथा इसके बाद आगे बढें.

यदि आप उच्च शिक्षित हैं तथा उत्कृष्ट दर्जे की संवाद क्षमता रखते हैं तो आप ज़्यादा वेतन की मांग भी कर सकते हैं. परन्तु यदि आप बहुत ही कम वेतन पर ज्वाइन करते हैं तो आप शोषण का शिकार भी हो सकते हैं.